THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 96 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ शु.7 2082 बुधवार, 2 जुलाई-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ※ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक कदम : पहली बार स्टाफ के लिए आरक्षण नीति लागू

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने ऐतिहासिक कदम उठाते हुए 75 साल के इतिहास में पहली बार स्टाफ के लिए आरक्षण नीति लागू की है। इसके तहत अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों को सुप्रीम कोर्ट के गैर न्यायिक पदों पर नियुक्तियों और प्रमोशन में आरक्षण का लाभ मिलेगा। सुप्रीम कोर्ट में आरक्षण नीति 23 जून 2025 को लागू हुई। यह भारत के सर्वोच्च न्यायालय में प्रशासनिक कामकाज में बड़े बदलाव का संकेत है। जजों पर आरक्षण लागू नहीं होगा और सिर्फ रजिस्ट्रार, वरिष्ठ निजी सहायक, सहायक लाइब्रेरियन, जूनियर कोर्ट सहायक, चैंबर अटेंडेंट आदि पदों पर आरक्षण लागू होगा।

मृतकों के परिवार को 1 करोड़

> गंभीर घायलों को 10 लाख, आंशिक घायलों को 5 लाख रुपये अनुग्रह राशि मिलेगी

राहत एवं बचाव कार्यों में विभागों के बीच समन्वय के लिए विशेष अधिकारी

> मुख्यमंत्री ने अग्नि दुर्घटना पर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए > दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जायेगी

संगारेड्डी, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने घोषणा की है कि संगारेड्डी जिले के मच्छामैलारम औद्योगिक क्षेत्र में हुई भीषण अग्नि दुर्घटना में प्रत्येक मृतक के परिवार को एक करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि प्रदान की जाएगी। गंभीर रूप से घायलों को 10 लाख रुपये तथा आंशिक रूप से घायलों को 5 लाख रुपये की अनुग्रह राशि प्रदान की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि तत्काल सहायता के रूप में पीड़ितों के शोक संतप्त परिवारों को एक लाख रुपये तथा घायलों को 50,000 रुपये की सहायता राशि दी जाएगी। मुख्यमंत्री रेड्डी ने राज्य के मंत्रियों डी श्रीधर बाबू और पी श्रीनिवास रेड्डी के साथ औद्योगिक क्षेत्र में भीषण आग दुर्घटना स्थल का दौरा किया और अधिकारियों के साथ बचाव कार्यों की समीक्षा की। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि आग दुर्घटना में 36 लोगों की मौत हो गई है। 143 लोगों में से 58 की पहचान कर ली गई है और लापता लोगों की तलाश के लिए बचाव अभियान जोरों पर है। घायलों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए अधिकारियों को निर्देश देते हुए सीएम रेड्डी ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के दो तेलुगु राज्यों में कभी इतनी बड़ी आग दुर्घटना नहीं हुई। घटना को लेकर गंभीर सीएम ने अधिकारियों को जिम्मेदार लोगों की पहचान करने और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आदेश दिया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को घटना पर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का भी आदेश दिया। सीएम ने इस बात पर जोर दिया कि अधिकारियों को ऐसी बड़ी आग दुर्घटनाओं को रोकने के लिए कमियों की पहचान करने के लिए रासायनिक कंपनियों में निरीक्षण करना चाहिए और कंपनियों में किए गए सुरक्षा उपायों पर तुरंत रिपोर्ट प्रस्तुत करनी चाहिए। बैठक के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए सीएम रेड्डी ने कहा कि हम घटना के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान करेंगे और कड़ी कार्रवाई करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए राज्य सरकार पारदर्शी नीति लाएगी। उन्होंने अधिकारियों को आग दुर्घटनाओं को रोकने के लिए समय-समय पर कंपनियों का निरीक्षण करने के आदेश दिए हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता देने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि शवों को शोक संतप्त परिवारों को सौंपने की व्यवस्था की जा रही है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि पहले पीड़ित परिवारों को तत्काल आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी और उसके बाद उन्हें अनुग्रह राशि दी जाएगी। राज्य सरकार घायलों की चिकित्सा देखभाल का पूरा खर्च वहन करने के लिए भी तैयार है। अधिकारियों को पीड़ितों के बच्चों को सरकारी आवासीय विद्यालयों में प्रवेश दिलाने के भी आदेश दिए गए हैं। बाद में मुख्यमंत्री ने पठानचेरूवु के एक अस्पताल में घायलों से मुलाकात की और उपचार करा रहे पीड़ितों को सांत्वना दी।

सिगाची विस्फोट के बाद नवविवाहित तेलुगु जोड़ा लापता, तलाश जारी

संगारेड्डी, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सिगाची क्लोरो केमिकल्स लिमिटेड में सोमवार को ड्यूटी पर आए युवा तेलुगु दंपत्ति का पशमिलाराम औद्योगिक क्षेत्र स्थित रिएक्टर विस्फोट के 24 घंटे बाद भी कोई पता नहीं चल पाया है। उनकी पहचान निखिल रेड्डी (30) और श्री राम्या (28) के रूप में हुई है, जो आंध्र प्रदेश के कडप्पा जिले के जम्मालामदुगु के मूल निवासी हैं। शादी के बाद लंबे समय तक छुट्टी लेने के बाद दोनों ने तीन दिन पहले ही काम पर वापसी की है। वैसे तो यह जोड़ा आम तौर पर अलग-अलग शिफ्ट में काम करता था, लेकिन उस दिन वे दोनों एक ही समय पर काम पर पहुंचे। फैक्ट्री परिसर में घुसने के एक घंटे से भी कम समय बाद धमाका हुआ। गहन तलाशी अभियान के बावजूद मंगलवार शाम तक उनके शवों का पता नहीं चल सका था, जिससे परिवार के सदस्य और सहकर्मी उनके भाग्य की पुष्टि के लिए उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहे थे।

जगन रेड्डी को कोर्ट से राहत

> पूर्व सीएम के खिलाफ कार्यवाही पर लगी रोक

अमरावती, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने मंगलवार को एक अंतरिम आदेश में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के प्रमुख वाईएस जगन मोहन रेड्डी के खिलाफ दो हफ्तों के लिए सभी कानूनी कार्यवाहियों और जांच पर रोक लगा दी है। यह मामला हाल ही में पालनाडु जिले के रेंटापल्ला गांव में एक पार्टी समर्थक की मौत से जुड़ा है।

जगन मोहन रेड्डी 18 जून को रेड्डी रेंटापल्ला गांव गए थे, जहां उन्होंने पार्टी नेता के परिवार से मुलाकात की थी, जिसने एक साल पहले आत्महत्या कर ली थी। आरोप है कि कि उस नेता को टीडीपी नेताओं और पुलिस की कथित प्रताड़ना के कारण आत्महत्या करनी पड़ी थी। वहीं पुलिस का आरोप है कि गांव जाते समय वाईएसआरसीपी समर्थक सी. सिंगैया कथित तौर पर रेड्डी के काफिल के वाहन के नीचे आ गए। इस दुर्घटना में सिंगैया की मौत हो गई। पुलिस ने इस घटना में पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने वाहन चालक को आरोपी नंबर 1 और जगन रेड्डी को आरोपी नंबर 2 बताया है। पूर्व मुख्यमंत्री के वकील पोंनवलु सुधाकर रेड्डी ने बताया, कोर्ट ने आगे की सभी कार्यवाहियों पर रोक लगा दी है और मामले की अगली सुनवाई दो हफ्तों बाद होगी।

दो हफ्ते बाद होगी सुनवाई :

सुधाकर रेड्डी के मुताबिक, हाईकोर्ट ने इस मामले में जांच पर भी दो हफ्तों के लिए रोक लगाई है। 27 जून को हाईकोर्ट ने पुलिस को 1 जुलाई तक रेड्डी के खिलाफ कोई कार्रवाई न करने का आदेश दिया था। आज अदालत ने इस मामले की सुनवाई दो हफ्ते बाद के लिए तय कर दी है।

भारत-पाक ने एक-दूसरे की जेलों में बंद अपने नागरिकों की सूची का किया आदान-प्रदान

सरकार ने दी जानकारी

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान ने मंगलवार एक-दूसरे की जेलों में बंद नागरिक कैदियों और मछुआरों की सूची का आदान-प्रदान किया। नई दिल्ली और इस्लामाबाद में यह आदान-प्रदान राजनयिक माध्यमों से एक साथ किया गया। विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी दी।

विदेश मंत्रालय ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि यह प्रक्रिया साल 2008 के द्विपक्षीय कांसुलर एक्सेस समझौते के तहत होती है। इस समझौते के अनुसार, हर साल एक जनवरी और एक जुलाई को ऐसी सूचियों का आदान-प्रदान किया जाता है। विज्ञप्ति के मुताबिक, भारत ने पाकिस्तान को अपने पास मौजूद 382 नागरिक कैदियों और 81 मछुआरों के नामों की सूची दी, जो पाकिस्तानी हैं या जिन्हें पाकिस्तानी माना जाता है। वहीं, पाकिस्तान ने भारत को 53 नागरिक कैदियों और 193 मछुआरों के नामों की सूची दी, जो भारतीय हैं या जिन्हें भारतीय माना जाता है। भारत सरकार ने पाकिस्तान से आग्रह किया है कि वह भारतीय नागरिक कैदियों, मछुआरों और उनके साथ पकड़ी गई नावों को जल्द रिहा करके भारत भेजे। इसके अलावा, भारत ने पाकिस्तान से मांग की है कि वह 159 भारतीय मछुआरों और नागरिक कैदियों की जल्द रिहाई करे, जिनकी सजा पूरी हो चुकी है। साथ ही, पाकिस्तान की हिरासत में मौजूद 26 भारतीय माने जा रहे कैदियों और मछुआरों को अब तक काउंसुलर एक्सेस नहीं मिला है- भारत ने उनके लिए भी तुरंत संपर्क की अनुमति मांगी है। भारत ने यह भी कहा है कि उनकी रिहाई तक पाकिस्तान को उनकी सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करनी चाहिए।

भारत सरकार ने कहा कि वह मानवीय मामलों को प्राथमिकता के साथ हल करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें एक-दूसरे के देश में बंद कैदी और मछुआरे भी शामिल हैं। इसी क्रम में, भारत ने पाकिस्तान से अपील की है कि वह 80 ऐसे लोगों की नागरिकता की पुष्टि जल्द करे, जिन्हें भारत ने पाकिस्तानी माना है और जिनकी वापसी इस पुष्टि के अभाव में रुकी हुई है।

प्रियांक खड़गे बोले-केंद्र में आए तो आरएसएस को बैन करेंगे

> संघ धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद के खिलाफ

बेंगलुरू, 1 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता प्रियांक खड़गे ने सोमवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि अगर केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनती है, तो आरएसएस पर बैन लगाया जाएगा। प्रियांक ने आरएसएस पर धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद के खिलाफ काम करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने पहले भी दो बार आरएसएस पर बैन लगाया था और अब उन्हें उसे हटाने का अफसोस है। उनके मुताबिक, संघ हमेशा समानता और आर्थिक न्याय के विरोध में रहा है।

प्रियांक खड़गे कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे हैं और अभी कर्नाटक सरकार में मंत्री हैं। पहले भी आरएसएस को बैन करने की बात कर चुके हैं। 2 साल उन्होंने कर्नाटक में आरएसएस को बैन करने की बात कही थी। प्रियांक खड़गे ने आरएसएस भाजपा से देश को लेकर कोई सवाल नहीं पूछती। प्रियांक ने कहा कि आरएसएस अपनी राजनीतिक पार्टी भाजपा से ये सवाल क्यों नहीं पूछती कि देश में बेरोजगारी क्यों बढ़ रही है और पहलगाम में आतंकी हमला कैसे हुआ, ये किसकी चूक थी। यह प्रश्न न पूछकर संघ के लोग समाज में नफरत फैलाने का काम कर रहे हैं। प्रियांक ने कहा कि सरकार आज ईडी, आईटी समेत सभी जांच एजेंसियों को कंट्रोल कर रही है और विपक्ष के नेताओं पर छापा पड़वाती है। लेकिन ये क्या सिर्फ विपक्ष के लिए हैं, सरकार आरएसएस की जांच क्यों नहीं करती, आखिर उनके पास पैसा कहां से आ रहा हैं।

कांग्रेस में वन मैन शो नहीं :

प्रियांक ने सोमवार को भाजपा नेता तेजस्वी सूर्या के कांग्रेस के हाईकमान को भूत कहने पर पलटवार किया। उन्होंने एक्स पर तेजस्वी को जवाब देते हुए लिखा कि कांग्रेस में हाईकमान कोई "वन मेन शो" नहीं है, बल्कि लोकतंत्र है और उसकी पर संगठन काम करता है। खड़गे ने पूछा कि बीजेपी का हाईकमान कौन है? आपके ज्यादातर कार्यकर्ता तो राष्ट्रीय अध्यक्ष का नाम भी नहीं जानते। उनके लिए मोदी ही राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और शायद पंचायत सचिव तक हैं। खड़गे ने तेजस्वी सूर्या को चुनौती देते हुए कहा, अगर हिम्मत है तो साफ-साफ कहो कि मुझे आरएसएस की जरूरत नहीं, मेरे लिए मोदी जी और नड्डा जी ही हाईकमान हैं, हमेशा रहेंगे। अगर बिना कांपे कह सको तो फिर कांग्रेस पर बात करना।

'समाजवादी नहीं, असल में नमाजवादी हैं तेजस्वी'

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में इस साल के अंत तक विधानसभा के चुनाव होने है। इसको लेकर राजनीतिक पार्टियां अपनी-अपनी तैयारी भी तेज कर चुकी है। इसी बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और बिहार विधानसभा में नेता विपक्ष तेजस्वी यादव पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि तेजस्वी खुद को समाजवादी कहते हैं, असल में वे नमाजवादी हैं।

भाटिया ने आरोप लगाया कि ये लोग बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के बनाए संविधान को नहीं मानते, बल्कि शरीयत कानून लागू करना चाहते हैं। भाजपा नेता ने आगे पूरे इंडिया गठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि ये लोग सिर्फ एक समुदाय को ताकत देना चाहते हैं, न कि पिछड़े वर्गों, दलितों और महिलाओं को जैसा प्रधानमंत्री मोदी चाहते हैं।

'व्यापार चर्चा और भारत-पाक सीजफायर में संबंध नहीं'

> अमेरिकी उपराष्ट्रपति की पीएम मोदी से जब बात हुई, मैं भी उसी कमरे में था

वाशिंगटन, 1 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका दौर पर गए भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि अमेरिका के साथ व्यापार संबंधी चर्चा और भारत-पाकिस्तान सीजफायर के बीच कोई संबंध नहीं है। जयशंकर ने कहा- 9 मई की रात अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने पीएम मोदी से बात की थी। मैं भी उस दौरान उसी कमरे में था। वेंस ने चेतावनी दी थी कि पाकिस्तान भारत पर बड़े हमले की योजना बना रहा है। पीएम मोदी ने इसकी परवाह न करते हुए कहा था- हमले का जवाब दिया जाएगा।

विदेश मंत्री ने कहा- अगली सुबह (10 मई) अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने पीएम से संपर्क किया। कहा- पाकिस्तान बातचीत के लिए तैयार है। इसके बाद पाकिस्तान के डीजीएमओ मेजर जनरल काशिफ अब्दुल्ला ने भारत के डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई से संपर्क किया और सीजफायर की रिक्वेस्ट की थी। दरअसल, 10 मई को भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर की सबसे पहली सूचना अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने एक्स पोस्ट के जरिए दी थी। ट्रम्प ने कई मौके पर कहा है कि भारत-पाकिस्तान को व्यापार न करने की धमकी दी थी, इसके बाद दोनों देश सीजफायर के लिए माने।

कूटनीति और व्यापार संबंधी चर्चा पूरी तरह से अलग :

जयशंकर ने कहा-घटनाक्रम उस तरह से नहीं हुआ था। कूटनीति और व्यापार संबंधी चर्चा पूरी तरह से अलग हैं। मुझे लगता है कि व्यापार से जुड़े लोग वही कर रहे हैं जो उन्हें करना चाहिए, जैसे- नंबर, लाइनों, प्रोडक्ट्स और व्यापार समझौता। वे सभी इसके प्रोफेशनल हैं और फोकस्ड हैं।

जयशंकर ने कहा- भारत का रुख साफ है आतंकवादियों को किसी भी तरह से नहीं छोड़ा जाएगा। अब उन्हें प्रॉक्सी को तौर पर नहीं देखा जाएगा। आतंकियों को पालने वाली सरकारों को नहीं बख्शेंगे।

पहलगाम अटैक सोचा समझा आर्थिक युद्ध था :

चर्चा के दौरान जयशंकर ने कहा कि 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में हुआ आतंकी हमला सोचा समझा आर्थिक युद्ध था। इसका मकसद कश्मीर में पर्यटन उद्योग को बर्बाद करना था। यह हमला पर्यटन पर हमला था, जो कश्मीर की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। आतंकी चाहते थे कि लोग डरें, पर्यटक न आएं और घाटी का आर्थिक ढांचा टूट जाए। हमलावरों ने धार्मिक पहचान के आधार पर लोगों को अलग किया और फिर हत्या की, ताकि सांप्रदायिक तनाव फैल सके।

भारत अब न्यूक्लियर हथियारों की धमकी से डरने वाला नहीं :

जयशंकर ने कहा कि पाकिस्तान से आने वाले आतंकवाद का भारत करारा जवाब देगा।

'सीईसी में हो सकता है हितों का टकराव'

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। 60 पूर्व नौकरशाहों के एक समूह ने देश के मुख्य न्यायाधीश को एक चिट्ठी लिखी है। इस चिट्ठी में पूर्व नौकरशाहों ने दावा किया है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्ति सीईसी (सेंट्रल एंपावर्ड कमेटी) में वन संरक्षण संशोधन कानून, 2023 को चुनौती देने वाले मामले में हितों का टकराव हो सकता है। 30 जून को लिखी गई चिट्ठी में पूर्व सचिवों, राजदूतों, पुलिस अधिकारियों, वन अधिकारियों के हस्ताक्षर हैं।

हितों के टकराव की आशंका :

चिट्ठी में कहा गया है कि सीईसी के चार सदस्यों में से तीन पूर्व वन सेवा के अधिकारी हैं और एक सेवानिवृत्त वैज्ञानिक हैं। ये चारों पूर्व में कई वर्षों तक पर्यावरण मंत्रालय में काम कर चुके हैं। सीईसी को दो सदस्य तो हाल ही में पर्यावरण मंत्रालय से डायरेक्टर जनरल ऑफ फॉरेस्ट और विशेष सचिव के पद से रिटायर हुए हैं। चिट्ठी लिखने वाले अधिकारियों का कहना है कि सीईसी के सदस्य कुछ समय पहले तक पर्यावरण मंत्रालय में ही उच्च पदों पर काम कर रहे थे और नीतियां बनाने में शामिल रहे थे। ऐसे में अब उनसे निष्पक्ष रिपोर्ट की उम्मीद नहीं की जा सकती।

भारत समुद्री राष्ट्र था, है और रहेगा : नौसेना प्रमुख

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने भारत की प्राचीन समुद्री विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत की पहचान एक समुद्री राष्ट्र की रही है। उन्होंने कहा कि लगभग 6000 वर्ष पूर्व हड़प्पा कालीन लोथल जैसे बंदरगाह शहरों से लेकर आज तक, भारत की पहचान एक समुद्री राष्ट्र की रही है। गौरतलब है कि हड़प्पा कालीन लोथल एक प्रमुख बंदरगाह शहर था, जो सिंधु घाटी सभ्यता का हिस्सा था। यह गुजरात में स्थित है और इसे दुनिया का सबसे पुराना ज्ञात डॉकयार्ड माना जाता है। नौसेना प्रमुख, भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रोहतक के पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम के इंडक्शन और ओरिएंटेशन समारोह को संबोधित कर रहे थे। यहां उन्होंने गर्व के साथ कहा, भारत समुद्री राष्ट्र था, है और रहेगा। उन्होंने बताया कि भारत का 95 प्रतिशत व्यापार समुद्री मार्गों से होता है।

अरब सागर में फिर देवदूत बनी भारतीय नौसेना

> विदेशी टैंकर में लगी आग बुझाई > बचाई 14 भारतीयों की जान

अहमदाबाद, 1 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना ने एक बार फिर समुद्र में संकट की घड़ी में अपनी वीरता और तत्परता का परिचय दिया है। इसके तहत अरब सागर में एक विदेशी तेल टैंकर में लगी भीषण आग पर काबू पाते हुए नौसेना ने उस पर सवार 14 भारतीय क्रू मेंबर्स की जान बचाई। बता दें कि यह हादसा 29 जून को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के फुजैरा तट से लगभग 80 नॉटिकल मील पूर्व में समुद्र में हुआ। एमटी यी चेंग 6 नामक यह टैंकर पलाउ के झंडे के तहत चल रहा था। टैंकर के इंजन रूम में आग लग गई, जिसके बाद वहां मौजूद भारतीय क्रू ने मदद के लिए आपातकालीन संदेश भेजा। आग लगने की खबर भारतीय नौसेना को जैसे ही एसओएस संदेश मिला, युद्धपोत आईएनएस तबर को तुरंत अधिकतम गति से रवाना किया गया। आईएनएस तबर ने घटनास्थल पर पहुंचकर 7 क्रू मेंबर्स को अपने जहाज पर सुरक्षित रूप से निकाल लिया, जबकि शेष क्रू सदस्य और टैंकर के कप्तान ने वहीं रहकर आग बुझाने में मदद की। मामले में आईएनएस तबर से 6 सदस्यीय फायर फाइटिंग टीम ने तुरंत जहाज पर पहुंचकर आग पर काबू पाने की कोशिश शुरू की। प्रारंभिक प्रयासों में धुएं को इंजन रूम तक सीमित कर लिया गया। बाद में 13 और नौसैनिक (5 अफसर और 8 नाविक) भेजे गए, जिससे दमकल ऑपरेशन को मजबूती मिली।

भारतीय नौसेना ने बताया कि इस ऑपरेशन में किसी को कोई चोट नहीं आई और सभी 14 भारतीय क्रू मेंबर्स को मेडिकल टीम ने जांच कर सुरक्षित घोषित किया। आईएनएस तबर घटना स्थल के पास मौजूद है ताकि जरूरत पड़ने पर और मदद दी जा सके।

केंद्रीय कैबिनेट के अहम फैसले

एम्प्लॉयमेंट लिंक्ड इन्सेंटिव योजना को मंजूरी

> नई खेल नीति-2025 को भी हरी झंडी

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। मोदी सरकार ने देश में रोजगार और उद्योग को बढ़ावा देने के लिए बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि केंद्रीय कैबिनेट ने 1.07 लाख करोड़ रुपये के एम्प्लॉयमेंट लिंक्ड इन्सेंटिव (ईएलआई) स्कीम को मंजूरी दे दी है। यह योजना खासतौर पर मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर पर फोकस करेगी। सरकार का मानना है कि इन योजनाओं से देश में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को मजबूती मिलेगी और शोध को भी बढ़ावा मिलेगा।

केंद्रीय मंत्री ने आगे बताया कि इस योजना के दो हिस्से होंगे। पहला हिस्सा उन लोगों के लिए होगा जो पहली बार रोजगार शुरू कर रहे हैं। वहीं, दूसरा हिस्सा लगातार रोजगार देने वाली कंपनियों को समर्थन देने के लिए होगा। इसके अलावा सरकार ने 1 लाख करोड़ रुपये के रिसर्च डेवलपमेंट और इनोवेशन स्कीम, राष्ट्रीय खेल नीति 2025 और परमकुडी-रामनाथपुरम नेशनल हाईवे के चार लेन बनाने के लिए 1,853 करोड़ रुपये की मंजूरी भी दी है।

नई खेल नीति 2025 को मंजूरी :

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंगलवार को एक व्यापक खेलो भारत नीति, 2025 को मंजूरी दे दी है। जिसका उद्देश्य 2047 तक भारत को शीर्ष पांच खेल राष्ट्रों में से एक बनाना है। कैबिनेट द्वारा लिए गए निर्णयों के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खेलों पर ध्यान केंद्रित किया है, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाओं को आगे लाने के लिए प्रयास किए हैं। उन्होंने कहा कि नई नीति इसी प्रयास का हिस्सा है। मंत्री ने कहा कि दूसरा मुख्य उद्देश्य खेलों को "जन आंदोलन" बनाना है।

दिल्ली स्टेशन का नाम महाराजा अग्रसेन रखा जाए

सीएम रेखा गुप्ता ने रेल मंत्री को लिखा पत्र

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन का नाम बदलने की मांग उठी है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर कहा है कि पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर 'महाराजा अग्रसेन रेलवे स्टेशन' रखा जाए।

सीएम रेखा गुप्ता का कहना है कि महाराजा अग्रसेन समाज सेवा और न्याय के लिए जाने जाते हैं, इसलिए उनके नाम पर स्टेशन का नाम रखना उचित होगा। यह जानकारी भारतीय जनता पार्टी के दो वरिष्ठ नेताओं ने दी है। मुख्यमंत्री द्वारा यह पत्र 19 जून को लिखा गया था ,जिसकी जानकारी और कॉपी अब सामने आई है। हालांकि, अभी तक रेलवे की तरफ से इस पर कोई जवाब नहीं आया है। पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन राजधानी के सबसे अहम स्टेशनों में से एक है।

‘मुझे बेवजह प्रताड़ित किया जा रहा है’

जल जीवन मिशन से जुड़े घूस मामले में मंत्री संपतिया उइके ने दी सफाई

भोपाल, 1 जुलाई (एजेंसियां)। जल जीवन मिशन से जुड़े 1000 करोड़ रुपये की घूस लेने के गंभीर आरोपों पर मंत्री संपतिया उइके ने सफाई दी है। मंत्री उइके ने कहा कि मैं जनता की सेवा कर रही हूं। इस मामले में मेरा जवाब मुख्यमंत्री देंगे। मुझे बेवजह प्रताड़ित किया जा रहा है।

हमारी सरकार भ्रष्टाचार मुक्त है और यदि किसी के खिलाफ कोई शिकायत आती है तो उसकी जांच जरूर होती है। मंत्री उइके ने बताया कि वह इस मुद्दे को कैबिनेट बैठक में भी उठाएंगी और प्रेस वार्ता कर एक-एक सवाल का जवाब देंगी।

क्या है मामला

दरअसल, मध्यप्रदेश की आदिवासी मंत्री संपतिया उइके पर जल जीवन मिशन से जुड़े 1000 करोड़ रुपये की घूस लेने के गंभीर आरोप लगे हैं। ये आरोप पूर्व विधायक किशोर समरीते ने लगाए हैं, जिनकी शिकायत के बाद प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने राज्य सरकार से रिपोर्ट मांगी है। इसके बाद मध्यप्रदेश सरकार ने खुद अपनी मंत्री के खिलाफ जांच शुरू कर दी है। अब पीएचई विभाग के अधिकारी पूरे मामले की रिपोर्ट तैयार कर रहे हैं।

पूर्व विधायक किशोर समरीते ने की शिकायत

यह गंभीर आरोप पूर्व विधायक किशोर समरीते द्वारा पीएम को भेजे गए पत्र से सामने आए हैं। 12 अप्रैल को भेजी गई इस शिकायत में कहा गया है कि मंत्री ने मिशन से एक हजार करोड़ की कमीशन वसूली की है। शिकायत में तत्कालीन प्रमुख अभियंता बीके सोनगरिया और उनके अकाउंटेंट महेंद्र खरे पर करोड़ों रुपए की घूसखोरी के आरोप लगाए गए हैं।

साथ ही बैतूल में कार्यपालन यंत्री पर बिना किसी कार्य के 150 करोड़ रुपये निकालने का आरोप। छिंदवाड़ा और बालाघाट में भी इसी तरह की अनियमितताएं। मुख्य अभियंता (मैकेनिकल) पर 2200 टेंडरों में बिना कार्य के राशि जारी करने का आरोप। और केंद्र सरकार को 7000 फर्जी कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र भेजने का दावा।

मुंबई में टूट सकती है महाविकास अघाड़ी कांग्रेस कर रही बड़े फैसले पर विचार

मुंबई, 1 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजनीति में बीते कई साल से लगातार नए बदलाव देखने को मिलते रहते हैं। इस बात का अंदाजा लगाना काफी मुश्किल रहता है कि कौन सा दल कब किसके साथ जा सकता है। अब बड़ी खबर सामने आई है कि मुंबई में महाविकास अघाड़ी टूट सकती है। जानकारी के मुताबिक, कांग्रेस आगामी बीएमसी चुनाव अकेले लड़ने पर विचार कर रही है। आइए जानते हैं कि कांग्रेस ये कदम क्यों उठाने जा रही है। दरअसल, शिवसेना यूबीटी पार्टी के प्रमुख उद्धव ठाकरे लगातार राज ठाकरे की मनसे के साथ गठबंधन करने के संकेत दे रहें हैं। उद्धव और राज ठाकरे की बढ़ती नजदीकी के बाद अब कांग्रेस अलर्ट हो गई है।

इसलिए अब कांग्रेस आगामी बीएमसी चुनाव अकेले लड़ने पर विचार कर रही है। ऐसे में माना जा रहा है कि मुंबई में महाविकास अघाड़ी टूट सकती है। बीएमसी चुनाव में अकेले उतरने को लेकर इस संदर्भ में मुंबई कांग्रेस के तमाम बड़े नेताओं से फीडबैक लिया गया है। ज्यादातर नेताओं का मानना है कि ठाकरे के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ने पर पार्टी को बहुत नुकसान होगा। मुंबई में पार्टी का वजूद बचाने के लिए ज्यादा से ज्यादा सीटों पर लड़ना चाहिए। 7 जुलाई तक संभवत

बेहतर इंतजाम और कड़ी सुरक्षा के साथ यात्रा होगी शुरू

राजमार्ग पर तैनात के-9 दस्ते; सीएम उमर

श्रीनगर, 1 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने एसकेआईसीसी में कहा कि हमें और कश्मीरियों को बाबा बर्फानी के भक्तों का इंतजार है। यात्रियों के लिए बेहतर इंतजाम किए गए हैं। हमारी दुआ है कि भक्तों की यात्रा सफल हो और वह सुरक्षित अपने घरों की ओर लौटें। उमर ने कहा, हमने तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की हैं।

एलजी ने दो बैठकों की अध्यक्षता की, एक राजनीतिक दलों के साथ और दूसरी नागरिक समाज के साथ। सभी आवश्यक सुरक्षा व्यवस्थाएं की गई हैं, और हम तीर्थयात्रियों के आने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यात्रा 2 जुलाई को जम्मू से रवाना होगी, और उनका यहां स्वागत किया जाएगा हम दुआ करते हैं कि यात्रा सफल हो, तीर्थयात्री बड़ी संख्या में आएं, प्रार्थना करें और सुरक्षित वापस जाएं। यात्रा आधिकारिक तौर पर 3 जुलाई को बालटाल और पहलगाम दोनों मार्गों से शुरू होगी। अमरनाथ यात्रा से पहले, सीआरपीएफ (केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल) ने तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक मजबूत बहुस्तरीय सुरक्षा योजना शुरू की है। जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग हजारों तीर्थयात्रियों के लिए महत्वपूर्ण मार्गों में से एक है। सीआरपीएफ ने निगरानी बढ़ा दी है, राजमार्ग पर अपने कर्मियों के साथ के-9 दस्ते तैनात किए हैं।

प्रियदर्शिनी मट्टू हत्याकांड

समय पूर्व रिहाई की याचिका पर हुई सुनवाई अदालत ने कहा-सजा बोर्ड फिर से विचार करे

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। प्रियदर्शिनी मट्टू मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को दोषी की समयपूर्व रिहाई की याचिका खारिज करने का फैसला रद्द किया। साथ ही कोर्ट ने सजा बोर्ड से फिर से विचार करने को कहा है। संतोष कुमार सिंह 1996 में कानून की छात्रा प्रियदर्शिनी मट्टू से दुष्कर्म और हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहा है। जस्टिस संजीव नरूला ने 14 मई को सिंह की याचिका पर आदेश सुरक्षित रखा था।

संतोष कुमार सिंह ने 2023 में दायर अपनी याचिका में दिल्ली जेलों की सजा समीक्षा बोर्ड (एसआरबी) की उस सिफारिश को रद्द करने की मांग की थी, जिसमें 21 अक्टूबर, 2021 को हुई बैठक में उनकी समय पूर्व रिहाई को खारिज कर दिया गया था। सिंह के वरिष्ठ वकील मोहित माथुर ने तर्क दिया था कि उनके मुवक्किल को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी और वह छूट सहित 25 वर्षों से अधिक समय तक जेल में रह चुके हैं। माथुर ने कहा था कि उनके मुवक्किल का आचरण संतोषजनक रहा है, जो उनके सुधार का संकेत देता है और भविष्य में अपराध करने की उनकी संभावना पूरी तरह समाप्त हो चुकी है। उन्होंने यह भी बताया कि सिंह कई वर्षों से ओपन जेल में हैं और समाज के लिए एक उपयोगी सदस्य बन सकते हैं। अदालत के संज्ञान में यह भी आया कि 18 सितंबर, 2024 को हुई एक अन्य एसआरबी बैठक में सिंह के मामले को फिर से समय पूर्व रिहाई के लिए खारिज कर दिया गया।

25 वर्षीय प्रियदर्शिनी मट्टू का जनवरी 1996 में बलात्कार और हत्या कर दी गई थी। संतोष कुमार सिंह, जो दिल्ली विश्वविद्यालय के कानून के छात्र थे, को 3 दिसंबर, 1999 को ट्रायल कोर्ट ने बरी कर दिया था। हालांकि, दिल्ली हाईकोर्ट ने 27 अक्टूबर, 2006 को इस फैसले को पलटते हुए उन्हें बलात्कार और हत्या का दोषी ठहराया और मृत्युदंड की सजा सुनाई।

कुछ दिन पहले आई नौकरानी ने लाखों के गहने और कैश पर किया हाथ साफ

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। साउथ ईस्ट दिल्ली के जंगपुरा इलाके में एक चौंकाने वाली चोरी की घटना सामने आई है, जहां घर के मालिक के भरोसे को तोड़ते हुए एक नौकरानी ने घर मे रखे लाखों रुपये के गहने और कैश पर हाथ साफ कर डाला। लेकिन कानून के शिकंजे से वह ज्यादा देर तक बच नहीं पाई और पुलिस ने गाजियाबाद स्थित उंसके घर पर छापेमारी कर उसे दबोच लिया।

इस मामले में पुलिस ने भोगल के एक जौहरी को भी गिरफ्तार किया है, जिसने नौकरानी से चोरी के गहने खरीदे थे। डीसीपी ऐश्वर्या शर्मा ने बताया कि, इस मामले में गिरफ्तार आरोपियों की पहचान, गाजियाबाद के लोनी की रहने वाली मीनाक्षी (37), और भोगल के जौहरी प्रमोद गुप्ता (65) के रूप में हुई है। उनके कब्जे से पुलिस ने ढाई लाख रुपये नकद, सोने की 05 चूड़ियां, 01 सोने की चेन, 02 सोने के पेंडेंट, 01 जोड़ी सोने की बालियां और 13 विदेशी करेंसी नोट बरामद किए गए हैं।

जेल में बंद गैंगस्टर नीरज बवानिया को एक दिन की कस्टडी पैरोल मिली

आईसीयू में एडमिट है पत्नी

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। तिहाड़ जेल में बंद गैंगेस्टर नीरज बवानिया से जुड़ी बड़ी खबर सामने आई है। नीरज बवानिया को एक दिन की कस्टडी पेरोल मिली है। नीरज की पत्नी काफी बीमार है, जिसको देखने के लिए मंगलवार को नीरज को तिहाड़ जेल से सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक की पेरोल मिली है। नीरज की पत्नी आरएलकेसी मेट्रो हॉस्पिटल, पांडव नगर में आईसीयू में भर्ती है। नीरज सहरावत, जिसे नीरज बवानिया के नाम से जाना जाता है, दिल्ली-एनसीआर का एक कुख्यात अपराधी है, जिसे लोग दिल्ली का दाऊद भी कहते हैं। वह दिल्ली के बवाना गांव का मूल निवासी है और अपने गांव के नाम को अपने उपनाम के रूप में इस्तेमाल करता है। वर्तमान में वह तिहाड़ जेल में बंद है, लेकिन जेल की सलाखों के पीछे से भी अपने आपराधिक नेटवर्क को संचालित करता है। नीरज ने 2004 में, लगभग 18 वर्ष की आयु में अपराध की दुनिया में प्रवेश किया। शुरू में वह छोटे-मोटे अपराध जैसे छिनैती और मारपीट में शामिल था, लेकिन जल्द ही उसने हत्या, फिरौती, और अवैध वसूली जैसे गंभीर अपराधों में अपनी पकड़ बनाई।

उसका गैंग दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, पंजाब और राजस्थान में सक्रिय है, जिसमें 100 से अधिक अपराधी और कई प्रशिक्षित शार्प शूटर शामिल हैं। गैंग के पास अत्याधुनिक हथियार, जैसे अमेरिकी ऑटोमैटिक बंदूकें, होने की भी जानकारी है।

मेघालय में प्रेमिका की गला रेतकर हत्या की पिता के सामने ही दिया वारदात को अंजाम

शिलांग, 1 जुलाई (एजेंसियां)। मेघालय के पूर्वी पश्चिमी खासी हिल्स जिले में एक 25 वर्षीय शख्स को अपनी प्रेमिका की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि शख्स ने प्रेमिका के पिता के सामने ही गला रेतकर उसकी हत्या कर दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि घटना सोमवार शाम को हुई, जब महिला अपने पिता के साथ मैरांग पिंडेंगुमियोंग गांव के एक बाजार में खेतों से उपजी फसल बेचने गई थी।

मृतक की पहचान मावखाप गांव निवासी फिरनेलिन खारसिंटिव के रूप में हुई है। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आरोपी उनके पास आया और महिला से बहस करने लगा। अधिकारी ने कहा, 'अचानक, उस व्यक्ति ने अपनी प्रेमिका का गला रेत दिया। महिला को तुरंत मैरांग सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।' वारदात कसे अंजाम देने के बाद आरोपी ने मौके से फरार होने की कोशिश की। हालांकि, स्थानीय लोगों ने आरोपी को पकड़ लिया और बाद में उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। अधिकारी ने कहा कि पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

उन्होंने कहा, 'हत्या के पीछे का मकसद आपसी विवाद लग रहा है, लेकिन सभी पहलुओं पर गौर किया जा रहा है।' महिला के पिता ने कहा कि व्यक्ति ने बेटी की हत्या करके अपना गुस्सा निकाला, क्योंकि वह रिश्ता जारी नहीं रखना चाहती थी। इस घटना से जिले में आक्रोश फैल गया है। स्थानीय लोगों ने महिला के लिए न्याय की मांग की है।

रासायनिक टैंकर ने अज्ञात वाहन को टक्कर मारी

ठाणे, 1 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे शहर में मंगलवार तड़के रसायन से लदे एक टैंकर की एक अज्ञात वाहन से टक्कर हो गई। इससे मार्ग पर यातायात प्रभावित हुआ। ठाणे नगर निगम के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन तड़वी ने बताया कि टैंकर चालक अपने केबिन में फंस गया था और बाद में दमकल कर्मियों ने उसे बचा लिया। उन्होंने बताया कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। गुजरात से ठाणे के डोंबिवली जा रहे टैंकर में 24 टन एनिलिन रसायन भरा हुआ था।

पुलिस ने कहा कि चालक ने टैंकर पर नियंत्रण खो दिया और यह ठाणे से कल्याण फाटा मार्ग पर आगे जा रहे एक अज्ञात वाहन से टकरा गया। टैंकर का केबिन क्षतिग्रस्त हो गया और चालक अंदर फंस गया। हमारे अग्निशमन कर्मियों ने उसे लगभग 15 मिनट में बचा लिया।

मुंबई में एमएनएस कार्यकर्ताओं की गुंडागर्दी

मराठी न बोलने पर होटल कर्मचारी को जमकर पीटा

मुंबई, 1 जुलाई (एजेंसियां)। मुंबई में राज ठाकरे की पार्टी एमएनएस के कार्यकर्ताओं की गुंडागर्दी फिर से सामने आई है। मराठी न बोलने पर मीरा रोड में एक फ़ास्ट फ़ूड के कर्मचारी को जमकर पीटा गया है। उसे कई थप्पड़ मारे गए हैं। जानकारी के मुताबिक, मीरा रोड के बालाजी होटल में मनसे कार्यकर्ताओं ने कर्मचारी से मारपीट की है और उसे अपशब्द भी कहे हैं। ये सोमवार रात की घटना है। इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस घटना पर अब अन्य दलों का भी रिएक्शन सामने आया है। मुंबई में एमएनएस के कार्यकर्ताओं की गुंडागर्दी के मामले पर उद्धव ठाकरे की शिवसेना यूबीटी का भी रिएक्शन सामने आया है। पार्टी के विधायक सचिन अहीर ने कहा है कि मराठी के मुद्दे पर मारपीट करना सही नहीं है।

पर अगर कोई जानबूझ कर मगरूरी की भाषा कर मराठी बोलने से मना करता होगा तो वह भी गलत है। शरद पवार की एनसीपी ने भी राज ठाकरे की पार्टी की हरकत को गलत बताया है। वहीं, महाराष्ट्र सरकार में गृह राज्यमंत्री योगेश कदम ने कहा की महाराष्ट्र में हर भाषा का सम्मान होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कोई भी कानून हाथ में ना ले।

सरस्वती शुगर मिल को 50 करोड़ का नुकसान, 1.10 लाख क्विंटल चीनी खराब

यमुनानगर, 1 जुलाई (एजेंसियां)। यमुनानगर में लगातार हो रही तेज बारिश ने एशिया की सबसे बड़ी सरस्वती शुगर मिल को भारी नुकसान पहुंचाया है। बारिश का पानी और पास के नाले के ओवरफ्लो होने के कारण मिल के दो चीनी गोदामों में चार फीट तक गंदा पानी घुस गया, जिससे 2.20 लाख क्विंटल में से 1.10 लाख क्विंटल चीनी खराब हो गई। इससे मिल को करीब 50 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। इसके अलावा, गोदामों में घुसे पानी से मशीनरी भी क्षतिग्रस्त हो गई है। सरस्वती शुगर मिल के जनरल मैनेजर राजीव मिश्रा ने बताया कि यह पहली बार हुआ है कि नाले का गंदा पानी गोदामों में घुसा। उन्होंने बताया कि नाले पर अवैध कब्जों और निर्माण के कारण जल निकासी बाधित हुई।

तमिलनाडु की पटाखा फैक्टरी में जोरदार धमाका, 5 मजदूरों की मौत

शिवकाशी, 1 जुलाई (एजेंसियां)। तमिलनाडु के शिवकाशी जिले में मौजूद एक पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट का मामला सामने आया है। यहां शिवकाशी में एक पटाखा निर्माण फैक्ट्री में मंगलवार को अचानक धमाका हो गया। इस हादसे में दो महिलाओं समेत कम से कम पांच मजदूरों की मौत हो गई है। पुलिस ने घटना की जानकारी दी। जानकारी के मुताबिक धमाके की आवाज काफी तेज थे। वहीं आग लगने की वजह से आसमान में धुएं का गुबार देखा गया। पुलिस ने बताया कि इस भीषण आग ने पूरी यूनिट को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में कई लोग घायल भी हो गए हैं। वहीं धमाके के बाद फैक्ट्री से निकला धुआं और पटाखों के फटने की आवाज दूर तक सुनाई दी। घटना के बाद आनन-फानन में पुलिस और दमकल एवं बचाव सेवाओं के कर्मी मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटना में घायल हुए लोगों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया।

दमकल एवं बचाव विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि फिलहाल धमाके के बाद से लगी आग पर काबू पा लिया गया है। वहीं अब मौके से मलबा हटाने का काम किया जा रहा है। बता दें कि शिवकाशी के पास चिन्नाकामनपट्टी स्थित इस निजी पटाखा निर्माण यूनिट पर राजस्व अधिकारी भी पहुंचे हैं। इसके अलावा पुलिस की टीम भी मामले की जांच में जुट गई है।

हासन जिले में हार्ट अटैक से दहशत, 1 महीने में 18 मौतें

बेंगलूरू, 1 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक के हासन जिले में हार्ट अटैक से पिछले महीने 18 मौतें हुई है और इनमें अधिकतर मृतक 45 साल से कम उम्र के थे। इनमें से कई मौतें 18 से 40 साल की आयु के युवाओं की हैं। राज्य सरकार ने इसे गंभीरता से लिया है। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने हासन जिले में हार्ट अटैक के बढ़ते मामलों की जांच के लिए विशेषज्ञों से एक स्टडी करवाने का आदेश दिया है। पोस्ट कर मंत्री ने कहा कि हासन जिले में एक माह के भीतर दिल का दौरा पड़ने के आए 18 मामलों को स्वास्थ्य विभाग ने गंभीरता से लिया है।

उन्होंने कहा, ''मैंने पहले ही विभाग के अधिकारियों को ‘जयदेव इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोवैस्कुलर साइंसेज एंड रिसर्च’ के निदेशक के नेतृत्व में दिल का दौरा पड़ने के बढ़ते मामलों की विशेषज्ञों द्वारा जांच करवाने और एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।''

राव के अनुसार राज्य सरकार ने हार्ट अटैक के मामलों को रोकने के लिए ‘पुनीत राजकुमार हृदय ज्योति’ योजना शुरू की है। लेकिन, हाल में युवाओं में हार्ट अटैक के बढ़ते मामलों पर गहराई से रिसर्च करने की जरूरत है। हालांकि, बदलती लाइफस्टाइल, खानपान और गैर-संचारी बीमारियों को दिल की समस्याओं का कारण माना जाता है, लेकिन हासन में सामने आए मामलों ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

सिरफिरे ने अस्पताल में घुसकर नर्सिंग छात्रा का गला रेतकर किया मर्डर, तमाशा देखते रहे लोग

नरसिंहपुर, 1 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर में ट्रेनी नर्स के साथ हुई सनसनीखेज वारदात ने पूरे इलाके में हड़कंप मचा दिया है। 18 साल की संध्या चौधरी की अस्पताल में ही गला रेतकर हत्या कर दी गई। संध्या ने मौके पर दम तोड़ दिया। संध्या की मौत के बाद अस्पताल के सामने हंगामा खड़ा हो गया है। पुलिस ने संध्या की हत्या करने वाले शख्स को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान 22 साल के अभिषेक कोष्ठी के रूप में हुई है। अभिषेक ने पुलिस के सामने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। यह घटना 27 जून की दोपहर लगभग 3 बजे की है।

हमने दिल्ली को दिखा दिया

टाइगर अभी जिंदा है', राउत बोले- 5 जुलाई को मनाएंगे मराठी विजय दिवस

मुंबई, 1 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र सरकार ने विपक्ष के दबाव के बाद तीन भाषा नीति को वापस ले लिया है। शिवसेना यूबीटी इसे अपनी जीत के तौर पर पेश कर रही है। शिवसेना यूबीटी ने 5 जुलाई को मराठी विजय दिवस मनाने का एलान किया है। इस दिन शिवसेना यूबीटी मुंबई में रैली का आयोजन करेगी। संजय राउत ने बताया कि 5 जुलाई की रैली में उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे भी शामिल होंगे। शिवसेना यूबीटी सांसद ने दोनों भाइयों के साथ आने की पुष्टि भी की। राउत ने भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति सरकार पर लोगों को गुमराह करने का भी आरोप लगाया। दरअसल सीएम देवेंद्र फडणवीस ने दावा किया है कि उद्धव ठाकरे की सरकार ने डॉ। रघुनाथ माशेलकर समिति की सिफारिश मानते हुए तीन भाषा नीति पेश की थी, जिसके तहत पहली कक्षा से 12वीं तक हिंदी पढ़ाने की तैयारी थी।

फडणवीस ने कहा कि उद्धव ठाकरे ने तीन भाषा नीति लागू करने के लिए एक समिति भी गठित की थी। फडणवीस के दावे पर संजय राउत ने सबूत दिखाने को कहा और बोले कि अगर ऐसा कोई सरकारी प्रस्ताव था तो उसे सार्वजनिक तौर पर जलाएं। शिवसेना यूबीटी सांसद ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार मराठी राज्य में हिंदी थोपने की कोशिश कर रही है। राउत ने कहा कि '5 जुलाई की रैली में बताया जाएगा कि मराठी लोग हिंदी थोपे जाने के खिलाफ हैं। हमने दिल्ली को दिखा दिया है कि टाइगर अभी जिंदा है।'

चलती ट्रेन से गिरी युवती आरपीएफ जवान ने मौत के मुंह से खींच ली जिंदगी

नागपुर, 1 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नागपुर स्टेशन पर एक युवती की जान मौत के मुंह से बच गई। यहां प्लेटफार्म से गुजर रही ट्रेन में चढ़ते समय युवती का पैर फिसला वह गिर गई। उसका पैर प्लेटफार्म और ट्रेन के बीच में चला गया था। इसी बीच प्लेटफार्म पर मौजूद आरपीएफ जवान ने तत्परता दिखाई और युवती को पकड़कर बाहर निकाला।

थोड़ी भी देर होती तो युवती की जान भी जा सकती थी। वहीं इस घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जो रेलवे स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। युवती ने आरपीएफ और कॉन्स्टेबल का धन्यवाद किया, जिसने उसकी जान बचाई। दरअसल, पूरा मामला नागपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 4 का है। यहां से शाम करीब 6 बजे 12136 नागपुर-पुणे एक्सप्रेस रवाना हो रही थी। इसी बीच एक युवती फुटओवर ब्रिज से दौड़ते हुए प्लेटफॉर्म पर आई और चलती ट्रेन में चढ़ने की कोशिश करने लगी।

'डीके शिवकुमार के साथ 100 विधायक'

कांग्रेस एमएलए के दावे ने बढ़ाई अलाकमान की मुश्किलें; कर्नाटक पहुंचे सुरजेवाला

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक की सियासत में हंगामा मचा हुआ है। कांग्रेस के दिग्गज नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला के बेंगलुरु दौरे से पहले उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के करीबी एक विधायक ने बड़ा दावा ठोक दिया है। उन्होंने कहा कि करीब 100 विधायक चाहते हैं कि मुख्यमंत्री की कुर्सी पर अब बदलाव हो। उनका इशारा साफ है कि मौजूदा मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को हटाकर डीके शिवकुमार को कमान सौंपी जाए। विधायक ने चेतावनी दी कि अगर अब बदलाव न हुआ, तो 2028 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की सत्ता खतरे में पड़ सकती है। कांग्रेस विधायक इकबाल हुसैन ने खुलकर डीके शिवकुमार का समर्थन किया है। उन्होंने कहा, ये सिर्फ मेरी बात नहीं, 100 से ज्यादा विधायक बदलाव चाहते हैं। कई विधायक इस पल का इंतजार कर रहे हैं। वे अच्छे शासन की उम्मीद रखते हैं और मानते हैं कि डीके शिवकुमार को मौका मिलना चाहिए। उन्होंने पार्टी के लिए दिन-रात मेहनत की है और कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष बनने के बाद से पार्टी की ताकत बढ़ाई है। उनके काम की वजह से लोग उनके साथ खड़े हैं।

इकबाल हुसैन ने एनडीटीवी से बातचीत में कहा है कि वे सुरजेवाला से मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री बदलने का मुद्दा जरूर उठाएंगे। उन्होंने जोर देकर कहा, अगर अब बदलाव नहीं हुआ, तो 2028 में कांग्रेस सत्ता में नहीं रह पाएगी। पार्टी के हित में ये बदलाव अभी जरूरी है। इससे पहले ऐसे कयासों को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा था कि मुख्यमंत्री का फैसला सिर्फ हाईकमान ले सकता है। इसपर इकबाल हुसैन ने कहा, कांग्रेस में अनुशासन है, हम हाईकमान का सम्मान करते हैं, लेकिन हमें सच बोलना चाहिए।

वहीं कर्नाटक के प्रभारी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला कर्नाटक पहुंचे हुए हैं। हालांकि उन्होंने अपने दौरे को संगठनात्मक बताया है। उन्होंने नेतृत्व परिवर्तन की खबरों को कोरी कल्पना बताया है। उनका मंगलवार को लगातार दूसरे दिन राज्य के सत्तारूढ़ दल के विधायकों के साथ बैठकों का सिलसिला जारी रखा। पार्टी सूत्रों ने बताया कि विधायकों के साथ तीन दिनों तक चलने वाली अपनी आमने-सामने की बैठकों के पहले चरण के तहत, सुरजेवाला आज बेंगलुरु शहर, बेंगलुरु ग्रामीण, बेंगलुरु दक्षिण, चामराजनगर, मैसूरु जिलों और दक्षिण कन्नड़ और कोलार के लगभग 20 विधायकों से मिलेंगे। सुरजेवाला ने साफ किया कि उनके दौरे का मकसद सिर्फ पार्टी को मजबूत करना और विकास के कामों की समीक्षा करना है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
मेरा हैदराबाद
बुधवार, 2 जुलाई, 2025

सुविचार: समय और भाग्य पर कभी घमंड न करें क्योंकि दोनों बदले जा सकते हैं

पानी के मुद्दे पर तेलंगाना के सभी लोग एकमत : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रजा भवन, हैदराबाद में पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि पानी जितना सभ्यता से जुड़ा है, उतना ही तेलंगाना के लोगों से भीहालांकि अन्य मामलों पर मतभेद हैं। पानी के मुद्दे पर तेलंगाना के सभी लोग एकमत हैं। तेलंगाना राज्य के गठन के बाद पिछली सरकार में केसीआर और हरीश सिंचाई मंत्री थे। उन्होंने कहा कि यह लापरवाही थी या अहंकार, मुझे नहीं पता, लेकिन उन्होंने जो फैसले लिए, वे तेलंगाना के लिए बाधा बन गए।

राज्य के विभाजन की स्थिति में पानी को लेकर विवाद पैदा होने की आशंका के चलते मनमोहन सिंह ने नदी प्रबंधन बोर्ड का गठन किया। 18 जून 2015 को एक बैठक में केसीआर और हरीश ने तेलंगाना क्षेत्र के लिए डेथ वारंट पर हस्ताक्षर किए और पानी के आवंटन पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने कहा कि तत्कालीन सरकार ने कलवाकुर्ती, पलामुरु, एसएलबीसी, बीमा, नेटेमपाडु जैसे निर्माण कार्य पूरे नहीं किए। इस तरह तेलंगाना 299 टीएमसी का उपयोग नहीं कर सका। तेलंगाना उस पानी का उपयोग नहीं कर सका क्योंकि संयुक्त राज्य में शुरू की गई परियोजनाएं पूरी नहीं हुईं। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने भी उस दिशा में नहीं सोचा। केसीआर और हरीश ने कृष्णा बेसिन के किसानों के लिए मौत की सजा लिखी। अगर गोदावरी बेसिन में 1486 टीएमसी है, तो तेलंगाना को 968 टीएमसी और आंध्र को 518 टीएमसी आवंटित किया गया।

केसीआर ने पैसे के लालच में थुम्मिडीहेट्टी में बनने वाली जीवन रक्षक चेवेल्ला परियोजना को फिर से तैयार करने के नाम पर गांव का नाम बदल दिया। लाखों करोड़ की लागत वाली परियोजना से 50 हजार एकड़ पानी दिया गया। केसीआर और हरीश बानाकाचर के बारे में झूठ फैला रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे झूठ बोलने की वजह से ही वह पार्टी सत्ता में है। एमपी चुनाव में जमानत जब्त.. अब उम्मीदवार उपलब्ध नहीं हैं। यह नदियों के पुनरुद्धार के लिए नहीं है, वे बीआरएस के पुनरुद्धार के बारे में बात कर रहे हैं। इसलिए केसीआर और कंपनी बनकाचर को भूत के रूप में चित्रित करने के लिए गुप्त राजनीति और षड्यंत्र कर रहे हैं। किस भगवान ने केसीआर से कहा कि 3 हजार टीएमसी बाढ़ का पानी है लेकिन चंद्रबाबू ने इसे अतिरिक्त मान लिया। वास्तव में, केसीआर ने यह महल बनाया।

चंद्रबाबू के प्रस्ताव को आगे बढ़ाते हुए, केसीआर ने उसी प्रजा भवन में जगन को एक पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन दिया और उनसे गोदावरी का पानी लाने के लिए कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोदावरी बेसिन में तेलंगाना की लंबित परियोजनाओं के पूरा होने के बाद ही अधिशेष पानी का संतुलन पता चलेगा अधिशेष और बाढ़ के पानी के निपटान के लिए दोनों राज्यों को चर्चा करनी चाहिए।

उत्तम कुमार रेड्डी और मेरा रायलसीमा झींगा सूप से कोई लेना-देना नहीं है। हमें तेलंगाना के लोगों के अधिकारों से निपटना है। इसके लिए हम निष्पक्ष दृष्टिकोण के साथ कहीं भी लड़ने के लिए तैयार हैं।

टीपीसीसी प्रमुख ने डॉ. पट्टाभिराम के निधन पर शोक व्यक्त किया

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी अध्यक्ष और एमएलसी महेश कुमार गौड़ ने प्रसिद्ध व्यक्तित्व विकास विशेषज्ञ डॉ.बी.वी. पट्टाभिराम (75) के निधन पर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि डॉ. पट्टाभिराम ने जादूगर, सम्मोहनकर्ता, लेखक, मनोवैज्ञानिक और परामर्शदाता के रूप में उल्लेखनीय योगदान दिया। उन्होंने युवाओं में आत्मविश्वास पैदा करने और बदलते समय की जरूरतों के अनुकूल ढलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनका निधन राज्य और राष्ट्र दोनों के लिए एक अपूरणीय क्षति है। महेश कुमार गौड़ ने डॉ. पट्टाभिराम के परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

विभागवार कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश

मुख्य सचिव ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार के मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव ने अधिकारियों को राज्य सरकार द्वारा शुरू किए गए तेलंगाना राइजिंग- 2047 के लक्ष्य की दिशा में सरकारी मशीनरी को तैयार करने के लिए विभागवार कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए हैं। मंगलवार को सरकार के मुख्य सचिव के नेतृत्व में केंद्र सरकार के संगठन मिशन कर्मयोगी के अधिकारियों के एक समूह ने डॉ.बी.आर. अंबेडकर राज्य सचिवालय में राज्य सरकार के वरिष्ठ आईएएस, आईपीएस और आईएफएस अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में क्षमता निर्माण आयोग की सदस्य, प्रशासन डॉ. अलका मित्तल ने देश भर के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में सरकारी कर्मचारियों, अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए कौशल उन्नयन बढ़ाने के लिए मिशन कर्मयोगी द्वारा चलाए जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बारे में बताया। इस अवसर पर बोलते हुए, मुख्य सचिव ने अधिकारियों को मिशन कर्मयोगी की मदद से हमारे राज्य में राज्य सरकार के कर्मचारियों, अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने के लिए संबंधित विभागों के लिए उचित कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए बहुत फायदेमंद होगा और इस प्रकार ये प्रशिक्षण कार्यक्रम राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए उपयोगी होंगे। तेलंगाना राज्य में पहले से ही डॉ. मर्रीचेन्ना रेड्डी मानव संसाधन विकास संस्थान, तेलंगाना पुलिस अकादमी, वन अकादमी, आबकारी अकादमी और अन्य संस्थान प्रभावी रूप से विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं और सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों का मार्गदर्शन कर रहे है। इस बैठक में विशेष आयुक्त सीएच प्रियंका ने बताया कि सूचना और जनसंपर्क विभाग के तत्वावधान में प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकारों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। इसी तरह, उन्होंने कहा कि सूचना और जनसंपर्क विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की व्यावसायिकता को बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस बैठक में पशुपालन विभाग के विशेष मुख्य सचिव सब्यसाची घोष, गृह विभाग के विशेष मुख्य सचिव रवि गुप्ता, पंचायत राज विभाग के प्रधान सचिव एन. श्रीधर, राजस्व (सीटी एवं आबकारी) के प्रधान सचिव एस.ए.एम. रिजवी, सामान्य प्रशासन (सेवाएं) सचिव महेश दत्त एक्का, सामान्य प्रशासन सचिव रघुनंदन राव, राजस्व सचिव डी.एस. लोकेश कुमार, पीसीसीएफ सुवर्णा, महिला कल्याण सचिव अनीता रामचंद्रन, एचएमडीए महानगर आयुक्त सरफराज अहमद, एसईआरपी सीईओ दिव्या, आवास विशेष सचिव वी.पी. गौतम, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की विशेष आयुक्त सीएच प्रियंका समेत अन्य ने भाग लिया।

प्रसिद्ध सम्मोहन विशेषज्ञ और लेखक बीवी पट्टाभिराम का 75 वर्ष की आयु में निधन

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जाने-माने सम्मोहन विशेषज्ञ, जादूगर और व्यक्तित्व विकास विशेषज्ञ बीवी पट्टाभिराम का सोमवार रात हैदराबाद स्थित उनके आवास पर दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 75 वर्ष के थे। मनोवैज्ञानिक, जादूगर और लेखक के रूप में व्यक्तित्व विकास में अपने काम के लिए व्यापक रूप से पहचाने जाने वाले डॉ. पट्टाभिराम को भारत के साथ-साथ अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, मलेशिया, थाईलैंड, सिंगापुर और अरब देशों में कार्यशालाएं आयोजित करने के लिए जाना जाता था। वे लोगों को उनके तनाव और डर पर काबू पाने में मदद करने और उन्हें उनकी इच्छित सफलता प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए जाने जाते थे। डॉ. पट्टाभिराम ने मनोविज्ञान और दर्शनशास्त्र में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त की, साथ ही मार्गदर्शन और परामर्श में पीजी डिप्लोमा भी प्राप्त किया, और उस्मानिया विश्वविद्यालय से पीएचडी (योग और सम्मोहन - एक व्यावहारिक दृष्टिकोण) अर्जित किया।

किसानों को सब्जियां उगाने के लिए प्रोत्साहित करें : तुम्मला

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने अधिकारियों को तेलंगाना में किसानों के बीच सब्जी की खेती को बढ़ावा देने का निर्देश दिया है। मंत्री ने मंगलवार को सचिवालय में बागवानी अधिकारियों के साथ बैठक की, जिसमें तेलंगाना के विभिन्न जिलों में बागवानी फसलों की प्रगति का आकलन किया गया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में सब्जियां अन्य राज्यों से मंगाई जा रही हैं और किसानों को क्षेत्र के लिए आवश्यक सब्जियां उगाने के लिए प्रेरित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, राज्य के भीतर सब्जी उत्पादन बढ़ाने के लिए किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए एक रणनीतिक योजना का विकास आवश्यक है। मंत्री ने बड़े पैमाने पर सब्जी की खेती को बढ़ावा देने के महत्व पर प्रकाश डाला, विशेष रूप से हैदराबाद के आस-पास के जिलों में, जिनमें रंगारेड्डी, विकाराबाद, महबूबनगर, सिद्दीपेट, संगारेड्डी और मेडचल शामिल हैं। उन्होंने संकेत दिया कि सब्जी की खेती को बाजार की मांग के अनुरूप बनाया जाना चाहिए, जिसे किसानों के लाभ के लिए उत्कृष्टता केंद्र द्वारा सुगम बनाया जाना चाहिए। मंत्री ने निर्देश दिया है कि इस वर्ष दिसंबर के अंत तक पाम ऑयल की खेती का लक्ष्य हासिल कर लिया जाए, साथ ही साप्ताहिक लक्ष्य भी तय किए जाएं। उन्होंने कृषि और बागवानी अधिकारियों के बीच प्रभावी सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। तुम्माला ने पाम ऑयल की खेती के लिए मासिक प्रगति अपडेट न मिलने पर भी अपनी निराशा व्यक्त की और निर्देश दिया कि किसानों को बिना देरी किए भुगतान किया जाना चाहिए।

मेडचल फैक्ट्री में बॉयलर फटा, एक कर्मचारी घायल

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के बाहरी इलाके मेडचल में औद्योगिक क्षेत्र स्थित अल्कलॉइड्स बायो-एक्टिव्स प्राइवेट लिमिटेड के बॉयलर में मंगलवार दोपहर विस्फोट होने से एक श्रमिक घायल हो गया। पुलिस को संदेह है कि यह विस्फोट अत्यधिक दबाव और अत्यधिक तापमान के कारण हुआ। विस्फोट के कारण भाप और गर्म पानी कथित तौर पर ऑपरेटर श्रीनिवास रेड्डी पर गिर गया। बॉयलर सेक्शन की दीवार भी क्षतिग्रस्त हो गई और उसका एक हिस्सा उनके ऊपर गिर गया। इसके परिणामस्वरूप उसके चेहरे और शरीर के अन्य हिस्सों पर चोटें आईं।

डीसीपी, सेंट्रल जोन ने पेट्रोल मोबाइल और ब्लू कोल्ट का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में कानून और व्यवस्था बनाए रखने में रात्रि गश्त की महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानते हुए, तथा सड़कों पर पुलिस का चेहरा और आपात स्थिति के दौरान सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वाले पेट्रोल मोबाइल और ब्लू कोल्ट के रूप में कार्य करते हुए, आज हैदराबाद के सेंट्रल जोन के पुलिस उपायुक्त द्वारा इन इकाइयों का गहन निरीक्षण किया गया। पब्लिक गार्डन में आयोजित निरीक्षण में सेंट्रल जोन के अंतर्गत आने वाले 10 पुलिस स्टेशनों की 20 पेट्रोल कारों और 31 ब्लू कोल्ट बाइकों को शामिल किया गया। निरीक्षण के दौरान, वाहनों की स्थिति और कर्मचारियों की तत्परता का बारीकी से आकलन किया गया। एंटी-डिसेक्रेशन ड्रिल उपकरण, प्राथमिक चिकित्सा किट की उपलब्धता और कार्यक्षमता, तथा कर्मचारियों के सीपीआर करने और अग्निशामक यंत्रों को संचालित करने के ज्ञान और क्षमता पर विशेष ध्यान दिया गया। डीसीपी ने कर्मियों के साथ बातचीत की, तथा डायल 112 आपातकालीन कॉलों की प्रतिक्रिया की पहली पंक्ति के रूप में उनकी भूमिका के महत्व को रेखांकित किया। कर्मचारियों को जनता के साथ व्यवहार करते समय एक स्मार्ट, सतर्क और विनम्र व्यवहार बनाए रखने और गश्ती ड्यूटी के दौरान नागरिकों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ने का निर्देश दिया गया। उन्हें साइबर सुरक्षा, डायल 112 का उपयोग और सामान्य सुरक्षा प्रथाओं जैसे मुद्दों पर प्रमुख स्थानों पर जन जागरूकता अभियान चलाने की सलाह दी गई। पुलिस की दृश्यता बढ़ाने और स्थानीय मुद्दों की बेहतर समझ हासिल करने के साधन के रूप में पैदल गश्त के महत्व पर जोर दिया गया। अपराध रोकथाम रणनीति के हिस्से के रूप में एमओ अपराधियों पर त्वरित और सतर्क जांच सुनिश्चित करने, अद्यतन प्वाइंट बुक बनाए रखने और 'नेनु सैथम' निगरानी कैमरे लगाने और जियो-टैग करने के निर्देश भी जारी किए गए। डीसीपी ने हर समय अनुशासन, ईमानदारी और पेशेवर आचरण की आवश्यकता के बारे में एक सख्त अनुस्मारक भी जारी किया। गश्ती मोबाइल ड्यूटी में तैनात महिला कांस्टेबलों की उनकी सेवा के लिए विशेष रूप से सराहना की गई और स्टेशन हाउस अधिकारियों को इन फ्रंटलाइन भूमिकाओं में महिला कांस्टेबलों का अधिक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। निरीक्षण में एडीसीपी सेंट्रल जोन, सैफाबाद, दोमलगुडा और गांधीनगर पुलिस स्टेशनों के एसएचओ, साथ ही लेक, एबिड्स, मुशीराबाद और गांधीनगर के डीआई भी मौजूद थे।

तेलंगाना मानवाधिकार आयोग ने दो गंभीर घटनाओं का स्वतः संज्ञान लिया

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना मानवाधिकार आयोग ने मीडिया में आई दो गंभीर घटनाओं का स्वतः संज्ञान लिया है। पहले मामले में, 30 जून, 2025 को संगारेड्डी जिले के पाशमीलारम स्थित सिगाची इंडस्ट्रीज लिमिटेड में भीषण विस्फोट और आग लगने की घटना हुई, जिसमें कथित तौर पर 42 लोगों की जान चली गई और 35 से अधिक श्रमिक घायल हो गए, जिनमें से कई प्रवासी मजदूर थे। आयोग ने औद्योगिक सुरक्षा में कथित चूक और श्रमिकों के अधिकारों के उल्लंघन पर गंभीर चिंता व्यक्त की और जिला कलेक्टर, श्रम आयुक्त, अग्निशमन सेवा महानिदेशक और संगारेड्डी के पुलिस अधीक्षक सहित संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी कर 30 जुलाई, 2025 तक विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। दूसरे मामले में, आयोग ने खम्मम जिले के कुसुमांची मंडल के धर्मथांडा के एक किसान जरपुला परशुराम की दुखद आत्महत्या का संज्ञान लिया।

बिजली सेवाओं के बारे में उपभोक्ताओं में जागरूकता बढ़ाएं : भट्टी

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने आज के डिजिटल युग में उपभोक्ताओं की बदलती जरूरतों के अनुरूप सेवाएं देने के लिए आधुनिक तकनीक अपनाने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने मंगलवार को प्रजा भवन में दक्षिणी विद्युत वितरण कंपनी तेलंगाना लिमिटेड (एसपीडीसीएल) के वरिष्ठ अधिकारियों और निदेशकों के साथ समीक्षा बैठक के दौरान ये टिप्पणियां कीं। उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को फीडर आउटेज मैनेजमेंट सिस्टम (एफओएमएस) के पूर्ण कार्यान्वयन में तेजी लाने का निर्देश दिया, जो बिजली आपूर्ति में व्यवधान होने पर नियंत्रण कक्ष को वास्तविक समय पर अलर्ट सुनिश्चित करता है। अधिकारियों ने उन्हें बताया कि एसपीडीसीएल के अधिकार क्षेत्र के तहत 6,500 फीडरों में से 5,500 में एफओएमएस पहले ही लागू किया जा चुका है। उन्होंने निर्देश दिया कि शेष फीडरों को भी तेजी से सिस्टम में एकीकृत किया जाना चाहिए। उन्होंने आईएसओ 9000 प्रमाणन प्राप्त करने के लिए एसपीडीसीएल को बधाई दी और इसे परिचालन, उपभोक्ता सेवा वितरण और कार्यालय फाइलों के समय पर समाधान जैसे क्षेत्रों में प्रदर्शन के आधार पर एक सराहनीय उपलब्धि माना। उन्होंने अधिकारियों को सुधार जारी रखने और भविष्य में और अधिक पुरस्कार जीतने का लक्ष्य रखने के लिए प्रोत्साहित किया। भट्टी विक्रमार्क ने फील्ड स्टाफ के लिए तैयार किए गए नए ड्रेस कोड की भी समीक्षा की और इसके कार्यान्वयन के लिए सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि निदेशकों की नियुक्ति उनके व्यापक अनुभव और सिद्ध क्षमताओं के आधार पर की गई है। इसलिए, उन्होंने प्रत्येक निदेशक से अपने-अपने डोमेन में लंबे समय से लंबित कार्यों को पूरा करने के लिए एक कार्य योजना बनाने और उसे लागू करने का आग्रह किया। उपमुख्यमंत्री ने बिजली विभाग द्वारा उपभोक्ताओं को दी जा रही सेवाओं की श्रृंखला पर प्रकाश डाला। 108 एम्बुलेंस मॉडल की तरह, बिजली विभाग में 1912 हेल्पलाइन नंबर उपभोक्ता शिकायतों पर त्वरित प्रतिक्रिया सक्षम बनाता है उन्होंने यह भी कहा कि लोड 70 प्रतिशत तक पहुंचते ही नए ट्रांसफार्मर और सबस्टेशन सक्रिय रूप से स्थापित किए जाते हैं, जिससे उन्नत योजना के माध्यम से निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होती है। भट्टी विक्रमार्क ने निर्देश दिया कि इन पहलों और सेवाओं के बारे में जनता को शिक्षित करने के लिए उपभोक्ता जागरूकता अभियान शुरू किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि जल्द ही एक व्यापक सौर ऊर्जा रणनीति शुरू की जाएगी, और विभाग के कर्मचारियों को इसके कार्यान्वयन के लिए पूरी तरह तैयार रहने का निर्देश दिया। बैठक में ऊर्जा विभाग के सीएमडी नवीन मित्तल, एसपीडीसीएल के सीएमडी मुशर्रफ फारुकी, निदेशकों और मुख्य अभियंताओं के साथ उपस्थित थे।

पूर्व तट रेलवे
नीलामी कैटलॉग नं. : CAT-EXI-002
लॉट नं./वर्ग: MSS-WAT-VSKP-STGen-83-25-1 (Misc-Static-Services - Static General)
विवरण : मेला, प्रदर्शनी, शिल्प बाजार, सम्मेलनों, खाना बाजार / महोत्सव आदि के लिए खाली जगह के लिए ठेका।
लॉट प्रारम्भ होने की तिथि एवं समय : 09.07.2025 को 1100 बजे
लॉट बंद होने की तिथि एवं समय : 09.07.2025 को 1130 बजे
ट्रिप/दिन: 90, न्यूनतम वृद्धि : 0.2%, लॉट स्थिति: ड्राफ्ट कैटलॉग में नया।
संपूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध है।
वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक / वाल्टियर
PR-304/Q/25-26

कम दबाव वाले क्षेत्र के कारण तेलंगाना में झमाझम बारिश

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। लगभग एक महीने के विराम के बाद, हैदराबाद और आसपास के जिलों में मानसून फिर से सक्रिय हो गया है और सोमवार रात को मध्यम बारिश हुई। तेलंगाना के लगभग सभी जिलों में भी कम दबाव वाले क्षेत्र के कारण काफी बारिश हुई है।

वर्षा का प्रभाव व्यापक रहा, क्योंकि तेलंगाना विकास योजना सोसाइटी (टीएसडीपीएस) के लगभग सभी मौसम केंद्रों ने 15 मिमी से 27 मिमी के बीच वर्षा दर्ज की है, जो मध्यम वर्षा की श्रेणी में आती है।

शहर में अधिकतम वर्षा लगभग 27 मिमी थी, जिसमें बीएचईएल फैक्ट्री, रामचंद्रपुरम (27.3 मिमी), टॉलीचौकी, कारवां (26.4 मिमी), मुशीराबाद, एमसीएच बिल्डिंग, (24.8 मिमी), महादेवपुरा, कुथबुल्लापुर में गजुलारामराम (25.5) मिमी और जुबली हिल्स शैकपेट क्षेत्र (24.5 मिमी) थी।

जिलों में, सिद्दीपेट के वारगल में सबसे अधिक 63.3 मिमी वर्षा दर्ज की गई, जबकि मंचेरियल जिले के दांडेपल्ली में अधिकतम 61.5 मिमी वर्षा दर्ज की गई। संगारेड्डी के गुम्मदीडाला मंडल में 58.8 मिमी, मेडचल (बंदमाधरम), मेडचल-मलकजगिरि में 56.3 मिमी, मेडक जिले के तुप्रान मंडल के इस्लामपुर क्षेत्र में 51.3 मिमी दर्ज की गई, इसके बाद अंडोल, संगारेड्डी में 51 मिमी बारिश हुई और सूर्यापेट में थुंगाथुरथी मंडल में 50 मिमी की अधिकतम वर्षा दर्ज की गई।

जीएचएमसी मूसापेट सर्कल की वरिष्ठ सहायक को एसीबी ने पकड़ा

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ सहायक संपत्ति कर विंग, मूसापेट सर्कल-23, जीएचएमसी सुनीता को तेलंगाना एसीबी, सिटी रेंज-2 यूनिट ने शिकायतकर्ता से 30 हजार रुपये रिश्वत लेते समय गिरफ्तार कर लिया। वह "शिकायतकर्ता की संपत्ति म्यूटेशन फाइल शुरू करने और प्रक्रिया करने तथा उसके घर से संबंधित संपत्ति कर तय करने के लिए धनराशि मांगी थी।

वर्तमान में शिकायतकर्ता की मां के नाम पर है। इस प्रकार आरोपी ने अपने सार्वजनिक कर्तव्य का अनुचित और बेईमानी से पालन किया। एओ से रिश्वत की राशि बरामद की गई। रासायनिक परीक्षण में एओ के दाहिने हाथ की उंगलियां सकारात्मक पाई गईं। आरोपी एम. सुनीता को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

विराट बिड़ला
माता : सोनिका बिड़ला
पिता : विशाल बिड़ला

पूर्व तट रेलवे
सूचना सं. eT-Central-WAT-19-2025
दिनांक : 23.06.2025
कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल के केके लाइन पर सहायक मंडल अभियंता / अरकू के अधिकार क्षेत्र के अधीन 24 महीने के लिए आउटसोर्सिंग के माध्यम से अरकू में विश्राम गृहों (अधिकारी विश्राम गृह / VIP और पुराने अधीनस्थ विश्राम गृह और अवकाश गृह) का रखरखाव और मरम्मत कार्य।
कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 38,15,364.22, निविदा दस्तावेज की लागत: ₹ 3,540.00, EMD: ₹ 76,300.00, कार्य पूरा होने की अवधि: 24 (चौबीस) महीने।
निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक 15.07.2025 को 1500 बजे।
ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा। उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।
द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 10 (दस) दिन पहले वेबसाइट का पुन:अवलोकन करें।
मण्डल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर
PR-307/Q/25-26

'मैं पढ़ना चाहती हूं, फीस देना मुश्किल'

सीएम योगी ने कहा–खूब पढ़ो बिटिया फीस की व्यवस्था हम करेंगे

गोरखपुर, 1 जुलाई (एजेंसियां)। कोतवाली क्षेत्र के पुरदिलपुर की रहने वाली कक्षा सात की छात्रा पंखुड़ी त्रिपाठी के लिए नए शैक्षिक सत्र का पहला दिन (एक जुलाई) आजीवन यादगार बन गया। फीस न दे पाने की स्थिति में इस बिटिया की पढ़ाई छूटने की नौबत आ गई थी लेकिन मंगलवार को जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात होते ही पढ़ाई में आड़े आ रही आर्थिक बाधा दूर हो गई।

मुख्यमंत्री ने पंखुड़ी को भरोसा दिया कि उसकी पढ़ाई नहीं रुकेगी। वह या तो फीस माफ करवाएंगे या फिर फीस की खुद व्यवस्था कराएंगे। यही नहीं, सीएम योगी ने साथ फोटो खिंचाने की उसकी इच्छा भी पूरी की। मुख्यमंत्री की सहृदयता से भावविभोर पंखुड़ी ने कहा-महाराज जी जैसा कोई नहीं है। गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार सुबह गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सभागार में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुन रहे थे। समस्याओं के निस्तारण के लिए अफसरों को निर्देशित कर रहे थे। मुलाकात करने वाले लोगों की कतार में कक्षा सात में पढ़ने वाली कोतवाली इलाके के पुरदिलपुर की रहने वाली बच्ची पंखुड़ी त्रिपाठी भी बैठी थी।

मुख्यमंत्री जब पंखुड़ी के पास पहुंचे तो उन्हें प्रार्थना पत्र देते हुए पंखुड़ी बोल पड़ी। महाराज जी, मैं पढ़ना चाहती हूं, फीस माफ करवा दीजिए या फीस का इतंजाम करा दीजिए। मुख्यमंत्री रुक गए और आत्मीयता से संवाद कर पंखुड़ी की सारी परेशानी जानी। पंखुड़ी ने बताया कि वह एक इंग्लिश मीडियम स्कूल में पढ़ती है। पिता राजीव त्रिपाठी के दिव्यांग हो जाने से परिवार आर्थिक रूप से काफी कमजोर हो गया है। मां मीनाक्षी एक शॉप पर नौकरी कर रही हैं। उसके अलावा कक्षा 12 में पढ़ने वाला भाई भी है। पंखुड़ी ने बताया कि फीस न जमा कर पाने के कारण आज वह स्कूल जाने की बजाय मुख्यमंत्री के पास मदद की गुहार लेकर आई है।

मुख्यमंत्री ने पंखुड़ी की बातों को सुनने के बाद कहा, बिलकुल परेशान मत हो। पढ़ाई बाधित नहीं होने देंगे। फीस माफ कराने के लिए बात कराएंगे। और, माफ न होने की दशा में फीस का इंतजाम खुद करा देंगे। इसे लेकर उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि फीस के अभाव में पंखुड़ी की पढ़ाई रुकनी नहीं चाहिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन दौरान करीब 100 लोगों की समस्याएं सुनीं और कहा कि चिंता न कीजिए, सबकी समस्याओं का समाधान होगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को संबंधित मामलों के निस्तारण के निर्देश देते हुए कहा कि जनता की हर पीड़ा का निवारण सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है।

योगी ने सुबह-सुबह अखिलेश को जन्मदिन की बधाई दी

सपा प्रमुख ने थैंक्यू कहा; राहुल ने लिखा-पीडीए की बुलंद आवाज

लखनऊ, 1 जुलाई (एजेंसियां)। अखिलेश यादव का आज 52वां जन्मदिन है। सपा प्रमुख को हजारों लोग बधाइयां दे रहे हैं, लेकिन चर्चा सिर्फ सीएम योगी की पोस्ट की है। वजह यह है कि योगी ने उन्हें सुबह 5:53 बजे ही बधाई दी, जबकि अखिलेश ने 5 जून को सीएम को रात 10 बजे जन्मदिन की मुबारकबाद दी थी। मंगलवार को सीएम ने लिखा- यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई! करीब 2 घंटे बाद अखिलेश ने रिप्लाई किया। लिखा- आपकी शुभकामनाओं के लिए हार्दिक धन्यवाद। इधर, राहुल गांधी ने भी अखिलेश को जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने लिखा- पीडीए की बुलंद आवाज अखिलेश भाई को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई। आप स्वस्थ रहें, खुश रहें।

चंद्रशेखर के समर्थकों ने ही की प्रयागराज में तोड़फोड़-आगजनी

पुलिस का दावा-55 अरेस्ट, 550 की तलाश, आजाद बोले-उपद्रवी मेरी पार्टी के नहीं

प्रयागराज, 1 जुलाई (एजेंसियां)। प्रयागराज में रविवार को 5 घंटे तक बवाल हुआ। प्रदर्शन कर रहे उपद्रवियों ने 3 कारों और 15 बाइकों में तोड़फोड़ की और उन्हें आग के हवाले कर दिया। करछना-कोहड़ार रूट को जाम कर दिया गया।

पथराव में भुंडा चौकी प्रभारी समेत 12 पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने बवाल करने वाले 55 लड़कों को पकड़ा, जिनमें 7 नाबालिग भी हैं। 30 जून को पुलिस ने इन उपद्रवियों के विजुअल जारी किए।

इनमें गाड़ियों को तोड़ते और आग लगाते लड़के माफी मांगते हुए दिखाई दे रहे।

इस बवाल के बाद यूपी की सियासत को गरमाने वाले दो बयान सामने आए। पहला– चंद्रशेखर आजाद ने कहा- उपद्रव करने वाले लोग आजाद समाज पार्टी के नहीं थे, ये एक बड़ी साजिश का हिस्सा है। दूसरा– डीसीपी विवेक चंद यादव ने कहा- बवाल करने वाले ज्यादातर लोग भीम आर्मी से जुड़े हैं। पूछताछ और अन्य साक्ष्य सामने आए हैं। अब पुलिस वीडियो और तस्वीरों में दिख रहे 550 अन्य उपद्रवियों की तलाश कर रही है। पुलिस ने केस डायरी में बयानों की वीडियोग्राफी भी शामिल की है। इन बयानों के बाद प्रयागराज के 15 गांवों में चंद्रशेखर को लेकर नाराजगी है। लोगों ने बिना कैमरे पर आए कहा- हमारे बच्चे जिस पार्टी के लिए सड़क पर उतरे, उसके नेता ने पल्ला ही झाड़ लिया।

तेलंगाना केमिकल फैक्ट्री ब्लास्ट में बिहार के चार मजदूर घायल, तीन लापता

रोहतास, 1 जुलाई (एजेंसियां)। तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में एक केमिकल फैक्ट्री में हुए ब्लास्ट मामले में रोहतास जिले के भी चार मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। सभी घायल काराकाट प्रखंड के ग्राम अमरथा के निवासी हैं जो अपने गांव से एक साथ फैक्ट्री में काम करने के लिए गए थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार अमरथा गांव निवासी शिवजी पासवान के पुत्र डब्लू पासवान गंभीर रूप से घायल हैं, जबकि अन्य तीन लोगों में दिलीप गोसाईं, नागा पासवान एवं दीपक पासवान अभी तक लापता बताए जाते हैं। इधर, घटना के बाद अमरथा गांव में कोहराम मचा हुआ है और घायल मजदूरों के परिजन किसी अनहोनी की आशंका में घबराए हुए हैं। तेलंगाना केमिकल्स फैक्ट्री ब्लास्ट मामले में घायल मजदूरों के संदर्भ में जब भीम आर्मी नेता अमित पासवान ने जिलाधिकारी उदिता सिंह से बात की तो उन्होंने हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया है। अमित पासवान ने कहा कि घटना की सूचना मिलते हीं डीएम ने त्वरित एक्शन लेते हुए बिहार भवन दिल्ली में श्रम विभाग के पदाधिकारियों के माध्यम से तेलंगाना के सांगारेड्डी डीएम से संपर्क स्थापित किया और रोहतास के घायल मजदूरों को सहयोग करने की बात कही।

युवक ने परिवार के तीन लोगों को मारी गोली, फिर खुद को भी किया शूट

आजमगढ़, 1 जुलाई (एजेंसियां)। आजमगढ़ जिले के जहानगंज थाना क्षेत्र के नगर पंचायत के वार्ड नंबर 10 सरदार वल्लभभाई पटेल नगर में मंगलवार को दोपहर में दिल दहलाने वाली घटना सामने आई। वार्ड निवासी एक युवक ने पारिवारिक कलह से क्षुब्ध होकर अपनी मां, बेटे और बेटी को गोली मारने के साथ ही खुद को भी गोली से उड़ा लिया।

इस घटना में मां और युवक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि उसके बेटे को अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। जानकारी अनुसार सरदार बल्लभ भाई पटेल मोहल्ला निवासी नीरज पांडेय (32) परिवार के साथ वाराणसी में रहता था।

राजा जी हवेली में घुसी बेकाबू कार, 4 को रौंदा

हापुड़, 1 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले में दर्दनाक हादसा हुआ है। नेशनल हाईवे से अचानक एक कार बेकाबू होकर होटल में घुस गई। कार ने चार लोगों को रौंद दिया। हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि प्रेमिका समेत तीन लोग घायल हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार, हापुड़ जिले के थाना बाबूगढ़ इलाके के कुचेसर रोड़ चौपला स्थित राजा जी हवेली में यह घटना सोमवार रात साढ़े दस बजे हुई है। बुलंदशहर जिले के फरादपुर का रहने वाला युवक बाइक से प्रेमिका का बर्थडे विश करने के लिए होटल में पहुंचा था। इसी दौरान हाईवे से एक बेकाबू कार होटल में घुस गई। यहां कुर्सी पर बैठे प्रेमी-प्रेमिका समेत चार लोगों को बेकाबू कार ने रौंद दिया। हादसे में प्रेमी अजितपाल की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि प्रेमिका समेत दो अन्य लोग भी घायल हुए हैं। हादसे के बाद कार चालक फरार हो गया। मृतक दिल्ली जल बोर्ड में संविदा पर नौकरी करता है। वह सोमवार शाम पांच बजे मां को घर से बताकर आया था कि वह युवती की बर्थ-डे पार्टी में शामिल होने जा रहा है। मृतक के परिजन मौके पर पहुंच गए हैं। मृतक युवक तीन बहनों में अकेला था।

प्रेमिका गढ़मुक्तेश्वर इलाके की रहने वाली बताई जा रही है। पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने फरार कार चालक की तलाश शुरू कर दी है।

क्राइम न्यूज

मोतिहारी में बेखौफ अपराधियों ने सीएसपी संचालक को मारी गोली

पांच लाख रुपये लूटकर हुए फरार

मोतिहारी, 1 जुलाई (एजेंसियां)। मोतिहारी जिले में अपराधियों के हौसले एक बार फिर बुलंद नजर आए। मंगलवार सुबह बेखौफ अपराधियों ने दिनदहाड़े एक सीएसपी संचालक को गोली मारकर पांच लाख रुपये लूट लिए। घायल सीएसपी संचालक को इलाज के लिए मोतिहारी के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद पुलिस ने इलाके में जगह-जगह नाकाबंदी कर छापेमारी शुरू कर दी है।

यह घटना पीपरा थाना क्षेत्र के जमुनिया स्थित बेलही देवी मंदिर के समीप की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार पिपराकोठी थाना क्षेत्र के बड़कुरवा गांव निवासी अनिरुद्ध कुमार सिंह रोजाना की तरह अपनी कार से जमुनिया स्थित सीएसपी सेंटर जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में घात लगाए अपराधियों ने उन्हें रोककर गोली मार दी और पांच लाख रुपये नकद, पासबुक, साइन किया हुआ ब्लैंक चेक और लैपटॉप लूटकर पिपराकोठी की ओर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए इलाके में सघन छापेमारी शुरू कर दी। मोतिहारी एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि यह घटना सुबह करीब साढ़े नौ बजे की है। मामले के त्वरित उद्भेदन के लिए एसडीपीओ चकिया के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया है और अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

कुएं में मिली 21 वर्षीय युवक की लाश, चार दिन से था लापता

दोस्तों के साथ निकला था-मिली मौत की खबर

आगरा, 1 जुलाई (एजेंसियां)। आगरा के थाना हरीपर्वत क्षेत्र से चार दिन से लापता हुए युवक का शव हाथरस में कुएं में मिला। वह 27 जून को दोस्तों के साथ एक्टिवा से निकला था। सीसीटीवी में युवक अकेला जाता हुआ नजर आया था। जानकारी मिलने पर पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे चेक किए। थाना हरिपर्वत में गुमशुदी दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने दोनों दोस्तों को पूछताछ के लिए लिया हिरासत में लिया है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है। हाथरस के कोतवाली सहपऊ क्षेत्र के गांव नगला महासुख के निकट बाजरा के खेतों के बीच में बने हुए एक सूखे कुएं में 21 वर्ष कुनाण प्रजापति का शव मिला है। मृतक के चाचा देवकीनंदन ने बताया कि उनका भतीजा 27 जून को सुबह घर से काम के लिए निकला था। वह पिता के साथ ही हलवाई का काम करता था। शाम तक वापस न आने पर 28 जून को उन्होंने कोतवाली हरीपर्वत जनपद आगरा में युवक की गुमशुदगी दर्ज कराई थी।

गोली मारकर व्यापारी की हत्या

पत्नी की हालत नाजुक, हमलावरों ने घर में घुसकर वारदात को दिया अंजाम

रायबरेली , 1 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी के रायबरेली में सोमवार की रात घर में घुसकर गोली मारकर व्यापारी की हत्या कर दी गई। पत्नी चीखी तो हमलावरों ने उसे भी गोली मार दी। पेट में गोली लगने से वह लहूलुहान होकर वहीं गिर गई। चीख पुकार सुनकर लोगों की भीड़ लग गई। महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना से व्यापारियों में आक्रोश है। घटना सेमरी क्षेत्र के महरानीगंज की रात 2 बजे की है। यहां गल्ला व्यापारी सुखदेव लोधी हत्या की गई है। हमलावर बगल के मकान से दूसरी मंजिल पर चढ़े। वहां से व्यापारी के घर पहुंचे और घटना को अंजाम दिया। सूचना पर एएसपी संजीव कुमार सिन्हा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। मौका मुआयना करके जानकारी जुटाई। घटना से आक्रोशित व्यापारियों ने बाजार बंद की घोषणा की है।

मुस्लिमों पर जुल्म हो रहा, तुम्हें बदला लेना होगा

आतंकी ट्रेनिंग लेने वाली लड़की बोली-केरल में स्लीपर सेल बना रहे, 5 घंटे पूछताछ

प्रयागराज, 1 जुलाई (एजेंसियां)। प्रयागराज के फूलपुर की जिस दलित नाबालिग लड़की को 3 हजार किलोमीटर दूर केरल में 49 दिन रखा गया। उससे सोमवार को एटीएस ने 5 घंटे तक पूछताछ की। दलित लड़की को ले जाने वाले लड़के और लड़की से भी एटीएस ने सवाल-जवाब किए। एजेंसी जानना चाहती थी कि किस इस्लामिक संगठन ने लड़की को ट्रेनिंग दी। उसको कहां-कहां रखा गया? किस टॉस्क के लिए तैयार किया जा रहा था?

ट्रेनिंग सेंटर से भागने वाली लड़की ने बताया- मेरी जैसी वहां और लड़कियां और बच्चे थे। सबको उर्दू-फारसी सिखाते थे। हिंदुस्तान के खिलाफ भड़काने वाली बातें होती थीं। कहते थे- मुस्लिमों पर जुल्म हो रहा। तुम्हें बदला लेना होगा। हमें मैप देखना बताते थे। मुझे मुस्लिमों की तरह रहना और नमाज अदा करना सीखा रहे थे, फिर मैं वहां से भाग गई।

पीड़ित लड़की के पिता का निधन 10 साल पहले हुआ, मां मनरेगा मजदूर

गांव में दाखिल होते ही हमें एक पुलिस जीप दिख गई। उसके सामने एक टूटा हुआ घर था। जो करीब 75 वर्ग गज में बना है। दीवारों पर प्लास्टर भी नहीं था। यही घर मुस्कान (बदला हुआ नाम) का है, जिसे जॉब और अच्छे पैसे का लालच देकर केरल ले जाया गया। गांव के लोगों से पता चला कि लड़की जब से वापस आई है तबसे पुलिस वाले लगातार पूछताछ कर रहे है। यहां हमारी मुलाकात मुस्कान के चाचा से हुई। हमने पूछा- परिवार में कौन-कौन है? उन्होंने कहा- मेरे भाई की 10 साल पहले बीमारी से मौत हो चुकी है। उनकी पत्नी मनरेगा मजदूर है। बड़ी बेटी की शादी हो चुकी है, मुस्कान और उसकी छोटी बहन इस घर में रहते हैं।

नीतीश कैबिनेट की बैठक में 24 एजेंडों पर लगी मुहर

पुनौराधाम को विकसित करने में 883 करोड़ रुपए होंगे खर्च, कलाकारों को मिलेगी 3 हजार की पेंशन

पटना, 1 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में आज कैबिनेट की महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में 24 एजेंडों पर मुहर लगी है। सीतामढ़ी जिले के पुनौराधाम को अयोध्या की तरह पूरी तरह से विकसित करने के लिए एक बड़ी योजना बनाई गई है। इस काम पर करीब 883 करोड़ रुपए खर्च होंगे। सरकार ने इस योजना को मंजूरी दे दी है। इसमें पैसा कहां से आएगा, काम कैसे होगा और बाद में इसका देखभाल और संचालन कैसे होगा, इसकी भी पूरी तैयारी कर ली गई है।

कोलकाता की सरस्वती प्रेस छापेगी मतपत्र

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए चुनाव में इस्तेमाल होने वाले मतपत्र छापने के लिए बिहार सरकार ने तय किया है कि कोलकाता की सरस्वती प्रेस लिमिटेड को यह काम करने की इजाजत दी जाएगी। सरकार ने यह अनुमति बिहार वित्त नियमावली 2024 के नियम 131द के तहत दी है।

दुर्लभ कलाओं की दी जाएगी ट्रेनिंग

इसके अलावा बिहार सरकार ने 'मुख्यमंत्री गुरू-शिष्य परंपरा योजना' शुरू की है। इस योजना का मकसद है राज्य की पुरानी और खत्म होती कलाओं को बचाना और आगे बढ़ाना। इसके लिए 2025-26 में 1 करोड़ 11 लाख 60 हजार रुपए खर्च किए जाएंगे। इस योजना में युवाओं को ऐसी दुर्लभ कलाओं की ट्रेनिंग दी जाएगी। उन्हें इन कलाओं के जानकार गुरुओं से सिखाया जाएगा ताकि ये कला रूप आगे भी जीवित रहें।

कलाकारों को 3 हजार रुपए का पेंशन

वहीं कलाकारों के लिए मुख्यमंत्री कलाकार पेंशन योजना को स्वीकृति मिली है। इसके तहत बिहार राज्य के कलाकारों को 3 हजार रुपए का मासिक पेंशन दिया जाएगा।

किसानों के लिए कई योजनाओं की स्वीकृति

नेचुरल फार्मिंग योजना, 2025-26 में नेचुरल फार्मिंग (प्राकृतिक खेती) योजना चलाने के लिए सरकार ने 36 करोड़ 35 लाख रुपये खर्च करने की मंजूरी दी है। कृषि विस्तार योजना (सब-मिशन ऑन एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन) चौथे कृषि रोड मैप के तहत बामेती और आत्मा (जिला स्तर पर कृषि प्रबंधन संस्था) को वेतन, मानदेय और प्रशासनिक खर्च के लिए 80 करोड़ 99 लाख रुपये खर्च करने की मंजूरी मिली है। मृदा स्वास्थ्य और उर्वरता योजना, प्रधानमंत्री कृषि विकास योजना के तहत मिट्टी जांच प्रयोगशाला बनाने, जैव उर्वरक प्रयोगशाला बनाने।और पुरानी मिट्टी जांच लैब को सुधारने के लिए 30 करोड़ 49 लाख रुपये खर्च करने की मंजूरी दी गई है। कृषि प्रशिक्षण योजना, कृषि विस्तार योजना के तहत बामेती और आत्मा को प्रशिक्षण, भ्रमण और संपर्क कक्षा चलाने के लिए 41 करोड़ 2 लाख रुपये खर्च करने की अनुमति मिली है।

भोजपुर के गोकुल जलाशय के विकास और देखरेख के लिए 2025 से 2029 तक 32.48 करोड़ रुपये खर्च करने की मंजूरी मिली है। सरकारी मेडिकल कॉलेजों में पढ़ाने वाले शिक्षकों की भर्ती संविदा (कॉन्ट्रैक्ट) पर करने की अनुमति दी गई है। पंचायत और ग्राम कचहरी के चुने हुए जनप्रतिनिधियों के इलाज के लिए मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता कोष से पैसे देने की मंजूरी मिली है।

जेल में बंद राजद नेता की तबीयत बिगड़ी, पत्नी ने लगाया हत्या करवाने के लिए साजिश करने का आरोप

पटना, 1 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल के विधायक रीतलाल यादव की जेल में तबीयत खराब हो गई है, जिसके बाद उन्हें आननफानन में जवाहर लाल नेहरु मेडिकल कॉलेज में भर्ती किया गया। भागलपुर जेल से मायागंज हॉस्पिटल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया है। इस संबंध में जेल प्रशासन का कहना है कि उन्हें रात में लगभग 9:00 बजे और 9:30 बजे के बीच मायागंज अस्पताल में भर्ती किया गया है।

इस संबंध में विधायक रीतलाल यादव की पत्नी रिंकू देवी ने एक वीडियो जारी करते हुए आरोप लगाया है कि उनके पति की तबीयत खराब हो गई है। उनकी जेल में ही हत्या करवाने की योजना बनायीं जा रही है। इतना ही नहीं हम पूरे परिवार को भी ख़तरा महसूस हो रहा है। उनका कहना है कि एक साजिश के तहत हम पूरे परिवार को जान से मारने की योजना बनायी जा रही है। बाहुबली छवि वाले विधायक रीतलाल यादव पर एक बिल्डर से रंगदारी मांगने का आरोप लगा था, जिसके बाद पटना पुलिस ने उनके आवास पर छापेमारी की थी। पुलिस के दबाव के कारण राजद विधायक रीतलाल यादव, उनके भाई टिंकू और उनकी पत्नी के भाई पिंकू समेत कई लोगों ने दानापुर अनुमंडल न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया था। अदालत ने उन्हें न्यायिक हिरासत में बेऊर जेल भेज दिया था। फिर सुरक्षा कारणों से या प्रशासनिक निर्णय के तहत उन्हें बेऊर जेल से भागलपुर सेंट्रल जेल में शिफ्ट कर दिया गया था।

कॉलेज आई छात्रा बाहर नहीं निकली, सीसीटीवी में भी नहीं दिख रही; बिहार के सीएम कॉलेज से पीजी स्टूडेंट गायब

दरभंगा, 1 जुलाई (एजेंसियां)। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के सीएम कॉलेज परिसर से एक छात्रा लापता हो गई है। लापता छात्रा मोनिका पीजी द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा है। वह 27 जून को कॉलेज परिसर में प्रवेश करते हुए सीसीटीवी फुटेज में दिख रही है, लेकिन कॉलेज से बाहर निकलते हुए नहीं दिख रही। परिजनों ने काफी खोजबीन के बाद दरभंगा के नगर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है और बेटी को बरामद करने की गुहार लगाई है। घटना के तीन दिन बीत जाने के बाद भी कोई सुराग नहीं मिल सका है।

समस्तीपुर से दरभंगा पहुंची, कॉलेज भी; फिर गायब

छात्रा के पिता पवन कुमार शर्मा ने नगर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए आवेदन में कहा है कि 27 जून को उनकी बेटी समस्तीपुर से सुबह 7 बजे ट्रेन से दरभंगा के सीएम कॉलेज के लिए निकली थी। दरभंगा में करीब 9 बजे पहुंचने के बाद उसने फोन कर बताया था कि वह राजकुमारगंज में है। उसके बाद उसका मोबाइल स्विच ऑफ हो गया। जब बेटी से बातचीत नहीं हो पा रही थी और लगातार मोबाइल बंद आ रहा था, तब मैंने कॉलेज में आकर खोजबीन की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिल सका। जब कॉलेज में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए, तो उसमें वह कॉलेज में आती हुई दिखाई पड़ रही है। छुट्टी के बाद कॉलेज से निकलती हुई वह नहीं दिख रही। थक-हारकर मैंने नगर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए पुलिस से खोजने की गुहार लगाई है। छात्रा के पिता पवन कुमार शर्मा ने बताया कि उनकी बेटी करीब चार दिनों से लापता है और उसका कोई पता नहीं चल सका है।

यूपी पुलिस ने 50 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाल महिला से छेड़छाड़ के आरोपी को दबोचा

मुजफ्फरनगर, 1 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले में सोमवार को लगभग 55 वर्षीय एक मनचले व्यक्ति द्वारा राह चलती एक महिला को गलत तरीके से छूना उस समय भारी पड़ गया, जब युवती ने आरोपी को सड़क पर दौड़ा-दौड़ा कर पीटा। आरोपी बड़ी ही चतुराई से मौके से फरार हो गया। वहीं, पुलिस ने 50 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगालकर उसे पकड़ लिया।

पूरा मामला जनपद मुजफ्फरनगर के थाना खालापार क्षेत्र का है, जहां सिटी सेंटर मार्केट के निकट एक मनचले व्यक्ति के द्वारा राह चलती एक महिला को 'बैड टच' किया गया। इस बीच जैसे ही आरोपी के द्वारा युवती से छेड़छाड़ की गई तो युवती ने आरोपी की पिटाई शुरू कर दी, मगर आरोपी मौके से भागने में कामयाब रहा। मगर मौके पर लगे सीसीटीवी कैमरे में आरोपी व्यक्ति की यह घटना कैद हो गई। घटना की जानकारी होने पर पुलिस ने आरोपी को पकड़ने के लिए 50 से भी अधिक कैमरे खंगाला, जिसमें आरोपी की पहचान करते हुए पुलिस ने दबोच लिया। मुजफ्फरनगर के सीओ सीटी राजू कुमार साव ने समाचार एजेंसी आईएएनएस को बताया, ₹सोशल मीडिया पर एक महिला से बैड टच का वीडियो वायरल हुआ, जिसके बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए 50 से भी अधिक सीसीटीवी फुटेज देखे गए। इस क्रम में आरोपी की पहचान करते हुए कानूनी कार्रवाई कर उसे जेल भेज दिया।

जम्मू-कश्मीर के तीन राजनीतिक दलों को कारण बताओ नोटिस, रद हो सकता है पंजीकरण

श्रीनगर, 1 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्र शासित जम्मू-कश्मीर में तीन पंजीकृत राजनीतिक दलों का पंजीकरण रद हो सकता है। यह तीनों ही राजनीतिक रूप से निष्क्रिय हैं और उनकी निष्क्रियता का संज्ञान लेते हुए मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सोमवार को तीनों राजनीतिक दल ऑल जम्मू एंड कश्मीर रिपब्लिकन पार्टी, इंडियन पीपुल्स कॉन्फ्रेंस और सोशलिस्ट डेमोक्रेटिक पार्टी के नाम कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया है।

जम्मू-कश्मीर के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि प्रदेश में विभिन्न राजनीतिक दलों की गतिविधियों का आकलन किया जा रहा है। इसी दौरान पाया गया कि तीन पंजीकृत राजनीतिक दल वर्ष 2019 से पूरी तरह से निष्क्रिय हैं। इन्होंने जम्मू-कश्मीर वर्ष 2019 से लेकर अब तक किसी भी चुनावी प्रक्रिया में भाग नहीं लिया है। इसके अलावा, इन दलों का मौजूदा पता भी किसी को मालूम नहीं है, इसलिए इनके अस्तित्व को लेकर भी सवाल पैदा होते हैं।

इसलिए इन दलों को कारण बताओ नोटिस जारी कर, अपना पक्ष रखने को कहा गया है कि उन्हें क्यों नहीं पंजीकृत दलों की सूची से बाहर किया जाए। इन दलों को एक लिखित में अपना पक्ष हल्फनामे व अन्य आवश्यक दस्तावेजों के साथ सात जुलाई 2025 तक जमा कराने को कहा गया है। इस विषय में सुनवाई 11 जुलाई 2025 को होगी। निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय के एक अधिकारी के अनुसार, अगर संबधित दल निर्धारित समयावधि में अपना पक्ष रखने में असमर्थ रहते हैं तो मुख्य निर्वाचन अधिकारी यथोचित्त कार्रवाई कर सकते हैं।

मंडी में बादल फटने से 34 लोगों की मौत

मंडी, 1 जुलाई (एजेंसियां)। पहाड़ी राज्यों पर लगातार हो रही भारी बारिश की वजह से तबाही देखने को मिल रही है। दोनों ही राज्यों में बादल फटा, जिसके बाद कई लोगों की जान चली गई। हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश की वजह से कई जगह से भूस्खलन, सड़कें ब्लॉक और इमारतें गिरने जैसी घटनाएं सामने आईं। अब भारत मौसम विज्ञान विभाग ने फिर से मंगलवार को हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। हिमाचल के शिमला, मनाली, कुल्लू, कुफरी, बिलासपुर, चंबा, धर्मशाला, हमीरपुर समेत कई जिलों में अगले दो दिन भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। हिमाचल में जून में 135 मिमी बारिश हुई, जो सामान्य औसत 101 मिमी से 34 प्रतिशत ज्यादा है। यह 1901 के बाद से राज्य में जून में दर्ज की गई 21वीं सबसे ज्यादा बारिश थी, जिसने खूब आफत मचाई। इससे कई जगह घटनाएं घटी, जिनमें लोगों की मौत भी हुईं।

अलग-अलग जिलों की 285 सड़कें बंद

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के मुताबिक हिमाचल में आसमान से आफत बनकर बरसी बारिश के बाद हुई तबाही के बाद से 285 सड़कें बंद हैं, जिनमें मंडी की 129 और सिरमौर की 92 सड़कें शामिल हैं। इसके साथ ही 614 ट्रांसफार्मर और 130 वॉटर सप्लाई स्कीम भी बाधित हुई हैं। प्रदेश में 20 जून को मानसून ने एंट्री की थी और तब से अब तक राज्य में अलग-अलग घटनाओं में 34 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें से 17 लोगों की मौत तो सड़क हादसों में हो गईं।

5 सेकंड में 5 मंजिला इमारत जमींदोज

सोमवार को शिमला के पास भट्टाकुफर में एक पांच मंजिला इमारत ढह गई। जानकारी के मुताबिक महज 5 सेकंड में इमारत जमींदोज हो गई। अधिकारियों ने पहले ही इमारत को खाली करवा लिया था। ताकि कोई हताहत न हो। बिलासपुर में एक सरकारी स्कूल में बाढ़ आ गई और 130 से ज़्यादा छात्रों को घर भेजा गया। शिमला के जुंगा इलाके में एक प्राथमिक स्कूल में भी इसी तरह का मंजर था। ऐसे में कई जगहों पर स्कूलों को भी बंद कर दिया गया है। रामपुर में बादल फटने से दो गौशालाएं और कई मवेशी बह गए। हालांकि राहत की बात ये है कि इसमें भी किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है।

भूस्खलन और पत्थर गिरने की जानकारी

शिमला-चंडीगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग पर पांच जगहों पर भूस्खलन और पत्थर गिरने की जानकारी सामने आई है। इससे यातायात एक लेन तक सीमित रह गया। सोलन में सुबाथू-वाकनाघाट मार्ग और चंडीगढ़-मनाली राजमार्ग पर पंडोह के पास कैंची मोड़ खंड भी प्रभावित हुआ। सोलन के डिप्टी कमिश्नर मनमोहन शर्मा ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को मलबा हटाने और संवेदनशील हिस्सों की निगरानी के लिए 24 घंटे मशीनरी तैनात करने का निर्देश दिया। ट्रैफिक पुलिस को आवाजाही को बंद करने और यात्रियों की मदद के लिए तैनात किया गया है।

मंडी के करसोग में फटा बादल

भारी बारिश के चलते मंडी के करसोग में बादल फट गया। बादल फटने की वजह से करसोग के पंजराट गांव और मेगली गांव में घर और गाड़ियां बह गईं। यहां के मेगली में नाले का पानी गांव से होकर बहने लगा, जिससे लगभग 8 घर और दो दर्जन गाड़ियों को क्षति हो गईं।करसोग बाईपास पर सड़क भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुईं। मूसलाधार बारिश के चलते मंडी के करसोग के अलावा धर्मपुर, पंडोह और थुनाग में भी बाढ़ जैसे हालात बन गए।

मुस्लिम शासक के नाम पर रखे गए निजामपुर का बदलेगा नाम! बीजेपी विधायक ने की सीएम से मांग

मुंबई, 1 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में मुस्लिम शासकों के नाम पर रखे गए एक और गांव का नाम बदलने की मांग जोर पकड़ रही है। मामला रायगढ़ जिले का है। छत्रपति शिवाजी महाराज की राजधानी रायगढ़ जिले में रायगढ़ किला है। यह रायगढ़ किला जिस जगह पर स्थित है, वहां के ग्राम पंचायत का नाम छत्र निजामपुर है।

विधायक गोपीचंद पडलकर ने मांग की है कि छत्र निजामपुर गांव का नाम बदलकर रायगढ़ वाडी रखा जाए। शिवाजी महाराज ने रायगढ़ किले से कई वर्ष तक शासन चलाया था। संभाजी महाराज ने भी यहां से सत्ता चलाई। ऐसे में स्वराज के इस प्रतिक के ग्राम पंचायत का नाम आक्रांताओं पर होना कैसे उचित है। उनका कहना है कि रायगड किले से निजाम का क्या लेना-देना है?

किसने उस ग्राम पंचायत का काम निजामपुर रख दिया? इस ग्राम पंचायत का नाम बदलने की मांग हमने मुख्यमंत्री से की है। ग्राम विकास राज्यमंत्री योगेश कदम ने कहा, अगर इस संदर्भ में कोई प्रस्ताव आएगा तो उसे पर विचार किया जाएगा।

बता दें कि महाराष्ट्र में हाल ही में छत्रपति संभाजीनगर जिले में एक नया विवाद सामने आया था। सामाजिक न्याय मंत्री और जिले के पालक मंत्री संजय शिरसाट ने खुलताबाद का नाम बदलकर रत्नपुर और दौलताबाद का नाम बदल कर देवगिरि करने की मांग की थी। संजय शिरसाठ ने कहा था कि खुलताबाद, छत्रपति संभाजीनगर जिले का एक ऐतिहासिक शहर है, जहां मुगल सम्राट औरंगजेब की कब्र स्थित है, जो लंबे समय से विवाद का केंद्र रहा है।

अब इस शहर का नाम बदलकर रत्नपुर किया जाए साथ ही पास ही स्थित दूसरे अन्य शहर दौलताबाद का नाम बदलकर देवगिरि किया जाए। शिरसाट ने कहा था, "खुलताबाद का मूल नाम रत्नपुर था, जिसे औरंगजेब के समय बदल दिया गया। उन्होंने कई शहरों के नाम बदले, जैसे धाराशिव और नगर। महाराष्ट्र में जहां कहीं भी जगहों के नाम में '-बाद' आता है- जैसे दौलताबाद, हमारा लक्ष्य उनकी मूल पहचान बहाल करना है।

कलेक्ट्रेट परिसर में पत्रकारों के बिना अनुमति के प्रवेश पर रोक

आईएएस नेहा मारव्या सिंह के आदेश पर विरोध तेज

डिंडोरी, 1 जुलाई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश की चर्चित और तेजतर्रार आईएएस अधिकारी नेहा मारव्या सिंह एक बार फिर सुर्खियों में हैं। लंबे समय तक फील्ड पोस्टिंग से वंचित रहने के बाद जनवरी 2025 में डिंडोरी जिले की कलेक्टर नियुक्त की गईं नेहा मारव्या सिंह ने अब एक ऐसा आदेश जारी किया है, जो पूरे प्रदेश में चर्चा का विषय बना हुआ है। कलेक्टर नेहा मारव्या सिंह ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 का हवाला देते हुए कलेक्ट्रेट परिसर में पत्रकारों के बिना अनुमति प्रवेश पर रोक लगा दी है। आदेश के अनुसार अब पत्रकार केवल कलेक्टर की अनुमति के बाद ही कलेक्ट्रेट परिसर में प्रवेश कर सकेंगे। इस निर्णय के बाद से स्थानीय पत्रकारों में नाराजगी है। उन्होंने सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से इस फैसले का विरोध जताया है। पत्रकारों का कहना है कि यह आदेश अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और प्रशासनिक पारदर्शिता के सिद्धांतों के खिलाफ है। गौरतलब है कि नेहा मारव्या सिंह अपने बेबाक रवैये और ईमानदार छवि के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने अपने करियर में कई बार सिस्टम से टकराते हुए साहसिक फैसले लिए हैं। कभी कलेक्टर की गाड़ी का बिल रोकना हो या भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई, नेहा हमेशा नियमों का कड़ाई से पालन करने के लिए जानी गई हैं। लेकिन इसी सख्त रवैये के कारण उन्हें 2011 बैच की आईएएस अफसर होने के बावजूद करीब 14 वर्षों तक फील्ड पोस्टिंग नहीं मिल पाई थी। 2024 के अंत में उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी पीड़ा साझा करते हुए लिखा था कि नौ महीने से उनके पास कोई काम नहीं है और 14 वर्षों में उन्हें कभी फील्ड पोस्टिंग नहीं दी गई।

मजीठिया को लेकर हिमाचल पहुंची विजिलेंस, आज खत्म होगा रिमांड

चंडीगढ़, 1 जुलाई (एजेंसियां)। पंजाब विजिलेंस ब्यूरो व एसआईटी ने आय से अधिक संपत्ति के मामले में शिरोमणि अकाली दल के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया के खिलाफ जांच को आगे बढ़ा दिया है। विजिलेंस की टीम मजीठिया को लेकर हिमाचल प्रदेश के मशोबरा एरिया और बद्दी लेकर पहुंची। टीम ने मजीठिया से केस से संबंधित निशानदही करवाई है। एजेंसियों की तरफ से आरोप लगाया जा रहा है कि मजीठिया की तरफ से जांच में सहयोग न मिलने के कारण रुकावट आ रही है। अब तक इस केस में पंजाब के पूर्व डीजीपी सिद्धार्थ चट्टोपाध्याय, ईडी के पूर्व उप निदेशक निरंजन सिंह, पूर्व विधायक बोनी अजनाला और मजीठिया के पूर्व पीए तलबीर सिंह गिल के बयान दर्ज करने के बाद यह कार्रवाई की गई है।

विजिलेंस ब्यूरो ने 25 जून को 540 करोड़ रुपये के लेन देने के आरोप के साथ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया गया था। इस दौरान मजीठिया के घर से रेड के दौरान 30 से अधिक मोबाइल, 5 लैपटॉप, 3 आईपैड, 2 डेस्कटॉप, कई डायरियां और महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए थे। विजिलेंस का आरोप है कि मजीठिया के कंट्रोल वाली कंपनियों के खतों में 161 करोड़ रुपये नकद जमा किए गए। साथ ही संदिग्ध विदेशी संस्थाओं द्वारा 141 करोड़ का लेन देन के भी आरोप है, जिसकी जांच आगे बढ़ाई गई है। सरकारी सूत्रों के अनुसार विजिलेंस की टीम मजीठिया को हिमाचल जांच के लिए लेकर गई है, ताकि संपत्तियों की निशानदही करवाई जा सके। मामले में शामिल अन्य आरोपियों एक-एक कर के विजिलेंस पूछताछ के लिए बुला रही है।

एक दिन पहले रविवार को बौनी अजनाला और मजीठिया के पूर्व पीए तलबीर सिंह गिल ने अपने बयान दर्ज करवाए थे। सोमवार को अकाली नेता मनिंदर सिंह बिट्टू औलख और जगजीत सिंह चहल ने बयान दर्ज करवाए। बिक्रम मजीठिया सात दिन के रिमांड पर है। 2 जुलाई को रिमांड खत्म होने के बाद बुधवार को विजिलेंस ब्यूरो उन्हें अदालत में पेश करेगी।

आईआईटी बॉम्बे घुसपैठ केस में चौंकाने वाला खुलासा, इस मंशा से घुसा था बिलाल

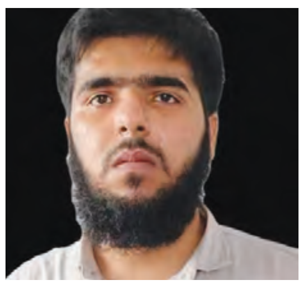

मुंबई, 1 जुलाई (एजेंसियां)। आईआईटी बॉम्बे में घुसपैठ करने और 14 दिनों तक अवैध रूप से रहने वाले आरोपी बिलाल अहमद फैयाज अहमद तेली से पूछताछ में कई खुलासे हुए हैं। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि उसने खुद को सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर दिखाने के लिए 21 फर्जी ईमेल आईडी बनाई थी। आरोपी ने आगे बताया कि इन आईडी का इस्तेमाल वह अलग-अलग शहरों जैसे बेंगलुरु, मैंगलोर और हैदराबाद के नाम से वीडियो और कंटेंट पोस्ट करने के लिए करता था, ताकि सोशल मीडिया पर खुद की अलग पहचान बना सके और पैसे कमा सके। क्राइम ब्रांच सूत्रों के मुताबिक, दिसंबर 2024 में वह बहरीन गया था और उससे पहले दुबई भी जा चुका था। आईआईटी पवई में रहते हुए उसने एक एआई सेमिनार में भी हिस्सा लिया था। दिलचस्प बात ये है कि बिलाल केवल 10वीं पास है और उसने मैंगलोर से वेब डिजाइनिंग में एक साल का डिप्लोमा किया है। वर्तमान में वह सूरत की एक निजी कंपनी में काम करता है और उसकी मासिक आय 1.25 लाख रुपये है।

सूत्रों ने दावा किया कि बिलाल आईआईटी परिसर में खुद को पीएचडी छात्र बताकर घूमा करता था, हॉस्टल के कॉमन रूम में सोता था और फ्री कॉफी मिलने वाले स्थानों पर जाता था। उसने परिसर में वीडियो और तस्वीरें जरूर लीं, लेकिन अब तक की जांच में यह नहीं पाया गया कि उसने कोई भी कंटेंट किसी को भेजी हो। उसके परिवार की बैकग्राउंड सामान्य है।

पिता की एक गारमेंट्स की दुकान है और कुछ रिश्तेदार पाकिस्तान में रहते हैं। हालांकि जांच में ऐसा कुछ नहीं मिला जिससे किसी आतंकी या संदिग्ध गतिविधि का संकेत मिले। खुफिया ब्यूरो और एंटी-टेरर एजेंसियों ने भी पूछताछ की है लेकिन कोई आपत्तिजनक सबूत अब तक सामने नहीं आए हैं। फिलहाल बिलाल तेली 7 जुलाई तक क्राइम ब्रांच की हिरासत में है, और जांच सभी संभावित एंगल से जारी है।

कटड़ा में हेलीकॉप्टर सेवा ठप, 24 से 48 घंटे खराब रहेगा मौसम, वैष्णो देवी श्रद्धालुओं को परेशानी

जम्मू, 1 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू के धर्मनगरी कटड़ा और त्रिकुटा पर्वत पर छाए घने बादलों और कोहरे के कारण श्री माता वैष्णो देवी यात्रा की हेलीकॉप्टर सेवा सोमवार को दिनभर प्रभावित रही। खराब विजिबिलिटी के चलते कटड़ा से सांझी छत तक की सभी हेलीकॉप्टर उड़ानें रद्द कर दी गईं, जिससे सैकड़ों श्रद्धालुओं को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

सुबह से ही कटड़ा और भवन क्षेत्र में बादल छाए हुए थे, जिससे त्रिकुटा पर्वत की ऊंचाइयों पर घना कोहरा छा गया। इस खराब मौसम का सबसे अधिक असर उन श्रद्धालुओं पर पड़ा जिन्होंने हेलीकॉप्टर सेवा बुक की थी। विशेष रूप से बुजुर्ग, छोटे बच्चों वाले परिवार और बीमार श्रद्धालु इससे खासे प्रभावित हुए। दिल्ली से आए श्रद्धालु रमेश कुमार ने बताया, हमने अपने बुजुर्ग माता-पिता के लिए हेलीकॉप्टर बुक किया था, लेकिन सुबह से कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिल रही थी। अब हमें पैदल ही यात्रा करनी पड़ रही है।

ऑनलाइन बुकिंग कराने वाले कई श्रद्धालु दिनभर असमंजस में रहे। हेलीकॉप्टर सेवा रद्द होने से कुछ को अपनी यात्रा योजना रद्द करनी पड़ी, तो कुछ ने मजबूरी में पैदल चढ़ाई का रास्ता चुना। मौसम विभाग की चेतावनी और प्रशासन की सलाहमौसम विभाग ने अगले 24 से 48 घंटों तक ऐसे ही मौसम बने रहने की संभावना जताई है।

पंजाब में रुक-रुककर बरसात से गिरा पारा

अगले दो दिन भी भारी बारिश का अलर्ट

चंडीगढ़, 1 जुलाई (एजेंसियां)। पंजाब में मंगलवार को तेज बरसात हो रही है। बारिश के कारण तापमान में 0.5 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। फिलहाल पारा सामान्य से 3.8 डिग्री नीचे बना है। सबसे अधिक 38.6 डिग्री का पारा बठिंडा का दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने अगले दो दिन भी पंजाब में कुछ जगहों पर भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। इससे आने वाले दिनों में पंजाब के तापमान में और गिरावट दर्ज की जा सकती है। पंजाब के न्यूनतम तापमान में भी 0.7 डिग्री की कमी दर्ज की गई। हालांकि यह सामान्य के पास बना हुआ है। सबसे कम 22.5 डिग्री का न्यूनतम पारा बठिंडा नगर का दर्ज किया गया। लुधियाना, पटियाला व बठिंडा का न्यूनतम पारा सामान्य के नीचे दर्ज किया गया। अमृतसर में 0.8 एमएम, लुधियाना में 14.4 एमएम, पटियाला में 3.6 एमएम, बठिंडा में 43.0 एमएम, फरीदकोट में 8.4 एमएम, एसबीएस नगर में 14.2, मोगा में 4.5 एमएम की बारिश मुख्य तौर पर दर्ज की गई। अमृतसर का अधिकतम तापमान 33.9 डिग्री, लुधियाना का 30.6 डिग्री, पटियाला का 30.3 डिग्री पठानकोट का 32.2 डिग्री, फिरोजपुर का 34.5 डिग्री, फाजिल्का का 37.9 और जालंधर का 31.4 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं अमृतसर का न्यूनतम पारा 26.3 डिग्री दर्ज किया गया।

लुधियाना का 25.6 डिग्री, पटियाला का 26.1 डिग्री, पठानकोट का भी 26.1 डिग्री, फरीदकोट का 25.9 डिग्री और जालंधर का 24.6 डिग्री दर्ज किया गया। पंजाब में जून महीने में छह साल के बाद सामान्य से ज्यादा बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग से प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक इस बार जून महीने में पंजाब में 54.5 एमएम की सामान्य बारिश के मुकाबले 69.7 एमएम की बारिश दर्ज की गई है। यह सामान्य की तुलना में 28 फीसदी ज्यादा बारिश है।

मुझे गलत न समझें: टीएमसी नेता मदन मित्रा को भारी पड़ी रेप मामले में टिप्पणी, मांगी माफी

कोलकाता, 1 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के कस्बा स्थित कलकत्ता लॉ कॉलेज में छात्रा के साथ दुष्कर्म के मामले में टीएमसी नेता मदन मित्रा की विवादित टिप्पणी सामने आई थी। इसी के बाद पार्टी ने मदन मित्रा के बयान से किनारा करते हुए उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया था। इसी के बाद अब टीएमसी विधायक मदन मित्रा ने पार्टी अध्यक्ष सुब्रत बॉक्सी को लिखित माफीनामा भेजा है। अपने बयान पर माफी मांगते हुए मदन मित्रा ने कहा, मुझे अपने बयान के लिए खेद है, जिससे जनता में पार्टी की छवि खराब हुई है। कस्बा रेप कांड के दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग करता हूं। साथ ही उन्होंने कहा, मेरे बयान को गलत न समझें।कलकत्ता लॉ कॉलेज में छात्रा के साथ हुए रेप केस के बाद मदन मित्रा का एक बयान सामने आया था। जिस पर विवाद छिड़ गया। मदन मित्रा ने कहा था, अगर छात्रा अकेले कॉलेज नहीं गई होती तो यह घटना नहीं होती और उसे वहां जाने से पहले अपने कुछ दोस्तों को साथ ले जाना चाहिए था या लोगों को सूचित करना चाहिए था। मित्रा ने आगे कहा था, इस घटना से लड़कियों को संदेश गया है कि अगर कॉलेज बंद होने पर कोई तुम्हें बुलाए तो मत जाना, अगर वो लड़की वहां नहीं गई होती तो यह घटना नहीं होती।

बयान के लिए मांगी माफी

अपने बयान के लिए माफी मांगते हुए मदन मित्रा ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, कस्बा घटना में पुलिस द्वारा दोषियों के खिलाफ पहले से ही की गई कड़ी कार्रवाई की पुरजोर मांग करते हुए, मैं इस बात से पूरी तरह इनकार करता हूं कि मैंने किसी भी तरह से दोषियों को बचाने की कोशिश नहीं की है, मुझे व्यक्तिगत रूप से लगता है कि मेरे बयान को एक प्रेरित समूह ने पूरी तरह से गुमराह किया है और इसका दुरुपयोग किया गया है, जिनका मूल इरादा मेरे बयान को गलत तरीके से अपने मकसद के लिए केंद्रित करके हमारी पार्टी एआईटीसी की छवि को खराब करना था। उन्होंने आगे कहा, मैं केवल यह पुष्टि करना चाहता हूं कि अपने लंबे राजनीतिक जीवन के दौरान मैंने कभी भी कुछ भी गलत नहीं किया, जो कि बहुसंख्यक लोगों द्वारा नापसंद किया गया हो। हालांकि, मैंने अभी एआईटीसी के बयान को पढ़ा है और अपनी पार्टी आलाकमान से अनुरोध करता हूं कि वो मुझे गलत न समझें, जबकि मैं व्यक्तिगत रूप से अपने बयान को स्पष्ट करने के लिए किसी भी जांच का सामना करने के लिए तैयार हूं, मुझे विश्वास है कि मेरी पार्टी इस मामले में कोई भी आगे कदम उठाने से पहले दो बार विचार करेगी।

बिश्नोई महासभा विवाद लॉरेंस बिश्नोई ने देवेंद्र बूड़िया का किया समर्थन एक 'तानाशाह' को अंजाम भुगतने की धमकी

हिसार, 1 जुलाई (एजेंसियां)। अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा में चल रहे विवाद ने एक नया मोड़ ले लिया है। सोशल मीडिया पर गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के नाम से एक पोस्ट वायरल हो रही है, जिसमें महासभा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र बूड़िया का समर्थन करते हुए एक 'तानाशाह' को अंजाम भुगतने की धमकी दी गई है। हालांकि, पोस्ट में कुलदीप बिश्नोई का नाम स्पष्ट रूप से नहीं लिया गया है, लेकिन इसे उनके खिलाफ माना जा रहा है। कुलदीप बिश्नोई के मीडिया प्रभारी ने इस पोस्ट को पांच-छह महीने पुराना और फर्जी आईडी से बनाया हुआ बताया है। हिसार पुलिस प्रवक्ता विकास कुमार ने कहा कि इस मामले में अभी तक कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। वायरल पोस्ट में लिखा गया है कि मैं लॉरेंस, राष्ट्रीय जीव रक्षा युवा मोर्चा अध्यक्ष, बिश्नोई समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र बूड़िया के निर्णय का समर्थन करता हूं,

नई नवेली दुल्हन की आपबीती

सुसाइड से पहले व्हाट्सऐप मैसेज में कहा कुछ ऐसा, फट गया पिता का कलेजा

चेन्नई, 1 जुलाई (एजेंसियां)। तमिलनाडु में नवविवाहित रिधान्या ने शादी के बाद ढाई महीने के अंदर ही सुसाइड कर लिया। रिधान्या ने दहेज प्रताड़ना से तंग आकर जान दी। वह मंदिर जाने के बहाने घर से निकली और रास्ते में जहर निगल लिया। वह कार में बेहोश मिली और मुंह से झाग निकल रहा था, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है। साथ ही रिधान्या के पिता की शिकायत पर उसके पति कविन कुमार, ससुर ईश्वर मूर्ति और सास चित्रा देवी को गिरफ्तार कर लिया। तीनों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न और सुसाइड करने के लिए उकसाने की धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस को दी शिकायत में रिधान्या के पिता अन्नादुरई ने बेटी द्वारा सुसाइड करने से पहले व्हाट्सऐप पर भेजे गए 7 ऑडियो मैसेज भी दिए, जिसमें रिधान्या ने अपने दिल का दर्द बयां किया।

रिधान्या ने ऑडियो मैसेज में क्या कहा था?

पुलिस को दी शिकायत में रिधान्या के पिता ने बताया कि जब तक उसके ऑडियो मैसेज देखे, तब तक वह दुनिया से जा चुकी थी। उसने ऑडियो मैसेज में सुसाइड करने के फैसले के लिए माफी मांगी थी। उसने पति और सास-ससुर पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने आरोप लगाया था। उसने कहा कि पापा, आपने दहेज की शर्त पूरी नहीं की, इसलिए वे मुझे मारते पीटते हैं। अब सहा नहीं जाता।

पता नहीं गलत के खिलाफ आवाज क्यों नहीं उठा पा रही हूं। इतनी कमजोर आज तक नहीं पड़ी, अब पता नहीं क्या हो गया है मुझे। मैं आप पर बोझ नहीं बनना चाहती। कविन मेरे साथ मारपीट करता है। मुझे ऐसी जिंदगी नहीं जीना चाहती। इसलिए जा रही हूं, प्लीज मुझे माफ कर देना। पुलिस को दी शिकायत में अन्नादुरई ने कहा कि रिधान्या के मैसेज पढ़कर उनका कलेजा फट गया। रिधान्या ने 7 मैसेज में अपना दर्द बता दिया था।

200 सोने के सिक्कों के लिए किया प्रताड़ित

अन्नादुरई के अनुसार, रिधान्या की शादी कविन के साथ 11 अप्रैल को हुई थी। शादी में 2.5 करोड़ रुपये खर्च किए थे। दहेज में 100 सोने के सिक्के दिए थे। कविन के हाथों में 70 लाख रुपये की लग्जरी वोल्वो कार कर चाबी सौंपी थी। 300 सोने के सिक्के देने का वादा किया था, लेकिन 100 ही उपलब्ध हो पाए तो 200 सिक्के कुछ दिन बाद देने का वादा किया था, लेकिन 10 दिन के अंदर ही वे रिधान्या को 200 सोने के सिक्के लिए प्रताड़ित करने लगे। रिधान्या शादी के बाद 15 दिन के अंदर ही मायके आ गई थी। वह काफी परेशान थी। सास आकर माफी मांगते हुए उसे वापस ले गई, लेकिन जब रिधान्या दोबारा मायके आई तो पूरी तरह टूटी हुई थी। मां-बाप बेटी को संभाल नहीं पाए और उसने मौत को गले लगाना मुनासिब समझा।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 2 जुलाई - 2025

महाराष्ट्र सरकार का यू-टर्न

महाराष्ट्र में हिंदी को लेकर एक सरकारी आदेश आया, जिसे विवाद के चलते अब वापस ले लिया गया है। अब इसे कुछ लोग सीएम देवेंद्र फडणवीस का मास्टर स्ट्रोक बता रहे हैं तो कुछ लोग ठाकरे बंधुओं की जीत मान रहे हैं। राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे ने बयान जारी कर इसे मराठी की जीत करार दिया है। विपक्ष मान रहा है कि हमारे दबाव के चलते देवेंद्र फडणवीस को अपने कदम वापस लेने पडे। बता दें कि हिंदी विरोध को लेकर राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे शक्ति प्रदर्शन की तैयारी कर रहे थे। इसकी भनक लगते ही देवेंद्र फडणवीस ने इसे वापस लेकर उनके मंसूबों पर पानी फेर दिया। अब एक नई समिति नया फॉर्मूला बनाएगी। देखा जाए तो विपक्ष को सरकार के खिलाफ कोई मुद्दा नहीं मिल रहा था। बीएमसी चुनाव में वह किस मुद्दे को उठाएं यह समझ नहीं आ रहा था। अचानक हिंदी का मुद्दा मिला तो विपक्ष ने उसे लपक लिया। लेकिन चतुर सुजान देवेंद्र फडणवीस ने विपक्ष से वह मौका भी छीन लिया। हालांकि राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे इस फैसले को अपनी जीत बता रहे हैं। उनके समर्थकों का कहना है कि फडणवीस सरकार के अड़ियल रवैये से मराठी वोटरों में नाराजगी थी। कुछ लोगों को लग रहा है कि यह पूरा विरोध प्रदर्शन बीजेपी और एमएनएस के बीच मिलीभगत से हुआ। बीएमसी चुनाव में उद्धव ठाकरे कुछ सीटों पर मजबूती से लड़ रहे हैं। राज ठाकरे अपनी पहचान के लिए संघर्ष कर रहे हैं। ऐसे में बीजेपी और एमएनएस ने हिंदी के सहारे राज ठाकरे को खड़ा किया है। इसके पीछे बीजेपी की मंशा है कि राज ठाकरे जितना मजबूत होंगे, उद्धव ठाकरे उतने ही कमजोर होंगे। विपक्ष हिंदी के मुद्दे को हथियार बना रहा था। लेकिन हिंदी की पढ़ाई के मुद्दे पर सरकार ने यू-टर्न ले लिया। कभी बाला साहेब ठाकरे ने पहले हिंदी भाषियों का विरोध किया था। समय के साथ, राजनीतिक समीकरण बदले। मुंबई और महाराष्ट्र में हिंदीभाषियों की बड़ी आबादी किसी से छुपी नहीं है। प्रदेश की राजनीति में यह मुद्दा जिस तरह से गरमाता जा रहा था, उसे देखते हुए सरकार के पास कोई और विकल्प भी नहीं रह गया था। न केवल विपक्ष के सभी दल इस मसले पर एकजुट हो कर विधानसभा के मॉनसून सत्र को हंगामेदार बनाने पर आमादा थे, बल्कि ठाकरे बंधुओं को भी हिंदी विरोध की राजनीति की अपनी जानी-पहचानी जमीन वापस मिलती दिख रही थी। नब्बे के दशक से बीजेपी के गठबंधन में शिवसेना की राजनीति भी हिंदी से हिंदू की ओर मुड़ती गई। बदलती डेमोग्राफी ने भी उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में शिवसेना को लचीला रुख अपनाने के लिए प्रेरित किया। पुरानी आक्रामकता जारी रखते हुए राज ठाकरे की पार्टी धीरे-धीरे कमजोर होती गई। 2001 की जनगणना के मुताबिक हिंदीभाषियों की संख्या मुंबई में 25.9% और मराठीभाषियों की 42.9% थी जो 2011 में क्रमशः 30.2% और 41% हो गई। महाराष्ट्र में इसी अवधि में जहां मराठीभाषी आबादी 76% से 73.4% पर आ गई, वहीं हिंदीभाषियों का अनुपात 7.3% से बढ़कर 9.5% हो गया। इस गणित को देखते हुए न केवल उद्धव और राज ठाकरे इस सवाल पर आक्रामक रूप में सामने आए बल्कि कांग्रेस व एनसीपी (शरद पवार) उनके साथ खड़ी रहीं बल्कि उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने भी खुलकर इस फैसले का विरोध कर दिया। एकनाथ शिंदे भी इसके पक्ष में नहीं थे।

बिहार की राजनीति में क्यों अहम हुईं अगड़ी जातियां?

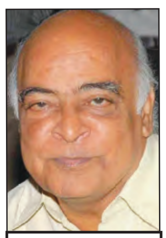

अशोक भाटिया

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले सेमी नीतीश कुमार ने बड़ा दांव खेल दिया है। नीतीश कुमार ने राज्य में अगड़ी जातियों के विकास के लिए एक आयोग गठित करने का निर्णय लिया है, जिसे उच्च जाति आयोग नाम दिया गया है। भाजपा नेता महाचंद्र प्रसाद सिंह को इस आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा गुरुवार को इसकी आधिकारिक अधिसूचना जारी की गई। महाचंद्र प्रसाद सिंह को तीन वर्ष के कार्यकाल के लिए इस पद पर नियुक्त किया गया है।जेडीयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद को आयोग का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब राज्य में महत्वपूर्ण राजनीतिक बदलाव देखने को मिल रहे हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री और जेडी(यू) के पूर्व नेता राम चंद्र प्रसाद सिंह ने हाल ही में अपने राजनीतिक दल आप सबकी आवाज (एएसए) का प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी में विलय कर दिया है। सिंह ने 2023 में जेडी(यू) छोड़ दिया था, भाजपा में शामिल हो गए और बाद में 2024 में अपनी खुद की पार्टी बनाई और 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने की योजना की घोषणा की। बिहार विधानसभा चुनाव इस साल अक्टूबर-नवंबर में होने की उम्मीद है। भाजपा, जेडीयू और एलजेपी से मिलकर बना राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सत्ता बरकरार रखने का लक्ष्य लेकर चल रहा है, जबकि विपक्षी दल इंडिया ब्लॉक मौजूदा नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार को चुनौती देने की तैयारी कर रहा है।

ज्ञात हो कि बिहार की राजनीति यही कोई तीन दशक से गैर सवर्ण जातियों के इर्द-गिर्द घूमती आई है। ख़ास तौर पर पिछड़ा वर्ग का प्रभुत्व इतना बढ़ा कि इस तबके से आने वाले लालू यादव-राबड़ी देवी-नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री होते आए हैं। हालांकि एक दौर वह भी रहा है, जब मुख्यमंत्री अगड़ी जातियों के ही होते थे। 90 के दशक में जब मंडल-कमंडल की राजनीति ने अपने पांव फैलाए, तो देश के तमाम दूसरे राज्यों की तरह बिहार की सियासत का नक्शा भी बदल गया। लेकिन हाल के दिनों में, बिहार की राजनीति में एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। अचानक वहां अगड़ी जातियों की अहमियत बढ़ गई है।

राज्य में इस साल परशुराम जयंती का आयोजन बहुत भव्य स्तर पर किया गया, जिसमें तेजस्वी यादव ने शिरकत की। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी कुंवर सिंह का विजय उत्सव बहुत धूमधाम से मनाया गया। इस समारोह में अमित शाह शामिल हुए। और तो और, जदयू ने अपनी पार्टी में सवर्ण प्रकोष्ठ बना दिया है। अमूमन राजनीतिक दलों में पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ, अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ और अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ हुआ करते हैं, लेकिन नीतीश कुमार ने यह नया प्रयोग किया है। बिहार में मुख्य रूप से चार बड़ी अगड़ी जातियां हैं-भूमिहार, राजपूत, ब्राह्मण और लाला। राजनीतिक गलियारों में उन्हें सांकेतिक भाषा में 'भूराबाल' कहा जाता है। बिल्कुल वैसे ही जैसे मुस्लिम-यादव समीकरण को 'एमवाई' कहते हैं। नब्बे के दशक में जब बिहार की राजनीति में लालू युग शुरू हुआ, तो उनको लेकर बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हुआ था। कहा यह गया कि लालू ने बिहार की राजनीति में 'भूराबाल' को साफ़ करने की बात कही है। हालांकि लालू यादव इसे अपने ख़िलाफ़ एक बड़ी राजनीतिक साजिश बताते रहे हैं। उन्होंने कई मौकों पर कहा कि उन्होंने ऐसा कोई बयान नहीं दिया था। खैर, सच्चाई जो भी रही हो, लेकिन इस विवाद के बाद वहां लालू यादव की छवि 'एंटी अपर कास्ट' नेता के रूप में उभरी। लालू यादव ने भी इसकी परवाह किए बिना यादव, मुस्लिम और अति पिछड़ा वर्ग-दलित वर्ग की कुछ अन्य जातियों को गोलबंद कर अपने को मजबूत बनाए रखा। बिहार में अगड़ी जातियों की आबादी 15 से 20 प्रतिशत के बीच है। एक वक्त यह कांग्रेस का वोट बैंक हुआ करती थीं, लेकिन बाद में भाजपा के साथ आईं। नीतीश कुमार के भाजपा के साथ गठबंधन में होने की वजह से इनका समर्थन जदयू को मिलता रहा। लेकिन पिछले चुनाव में यह देखा गया कि सवर्ण जातियों ने भाजपा को तो वोट किया, लेकिन जदयू को नहीं। यही वजह रही कि जदयू को पहली बार भाजपा से कम सीट मिलीं और राज्य विधानसभा में सीटों की संख्या के क्रम में तीसरे पायदान पर पहुंच गई।

0राजनीति में बिना मकसद कुछ भी नहीं होता। अगर बिहार में अगड़ी जातियों की पूछ बढ़ गई है, तो उसकी वजह भी है। बिहार में जिस तरह से भाजपा तनकर खड़ी हुई है और जीतनराम मांझी, मुकेश सहनी जैसे अपनी-अपनी जातियों के नेताओं का प्रभाव बढ़ना शुरू हुआ है, उसमें आरजेडी को लगने लगा है कि 'एमवाई' समीकरण के सहारे राज्य की सत्ता में वापसी मुश्किल है।

तेजस्वी यादव ने पिछले चुनाव के मौके पर कहा भी था कि अब हम 'एमवाई' की पार्टी नहीं बल्कि ए टू जेड की पार्टी होंगे। इसी कोशिश में वह अगड़ी जातियों के साथ अपनी दोस्ती बढ़ा रहे हैं। मार्च महीने में स्थानीय निकाय चुनाव में प्रत्याशियों के चयन में यह बात साफ़ दिखी भी। बिहार के सियासी गलियारों में यह कहा भी जाने लगा है कि लालू यादव जिस 'भूराबाल' को साफ़ करने की बात करते थे, तेजस्वी यादव उसी 'भूराबाल' को साथ लेकर चलने की बात करने लगे हैं।

उधर, पिछले चुनावी नतीजों से झटका खाए नीतीश कुमार को लगता है कि अगर वह ख़ुद अपने पांव पर नहीं खड़े हुए और भाजपा ने अपनी बैसाखी छीन ली, तो फिर उनके सियासी लड़ाई मुश्किल हो जाएगी। अपने पांव पर खड़े होने की कवायद में ही वह अगड़ी जातियों में अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश में हैं। राज्य में पिछड़ा वर्ग की नुमाइंदगी करने वाले आरजेडी और जेडीयू, दोनों को अब यह अहसास हो चला है कि अगड़ी जातियों का साथ लेकर ही वे अपने वोट बैंक का विस्तार कर सकते हैं।बिहार में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस पार्टी ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं।

रविवार को पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 58 एआईसीसी (अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी) पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है, जो राज्य में चुनावी गतिविधियों की निगरानी और सांगठनिक मजबूती के काम को सुनिश्चित करेंगे।न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक इन पर्यवेक्षकों में विंग कमांडर (सेवानिवृत्त) अनूमा आचार्य, अली मेहंदी, अशोक चांदना, मनोज यादव, नदीम जावेद, शोएब खान, अखिलेश यादव, वीरेन्द्र यादव जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। ये सभी नेता अलग-अलग क्षेत्रों में पार्टी के प्रदर्शन, उम्मीदवार चयन, स्थानीय मुद्दों और जमीनी हालात का आकलन करेंगे।बिहार में कांग्रेस महागठबंधन का हिस्सा है, जिसमें राजद (राष्ट्रीय जनता दल) सबसे बड़ा घटक है। पिछले विधानसभा चुनाव (2020) में राजद ने 144 सीटों पर चुनाव लड़ा था और 75 सीटें जीती थीं। वहीं कांग्रेस ने 70 सीटों पर किस्मत आजमाई, लेकिन केवल 19 सीटों पर जीत मिली। माकपा (सीपीआई-एमएल) ने 19 सीटों पर चुनाव लड़ा और 12 सीटें जीती थीं।राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, 2024 के लोकसभा चुनाव में कमजोर प्रदर्शन के बाद कांग्रेस के लिए बिहार चुनाव एक महत्वपूर्ण मौका है जिससे वह संगठन को पुनर्गठित कर राज्य में अपनी पकड़ मज़बूत कर सकती है। पर्यवेक्षकों की यह तैनाती एक संगठित रणनीति का हिस्सा है।

भारत का प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान नहीं चीन है

राजेश कुमार पासी

जब अंग्रेजों ने भारत को आजाद किया तो वो जाते-जाते भी भारत के साथ साजिश कर गए । उन्हें अच्छी तरह से पता था कि भारत भविष्य में बड़ी शक्ति के रूप में उभर सकता है । भारत बड़ी शक्ति बनकर उनके लिए भविष्य में चुनौती न बन जाए इसलिए भारत को दो टुकड़ों में बांट गए । यह हमारी गलत सोच है कि भारत का विभाजन हिन्दू-मुस्लिम मतभेद की वजह से हुआ था । वास्तव में उन्होंने दोनों समुदायों के बीच के मतभेदों को बढ़ाकर ऐसे हालात पैदा कर दिये गए कि विभाजन के लिए हमारे नेताओं को मजबूर होना पड़ा । पाकिस्तान बनने से न केवल भारत कमजोर हुआ बल्कि भारत को हमेशा के लिए उसका एक कट्टर दुश्मन मिल गया । पाकिस्तान अपनी पैदाइश से ही भारत को अपना सबसे बड़ा शत्रु मानता आ रहा है जबकि भारत ने कभी भी पाकिस्तान को अपने दुश्मन के रूप में नहीं देखा । आप सोचकर देखिए कि अगर पाकिस्तान के साथ हुए युद्धों में भारत की हार हुई होती तो पाकिस्तान ने भारत का क्या हाल किया होता । भारत ने कई युद्धों में पाकिस्तान को बुरी तरह से हराने के बावजूद उसके साथ मित्रों जैसा व्यवहार किया ।

वास्तव में पाकिस्तान अपनी पैदाइश से ही एक जिहादी मानसिकता वाले आत्मघाती आतंकवादी ही तरह व्यवहार कर रहा है । वो खुद को मिटाकर भी भारत को खत्म कर देना चाहता है । विदेशी शक्तियां पाकिस्तान की पैदाइश से ही उसका इस्तेमाल भारत को आगे बढ़ने से रोकने के लिए करती रही हैं । पहले अमेरिका और पश्चिमी देश पाकिस्तान को भारत के खिलाफ इस्तेमाल कर रहे थे, अब चीन पाकिस्तान का इस्तेमाल कर रहा है । पाकिस्तान एक ऐसे गुंडे की तरह है जिसे पैसा देकर कोई भी भारत के खिलाफ मैदान में उतार सकता है । इसकी एक वजह यह भी है कि पाकिस्तान अपनी शक्ति के बल पर भारत के खिलाफ ज्यादा कुछ नहीं कर सकता । सवाल यह है कि अगर कोई अन्य देश सह नहीं देता तो क्या पाकिस्तान भारत का दोस्त बन जाता । सच्चाई कड़वी है लेकिन सच यही है कि पाकिस्तान का अस्तित्व ही भारत विरोध पर टिका हुआ है । कहा जाता है कि देशों के पास उनकी सेना होती है लेकिन पाकिस्तान की सेना ऐसी है जिसके पास एक देश है । पाकिस्तानी सेना अपनी जनता को भारत के खिलाफ भड़काती रहती है कि अगर वो न हो तो भारत पाकिस्तान को खत्म कर देगा । यही कारण है कि पाकिस्तान की आम जनता भी भारत के प्रति नफरत से भरी हुई है और वो सेना का भारी-भरकम खर्च उठा रही है ।

पाकिस्तान के कारण भारत का सबसे बड़ा नुकसान यह हुआ है कि वो अपने असली दुश्मन को कभी पहचान नहीं सका । पूर्व रक्षामंत्री जॉर्ज फर्नांडिस ने कहा था कि चीन भारत का नम्बर वन दुश्मन है लेकिन उनकी यह बात किसी को समझ नहीं आई । प्रथम प्रधानमंत्री नेहरू जी चीन को मित्र देश मानते थे और उसके साथ मिलकर शांति के कबूतर उड़ाया करते थे । चीन से मित्रता हासिल करने के लिए उन्होंने भारत के हितों के साथ कई समझौते किये । वो चीन को खुश करते रहे ताकि वो भारत का दोस्त बना रहे लेकिन उनकी लाख कोशिशों के बावजूद चीन ने 1962 में भारत पर हमला करके भारत के बड़े भूभाग पर कब्जा कर लिया । चीन के इतने बड़े धोखे के बाद कुछ सालों तक भारत सरकार चीन के प्रति सतर्क रही लेकिन फिर एक बार उसकी तरफ दोस्ती का हाथ बढ़ाया गया । यूपीए शासन के दौरान कांग्रेस ने चीन के साथ एक एमओयू साइन किया है लेकिन इसमें क्या है, यह अभी तक देश की जनता को पता नहीं है । आज राहुल गांधी चीन के विकास का ढिंढोरा पीटते हैं लेकिन वो यह नहीं बताते कि 1980 तक चीन भारत के बराबर ही था लेकिन कांग्रेस की नीतियों के कारण भारत पिछड़ता गया और चीन आगे बढ़ गया । कितनी अजीब बात है कि एक लोकतांत्रिक देश होने के बावजूद भारत वामपंथी नीतियों पर चलकर आर्थिक बर्बादी की ओर जा रहा था जबकि चीन वामपंथी देश होकर पूंजीवाद के बल पर आर्थिक विकास की सीढ़ियां तेजी से चढ़ रहा था । वाजपेयी सरकार के समय भारत का चीन के साथ एक अरब डॉलर के घाटे का व्यापार था लेकिन यूपीए शासन के बाद यह घाटा सौ अरब डॉलर तक पहुंच गया । मोदी सरकार के आने के बाद इसमें बढ़ोतरी बेशक न हुई हो लेकिन यह कम नहीं हो पा रहा है । इसकी बड़ी वजह यह है कि यूपीए शासन के दौरान हमारी अर्थव्यवस्था चीन पर इतनी ज्यादा निर्भर हो गई है कि हम चाह कर भी चीन से आयात कम नहीं कर पा रहे हैं ।

सवाल यह है कि हम अपने ही पैसे से दुश्मन को क्यों बढ़ावा दे रहे हैं । वास्तव में चीन ने अमेरिका के सहयोग से अपने आपको दुनिया की फैक्टरी बना लिया है । यह हमारे देश की विदेश नीति की बहुत बड़ी विफलता है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र होने के बावजूद अमेरिका ने हमें न चुनकर चीन को इस काम के लिये चुना । जो चीन 1980 में हमारे बराबर था, वो आज हमारे से पांच गुणा बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है । हम पाकिस्तान के साथ ऐसे उलझे रहे कि हम चीन की तरफ देख ही नहीं पाए । हम यह पहचान नहीं सके कि हमारा असली दुश्मन चीन है और उसकी बढ़ती ताकत एक दिन हमारे लिए सबसे बड़ी समस्या बन जाएगी । हम पाकिस्तान से खुद को अलग करना चाहते थे लेकिन आतंकवाद को हथियार बनाकर उसने हमें उलझाये रखा । पाकिस्तान के खिलाफ सख्त कदम इसलिए नहीं उठाए गए क्योंकि पाकिस्तान परमाणु बम की धमकी देता था ।

पाकिस्तान और चीन ने एक जबरदस्त गठजोड़ बना लिया है जो हमारी सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका है । 2014 में मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद चीन के खतरे को सही तरह से पहचाना गया है । यूपीए शासन में चीन सीमा पर बुनियादी ढांचे के विकास की अनदेखी की गई क्योंकि रक्षा मंत्री का कहना था कि चीन इसका फायदा उठाकर हमारे देश में घुस जाएगा । मोदी सरकार ने बुनियादी ढांचे का विकास करके बता दिया कि यूपीए सरकार की सोच कितनी गलत थी । मोदी सरकार ने रक्षा क्षेत्र में खुद को आत्मनिर्भर बनाने की ओर कदम बढ़ाए जबकि पहले हम पूरी तरह से विदेशी हथियारों पर निर्भर थे । ऑपरेशन सिंदूर ने साबित कर दिया कि भारतीय हथियारों में कितना दम है और भारत हथियारों के मामले में कितना आत्मनिर्भर हो चुका है ।

ईश्वर का कोड, डीएनए अब इंसान के हाथः वरदान या विनाश?

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

कभी-कभी, इतिहास के पन्नों पर कुछ ऐसे स्वर्णिम क्षण अंकित होते हैं, जो समय की धारा को नया मोड़ दे देते हैं, बल्कि मानवता के भाग्य को नए सिरे से परिभाषित करते हैं। आज, हम एक ऐसे युगांतरकारी शिखर पर खड़े हैं, जहां वैज्ञानिकों ने इंसानी डीएनए को प्रयोगशाला में सृजित करने की दिशा में पहला साहसिक कदम उठाया है। यह एक ऐसी अद्भुत छलांग है, जो जीवन के गूढ़ रहस्यों को उजागर करने, लाइलाज रोगों पर विजय पाने और मानव जीवन को अभूतपूर्व समृद्धि व श्रेष्ठता की ऊंचाइयों तक ले जाने का प्रबल संकल्प रखती है। फिर भी, इस चमकते स्वप्न के पीछे छिपा है एक गंभीर नैतिक और सामाजिक प्रश्न-क्या हम इस अपार शक्ति को संयम और विवेक के साथ संभालने को तैयार हैं? क्या यह मानवता के लिए एक क्रांतिकारी वरदान सिद्ध होगा, या एक ऐसी अनियंत्रित ज्वाला, जो हमें अपनी ही राख में समेट लेगी?

डीएनए-महज चार अक्षरों (ए, जी, सी, टी) का वह अलौकिक संयोजन, जो हर इंसान की अनूठी पहचान, उसके अतीत और भविष्य की गाथा को रचता है। यह वह रहस्यमयी कोड है, जो हमारी हर कोशिका में जीवन की अमर कहानी बुनता है। पच्चीस वर्ष पहले, ह्यूमन जीनोम प्रोजेक्ट ने इस गूढ़ कोड को पढ़ने का द्वार खोला था। अब, सिंथेटिक ह्यूमन जीनोम प्रोजेक्ट इसे शून्य से सृजित करने की साहसिक राह पर अग्रसर है। 'वेलकम ट्रस्ट' जैसे विश्वप्रसिद्ध संस्थान ने इस महात्वाकांक्षी अभियान को एक करोड़ पाउंड की प्रारंभिक राशि प्रदान कर न केवल इसे गति दी है, बल्कि एक गहन प्रश्न भी उभारा है-क्या हम इस क्रांतिकारी तकनीक के दूरगामी परिणामों को समझने और उनके साथ सामंजस्य बिठाने के लिए तैयार हैं?

ब्रिटेन के कैमब्रिज में एमआरसी लेबोरेटरी ऑफ मॉलिक्यूलर बायोलॉजी के प्रख्यात वैज्ञानिक डॉ. जूलियन सेल इसे जीव विज्ञान में एक ऐतिहासिक क्रांति के रूप में देखते हैं। उनके अनुसार, यह तकनीक हमें ऐसी चमत्कारी कोशिकाएं सृजित करने की अनुपम शक्ति प्रदान करती है, जो क्षतिग्रस्त अंगों-जैसे यकृत, हृदय, या प्रतिरक्षा तंत्र-को पुनर्जनन की राह दिखा सकती हैं। कैंसर, अल्जाइमर, और उम्र बढ़ने से जुड़ी दुर्बल बीमारियों का उपचार अब केवल सपना नहीं, बल्कि शीघ्र साकार होने वाली वास्तविकता है। यह एक ऐसा स्वर्णिम भविष्य है, जहां मानव न केवल दीर्घायु, बल्कि स्वस्थ, सशक्त और जीवंत जीवन जीने का स्वप्न साकार करेगा। यह तकनीक चिकित्सा के क्षितिज को पुनर्परिभाषित करने के साथ-साथ मानवता को एक ऐसी दिशा में ले जा रही है, जहां रोग और कमजोरी इतिहास के धुंधलके में विलीन हो जाएंगे। हर क्रांति की भांति, इस तकनीक का भी एक गहन, अंधकारमय पहलू है, जहां इसकी संभावनाओं के समान ही इसके जोखिम भी असीम और भयावह हैं। आलोचक सशंकित स्वर में चेतावनी देते हैं कि यह तकनीक गलत इरादों के अधीन पड़कर मानव नस्ल को कृत्रिम रूप से परिवर्तित करने, 'डिज़ाइनर बेबीज़' के सृजन, या यहां तक कि जैविक हथियारों के विकास का मार्ग प्रशस्त कर सकती है। एडिनबरा यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर बिल अर्नशॉ का कथन गूंजता है, "जिन्न अब बोतल से मुक्त हो चुका है।" यदि कोई संगठन इस शक्ति का दुरुपयोग करता है-चाहे वह 'उन्नत' मानवों की रचना के लिए हो या अप्राकृतिक प्राणियों के सृजन के लिए-तो उसे थामना सर्वथा असंभव हो सकता है। इतिहास साक्षी है कि विज्ञान की क्रांतिकारी खोजें, चाहे वह परमाणु ऊर्जा हो या जैव प्रौद्योगिकी, सदा ही एक दोधारी तलवार रही हैं, जो मानवता को उन्नति और विनाश के बीच झूलने को विवश करती हैं।

इसके अतिरिक्त, व्यावसायिक दुरुपयोग का खतरा भी उतना ही प्रबल और चिंताजनक है। यदि कृत्रिम डीएनए से निर्मित अंगों या प्राणियों का स्वामित्व निजी कंपनियों के हाथों में सौंपा गया, तो क्या यह स्वास्थ्य सेवाओं में पहले से मौजूद असमानता को और गहरा नहीं कर देगा? क्या यह अमीर और गरीब के बीच की खाई को और अधिक विस्तृत और अभेद्य नहीं बना देगा? प्रोफेसर मैथ्यू हर्ल्स, जिन्होंने ह्यूमन जीनोम की सिक्वेंसिंग में अमूल्य योगदान दिया है, मानते हैं कि डीएनए को शून्य से रचने की यह प्रक्रिया इसके रहस्यमयी कार्यप्रणाली को उजागर करने में अभूतपूर्व सहायता प्रदान करेगी। किंतु एक गहन प्रश्न अब भी अनुत्तरित लटक रहा है-इस अपार शक्ति का स्वामित्व और नियंत्रण आखिर किसके पास होगा?'वेलकम ट्रस्ट' के डॉ. टॉम कॉलिन्स दृढ़ता से तर्क देते हैं कि यह तकनीक देर-सवेर अवश्य साकार होगी, अतः इसे अनदेखा करने के बजाय विवेकपूर्ण और जिम्मेदारी के साथ विकसित करना, साथ ही इसके नैतिक आयामों पर गहन चिंतन करना कहीं अधिक बुद्धिमानी होगी। इस दिशा में एक प्रेरणादायी कदम के रूप में, केंट यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर जॉय ज़ाग के नेतृत्व में एक सामाजिक विज्ञान पहल ने जन्म लिया है, जिसका लक्ष्य आमजन, समाजशास्त्रियों और विशेषज्ञों के विचारों को संकलित कर इस तकनीक के सामाजिक प्रभावों का सूक्ष्म आकलन करना है।

मध्यप्रदेश के जल अभियान को राष्ट्रीय आंदोलन बनाने की जरुरत

डॉ. हरीशकुमार सिंह

दिसंबर 1992 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 22 मार्च को विश्व जल दिवस घोषित किया और वर्ष 1993 में पहला विश्व जल दिवस मनाया गया । विश्व भर में जल को लेकर कई चिंताएं हैं जिनमें मुख्य रूप से जल संकट , प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन सम्मिलित हैं । जल संकट का आशय दुनिया भर में कई लोगों को स्वच्छ और सुरक्षित पानी उपलब्ध नहीं है जिससे स्वास्थ्य ,खाद्य सुरक्षा और आर्थिक विकास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है । वैश्विक जल संकट के अंतर्गत दुनिया की लगभग पच्चीस प्रतिशत आबादी पानी की कमी और तनाव का सामना कर रही है और आने वाले दिनों में ये संकट और भी बढ़ने वाला है । भारत और अन्य तीन देशों में हुए एक अध्ययन के अनुसार वर्ष 2040 तक पूरी दुनिया को पीने के पानी की किल्लत का सामना कर पड़ सकता है क्योंकि भूगर्भीय जल का स्तर तेजी से कम हो रहा है । जल की कमी कई कारणों से हो रही है जिनमें जल की मांग , आपूर्ति से अधिक होना ,जल संबंधी बुनियादी ढांचा का अपर्याप्त होना भी है । जल की कमी विश्व में हर कहीं महसूस की जा रही है जिसका सबसे बुरा असर गरीब और निचले समुदायों पर पड़ता है । जैसे जैसे वैश्विक जनसँख्या बढ़ रही है उपलब्ध जल संसाधनों का सरंक्षण और नए जल प्रबन्धन की अत्यंत आवश्यकता है ।

केंद्र सरकार ने भी जल संसाधनों की योजना और विकास और उनके इष्टतम उपयोग को नियंत्रित करने के लिए जल संसाधन मंत्रालय द्वारा वर्ष 1987 में पहली राष्ट्रीय जल नीति बनाई गई है और समय समय पर इसे अद्यतन भी किया गया है । राष्ट्रीय जल नीति जल प्रबन्धन के लिए क़ानून विकसित करने और राज्यों की क्षेत्रीय आवश्यकताओं के अनुरूप राज्य स्तरीय जल नीतियों पर कार्य करना है । राष्ट्रीय जल नीति में पानी को सार्वजनिक संपत्ति और राष्ट्रीय संपत्ति के रूप में मान्यता दी गई है और पानी के उपयोग के लिए एक पारिस्थितिक दृष्टिकोण अपनाया गया है । जाहिर है कि मध्यप्रदेश में भी जल के उचित प्रबन्धन , जल संसाधनों के सरंक्षण और जल के लिए नवीन कार्य योजनाओं की आवश्यकता महसूस कीं जाती रही है । भूजल स्तर में कमी , अंतर्राजीय नदी जल विवाद , जलाशयों का मरना , जल प्रदूषण , जल भराव , वर्षा जल संचयन जैसी समस्यायें मध्यप्रदेश में भी रहीं है । मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश का कार्यभार संभालते ही सबसे पहले अंतर्राजीय नदी जल विवाद का समाधान किया और दिसम्बर 2024 में पार्वती – कालीसिंध – चम्बल लिंक परियोजना के लिए केंद्र , राजस्थान और मध्यप्रदेश के बीच बहत्तर हजार करोड़ रूपये की एक त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किये जिससे दोनों राज्यों को सिंचाई सुविधा और जल की उपलब्धता हो सके । ताप्ति बेसिन मेगा रिचार्ज प्रोजेक्ट के तहत महाराष्ट्र से समझौता किया गया । इसके बाद जरुरी था कि राष्ट्रीय जल नीति के अनुरूप प्रदेश में पानी का सरंक्षण , जल संसाधनों का विकास , पानी का वितरण , जल प्रदूषण नियंत्रण , जल के लिए सतत कार्य और सार्वजनिक भागीदारी से जल के लिए जन जागृति लाइ जाए । वैसे भी भारतीय दर्शन में पृथ्वी ,जल ,अग्नि ,वायु और आकाश पंचतत्व माने गये हैं जिनमें जल महत्वपूर्ण घटक है और पर्यावरण के अंतर्गत तीन महत्वपूर्ण घटक आते हैं जिनमें जल ,जंगल और जमीन सम्मिलित हैं और इनके सरंक्षण से प्रकृति और मानव सभ्यता के बीच संतुलन बना रहता है ।

बेहतर और प्रभावी जल प्रबंधन के लिए मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश में 30 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान का आयोजन किया और इस अभियान से पूरे प्रदेश को जोड़ा ।

कुर्सी का कीड़ा, कलम का सौदा

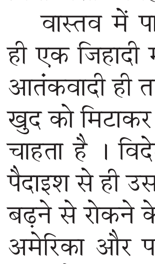

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

न जाने किस शुभ मुहूर्त में, या शायद किसी शापित पल में, स्वप्निल ने अपने गाँव की धूल भरी पगडंडियों को छोड़, चमचमाती डामर की सड़कों का रुख़ किया था। उसकी आँखों में एक अजीब सी चमक थी, वही चमक जो अक्सर नए-नवेले प्रेमियों या फिर बेपनाह आदर्शवादियों की आँखों में दिखती है। उसके हाथ में थी उसकी 'कविता-पोथी', जीर्ण-शीर्ण, पन्नों के किनारे मुड़े हुए, पर हर पंक्ति में उसकी आत्मा का शोर।

उसे लगता था, यह महानगर, यह कंक्रीट का जंगल, कला का मक्का होगा, जहाँ उसकी कविताएँ, जो सिर्फ़ हवा से नहीं, बल्कि उसकी आत्मा के सबसे गहरे कुएँ से निकली थीं, अपने लिए एक मंच पाएँगी। उसने सुना था 'साहित्य भवन' के बारे में – एक भव्य इमारत, जहाँ कलमकारों की कद्र होती है, जहाँ सरस्वती का वास है, और जहाँ कवि को अपनी भूख मिटाने के लिए सिर्फ़ अपनी कला का ही सहारा लेना पड़ता है, न कि किसी हुक्मरान की चमचागिरी का। वह नहीं जानता था कि यह चमक सिर्फ़ शहर की नियाग्रा लाइट्स की थी, जिसके पीछे स्याही से भी गहरा अँधेरा छुपा था।

उसने सोचा था, वो यहाँ आज़ादी के गीत गाएगा, पर उसे कहाँ पता था कि आज़ादी के गीत गाने वाले को अक्सर बेसुरा करार दे दिया जाता है, और फिर उसकी आवाज़ को सरकारी कागज़ों में दबा कर, उस पर 'अश्लील' की मुहर लगा दी जाती है। आह, उस दिन अगर कोई फकीर उसे रोककर कह देता, बेटा, यह शहर नहीं, साहित्य का शमशान है!, तो शायद उसकी आत्मा आज भी अपने गाँव की मिट्टी में चैन से सो रही होती। पर किसे पता था कि सबसे बड़ा व्यंग्य नियति खुद लिख रही थी, और स्वप्निल उसकी स्याही बनने वाला था।

उसकी भोली हँसी, उसके बेबाक बोल, सब इस माया नगरी की भट्टी में पिघलने वाले थे, ताकि सरकारी पुरस्कारों की चमकदार ईंटें बन सकें। साहित्य भवन, दूर से किसी प्राचीन किले सा लगता था, उसकी भव्यता आँखों को चौंधिया देती थी। पर जैसे ही स्वप्निल ने उसके विशालकाय दरवाज़े पार किए, भीतर की ख़ामोशी ने उसे डरा दिया। यहाँ कोई साहित्यिक चर्चा नहीं, कोई कविता पाठ नहीं, सिर्फ़ गलियारों में गूँजती फ़ाइलों की सरसराहट और स्याही की सड़ी हुई गंध। दीवार पर टँगी बड़ी-बड़ी तस्वीरें थीं, महान साहित्यकारों की, जिनकी आँखों में एक अजीब सी रिक्तता थी, जैसे उनकी आत्माएँ कहीं और गिरवी रख दी गई हों। यहीं उसकी मुलाक़ात हुई श्रीमान कलमचंद से। कलमचंद, नाम ही था, कलम से उनका अब कोई ख़ास नाता नहीं था, सिवाय हस्ताक्षर करने के। सफ़ेद कुर्ता, चमकती हुई धोती, और चेहरे पर एक ऐसी मुस्कान, जो सिर्फ़ तब आती थी जब कोई मंत्री सामने होता था। उन्होंने स्वप्निल की ओर देखा, उसकी आँखों की आग को पहचानते हुए, और एक लंबी साँस छोड़ी, आ गए बेटा? एक और शहीद! उन्होंने उसे एक कप कड़वी चाय पिलाई, और अपनी धुँधली आँखों से उसे निहारते हुए कहा, देखो बेटा, यहाँ कविता पेट से निकलती है, दिल से नहीं। दिल की कविता तो भूखे मारती है। और भूखा कलाकार सिर्फ़ क्रान्ति करता है, सरकार को क्रान्ति नहीं, शान्ति पसंद है।

आषाढ़ माह की दुर्गाष्टमी आज से प्रारंभ

हर महीने शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को मासिक दुर्गाष्टमी मनाई जाती है, जो मां दुर्गा को समर्पित होती है। आषाढ़ मास की दुर्गाष्टमी का विशेष महत्व है, यह दिन देवी दुर्गा के भक्तों के लिए बेहद पावन होता है, जब वे मां की कृपा प्राप्त करने के लिए व्रत रखते हैं और पूजा-अर्चना करते हैं। आइए जानते हैं आषाढ़ दुर्गाष्टमी के शुभ मुहूर्त, पूजा विधि और इसके महत्व के बारे में विस्तार से।

आषाढ़ माह की मासिक दुर्गा अष्टमी कब है? पंचांग के अनुसार, इस वर्ष आषाढ़ मास की शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि का आरंभ 2 जुलाई 2025 को रात 10 बजे से होगा और यह 3 जुलाई 2025 को रात 11:30 बजे समाप्त होगी। उदया तिथि के अनुसार, आषाढ़ दुर्गाष्टमी का व्रत 3 जुलाई 2025 को रखा जाएगा।

मासिक दुर्गाष्टमी के दिन कैसे करें मां दुर्गा को प्रसन्न?

दुर्गाष्टमी के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें। इसके बाद, पूजा का संकल्प लें। घर के पूजा स्थल को गंगाजल छिड़क कर शुद्ध करें। एक चौकी पर लाल वस्त्र बिछाकर मां दुर्गा की प्रतिमा या तस्वीर स्थापित करें। मां दुर्गा को लाल चुनरी, सिंदूर, बिंदी, चूड़ियां, मेहंदी आदि से श्रृंगार करें। एक दीपक प्रज्ज्वलित करें और धूप-अगरबत्ती जलाएं। मां दुर्गा को लाल गुड़हल के फूल विशेष रूप से पसंद हैं। उन्हें अर्पित करें। फल, मिठाई और हलवा-पूरी का भोग लगाएं। दुर्गा चालीसा का पाठ करें और "ॐ दुं दुर्गायै नमः" या "या देवी सर्वभूतेषु शक्तिरूपेण संस्थिता, नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः" जैसे मंत्रों का जाप करें। आखिर में मां दुर्गा की आरती करें और परिवार सहित आरती में शामिल हों। पूजा के दौरान हुई किसी भी गलती के लिए मां से क्षमा याचना करें। पूजा के बाद प्रसाद सभी में बांट दें।

आषाढ़ दुर्गाष्टमी का महत्व

दुर्गाष्टमी का पर्व मां दुर्गा की शक्ति और उनके नौ स्वरूपों को समर्पित है। यह दिन भक्तों को भय, बाधाओं और नकारात्मक शक्तियों से मुक्ति दिलाने वाला माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन मां दुर्गा का सच्चे मन से पूजन करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। मां दुर्गा को शक्ति का प्रतीक माना जाता है। इस दिन उनकी पूजा करने से शत्रुओं पर विजय प्राप्त होती है और जीवन में आने वाली बाधाएं दूर होती हैं। जो भक्त सच्ची श्रद्धा से मां की आराधना करते हैं, उनके घर में सुख-समृद्धि और शांति का वास होता है।

मासिक दुर्गाष्टमी पर व्रत रखने और मां दुर्गा की पूजा करने से शारीरिक कष्टों और रोगों से मुक्ति मिलती है।

मां दुर्गा भक्तों की सभी मनोकामनाओं को पूरा करती हैं। संतान प्राप्ति, विवाह संबंधी बाधाएं और करियर में सफलता जैसी इच्छाएं इस दिन पूजा से पूरी हो सकती हैं। मां दुर्गा की उपस्थिति नकारात्मक ऊर्जाओं और बुरी शक्तियों को दूर करती है, जिससे घर में सकारात्मकता का संचार होता है।

बहुत कठिन है डगर कांवड़ की इस दौरान क्या करें और क्या नहीं?

कांवड़ यात्रा का हिंदू धर्म में विशेष महत्व है। हर साल कांवड़ यात्रा श्रावण माह में शुरू होती है। साल 2025 में कांवड़ यात्रा की शुरूआत 11 जुलाई से हो जाएगी। कांवड़ यात्रा के दौरान किन नियमों का पालन किया जाता है, सावन माह की शुरूआत के साथ कांवड़ की शुरूआत भी हो जाती है। साल 2025 में सावन का महीना 11 जुलाई से शुरू हो रहा है। इस खास माह को भोलेनाथ की भक्ति के लिए सर्वश्रेष्ठ माना गया है। भोलेबाबा के भक्त बड़े उत्साह के साथ कांवड़ यात्रा में शामिल होते हैं।

भोलेनाथ के भक्त उनकी कृपा पाने के लिए सावन के महीने में कांवड़ भरते हैं। कांवड़ यात्रा भगवान शिव को समर्पित होती है। भोले बाबा के भक्त पवित्र गंगा जल से शिवलिंग का अभिषेक करते हैं, जिससे उन्हें भगवान शिव की कृपा प्राप्त होती है।

कांवड़ यात्रा के दौरान भक्त पवित्र गंगा जल को हरिद्वार, गंगोत्री, गौमुख, गढ़मुक्तेश्वर और वाराणसी जैसे स्थानों से गंगाजल भरकर इसे अपने नजदीकी शिव मंदिरों में अर्पित करते हैं। यह यात्रा सावन के महीने में भगवान शिव के प्रति भक्ति और समर्पण का प्रतीक है।

कांवड़ यात्रा के नियम

कांवड़ के लिए जाते समय बहुत से नियमों का पालन किया जाता है, तभी इसका फल प्राप्त होता है। आइये जानते हैं क्या हैं कांवड़ के नियम।

कांवड़ यात्रा के समय मन, कर्म और वचन शुद्ध होना चाहिए।

कांवड़ यात्रा के समय शराब, पान, गुटखा, तंबाकू, सिगरेट का सेवन नहीं करना चाहिए।

कांवड़ यात्रा में दौरान कांवड़िए नंगे पैर यात्रा करते हैं। इस समय मन में शिव शंकर का नाम, मंत्र जाप और बोल बम के जयकारे और उनके भजन-कीर्तन होने चाहिए।

एक बार कांवड़ उठाने के बाद उसे रास्ते में कहीं भी जमीन पर नहीं रखा जाता है, ऐसा करने पर कांवड़ यात्रा अधूरी मानी जाती है, ऐसे में कांवड़िए को फिर से कांवड़ में पवित्र जल भरना होता है।

क्या सच में क्रिस्टल ट्री से बदलती है किस्मत?

हर कोई चाहता है कि उसके घर का माहौल शांत और पॉजिटिव बना रहे। इसके लिए लोग तरह-तरह के उपाय करते हैं कभी पौधे लगाते हैं, कभी वास्तु से जुड़ी चीजें रखते हैं। इन्हीं में से एक है क्रिस्टल ट्री। कई घरों में आपने इसे ड्रॉइंग रूम या मंदिर के पास सजा हुआ देखा होगा, लेकिन क्या यह सिर्फ सजावट के लिए होता है, या इसके पीछे कोई खास वजह भी है?

क्रिस्टल ट्री रखने से क्या होते हैं फायदे?

क्रिस्टल ट्री दिखने में जितना सुंदर होता है, उतना ही इसका असर घर के वातावरण पर भी दिखाई देता है। इसमें छोटे-छोटे रंगीन क्रिस्टल लगे होते हैं, जो ऊर्जा को खींचने और फैलाने का काम करते हैं। माना जाता है कि ये ट्री घर में शांति, समृद्धि और पॉजिटिव एनर्जी लाते हैं। अगर घर में अक्सर लड़ाई-झगड़े होते हैं या काम बनते-बनते अटक जाते हैं, तो क्रिस्टल ट्री उस नकारात्मक ऊर्जा को कम करता है। साथ ही, ये आपके दिमाग को शांत करने में भी मदद करता है, जिससे घर का माहौल खुशनुमा बना रहता है।

किस दिशा में रखें क्रिस्टल ट्री?

क्रिस्टल ट्री का असर तभी दिखता है जब उसे सही दिशा में रखा जाए। पंडित जी के अनुसारः

1. धन और करियर में ग्रोथ चाहिए, तो ट्री को उत्तर-पश्चिम दिशा में रखें। इससे नए मौके मिलते हैं और काम में सफलता मिलती है।
2. रिश्तों में मिठास लानी है, तो इसे दक्षिण-पश्चिम दिशा में रखें, खासकर बेडरूम या लिविंग रूम में।
3. परेशानियों से छुटकारा पाना है, तो ट्री को उत्तर-पूर्व कोने में रखें। इससे मानसिक तनाव कम होता है और नई पॉजिटिव शुरुआत होती है।

लगाने से पहले किन बातों का रखें ध्यान?

पंडित या जानकार से सलाह जरूर लें – ताकि ये ट्री आपके घर के हिसाब से सही दिशा में रखा जाए।

कल कैलाश मानसरोवर यात्रा-2

सुरेश गांधी

वैज्ञानिक और रहस्यमयी दृष्टि

कैलाश पर्वत आज भी वैज्ञानिकों के लिए रहस्य बना हुआ है। इसकी संरचना एक पिरामिड की तरह है और यह दुनिया के अन्य पवित्र स्थलों जैसे जेरूसलम, पिरामिड ऑफ गिजा और स्टोनहेंज से एक रहस्यमयी रेखा में स्थित है। ऐसा कहा जाता है कि कैलाश पर्वत के चारों ओर प्राकृतिक चुंबकीय शक्ति का एक ऐसा केंद्र है, जो समय और आयु की गणना को प्रभावित करता है।

यात्रा का महत्व

कैलाश मानसरोवर केवल एक यात्रा नहीं है, यह जीवन की सबसे पवित्र आध्यात्मिक साधना है। यहां के बर्फीले वातावरण में जो दिव्यता है, वह किसी भी भक्त की आत्मा को झकझोर देती है। यहां आकर लगता है जैसे महादेव की सांसे स्वयं इस हिमालय की ठंडी हवाओं में घुली हुई हैं। लास्मान सुरोवर में स्वयं ब्रह्मा, विष्णु और महेश का तेज समाहित है। कैलाश बुलाता नहीं है, वह तभी दर्शन देता है जब स्वयं महादेव का आशीर्वाद हो। यह यात्रा कठिन जरूर है, लेकिन हर कदम आपको शिव के और करीब ले जाता है। यहां आकर लगता है जैसे हर बर्फ का कण, हर श्वास, हर धड़कन 'ॐ नमः शिवाय' का जाप कर रही हो। झील में कैलाश पर्वत का प्रतिबिंब देखना सबसे शुभ क्षण माना जाता है।

यात्रा का मार्ग और प्रमुख पड़ाव

भारत से जाने के दो रास्ते : 1. लिपुलेख दर्रा (उत्तराखंड)। 2. नाथुला दर्रा (सिक्किम)। जबकि इसके प्रमुख पड़ाव : धारचूला, लिपुलेख, ताकलाकोट, मानसरोवर, कैलाश, डेरापुक, डोलमा ला पास व झोंगदो है। यात्रा की विशेषताएं : केवल चयनित यात्रियों को ही अनुमति मिलती है। हर साल सीमित संख्या में श्रद्धालु जा पाते हैं। भारत सरकार और चीन सरकार की अनुमति अनिवार्य। ऊँचाई और मौसम से जुड़ी कठिनाइयां, लेकिन अद्भुत अनुभूति।

भक्ति की अंतिम यात्रा

यह यात्रा केवल पैरों से नहीं, यह ह्रदय और श्रद्धा से तय होती है। यहां पहुंचना सौभाग्य है, क्योंकि कैलाश बुलाता नहीं है, कैलाश तभी दर्शन देता है जब स्वयं महादेव बुलाएं।

पौराणिक मान्यताएं

रावण को हम प्रायः लंका का सम्राट, शिवभक्त, महान विद्वान और रामायण के खलनायक के रूप में जानते हैं, लेकिन रावण का संबंध केवल लंका और युद्ध तक सीमित नहीं था। भारतीय पौराणिक कथाओं में रावण से जुड़ी कई ऐसी कथाएं हैं, जो कम ज्ञात हैं, जिनमें सरयू नदी का विशेष स्थान भी उल्लेखनीय है। रावणः शिवभक्ति और विद्वत्ता का प्रतीक था। रावण न केवल एक महान योद्धा था, बल्कि वह परम शिव भक्त, उच्च कोटि का तंत्र साधक और प्रकांड पंडित भी था। कहा जाता है कि उसने 'शिव तांडव स्तोत्र' की रचना स्वयं भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए की थी। उसकी तपस्या, भक्ति और विद्या में कोई संदेह नहीं, किंतु उसका अहंकार ही उसके पतन का कारण बना।

सरयू नदी का पौराणिक महत्व

सरयू नदी अयोध्या से होकर बहती है और इसे मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम से गहरे रूप में जोड़ा जाता है। रामायण में यह नदी केवल एक भौगोलिक धारा नहीं, बल्कि दिव्य मोक्ष का द्वार भी मानी जाती है। कहा जाता है कि श्रीराम ने अपने जीवन के अंतिम समय में सरयू नदी में जल समाधि ली थी और अपने दिव्य लोक में प्रस्थान किया था। कुछ कथाओं में उल्लेख मिलता है कि बाल्यकाल में रावण अयोध्या की धरती पर भी आया था। ऐसी मान्यता है कि रावण के पिता ऋषि विश्वश्रवा और उसकी माता कैकसी ने रावण के बाल्यकाल में उसे अयोध्या की यात्रा करवाई थी, जहां सरयू नदी के तट पर उसे वैदिक संस्कार सिखाए गए। सरयू के किनारे रावण ने अपनी प्रथम यज्ञ दीक्षा प्राप्त की थी। कुछ लोककथाओं के अनुसार, रावण जब भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए अपने तपस्या काल में अयोध्या आया, तब उसने सरयू नदी के तट पर विशेष रुद्राभिषेक किया था। कहते हैं कि सरयू का निर्मल जल शिव को अत्यंत प्रिय है और रावण ने इसी जल से भगवान शिव को स्नान कराया था। अयोध्या के समीप प्राचीन समय में रावण द्वारा स्थापित एक शिवलिंग की भी चर्चा मिलती है, हालांकि इसका ऐतिहासिक प्रमाण बहुत सीमित है। कुछ शोधकर्ता मानते हैं कि रावण ने सरयू के जल का प्रयोग शिव आराधना के लिए विशेष रूप से किया था, क्योंकि सरयू का जल 'मोक्षदायिनी' माना जाता है।

रावण और राम का युद्ध केवल अच्छाई और बुराई का युद्ध नहीं था, बल्कि यह अहंकार और मर्यादा के बीच संघर्ष था। रावण जहां अद्भुत शक्ति का प्रतीक था, वहीं राम मर्यादा और धर्म का प्रतिरूप। इस युद्ध के बाद जब भगवान श्रीराम सरयू नदी में जल समाधि लेते हैं, तो मान्यता है कि यही सरयू रावण के समर्पण का भी साक्षी बनी थी। कुछ कथाओं के अनुसार, रावण की आत्मा ने मोक्ष की प्राप्ति के लिए श्रीराम से अंतिम समय में सरयू तट पर क्षमा याचना की थी, और प्रभु राम ने अपने करुणामय स्वभाव से उसे मुक्ति प्रदान कर दी थी। कहा जा सकता है रावण केवल एक खलनायक नहीं था, बल्कि वह भारतीय संस्कृति का एक जटिल और बहुपक्षीय पात्र था। उसकी विद्वता, भक्ति और साहस आज भी चर्चा का विषय हैं। सरयू नदी, जो श्रीराम की महत्ता की प्रतीक मानी जाती है, रावण के जीवन में भी एक अदृश्य आध्यात्मिक धारा के रूप में जुड़ी रही है। यह संबंध हमें यह सिखाता है कि भले ही पात्रों का संघर्ष कैसा भी हो, भारत की नदियां और धरोहरें सबका समान रूप से कल्याण करती हैं। कैलाश पर्वत के पास ही राक्षस ताल नामक झील भी स्थित है, जिसे नकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना ज ाता है। झील का पानी अत्यंत निर्मल और मीठा होता है। वैज्ञानिकों के अनुसार, मानसरोवर झील में अद्भुत चुंबकीय ऊर्जा पाई जाती है।

श्रद्धालुओं नेअपने अनुभव साझा करते हुए ललित वर्मा कहते है वहां हर सांस में महादेव बसे है। "मैंने सुना था कैलाश बुलाता है, लेकिन इस यात्रा में मैंने इसे महसूस किया। कड़ाके की ठंड, सांस लेने में तकलीफ, मगर महादेव का आशीर्वाद हर कदम पर महसूस होता था। जब मानसरोवर झील में स्नान किया तो लगा जैसे आत्मा भी शिवमय हो गई। शरीर थक जाता था, मगर मन दौड़ता रहता था शिव की ओर। इस यात्रा ने मुझे भीतर से बदल दिया। वाराणसी के राजेश यादव कहते है, हमारा जत्था मानसरोवर की ओर बढ़ रहा था। ऑक्सीजन कम थी, मौसम अचानक खराब हो जाता था। कुछ पल तो लगा शायद आगे नहीं जा सकेंगे। लेकिन फिर शिव नाम की शक्ति मिली। लास्मान सुरोवर के तट पर बैठकर जब शिव के पर्वत की छाया देखी तो आंखों से आंसू बह निकले। ऐसा शांति का अनुभव शायद किसी मंदिर में भी नहीं मिला। यह शिव के साक्षात दर्शन हैं।

समाप्त

घर के मुख्य दरवाज़े पर टांग दें ये 5 चीज़ें नकारात्मक शक्तियां रहेंगी कोसों दूर!

तोरण (शुभ पत्ते और फूल)

मुख्य दरवाज़े पर तोरण लगाना भारतीय परंपरा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। आम के पत्तों, अशोक के पत्तों और गेंदे के फूलों से बना तोरण बहुत शुभ माना जाता है। ये पत्ते और फूल नकारात्मक ऊर्जा को घर में प्रवेश करने से रोकते हैं और सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करते हैं। यह घर में उत्सव और उल्लास का माहौल भी बनाता है। माना जाता है कि ये चीज़ें वातावरण को शुद्ध करती हैं और आने वाले मेहमानों का स्वागत भी करती हैं।

घोड़े की नाल

काले घोड़े की नाल को वास्तु और फेंगशुई दोनों में ही बहुत शुभ माना गया है। इसे मुख्य दरवाज़े के ऊपर 'U' आकार में टांगने से बुरी नज़र और नकारात्मक ऊर्जा घर में प्रवेश नहीं कर पाती। यह धन और समृद्धि को भी आकर्षित करती है। ध्यान रखें कि घोड़े की नाल सही दिशा में और सही तरीके से लगाई गई हो ताकि इसका पूरा लाभ मिल सके।

स्वस्तिक चिन्ह

स्वस्तिक हिन्दू धर्म में एक अत्यंत पवित्र और शुभ चिन्ह है। इसे मुख्य दरवाज़े के दोनों ओर या दरवाज़े के ठीक ऊपर लगाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। यह समृद्धि, सौभाग्य और शांति का प्रतीक है। स्वस्तिक नकारात्मक शक्तियों को दूर भगाता है और घर में सुख-शांति बनाए रखने में मदद करता है। इसे कुमकुम या सिंदूर से बनाना विशेष रूप से प्रभावी माना जाता है।

विंड चाइम (पवन घंटी)

धातु या बांस से बनी विंड चाइम की मधुर ध्वनि घर के वातावरण को शुद्ध करती है और सकारात्मक ऊर्जा को प्रवाहित करती है। मुख्य दरवाज़े पर विंड चाइम लगाने से नकारात्मक ऊर्जा अटकती नहीं है और उसका प्रभाव कम हो जाता है। इसकी खनकती आवाज़ घर में सकारात्मक कंपन पैदा करती है और मन को शांति प्रदान करती है। विंड चाइम चुनते समय उसकी सामग्री और आवाज़ पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है।

शुभ यंत्र या मूर्ति

मुख्य दरवाज़े पर गणेश जी की मूर्ति या लक्ष्मी जी का कोई छोटा यंत्र लगाना भी बहुत शुभ माना जाता है। गणेश जी को विघ्नहर्ता कहा जाता है, जो घर में आने वाली सभी बाधाओं को दूर करते हैं। वहीं, लक्ष्मी जी धन और समृद्धि की देवी हैं। इनकी उपस्थिति घर में सुख, समृद्धि और शांति लाती है। ध्यान रहे कि मूर्ति या यंत्र को साफ-सुथरा रखें और नियमित रूप से पूजा करें।

इन चीज़ों को अपने घर के मुख्य दरवाज़े पर टांगकर आप अपने घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार बढ़ा सकते हैं और नकारात्मक शक्तियों को दूर रख सकते हैं। यह न सिर्फ आपके घर को सुरक्षा प्रदान करेगा, बल्कि आपके जीवन में खुशहाली और समृद्धि भी लाएगा।

समय बर्बाद करेंगे तो बड़े अवसर हाथ से निकल जाएंगे

समय का कितना मूल्यवान है और आलस कितना नुकसानदायक हो सकता है, ये एक लोक कथा से समझ सकते हैं। इस कहानी में एक गुरु ने अपने आलसी शिष्य को सफलता पाने का सूत्र समझाया है। पढ़िए ये कहानी...

एक आश्रम में एक संत अपने शिष्यों के साथ रहते थे। गुरु का एक शिष्य बहुत आलसी था और वह समय का महत्व नहीं समझता था। जब उसकी शिक्षा का समय पूरा होने वाला था, तब गुरु को लगा कि अगर इस शिष्य को समय की कीमत नहीं समझाई तो इसका जीवन बर्बाद हो जाएगा। इसलिए गुरु ने एक योजना बनाई।

गुरु ने शिष्य को एक विशेष पत्थर दिया और कहा कि ये पारस पत्थर है। इसे लोहे की किसी भी वस्तु से स्पर्श करने पर वह सोने में बदल जाएगी। तुम्हारे पास केवल दो दिन हैं। मैं दूसरे गांव जा रहा हूं और दो दिन बाद लौट आऊंगा, तब मुझे ये पत्थर तुम वापस कर देना।

शिष्य ने सोचा कि अब उसके पास बहुत बड़ा मौका है। उसने ये ठान लिया कि वह इस पत्थर से बहुत सारा सोना बनाएगा, ताकि जीवन भर उसे मेहनत करने की जरूरत न पड़े, लेकिन जैसे ही गुरु आश्रम से निकले, शिष्य ने सोच लिया कि अभी उसके पास दो दिन हैं तो वह आज आराम करेगा। अगले दिन वह सोना बनाएगा। यही सोचकर वह सो गया। एक दिन आराम करने के बाद अगले दिन शिष्य उठा, फिर उसने सोचा कि पहले थोड़ा खाना लेता हूं, फिर काम करूंगा। भोजन के बाद उसे नींद आने लगी तो उसने सोच लिया कि अब कुछ देर सो लेता हूं, फिर शाम को काम कर लूंगा। जैसे ही शाम हुई, गुरु आश्रम लौट आए और शिष्य से कहा, अब दो दिन पूरे हो गए हैं। अब वह पत्थर मुझे वापस दे दो।

गुरु को देखकर शिष्य को अपनी गलती का अहसास हो गया। उसने समय को बर्बाद किया और अब उसके पास कोई सोना बनाने का समय नहीं था। उसे समझ में आ गया कि समय बहुमूल्य है और उसे आलस में बर्बाद करना ठीक नहीं है।

कथा से सीखें ये 5 सूत्र

समय की कद्र करेंः इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि समय का कोई विकल्प नहीं है। जो वक्त आपके पास है, वह फिर कभी वापस नहीं आएगा। आलस से बचने का सबसे पहला कदम यही है कि आप हर पल का सही उपयोग करें।

काम को कल पर न टालेंः आलस को दूर करने के लिए यह जरूरी है कि आप हर काम को आज ही पूरा करें, न कि उसे कल पर टाल दें। हर दिन कुछ न कुछ नया करने की आदत डालें। स्मार्ट वर्क और प्रायोरिटी तय करेंः हमें यह समझने की जरूरत है कि कभी-कभी हमें आराम करने के लिए भी समय निकालना चाहिए, लेकिन यदि हम कार्यों को पहले से प्राथमिकता दे और उन्हें समय पर पूरा करें तो हमारी मेहनत अधिक प्रभावी होगी।

आराम के समय को समझदारी से उपयोग करेंः यह जरूरी नहीं कि हमेशा लगातार काम करते रहें। लेकिन आराम के समय का सही उपयोग करते हुए हम अपनी कार्यकुशलता को बढ़ा सकते हैं।

आत्ममूल्यांकन और सुधार करेंः जैसे ही शिष्य को अपनी गलती का अहसास हुआ, उसी तरह हमें भी समय-समय पर अपने कार्यों का मूल्यांकन करना चाहिए। यह हमें अपनी प्राथमिकताएं समझने और सुधारने में मदद करेगा। जो व्यक्ति समय का मूल्य नहीं समझ पाता, वह आलस में ही घिरा रहता है। सही समय पर पहले किया गया काम जीवन में सफलता की कुंजी है। अगर आप समय का सही इस्तेमाल करते हैं तो आपके पास जीवन की हर मुश्किल को पार करने की शक्ति होगी। इसलिए आलस छोड़ें, समय की कीमत समझें।

व्हाइट साड़ी के साथ नये लुक में गॉर्जियस दिखीं मानुषी छिल्लर

बॉलीवुड एक्ट्रेस मानुषी छिल्लर ने आज सोशल मीडिया हैंडल पर अपना एक बेहद ही शानदार लुक शेयर कर फैंस को खुश कर दिया है। यह लुक उन्होंने अपनी आगामी फिल्म 'मालिक' के ट्रेलर लॉन्च के लिए लिया है।

मानुषी का लुक

इस लेटेस्ट लुक में मानुषी व्हाइट नेट साड़ी में बेहद खूबसूरत दिख रही हैं। पूरी साड़ी कढ़ाईदार है। उनका यह लुक काफी गॉर्जियस है। व्हाइट साड़ी के साथ मानुषी ने गले में मोलियों और स्टोन का चोकर सेट पहना हुआ है। वन साइट हेयर स्टाइल, रेड लिप्सटिक और बिग गॉगल्स ने अपने लुक को और इनहैंस किया।

मानुषी छिल्लर का पोस्ट

मानुषी छिल्लर ने आज इंस्टाग्राम पर अपनी बेहद ही खूबसूरत तस्वीरें शेयर कीं और कैप्शन में लिखा, 'बस मैं, एक टाइम मशीन, और बहुत सारा हेयरस्प्रे।' मानुषी का यह शानदार और बेहद खूबसूरत लुक उनके फैंस को बेहद पसंद आ रहा है। इस नए लुक से मानुषी ने फैंस का दिल जीत लिया है।

सेलेब्स और फैंस के कमेंट्स

मानुषी के इस शानदार लुक पर एक्टर चिराग कलगुटकर ने काले दिल वाले इमोजी बनाए हैं। एक फैन ने लिखा, 'मल्लिक मूवी के लिए शुभकामनाएं', एक और फैन ने लिखा, 'अद्भुत', एक और फैन ने लिखा, 'क्वीन', एक और फैन ने लिखा, 'बहुत खूबसूरत लग रही हैं मानुषी', एक और फैन ने लिखा, 'सुंदर', एक और फैन ने लिखा, 'कातिलाना लुक', एक फैन ने लिखा, 'परम सुंदरी।'

मानुषी की फिल्म मालिक 11 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। मालिक का निर्देशन पुलकित ने किया है, जबकि कुमार तौरानी और जय शेवक्रमणी ने इसका निर्माण किया है। यह एक गैंगस्टर एक्शन थ्रिलर फिल्म है। इस फिल्म में राजकुमार राव और मानुषी छिल्लर ने मुख्य भूमिका निभाई है। इन दोनों के अलावा फिल्म में प्रोसेनजीत चटर्जी ने भी अहम भूमिका निभाई है।

डिजिटल डेब्यू को तैयार वाणी कपूर

हाल ही में अजय देवगन के साथ 'रेड 2' में नजर आईं अभिनेत्री वाणी कपूर अब अपना डिजिटल डेब्यू करने जा रही हैं। वो यशराज के नए शो में नजर आने वाली हैं, जो नेटफ्लिक्स पर रिलीज होना है। नेटफ्लिक्स इंडिया ने अपनी नई सीरीज का पोस्टर जारी कर दिया है, इसमें वाणी कपूर प्रमुख भूमिका में नजर आने वाली हैं। पोस्टर के साथ ही इसकी रिलीज डेट भी सामने आ गई है।

पोस्टर में नजर आई पूरी कास्ट

नेटफ्लिक्स की ओर से अपनी नई सीरीज 'मंडाला मर्डर्स' का पोस्टर जारी किया गया है। पोस्टर में वाणी कपूर के साथ सुरवीन चावला, 'गुल्लक' फेम एक्टर वैभव राज गुप्ता और अभिनेत्री श्रिया पिलगांवकर नजर आ रही हैं। पोस्टर में वाणी बंदूक ताने दिख रही हैं, जबकि सुरवीन चाहला हाथ जोड़े महिला नेता के किरदार में नजर आ रही हैं। जबकि वैभव राज गुप्ता बियर्ड लुक में आंखों पर ब्लैक चश्मा लगाए दिख रहे हैं। पोस्टर में श्रिया पिलगांवकर काफी सजी-धजी खड़ी हैं।

25 जुलाई को होगी रिलीज

पोस्टर को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा गया, 'हर वरदान में एक श्राप छिपा है। मोल चुकाने का वक्त जल्द आने वाला है।' इसके साथ ही इस सीरीज की रिलीज डेट की भी घोषणा कर दी गई है। नेटफ्लिक्स की ये नई सीरीज 25 जुलाई को रिलीज हो रही है। इसे यशराज फिल्म ने प्रजेंट किया है।

'रेड 2' में अजय देवगन के साथ नजर आई थीं

वाणी

वाणी कपूर हाल ही में अजय देवगन के साथ 'रेड 2' में नजर आई थीं। वो फिल्म में अजय देवगन के किरदार अमय पटनायक की पत्नी की भूमिका में नजर आई थीं। इसके अलावा सुरवीन चावला हाल ही में रिलीज हुए नेटफ्लिक्स के ही शो 'राणा नायडू' के दूसरे सीजन में दिखी थीं। इसके अलावा वो पंकज त्रिपाठी के शो 'क्रिमिनल जस्टिस' के चौथे सीजन में भी नजर आई हैं। वहीं श्रिया पिलगांवकर हाल ही में जी5 की सीरीज 'छल कपटः द डिसेप्शन' में नजर आई थीं।

टीवी से फिल्मों तक का सफर, करियर में नहीं मिली एक भी हिट, सुशांत केस ने बदल दी रिया की जिंदगी

अपने करियर से ज्यादा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में रहने वाली अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती आज अपना 33वां जन्मदिन मना रही हैं। रिया चक्रवर्ती को लोग उनके फिल्मों और एक्टिंग से कम बल्कि सुशांत सिंह राजपूत की वजह से ज्यादा जानते हैं। हालांकि, रिया एक मॉडल, वीजे और एक्ट्रेस रही हैं। बंगाली परिवार में जन्मीं रिया ने तेलुगु सिनेमा से अपनी शुरुआत करने के बाद बॉलीवुड की भी कई फिल्मों में काम किया है। हालांकि, रिया का करियर कुछ खास नहीं रहा और उनके खाते में एक भी बड़ी फिल्म नहीं है। आज जन्मदिन पर जानते हैं कैसा रहा रिया का अब तक का सफर।

आर्मी फैमिली से आती हैं रिया

रिया चक्रवर्ती एक आर्मी बैकग्राउंड से आती हैं। उनके पिता इंडियन आर्मी में लेफ्टिनेंट कर्नल थे। बंगाली परिवार में जन्मीं रिया का जन्म 1 जुलाई 1992 को कर्नाटक के बेंगलुरू में हुआ था।

टीवी से की करियर की शुरुआत

रिया ने अपने करियर की शुरुआत टीवी से की। उन्होंने साल 2009 में एमटीवी टीन दिवा में हिस्सा लिया था। जहां वो फर्स्ट रनरअप रही थीं। इसके बाद उन्होंने एमटीवी वीजे के रूप में काम किया। इस दौरान रिया ने कुछ एक टीवी शो भी होस्ट किए।

तेलुगु फिल्म से की करियर की शुरुआत, 2013 में बॉलीवुड में किया डेब्यू

रिया ने फिल्मी दुनिया में अपनी शुरुआत 2012 में तेलुगु फिल्म 'तुनीगा तुनीगा' से की। इस फिल्म में उनके साथ सुमंथ अश्विन मुख्य भूमिका में नजर आए थे। इसके बाद रिया ने बॉलीवुड में अपने कदम 2013 में आई फिल्म 'मेरे डैड की मारुती' से रखे।

करियर में नहीं मिली कोई बड़ी फिल्म

इसके अलावा रिया ने अपने करियर में 'सोनाली केबल' (2014), 'बैंक चोर' (2017), 'हाफ गर्लफ्रेंड' (2017), 'दोबारा' (2017), 'जलेबी' (2018) जैसी फिल्मों में काम किया। इनमें से किसी भी फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर कोई खास सफलता नहीं मिली। न ही रिया के करियर को कोई रफ्तार मिली।

अमिताभ बच्चन और इमरान हाशमी जैसे स्टार्स के साथ भी नहीं मिली हिट

2018 के बाद तीन साल के लंबे गैप के बाद रिया चक्रवर्ती साल 2021 में आई फिल्म 'चेहरे' में नजर आई थीं। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन और इमरान हाशमी प्रमुख भूमिका में नजर आए थे। एक लंबी चौड़ी स्टारकास्ट वाली यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई थी।

सुशांत केस ने बदल दी जिंदगी, पांच साल बाद मिली क्लीन चिट

2020 में अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद रिया चक्रवर्ती की पूरी जिंदगी ही बदल गई। रिया चक्रवर्ती के सुशांत सिंह राजपूत से अफेयर की चर्चाएं थीं। इसलिए जब सुशांत सिंह राजपूत ने आत्महत्या की और उनकी डेड बॉडी उनके घर में पंखे से लटकती मिली, तो अचानक रिया चक्रवर्ती लोगों के निशाने पर आ गईं। इसके बाद वो सुशांत की मौत के मामले में पुलिस की भी रडार पर आ गईं और उनका नाम ड्रग्स मामले में भी आ गया। जिसके चलते एनसीबी ने उन्हें गिरफ्तार भी किया था। हालांकि, लगभग पांच साल तक चली जांच के बाद सीबीआई ने इसी साल 2025 में सुशांत मामले में रिया को क्लीन चिट दे दी। हालांकि, इस बीच इन पांच साल में रिया ने काफी कुछ झेला। लोगों की ट्रोलिंग से लेकर फिल्मों के ऑफर आने बंद होने तक। रिया का करियर वैसे भी कोई सफल नहीं था, लेकिन सुशांत की मौत के बाद वो करियर और भी चौपट हो गया।

रोडीज में गैंग लीडर के रूप में आई थीं नजर

रिया आखिरी बार रियलटी शो 'रोडीज' में नजर आई थीं। इस शो में उन्होंने गैंग लीडर की भूमिका निभाई थी। जो कंटेस्टेंट को टास्क देती थीं। इसके अलावा रिया अब एक बिजनेसवुमेन भी बन गई हैं। उन्होंने अपने भाई शौविक के साथ मिलकर अपना खुद का एक क्लोदिंग ब्रांड भी लॉन्च किया है। सुशांत केस में क्लीन चिट मिलने के बाद अब फैंस को रिया के कमबैक का इंतजार है।

बिना फोटो खिंचवाए किसी अंतिम संस्कार में भी नहीं जा सकते : सोनाक्षी

सोनाक्षी सिन्हा खुलकर अपने नजरिए को सोशल मीडिया के जरिए या फिर इंटरव्यू के माध्यम से सामने रखती हैं। हाल ही में सोनाक्षी ने पैपराजी को लेकर बात की। उन्होंने सेलिब्रिटीज की जिंदगी में पैपराजी के बढ़ते दखल पर बात की है, इस बात को क्रिटिसाइज किया है। साथ ही बॉडी शेमिंग जैसे सब्जेक्ट को लेकर भी सोनाक्षी ने खुलकर मन की बात साझा की है।

सोनाक्षी कहती हैं, 'सोशल मीडिया क्या बन चुका है? पैपराजी कल्चर कैसा हो गया है? आप बिना फोटो खिंचवाए किसी अंतिम संस्कार में भी नहीं जा सकते हैं। यह बात मुझे अजीब लगती है। यह सब एक लिमिट के बाद अनदेखा करना पड़ता है। लेकिन इस चीज की आदत डालने में थोड़ा समय लग सकता है।'

बॉडी शेमिंग पर भी खुलकर बोलीं

पैपराजी कल्चर के अलावा सोनाक्षी ने बॉडी शेमिंग के मुद्दे पर भी बात की है। दरअसल, एक्ट्रेस ने कई बार इसका सामना किया है, उन्हें बॉडी वेट के कारण ट्रोल भी होना पड़ता है। मगर सोनाक्षी का नजरिया अपनी हेल्थ, बॉडी के लिए बदल चुका है। वह कहती हैं, 'मैंने अपने पूरे करियर में एक प्रैक्टिकल तरीका अपनाया, मैं ऐसी शख्स बनना चाहती थी जो हेल्दी हो। मैं फैंस के लिए भी यही मिसाल पेश करना चाहती थी।'

सोनाक्षी की फिल्म की रिलीज डेट आगे बढ़ी

पहले 27 जून को सोनाक्षी की फिल्म 'निकिता रॉय' रिलीज होने वाली थी। फिर फिल्म 'मां' और 'कन्नप्पा' के साथ टकराव से बचने के लिए सोनाक्षी की फिल्म की रिलीज डेट को आगे बढ़ा दिया गया। अब यह फिल्म 18 जुलाई को रिलीज होगी।

क्या है निकित रॉय की कहानी

सोनाक्षी सिन्हा की फिल्म 'निकिता रॉय' एक सुपरनेचुरल, थ्रिलर फिल्म है। इस फिल्म में वह एक जासूस का रोल निभा रही हैं। सोनाक्षी के किरदार का मकसद एक गुरु (परेश रावल) का पर्दाफाश करना है। वह गुरु लोगों को भूत-प्रेतों से छुटकारा दिलाने का दावा करता है। इस फिल्म में अर्जुन रामपाल भी एक अहम किरदार निभा रहे हैं।

तलाक के चार साल बाद फिर प्यार में सामंथा डायरेक्टर संग रिश्ते को करेंगी ऑफिशियल ?

साउथ एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों फिल्मों से ज्यादा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चाओं में बनी हुई हैं। पिछले काफी वक्त से एक्ट्रेस का नाम 'द फैमिली मैन' फेम डायरेक्टर राज निदिमोरु के साथ जोड़ा जा रहा है। दोनों एक-दूसरे के प्यार में हैं और अक्सर दोनों की एकसाथ तस्वीरें भी सामने आती रहती हैं। जिसके बाद दोनों के रिलेशनशिप को लेकर और भी पुष्टि होती है। हालांकि, राज की एक शादी हो चुकी है। फिलहाल अब उनके फैंस को इंतजार है कि सामंथा कब अपने रिश्ते को ऑफिशियल करती हैं।

जल्द ही ऑफिशियल कर सकती हैं अपना रिश्ता

नागा चैतन्य से तलाक के बाद अब सामंथा पूरी तरह से अपनी जिंदगी में आगे बढ़ चुकी हैं। राज निदिमोरु के साथ उनके रिलेशनशिप की खबरें अब अक्सर ही बी-टाउन का हॉट टॉपिक बनती रहती हैं। बीते दिनों सामंथा की तस्वीर भी काफी चर्चा में रही थी जिसमें वो राज के काफी करीब दिख रही थीं। इस तस्वीर के सामने आने के बाद खबरें ये भी आई थीं कि सामंथा राज के साथ लिवइन में रहने वाली हैं। लेकिन बाद में सामंथा की टीम ने इन खबरों को खारिज किया था। लेकिन अक्सर सामंथा और राज एकसाथ नजर आते हैं। जिससे दोनों के अफेयर के अफेयर की चर्चाएं अब लगभग पक्की हो चुकी हैं। अब मीडिया रिपोर्ट्स में ये दावा किया जा रहा है कि इस साल के अंत तक सामंथा अपने रिश्ते को ऑफिशियल कर सकते हैं। दोनों जल्द ही अपने इस रिश्ते को एक नाम भी दे सकते हैं।

राज के तलाक को लेकर नहीं है कंफर्म जानकारी

राज निदिमोरु की बात करें तो वो 'द फैमिली मैन' और 'गुलाब एंड गन्स' वाले राज और डीके की जोड़ी वाले राज हैं। राज निदिमोरू एक शादी कर चुके हैं। उन्होंने 2015 में श्यामली डे से शादी की थी। लेकिन शादी के सात साल बाद 2022 में दोनों एक-दूसरे से अलग हो गए। हालांकि, दोनों के तलाक को लेकर कोई कंफर्म जानकारी नहीं है। क्योंकि कुछ रिपोर्ट्स में ऐसा दावा किया जाता है कि राज और श्यामली डे का तलाक हो चुका है, जबकि कुछ रिपोर्ट्स में उनके तलाक को लेकर कोई कंफर्म न्यूज नहीं है। राज एक मशहूर निर्देशक और लेखक हैं।

2021 में हुआ सामंथा और नागा का तलाक

सामंथा रुथ प्रभु ने भी साल 2017 में एक्टर नागा चैतन्य से शादी की थी। लेकिन चार साल बाद ही दोनों के रास्ते अलग हो गए और सामंथा और नागा का तलाक हो गया। 2021 में तलाक होने के अब चार साल बाद सामंथा अपने अगले रिलेशनशिप को नाम देने और ऑफिशिलय करने की सोच रही हैं। फिलहाल फैंस को इंतजार है कि कब सामंथा अपने रिश्ते को ऑफिशियल करती हैं।

रिश्ते में ब्रेक लेना सही है या ये ब्रेकअप का संकेत?

प्यार के रिश्ते में सब कुछ हमेशा परियों की कहानी जैसा नहीं होता। कभी-कभी मनमुटाव, थकान या समझ की कमी उस मुकाम तक पहुंचा देती है जब कपल्स सोचने लगते हैं कि क्या हमें एक ब्रेक ले लेना चाहिए? लेकिन सवाल ये है कि क्या ब्रेक लेना सही है या फिर ये किसी ब्रेकअप की शुरुआत है? रिलेशनशिप में ब्रेक लेना गलत नहीं है, लेकिन इसका फैसला सोच-समझकर और सम्मानपूर्वक लेना चाहिए। अगर ब्रेक समझदारी और स्पष्टता से लिया जाए तो ये रिश्ता और मजबूत बना सकता है। लेकिन अगर इसे बहाने या दूसरे विकल्प के लिए लिया जाए, तो यह ब्रेकअप का सीधा रास्ता बन सकता है। आइए जानते हैं, रिलेशनशिप में ₹ब्रेक₹ लेने के फायदे, नुकसान और सही तरीका।

रिश्ते में ब्रेक लेने के फायदे

रिश्ते में ब्रेक से आत्मविश्लेषण का वक्त मिलता है। यह समय दोनों पार्टनर्स को खुद पर सोचने का मौका देता है। वह इस वक्त का उपयोग करके ये विचार कर सकते हैं कि क्या वे एक-दूसरे के बिना खुश हैं? क्या रिश्ते में वापस लौटने की चाह है?

इस दौरान कपल भावनात्मक थकान से राहत पा सकते हैं। ब्रेक लगातार झगड़े या असहमतियों से पैदा हुई इमोशनल थकावट को दूर करने का तरीका हो सकता है।

ब्रेक का वक्त आपको रिश्ते की अहमियत समझने में मदद कर सकता है। दूरी कभी-कभी ये समझने में मदद करती है कि आप अपने पार्टनर को कितना मिस करते हैं या उसकी अहमियत क्या है।

रिश्ते में ब्रेक लेने का खतरा

इससे कपल के बीच गलतफहमी और भ्रम हो सकता है। अगर ब्रेक के नियम तय न किए जाएं तो पार्टनर को लगने लगता है कि दूसरा व्यक्ति धोखा दे रहा है या रिश्ता खत्म करना चाहता है।

ब्रेक लेने से कपल के बीच दूरी बढ़ सकती है। कुछ ब्रेक रिश्ते को बचाने की बजाय दूरी और अलगाव को बढ़ा देते हैं।

इस तरीके से बाहरी हस्तक्षेप होने का खतरा बढ़ जाता है। तीसरे व्यक्ति के आने की संभावना भी रहती है, जिससे रिश्ता और बिगड़ सकता है।

रिश्ते में ब्रेक ले रहे लोग रखें इन बातों का ध्यान

अगर आप रिश्ते और पार्टनर से कुछ वक्त का ब्रेक लेना चाहते हैं तो कुछ बातों का विशेष रूप से ध्यान रखें।

ब्रेक लेने के लिए पार्टनर के साथ स्पष्ट संवाद करें। उन्हें बताएं कि आप ये ब्रेक क्यों चाहते हैं और इस दौरान क्या आपस में संपर्क रखना है या नहीं।

आपस में ब्रेक का समय तय कर लें। आप दोनों मिलकर यह तय करें कि रिश्ते में कितने दिन का ब्रेक होगा।

ध्यान रखें कि रिश्ते में ब्रेक और ब्रेकअप में फर्क है। इस दौरान किसी और से रिश्ता न बनाएं और पार्टनर से इमानदारी रखें।

वहीं ब्रेक के बाद एक सीधी बातचीत जरूर करें और तय करें कि आगे क्या करना है?

हर बात पर झगड़ता है पार्टनर? ये ट्रिक्स करेंगे कमाल

किसी भी रिश्ते में थोड़ा बहुत बहस होना सामान्य है, लेकिन जब बात-बात पर लड़ाई रोज का हिस्सा बन जाए तो ये रिश्ते की नींव को हिला सकता है। खासकर अगर कपल के बीच हर छोटी बात पर बहस होती हो तो आपको कुछ ठोस कदम उठाने की जरूरत है। रिश्ते में झगड़ा नहीं, समझदारी जरूरी है।

लेकिन अगर आपका पार्टनर हर छोटी बात पर बहस या गुस्सा करता है तो रिश्ता टूटने से पहले कुछ समझदारी भरे कदम उठाना जरूरी है। अगर आप चाहते हैं कि आपके और पार्टनर के बीच प्यार बना रहे तो बात-बात की बहस को समझदारी से हैंडल करना सीखिए।यहां ऐसे पांच तरीके बताए जा रहे हैं, जिनसे आप ऐसी स्थिति को शांति से संभाल सकते हैं।

सुनना सीखें, जवाब देना नहीं

अधिकतक लड़ाई या बहस इस कारण होती है कि लोग अपने पार्टनर को सुनते नहीं, बल्कि जवाब देते हैं। झगड़े के दौरान तुरंत प्रतिक्रिया देने के बजाय चुपचाप सुनना सीखें। कभी-कभी पार्टनर को सिर्फ अपनी भड़ास निकालनी होती है। उनकी बात सुनकर आप उनका गुस्सा शांत कर सकते हैं लेकिन आपकी तुरंत की गई प्रतिक्रिया विवाद को और बढ़ा सकती है।

भाषा पर नियंत्रण

लड़ाई-झगड़े के दौरान अक्सर लोग अमर्यादित हो जाते हैं और अपनी भाषा पर काबू नहीं रख पाते। तू-तड़ाक की भाषा की उपयोग न करके सम्मान के साथ अपनी बात रखें। इस बात का ध्यान रखें कि पार्टनर पर आरोप लगाने के बजाय मैं पर फोकस करें। जैसे लड़ाई में पार्टनर से ये कहना कि तुम हमेशा ही ऐसा करते हो, विवाद को बढ़ा सकता है। इसके बजाय कहें कि जब ऐसा होता है तो मुझे बुरा लगता है।

लड़ाई की जड़ पहचाने

अगर पार्टनर हर छोटी बात पर गुस्सा करे तो हो सकता है कि आपके पार्टनर पर दफ्तर, परिवार या आर्थिक दबाव हो। वह किसी कारण से तनाव में रहता है और अपने अंदर का गुस्सा व फ्रस्टेशन निकालने के लिए कभी-कभी लड़ाई केवल बहाने से करता है। इसलिए उनके इस बर्ताव का असली कारण जानने का प्रयास करें।

थोड़ी दूरी भी जरूरी है

हर बार बहस में उलझने की बजाय कुछ देर का भावनात्मक स्पेस दें। इससे टकराव कम होता है और सोचने का वक्त मिलता है। पार्टनर के गुस्सा होने या विवाद की स्थिति के बाद थोड़ी दूरी भी जरूरी है। उन्हें इमोशनल और फिजिकल स्पेस दें।

प्रोफेशनल हेल्प लेने में हिचकें नहीं

पार्टनर का ऐसा व्यवहार आपके रिश्ते के साथ ही उनके स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक असर डाल सकता है। कपल थेरेपी या काउंसलिंग आज के दौर में बहुत मददगार है। जब अकेले बात नहीं बने, तो किसी तीसरे को सुनाना असरदार हो सकता है।

'नो फायर कुकिंग' से बच्चे खुद बनाएंगे स्वादिष्ट खाना, वो भी बिना आग के!

व्यस्त मां के लिए बच्चों के खाने को लेकर चिंतित होना स्वाभाविक है। वे क्या खाएंगे, कौन बनाएगा, सही पोषण कैसे मिलेगा और कहीं वे बीमार न पड़ जाएं आदि? ऑफिस या किसी काम में व्यस्त होने पर मन में यह सवाल घूमते ही रहते हैं। लेकिन कल्पना कीजिए, अगर आपके बच्चे अपने छोटे-छोटे हाथों से खुद ही स्वादिष्ट और सुरक्षित तरीके से भोजन बना लें, वह भी बिना खुद को कोई नुकसान पहुंचाए। शायद आप कहेंगी, ऐसा हो जाए तो आपकी आधी चिंता दूर हो जाएगी। हालांकि यह असंभव नहीं है, कुकरी एक्सपर्ट के पास इसका एक खास तरीका है, जिसे 'नो फायर कुकिंग' के नाम से जाना जाता है। यह एक मजेदार, रचनात्मक और सुरक्षित तरीका है, छोटे शेफ्स को तैयार करने का।

कुकिंग स्टाइल को समझें

नो फायर कुकिंग एक ऐसा तरीका है, जिसमें खाना पकाने के लिए गैस, चूल्हा या किसी भी प्रकार की आग का उपयोग नहीं किया जाता। इसमें मुख्य रूप से ऐसी रेसिपी बनाई जाती हैं, जिन्हें बिना पकाए भी खाया जा सकता है, जैसे- सलाद, सैंडविच, फ्रूट चाट। यह तरीका खासतौर पर बच्चों, स्टूडेंट्स या उन लोगों के लिए उपयोगी है, जो जल्दी और

हेल्दी खाना बनाना चाहते हैं। नो फायर कुकिंग पोषण से भरपूर, आसान और सुरक्षित होती है, इसलिए आज यह स्कूल प्रोजेक्ट्स और हेल्दी डाइट प्लान में शामिल है।

आत्मनिर्भरता का भाव

नो फायर कुकिंग न सिर्फ बच्चों को खाना बनाने का तरीका सिखाती है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर और जिम्मेदार भी बनाती है। इस कुकिंग स्टाइल में बच्चे बिना आग के जरिए विभिन्न व्यंजन बनाना सीखते हैं। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और वे अपनी पसंद का भोजन खुद तैयार करने में सक्षम हो जाते हैं। यह प्रक्रिया बच्चों की फाइन मोटर स्किल्स, जैसे- जरूरी सामग्री की चीजें काटना, मिलाना या सजाना को भी बेहतर बनाती है। साथ ही बच्चे जब नई रेसिपी और स्वाद से परिचित होते हैं तो उनकी सोचने-समझने और रचनात्मक क्षमता का विकास होता है।

वे प्रयोग करना सीखते हैं और भोजन के प्रति सकारात्मक नजरिया अपनाते हैं। यह गतिविधि न केवल शारीरिक और मानसिक विकास में सहायक है, बल्कि सामाजिक और भावनात्मक विकास में भी योगदान करती है। जब बच्चे परिवार या दोस्तों के साथ मिलकर किचन में काम करते हैं तो आपसी जुड़ाव और सहयोग की भावना भी मजबूत होती है, जो बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहायक है।

सुरक्षा फिर भी जरूरी

जब बच्चे किचन में होते हैं तो उनकी सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण हो जाती है। इसलिए किचन में तेज चाकू और भारी उपकरणों को ऐसे स्थान पर रखें जहां बच्चे की पहुंच न हो। आप छोटे बच्चों को किचन के बुनियादी नियमों के बारे में समझाएं, जैसे कि गरम बर्तनों को न छूना, बिजली के उपकरणों से दूर रहना और साफ-सफाई का ध्यान रखना। इस तरह वे किचन में आत्मविश्वास से काम करेंगे और साथ ही सुरक्षित भी रहेंगे।

उनकी रुचि

जब बच्चों को खाना बनाना सिखाएं तो उनकी रुचियों का ध्यान रखें। अगर उन्हें खाना बनाना किसी बोझ की तरह लगेगा तो वे कभी आत्मनिर्भर नहीं बन पाएंगे। ऐसे में उनके लिए इसे मजेदार और रंगीन बनाएं। उदाहरण के लिए, आप फल और सब्जियों को अलग-अलग रंगों और आकारों में काटकर बच्चों को दें, ताकि वे खुद अपने मन-मुताबिक सैंडविच या सलाद बना सकें। बच्चे अपनी पसंद से सामग्री चुनना पसंद करते हैं, इसलिए उन्हें विकल्प दें कि वे क्या बनाना चाहते हैं। इससे उनकी कल्पना शक्ति बढ़ेगी और खाना बनाने में उनका उत्साह बना रहेगा। साथ

ही खेल-खेल में कुछ किचन एक्टिविटी करवाना भी बच्चों को इससे जोड़े रखता है। ऐसे में आप सजावट प्रतियोगिता रख सकती हैं, जिससे वे कुछ नया सीख पाएंगे।

पोषण का ध्यान

भोजन का सिर्फ स्वादिष्ट होना ही काफी नहीं होता, बल्कि उसमें पोषण भी होना बहुत जरूरी है, खासकर बच्चों के लिए। इसलिए नो फायर कुकिंग में ताजे फल, हरी सब्जियां, दही, नट्स और बीज जैसे हेल्दी और पौष्टिक पदार्थ शामिल करें। ये न सिर्फ बच्चों के शरीर के विकास में मदद करते हैं, बल्कि उनकी रोग-प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूत बनाते हैं। उदाहरण के लिए, फलों का कटोरा बनाते समय संतरे, सेब, केला और अनार जैसे फल डालें, जिनमें विटामिन भरपूर होते हैं। दही या नट्स खाने से प्रोटीन और कैल्शियम मिलता है, जो हड्डियों के लिए अच्छा है। बच्चों को यह समझाएं कि खाना केवल स्वाद के लिए नहीं, बल्कि शरीर को मजबूत बनाने के लिए भी होता है। इससे वे खाने को ज्यादा सम्मान देंगे और स्वस्थ आदतें विकसित करेंगे।

रोजाना थोड़ा समय

अगर आप रोजाना बच्चों को थोड़ा समय नो फायर कुकिंग के लिए दें तो यह उनकी आदत बन जाएगी और वे खाना बनाने में निपुण हो जाएंगे। रोजाना थोड़ी-सी कुकिंग से वे लगातार सीखेंगे, नई-नई चीजें ट्राई करेंगे और खाना बनाने का शौक विकसित करेंगे। इससे बच्चों में आत्मनिर्भरता बढ़ेगी और वे अपने भोजन के प्रति अधिक जिम्मेदार बनेंगे। इस प्रक्रिया से बच्चों का खान-पान भी बेहतर होगा, क्योंकि वे खुद अपने लिए हेल्दी और पौष्टिक विकल्प चुनेंगे। यह आदत जीवन भर उनके काम आएगी और वे भविष्य में स्वस्थ आहार का ही चयन करेंगे।

ये भी बना सकते हैं

वेज सैंडविच : ब्रेड में बटर लगाकर उसमें खीरा, टमाटर, उबला आलू, नमक और चाट मसाला डालें।

फ्रूट चाट : कटे हुए मौसमी फल, जैसे केला, सेब, पपीता और अंगूर में नींबू और काला नमक मिलाएं।

दही सलाद : खीरा, टमाटर, प्याज, दही और थोड़ा-सा भुना जीरा मिलाकर ठंडी-ठंडी सलाद बनाएं।

मसाला कॉर्न : उबले हुए स्वीट कॉर्न में नींबू रस, नमक, चाट मसाला और बटर मिलाएं।

फ्रूट योगर्ट बाउल : दही में कटे फल, शहद और थोड़े नट्स मिलाकर हेल्दी स्नैक तैयार करें।

बिस्किट डेजर्ट : बिस्कुट पर क्रीम या पीनट बटर लगाकर फल सजाएं या चॉकलेट सिरप डालें।

मिक्स फ्रूट स्मूदी (ब्लेंडर में) : केले, सेब, दूध और थोड़ा शहद ब्लेंड करके ठंडी स्मूदी बनाएं।

बटर-जैम रोल : ब्रेड स्लाइस को बेलकर उस पर बटर और जैम लगाकर रोल करें।

मूंगफली चाट : भुनी मूंगफली में टमाटर, प्याज, धनिया, नींबू और मसाले मिलाकर चटपटी चाट बनाएं। नट्स-ट्रेल मिक्स : किशमिश, बादाम, अखरोट, मखाने और गुड़ के छोटे टुकड़े मिलाकर हेल्दी स्नैक तैयार करें।

क्या हर बात में बहस करता है बच्चा? ये टिप्स बदल सकते हैं उसका व्यवहार

हर कोई चाहता है कि उनका बच्चा तेज-तर्रार बने। इसके लिए लोग अपने बच्चे को बचपन से ही हाजिर जवाबी सिखाने लगते हैं। जब आप उन्हें हाजिर जवाबी सिखाते हैं, तो उनके जवाबों पर भी ध्यान देना जरूरी है, क्योंकि कई मामलों में हाजिर जवाबी बच्चे बहस करना सीख जाते हैं।

बच्चों का हर बात पर बहस करना उनके व्यवहार पर असर डाल सकता है। ऐसे बच्चों को यदि सही उम्र में समझाया न जाए तो ये बहस की आदत लोगों को आगे जाकर बच्चे की परवरिश पर सवाल उठाने पर मजबूर कर देती है। तो यदि आपका बच्चा हर बात में बहस करता है? तो ऐसे उसे कुछ आसान तरीके अपनाकर समझाएं।

जानें बहस का कारण

यदि आपका बच्चा बहस कर रहा है तो पहले उसका कारण जानें। कई बार बच्चा जब थका होता है, या फिर उसे कोई बात बुरी लगी है, या हो सकता है कि उसे भूख लगी हो, उसी वक्त बच्चा सबसे ज्यादा चिड़चिड़ा हो जाता है और बहस करने लगता है। ऐसे में उसे डांटने की जगह उसकी बात सुनकर उसकी समस्या हल करे।

भड़के तो कतई नहीं

जिस समय आपका बच्चा बहस कर रहा है तो उस वक्त शांत रहें। अगर आप उस वक्त गुस्सा करेंगे तो हो सकता है कि आपका बच्चा और भी ज्यादा भड़क जाए। या हो सकता है कि वो काफी डर जाए। इसलिए जब वो बहस कर रहा है तो शांत रहकर उसकी बात सुनें।

सुनने की आदत डालें

कई बार बच्चों को लगता है कि कोई उनकी बात नहीं सुन रहा है। ऐसे समय पर वो काफी चिड़चिड़े हो जाते हैं और फिर बहस करने लगते हैं। ऐसे समय में अपने बच्चे को ये एहसास कराएं कि आप उनकी हर बात सुनते हैं। उसकी बात ध्यान से सुनें और जवाब में कहें: मुझे समझ आ रहा है कि तुम क्या कहना चाह रहे हो... ताकि उन्हें आपपर भरोसा हो।

विकल्प दें, आदेश नहीं

कभी भी अपने बच्चे को आदेश नहीं है। बच्चे हमेशा जो आप कहेंगे उसका उल्टा ही करते हैं। ऐसे में हमेशा उन्हे विकल्प दें। जब आप उन्हें दो विकल्प देंगे तो उसमें से एक का वो चयन कर लेंगे बिना बहस किए। इससे बच्चे को आत्मनिर्भर होने की भावना मिलती है और वो टकराव कम करता है।

पॉजिटिव व्यवहार को सराहें

अगर आपका बच्चा बहस करने के बाद आपकी बात सुन लेता है, तो उसे ऐसी ही न जाने दें। बल्कि उसके इस व्यवहार को सराहें। यानी कि जब बच्चा बिना बहस के बात मानता है, तो तुरंत तारीफ करें। जैसे उससे कहें कि आज तुमने बहुत समझदारी से बात मानी, मुझे अच्छा लगा!

बड़ी बहू बनने वाली हैं तो ये बातें आपके ससुराल को बना सकती हैं खुशहाल

बड़ी बहू का स्थान किसी भी भारतीय परिवार में बेहद अहम होता है। ये सिर्फ एक रिश्ता नहीं, बल्कि जिम्मेदारियों का एक सिलसिला है जो रिश्तों को जोड़ने, परिवार को संभालने और संस्कारों को आगे बढ़ाने का काम करता है।

घर की बड़ी बहू सिर्फ घर के बड़े बेटे की पत्नी नहीं होती, बल्कि परिवार के हर सदस्य को एक दूसरे से जोड़ने का एक ब्रिज होती हैं। बड़ी बहू परिवार के बड़े बुजुर्गों से लेकर बच्चों तक सभी का ख्याल रखती हैं। उन पर अनेकों जिम्मेदारियां होती हैं। ऐसे में बड़ी बहू बनना आसान नहीं है लेकिन अगर आपको बड़ी बहू की कुछ जरूरी जिम्मेदारियों के बारे में पता हो और आप इन जिम्मेदारियों को बखूबी संभाल पाए तो आप एक आदर्श बड़ी बहू बन सकती हैं।

रिश्तों को समझने और जोड़ने की कला

बड़ी बहू होने के नाते आपको हर सदस्य के साथ संतुलन बनाना होता है। बड़ी बहू परिवार के सभी रिश्तों जैसे सास-ससुर, देवर-देवरानी, जेठ-जेठानी और बच्चों तक सभी की जिम्मेदारी उठाती है। आपकी बातों और व्यवहार से ही घर का माहौल बनता है।

घर की परंपराओं को अपनाएं

सास के बाद घर की परंपरा और रीति-रिवाजों को आगे बढ़ाने और आने वाली पीढ़ी तक पहुंचाने की जिम्मेदारी बड़ी बहू पर होती है। हर परिवार की अपनी एक रीति रिवाज होती है। उन्हें अपनाना आपकी समझदारी और सम्मान का प्रतीक होता है। धीरे-धीरे बदलाव लाना ठीक है लेकिन शुरुआत में सामंजस्य बनाना जरूरी है।

सास के साथ अच्छे रिश्ते बनाना जरूरी

सास के साथ अच्छे संबंध रखने से न सिर्फ आपको मानसिक शांति मिलेगी, बल्कि पूरे परिवार में आपकी छवि भी अच्छी बनेगी। सम्मान और संयम से बातें करें, और उन्हें महत्व दें। जो जिम्मेदारियां सास की होती हैं, उन्हें पूरा करने में बहू सास की असिस्टेंट जैसी ही होती है जो सास की काम में मदद करती है।

बजट और जरूरतों में भागीदारी

बड़ी बहू होने के नाते आपसे घर की वित्तीय और रोजमर्रा की जरूरतों को समझने और संभालने की उम्मीद की जाती है। ऐसी परिस्थिति में समझदारी और सूझबूझ से काम लें। बड़ी बहू का काम है कि वह घर का बजट बनाकर परिवार के सभी सदस्यों की जरूरतों को पूरा करने की कोशिश करे।

हर परिस्थिति में धैर्य और विनम्रता रखें

ससुराल एक नया माहौल होता है। कुछ चीजें आपके अनुसार नहीं होंगी, लेकिन बड़ी बहू होने के नाते आपकी प्रतिक्रिया बेहद मायने रखती है। विनम्रता और धैर्य से रिश्ते बनते हैं।

ट्रंप के टैरिफ से बच जाएगा भारत !

जल्दी हो सकती है ट्रेड डील, किन चीजों पर अटकी है गाड़ी?

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और अमेरिका के बीच एक अंतरिम व्यापार समझौता होने की उम्मीद है। फाइनेंशियल टाइम्स ने सूत्रों के हवाले से बताया कि दोनों देश इस हफ्ते एक अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप दे सकते हैं। माना जा रहा है कि यह अमेरिका और भारत के बीच एक बड़े समझौते की ओर पहला कदम होगा। दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते पर बातचीत चल रही है। इस बातचीत में कुछ मुद्दे हैं जिन पर भारत पीछे नहीं हटना चाहता। इनमें एग्री सेक्टर में मार्केट एक्सेस, जेनेटिकली मॉडिफाइड (जीएम) फसलें और डेयरी उत्पाद शामिल हैं। ईटी ने इससे पहले खबर दी थी कि 9 जुलाई से पहले इस समझौते को पूरा करने की कोशिश की जा रही है। 9 जुलाई को भारत से आने वाले सामान पर 26% का रेसिप्रोकल टैरिफ लगने वाला है। एक सूत्र ने कहा, 'हमें समझौते की उम्मीद है। लेकिन भारतीय किसानों के हितों से कोई समझौता नहीं होगा। एक अन्य सूत्र ने कहा कि भारत का रुख बहुत स्पष्ट है। कुछ ऐसी सीमाएं हैं जिन्हें पार नहीं किया जाएगा।

कई चरणों में डील

भारत के व्यापार वार्ताकार वॉशिंगटन में दो दिन की यात्रा के बाद भी रुक गए। उनकी यात्रा 27 जून को खत्म होने वाली थी, लेकिन अमेरिका सरकार के साथ बातचीत जारी रही। एक सूत्र ने कहा कि बातचीत एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है। उन्होंने यह भी कहा कि समझौता कई चरणों में हो सकता है और कुछ डिटेल्स बाद में तय की जा सकती है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने घरेलू निर्यातकों और उद्योगों को पहले ही बता दिया है कि पहले चरण को अंतिम रूप देने के लिए बातचीत चल रही है और इसके बाद और भी चरण होंगे। डोनाल्ड ट्रंप ने 2 अप्रैल को भारत से आने वाले सामान पर 26% का रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। यह टैरिफ कई देशों पर लगाए गए व्यापार शुल्क का हिस्सा था। हालांकि, 9 जुलाई तक इन शुल्कों को रोक दिया गया था।

किस पर है आपत्ति

अमेरिका भारत को जीएम फसलें और पशु चारा बेचना चाहता है। लेकिन भारत के लिए एक संवेदनशील मुद्दा है। देश के किसानों के पास छोटी जमीनें हैं। वहीं, अमेरिका 10% से कम शुल्क लगाने को तैयार नहीं है। एक अधिकारी ने कहा, भारत के लिए कुछ चीजें ऐसी हैं जिन पर वह समझौता नहीं कर सकता और उसने यह बात अमेरिका को बता दी है।

एटीएफ की कीमत में 7.5% की भारी वृद्धि

वाणिज्यिक एलपीजी की दर में 58 .5 रुपये की हुई कटौती

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमत में मंगलवार को 7.5 प्रतिशत की बड़ी वृद्धि की गई। दूसरी ओर, वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में इस्तेमाल होने वाला एलपीजी 58.50 रुपये प्रति सिलेंडर सस्ता हो गया है। अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क दरों में बदलाव के कारण कीमतों में उतार-चढ़ाव हुआ है। सरकारी स्वामित्व वाले खुदरा ईंधन विक्रेताओं के अनुसार, कीमतों में तीन दौर की कटौती के बाद राष्ट्रीय राजधानी में विमानन टरबाइन ईंधन (एटीएफ) की कीमत 6,271.5 रुपये प्रति किलोलीटर या 7.5 प्रतिशत बढ़कर 89,344.05 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई। राजधानी देश के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में से एक है। यह वृद्धि अप्रैल से अब तक तीन मासिक किस्तों में लागू की गई कुल कटौती का आधा है। एटीएफ की कीमत आखिरी बार एक जून को 2,414.25 रुपये प्रति किलोलीटर (2.82 प्रतिशत) घटाकर 83,072.55 रुपये प्रति किलोलीटर कर दी गई थी। उससे पहले एक मई को कीमतों में 4.4 प्रतिशत (3,954.38 रुपये प्रति किलोलीटर) की कटौती की गई थी और एक अप्रैल को 6.15 प्रतिशत (5,870.54 रुपये प्रति किलोलीटर) की भारी कटौती की गई थी। एटीएफ की कीमत में यह वृद्धि पिछले महीने ईरान पर इस्राइल के हमले के बाद अंतरराष्ट्रीय तेल की कीमतों में आई तेजी कारण की गई है। इस वृद्धि से वाणिज्यिक एयरलाइनों पर बोझ बढ़ेगा, जिनके परिचालन लागत में ईंधन का हिस्सा लगभग 40 प्रतिशत होता है। मूल्य वृद्धि के प्रभाव पर एयरलाइनों से तत्काल कोई टिप्पणी प्राप्त नहीं हो सकी। मुंबई में एटीएफ की कीमत 77,602.73 रुपये प्रति किलोलीटर से बढ़कर 83,549.23 रुपये प्रति किलोलीटर कर दी गई, जबकि चेन्नई और कोलकाता में इसकी कीमत क्रमशः 92,526.09 रुपये और 92,705.74 रुपये प्रति किलोलीटर कर दी गई। वैट जैसे स्थानीय करों के आधार पर दरें अलग-अलग शहरों में अलग-अलग होती हैं। इसके साथ ही तेल कंपनियों ने 19 किलोग्राम वाले वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 58.5 रुपये की कटौती की है। अब राष्ट्रीय राजधानी में वाणिज्यिक एलपीजी की कीमत 1,665 रुपये और मुंबई में 1,616.50 रुपये होगी। यह वाणिज्यिक एलपीजी दरों में लगातार चौथी कटौती है। पिछली बार 1 जून को 19 किलोग्राम वाले सिलेंडर की कीमत में 24 रुपये की कटौती की गई थी। उससे पहले 1 मई को 14.50 रुपये और 1 अप्रैल को 41 रुपये प्रति सिलेंडर की कटौती की गई थी। कुल मिलाकर, अप्रैल से अब तक कीमतों में 138 रुपये प्रति सिलेंडर की कटौती की गई है। जबकि तेल की कीमतें उबल रही हैं, गर्मी के महीनों में कम मांग के कारण बेंचमार्क एलपीजी की दरें कम हो गई हैं। एटीएफ और एलपीजी की कीमतें वैट सहित स्थानीय करों के आधार पर राज्य दर राज्य अलग-अलग होती हैं। हालांकि, घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमत 853 रुपये प्रति 14.2 किलोग्राम पर अपरिवर्तित रही। अप्रैल में घरेलू रसोई गैस की कीमत में 50 रुपये प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी की गई थी।सार्वजनिक क्षेत्र की इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) हर महीने की पहली तारीख को बेंचमार्क अंतरराष्ट्रीय ईंधन की औसत कीमत और विदेशी विनिमय दर के आधार पर एटीएफ और रसोई गैस की कीमतों में बदलाव करती हैं।

'निजी निवेश बढ़ा पर अब भी बहुत कुछ किया जाना बाकी'

भारत में हुए सुधारों पर स्पेन में बोलीं सीतारमण

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। स्पेन, पुर्तगाल और ब्राजील की आधिकारिक यात्रा पर गई वित्त मंत्री मंत्री निर्मला सीतारमण ने स्पेन के सेविले में अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंच के शिखर सम्मेलन के दौरान सतत विकास के लिए निजी पूंजी जुटाने की जोरदार वकालत की। उन्होंने एफएफडी4 परिणाम से कार्यान्वयन तकः सतत विकास के लिए निजी पूंजी की क्षमता को अनलॉक करना शीर्षक पर अपनी राय रखी। वैश्विक नेताओं और निवेशकों को संबोधित करते हुए, सीतारमण ने कहा कि हाल के वर्षों में निजी निवेश ने उत्साहजनक वृद्धि दिखाई है, लेकिन अब भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। एक सोशल मीडिया पोस्ट में, मंत्री ने कहा, निजी पूंजी निवेश अब भी आवश्यकता से काफी कम है, कम और मध्यम आय वाले देशों को अनुपातहीन रूप से छोटा हिस्सा मिल रहा है। उन्होंने कहा कि निवेश बाधाओं को दूर करने और विकास प्राथमिकताओं के साथ वित्तीय प्रवाह को बेहतर करने के प्रयासों की तत्काल आवश्यकता है। अपनी यात्रा के दौरान सीतारमण ने उभरते बाजारों में कथित निवेश जोखिमों को संबोधित करने के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत ने इन चुनौतियों को दूर करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। सीतारमण ने कहा, भारत ने स्वतंत्र विनियामकों की स्थापना, पारदर्शी बोली प्रक्रियाओं को लागू करने, अनुबंधों को मानकीकृत करने और व्यापार करने में आसानी में सुधार करके इस चुनौती का समाधान किया है। इन सुधारों ने निवेशकों के विश्वास को काफी बढ़ाया है और लेन-देन की लागत को कम किया है। वित्त मंत्री ने मजबूत घरेलू वित्तीय प्रणालियों की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। भारत ने बुनियादी ढांचे और उद्योग में बड़े पैमाने पर वित्तपोषण का समर्थन करने के लिए अपने बैंकिंग क्षेत्र को मजबूत करने और पूंजी बाजारों को गहरा करने पर ध्यान केंद्रित किया है। उन्होंने कहा कि भारत के विनियामक ढांचे अब निवेशक सुरक्षा को नवाचार और लचीलेपन के साथ बेहतर ढंग से संतुलित करते हैं। इससे दीर्घकालिक निवेश के लिए एक सक्षम वातावरण बनता है।

उतार-चढ़ाव के बाद बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

सेंसेक्स 90 अंक चढ़ा, निफ्टी 25500 के पार

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में बढ़त के बाद मंगलवार को बेंचमार्क शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी सीमित दायरे में कारोबार करते हुए बढ़त के साथ बंद हुए। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 90.83 अंक या 0.11 प्रतिशत बढ़कर 83,697.29 अंक पर बंद हुआ। इसमें से 13 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए जबकि 17 शेयर नुकसान में रहे। कारोबार के दौरान यह 267.83 अंक या 0.32 प्रतिशत बढ़कर 83,874.29 अंक पर पहुंच गया। वहीं एनएसई निफ्टी 24.75 अंक या 0.10 प्रतिशत बढ़कर 25,541.80 पर बंद हुआ।डॉलर के मुकाबले रुपया 25 पैसे बढ़कर 85.51 (अनंतिम) पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल?

सेंसेक्स की कंपनियों में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, कोटक महिंद्रा बैंक और एचडीएफसी बैंक प्रमुख लाभ में रहे। वहीं, एक्सिस बैंक, ट्रेंट, इटरनल और टेक महिंद्रा पिछड़ गए।

यूरोपीय बाजारों में रही गिरावट

एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कोस्पी और शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक सकारात्मक दायरे में बंद हुआ जबकि जापान का निक्केई 225 सूचकांक नीचे बंद हुआ। हांगकांग के बाजार बंद रहे। यूरोपीय बाजारों में ज्यादातर गिरावट देखी गई। सोमवार को अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए।

ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 66.56 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.22 प्रतिशत गिरकर 66.56 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 831.50 करोड़ रुपये मूल्य की इक्विटी बेची। सोमवार को सेंसेक्स 452.44 अंक या 0.54 प्रतिशत गिरकर 83,606.46 पर बंद हुआ। निफ्टी 120.75 अंक या 0.47 प्रतिशत गिरकर 25,517.05 पर बंद हुआ।

8 साल में कहां से कहां पहुंच गया भारत का जीएसटी कलेक्शन? ये आंकड़े दुनिया को चौंका रहे

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। जून में भारत का जीएसटी कलेक्शन 1.85 लाख करोड़ रुपये रहा। यह पिछले साल के जून से 6.2% ज्यादा है। हालांकि, अप्रैल 2025 में 2.37 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड संग्रह हुआ था। मई में यह 2.01 लाख करोड़ रुपये था। इस वजह से जून में जीएसटी संग्रह थोड़ा कम रहा। वित्त मंत्रालय के आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। जीएसटी व्यवस्था को लागू हुए 8 साल पूरे हो गए हैं। सरकार का कहना है कि पिछले पांच सालों में संग्रह दोगुना हो गया है। वित्त वर्ष 2024-25 में यह 22.08 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जो 2020-21 में 11.37 लाख करोड़ रुपये था। 2024-25 का संग्रह पिछले साल के 20.18 लाख करोड़ रुपये से 9.4% ज्यादा है। यह जुलाई 2017 में अप्रत्यक्ष टैक्स प्रणाली शुरू होने के बाद सबसे ज्यादा वार्षिक जीएसटी संग्रह है। भारत में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) प्रणाली जुलाई 2017 में लागू हुई थी। अब इसे लगभग आठ साल पूरे हो चुके हैं। इन आठ सालों में जीएसटी कलेक्शन में काफी बढ़ोतरी हुई है। जब जीएसटी जुलाई 2017 में शुरू हुआ था, तब संग्रह के आंकड़े धीरे-धीरे बढ़ रहे थे। हालांकि, सरकार ने बताया है कि पिछले पांच सालों में जीएसटी कलेक्शन दोगुना हो गया है, जो इसकी बढ़ती सफलता और अर्थव्यवस्था में इसके एकीकरण को दर्शाता है।

11.37 लाख करोड़ से 22.08 लाख करोड़

वित्तीय वर्ष 2020-21 (एफवाई21) में कुल जीएसटी कलेक्शन 11.37 लाख करोड़ रुपये था। इसके बाद वित्तीय वर्ष 2024-25 (एफवाई25) में यह बढ़कर 22.08 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। यह एफवाई24 के 20.18 लाख करोड़ रुपये के मुकाबले 9.4% की बढ़ोतरी है। वित्त मंत्रालय ने बताया है कि जून में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का कुल संग्रह 1.85 लाख करोड़ रुपये रहा। यह पिछले साल के जून महीने के मुकाबले 6.2% ज्यादा है, जो एक अच्छी बात है। हालांकि, हमें यह भी देखना होगा कि अप्रैल 2025 में 2.37 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड जीएसटी कलेक्शन हुआ था और मई में यह 2.01 लाख करोड़ रुपये था। इसकी तुलना में जून का संग्रह थोड़ा कम है, लेकिन फिर भी यह देश की आर्थिक गतिविधियों को दर्शाता है।

दुनिया को चौंका रहे ये आंकड़े

भारत में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) प्रणाली को लागू हुए लगभग 8 साल पूरे हो चुके हैं और इस छोटी सी अवधि में इसने राजस्व संग्रह के ऐसे आंकड़े पेश किए हैं, जो वाकई दुनिया भर के अर्थशास्त्रियों और वित्तीय विश्लेषकों को चौंका रहे हैं। यह केवल एक कर प्रणाली नहीं, बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था की लचीलापन और विकास क्षमता का एक प्रमाण बन गई है।

दोमन यादव, कार्यकारी निदेशक ने पावरग्रिड, दक्षिणी क्षेत्र पारेषण प्रणाली-I का कार्यभार संभाला

हैदराबाद, 1 जुलाई (एजेंसियां)। श्री दोमन यादव, कार्यकारी निदेशक ने पावरग्रिड, दक्षिणी क्षेत्र पारेषण प्रणाली-I (जिसमें तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के कुछ हिस्सों में सबस्टेशन और परियोजनाएं शामिल हैं) का कार्यभार संभाला। श्री डोमन यादव पटना विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार में स्नातक और एम डीआइ, गुरुग्राम से बिजनेस मैनेजमेंट में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा धारक हैं। उन्होंने 1993 में इंजीनियर प्रशिक्षु के रूप में अपने पेशेवर करियर की शुरुआत की। उनके पास 32 वर्षों से अधिक का व्यापक अनुभव है और उन्होंने ट्रांसमिशन क्षेत्र के सभी पहलुओं में काम किया है; ग्रिड ऑटोमेशन और संचार, गुणवत्ता आश्वासन और निरीक्षण, ईआरपी और आईटी, सूचना सुरक्षा और पावरग्रिड के टेलीकॉम व्यवसाय में गुरुग्राम, नई दिल्ली और कोलकाता जैसे विभिन्न स्थानों पर काम किया है। दक्षिणी क्षेत्र पारेषण प्रणाली-I का कार्यभार संभालने से पहले, उन्होंने पावरग्रिड कॉर्पोरेट कार्यालय, गुरुग्राम में कार्यकारी निदेशक (ईआरपी और आईटी / जीए और सी/ सूचना सुरक्षा और सीआईएसओ) के रूप में सेवा दी।

सोने में सात दिन से जारी गिरावट थमी

1200 की तेजी के साथ 98670 रुपये प्रति 10 ग्राम पर

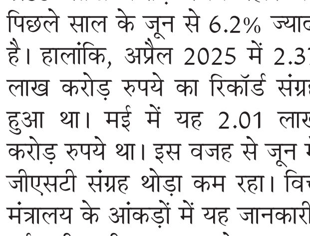

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। मजबूत वैश्विक रुख को देखते हुए स्टॉकिस्टों की ताजा लिवाली से राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार को सोने की कीमत सात दिन की गिरावट के सिलसिले को तोड़ते हुए 1,200 रुपये की तेजी के साथ 98,670 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गयी। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने इसकी पुष्टि की है। सोमवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाली यह बहुमूल्य धातु 97,470 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। मंगलवार को 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव 1,100 रुपये बढ़कर 98,150 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गया। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 97,050 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। अबान्स फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी चिंतन मेहता ने कहा, अमेरिका में बढ़ते राजकोषीय घाटे की चिंता और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रस्तावित कर कटौती और व्यय विधेयक पर बाजार के ध्यान के कारण अमेरिकी डॉलर में गिरावट ने सोने को अधिक आकर्षक बना दिया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पारस्परिक टैरिफ के कार्यान्वयन के लिए 9 जुलाई की समय सीमा से पहले जापान पर नए टैरिफ लगाने की धमकी भी दी है। मेहता ने कहा कि ये बदलाव सोने जैसी गैर-उपज वाली परिसंपत्तियों को बनाए रखने में मदद कर रहे हैं, खासकर मुद्रास्फीति की उम्मीदें अभी भी उच्च स्तर पर हैं। इसके अलावा, मंगलवार को चांदी की कीमत 2,000 रुपये बढ़कर 1,04,800 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) हो गई। सोमवार को चांदी की कीमत 1,02,800 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। वैश्विक स्तर पर सोना हाजिर 44.01 डॉलर या 1.33 प्रतिशत बढ़कर 3,346.92 डॉलर प्रति औंस हो गया। जानकारों के अनुसार, प्रतिभागियों की ओर से डॉलर की निरंतर कमजोरी को देखते हुए, सोना सुरक्षित निवेश के रूप में खरीदारों को आकर्षित कर रहा है। एलकेपी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट रिसर्च एनालिस्ट-कमोडिटी व करेंसी, जतीन त्रिवेदी ने कहा, इस सप्ताह धारणा उत्साहजनक बनी हुई है, जो प्रमुख अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों, विशेष रूप से गैर-कृषि पेरोल, बेरोजगारी के आंकड़ों और एडीपी गैर-कृषि रोजगार परिवर्तन से संबंधित अपेक्षाओं से प्रेरित है। विशेषज्ञों ने यह भी कहा कि फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल की टिप्पणी भी ब्याज दर के बारे में आगे संकेत देगी। इससे कीमती धातु की कीमतों में आगे की हलचल प्रभावित होगी।

मुकेश अंबानी को पहले दिन लगा जैकपॉट

झटके में हुआ 38000 करोड़ का फायदा

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में 2 फीसदी से ज्यादा का इजाफा देखने को मिला है। खास बात तो ये है कि 3 घंटे 30 मिनट के कारोबारी सत्र के दौरान कंपनी की वैल्यूएशन में करीब 38 हजार करोड़ रुपए का इजाफा देखने को मिल चुका है। कंपनी के शेयरों में तेजी के कई माने जा रहे हैं। जिनमें से दो प्रमुख हैं। पहला कि रिलायंस ने हाल ही में अपने 1 गीगावॉट की एनर्जी सोलर मॉड्यूल लाइन शुरू करने का ऐलान किया है। जिसे कैलेंडर ईयर 2026 तक फेजवाइज तरीके से 10 गीगावॉट किया जाएगा। वहीं दूसरी ओर जियोब्लैकरॉक म्यूचुअल फंड पहले ही दिन फुली सब्सक्राइब्ड हो चुका है। जिसका सपोर्ट रिलायंस इंडस्ट्रीज को मिलता हुआ दिखाई दे रहा है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर शेयर बाजार में रिलायंस इंडस्ट्रीज के किस तरह के आंकड़े देखने को मिल रहे हैं। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में डेढ़ फीसदी से ज्यादा की तेजी देखने को मिल रही है। बीएसई के अनुसार कंपनी का शेयर दोपहर 12 बजकर 45 मिनट पर करीब डेढ़ फीसदी की तेजी के साथ 1531.20 रुपए के साथ दिन के हाई पर पहुंच गया है। जबकि एक दिन पहले कंपनी का शेयर 1500.65 रुपए पर देखे गए थे। आज सुबह कंपनी का शेयर भी इसी लेवल पर ओपन हुआ था। वैसे कंपनी के शेयर का 52 हफ्तों का हाई 1,608.95 रुपए पर देखने को मिला था। जबकि 52 हफ्तों का लोअर लेवल 1,115.55 रुपए पर देखने को मिला था। खास बात तो ये है कि मौजूदा साल में रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में 25 फीसदी से ज्यादा का इजाफा देखने को मिल चुका था। ताज्जुब की बात तो ये है कि बीते एक साल में कंपनी के शेयरों में 2 फीसदी की गिरावट देखने को मिल चुकी है। वहीं एक महीने में कंपनी के शेयरों करीब 8 फीसदी का इजाफा देखने को मिल चुका है। पिछले हफ्ते कंपनी का शेयर 4 फीसदी से ज्यादा उछल चुका है। नोमुरा का अनुमान है कि कंपनी का शेयर जल्द ही 1800 के लेवल को पार कर सकता है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947,सूर्य दक्षिणायन ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426874
सूर्योदय - 05-49
सूर्यास्त - 18-50
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि प्रारंभ संवत्-1955885126

ग्रह स्थिति	
सूर्य-	मिथुन में
चंद्र-	वृष में
मंगल	सिंह में
बुध-	कर्क में
गुरु-	मिथुन में
शुक्र-	वृष में
शनि-	मीन में
राहु-	कुंभ में
केतु-	सिंह में

लग्नारंभ समय	
मिथुन...	04-36 बजे
कर्क...	06-49 बजे
सिंह....	09-00 बजे
कन्या...	11-07 बजे
तुला.....	13-14 बजे
वृश्चिक...	15-22 बजे
धनु......	17-36 बजे
मकर.....	19-46 बजे
कुंभ....	21-33 बजे
मीन....	23-11 बजे
मेष.....	00-47 बजे
वृष.....	03-16 बजे

दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- सप्तमी 11-58 तक उपरान्त अष्टमी
मास - आषाढ़ शुक्ल , बुधवार 02 July
नक्षत्र - उ.फाल्गुनी 11-07 तक उपरान्त हस्त
योग - वरियान 17-46 तक उप परिघ
करण- वरियान 11-58 तक उप विष्टी
विशेष-
व्रत त्योहार - भद्राकाल - 11-59 से

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:20 से 13:59 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05:49 - 07:25	शुभ	उत्पात	18:50 - 20:15	अशुभ
अमृत	07:25 - 09:04	शुभ	शुभ	20:15 - 21:37	शुभ
काल	09:04 - 10:42	अशुभ	अमृत	21:37 - 22:59	शुभ
शुभ	10:42 - 12:20	शुभ	चंचल	22:59 - 00:20	शुभ
रोग	12:20 - 13:59	अशुभ	रोग	00:20 - 01:42	अशुभ
उत्पात	13:59 - 15:37	अशुभ	काल	01:42 - 03:04	अशुभ
चंचल	15:37 - 17:15	शुभ	लाभ	03:04 - 04:26	शुभ
लाभ	17:15 - 18:50	शुभ	उत्पात	04:26 - 05:49	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,): आप आज उल्लास और कुछ कर गुजरने के मूड में हैं । आपके सामने आज भुत से अवसर आयेंगे और आप उनका पूरा लाभ उठाने के लिए बहुत उत्साह में हैं । आज अगर आप अपने दिल की सुनेंगे तो वित्तीय,निजी जीवन तथा संबंधों में भी बहुत सफलता मिलेगी । आज दिन घटनाओं भरा रहेगा और आप इसका हरपल आनंद उठाएंगे ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,): आज का दिन घटनाओं से भरा रहेगा और आपको किसी अप्रत्याशित घटना के लिए तैयार रहना है ।आपको कई दिशायों में सक्रिय रहना पड़ेगा लेकिन सकारात्मक बने रहेंगे । आप नयी उर्जा एवं वास्तविकता से परिपूर्ण सार्थक योजनायें पेश करेंगे । अपनों को भी इनमे शामिल करें । आज किसी ख़ास व्यक्ति से मुलाक़ात होगी ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,): यह समय अपने लक्ष्य के लिए गंभीरता से कोशिश करने का है ,आपको बहुत जल्दी इसका फल भी मिलेगा । आप अभी कुछ बातों के बारे में सोच रहे थे,उनको कार्यान्वित करने का समय आ गया है । आपको अपना सारा ध्यान अब इसी पर लगाना होगा । हालाँकि आप इसके कारण बहुत व्यस्त रहेंगे।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,): प्रयास करने वाले भी पहले व्यक्ति बनें और उसका श्रेय लेने में भी आगे रहें । अपने आप को ज्यादा ना थकाएं और कम महत्वपूर्ण विषयों के लिए अधिक मेहनत ना करें । दूसरों को अच्छी ना लगने वाली बातें कहकर उनका दिल ना दुखाएं । आज आप पर भावनाओं का काबू रहेगा ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,): आपको अपनी स्थिति ,विशेषकर वित्तीय स्थिति पर अच्छी तरह विचार करने की आवशयकता है । बहुत खर्च करने में आनंद आ सकता है लेकिन इससे आपके परिवार की वित्तीय स्थिति पर भी बुरा असर पड़ सकता है ,आपको यह जानना होगा । जहां तक वित्तीय स्थिति का सवाल है,आपको ठंडे दिमाग से काम लेते हुए और परिजनों की बात भी सुननी चाहिए ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आज आप नम्र रहेंगे और दूसरों की स्वार्थरहित सेवा करेंगे । दूसरों को संतुष्ट करने के लिए अपना समय ,स्थान ,पैसा और यह तक कि अपना भोजन भी लगायेंगे । लोग आपकी इसके लिए तारीफ करेंगे ,लेकिन अपनी सीमायें निर्धारित करें । अपने बच्चों पर भी ध्यान दें,उन्हें कोई संकर्मण हो सकता है । घर पर रहें और घर का स्वच्छ भोजन करें ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,): आज का दिन बहुत अच्छा रहेगा और बहुत से लोग आपको आपकी दयनीय स्थिति से निकालने के लिए हाथ बढ़ाएंगे । लेकिन आप इस स्थिति में किसी और की गलती की वजह से फंसें हैं,अबकी बार ऐसे लोगों से सावधान रहें । आज आपको अपनी जीत का जश्न मनाना चाहिए ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,): आपको आज खुद का ही चिंतन करना है । आपके जीवन में इस समय सब कुछ सही चल रहा है ,फिर भी आपको एक प्रकार की बेचैनी महसूस हो रही है जिसे आप व्यक्त नही कर पा रहे । इसका एकमात्र समाधान यह है कि आप खुद के बारे में शांत दिमाग से सोचें जिससे आपको अपनी स्थितियों को बेहतर तरीके से देखने में मदद मिलेगी और आप सही समाधान खोज पायेंगे ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे): आप ऊर्जा से भरे हैं और बहुत अच्छे मूड में भी हैं । दोस्तों को पार्टी दे सकते हैं । अपनी ख़ुशी में खोकर आपका ध्यान भविष्य के खतरों से हट सकता है । घबराए नही,किसी आदमी से कोई नुक्सान होने की आशंका नही है ,केवल आपका पेट अपच वाला अधिक भोजन करने के कारण खराब हो सकता है,जिससे आपकी सेहत पर असर पड़ सकता है।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी): दूसरों के विश्वास का सम्मान करें और नम्र बने रहें । आप सफलता हासिल करने की राह पर बढ़ रहे हैं लेकिन हमेशा अंतिम समय पर सावधानी नही रखते । जीवन अप्रत्याशित होता ही है,इसीलिए इन परेशानियों की अधिक चिंता ना करें । जीवन के पथ पर उत्साह और जोश से आगे बढ़ते रहें ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,): आप अन्दर से डरे हुए से हैं । यह जान लें कि इन मुद्दों से घबराने की जरूरत नही है। इन वर्तमान समस्याओं के कई कारण हैं और इनके लिए दुसरे जिम्मेदार हैं,आप नहीं । ये छोटी बातें जल्दी ही सुलझ जायेंगी । अपने आपको राहत देने के लिए किसी मनोरंजक कार्यकलाप की योजना बनाएं ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची): अपने प्रति ईमानदार रहें क्योंकि इसी से आप हरेक स्थिति में खुश रह पायेंगे । केवल दूसरों की परवाह करने के लिए अपनी इच्छाओं का बलिदान न करें ,जो आपको भी अच्छा लगे,वही करें । आपको यह सोचने में कुछ समस्या हो सकती है कि कहां से शुरू करूं,इसलिए सारे पहलू देखकर अपनी प्राथमिकताएं तय कर लें ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

शराब घोटाला, कवासी ने 2.24 करोड़ का मकान बनवाया

बेटे के लिए 1.4 करोड़ का बंगला, 64 करोड़ मिले, बहू-बेटियों समेत कारोबारियों के नाम निवेश किया

रायपुर, 1 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा के खिलाफ चालान पेश किया गया। आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो (ईओडब्ल्यू) ने सोमवार को रायपुर की स्पेशल कोर्ट में करीब 1100 पन्नों का चौथा पूरक चालान पेश किया है। इसमें लखमा के घोटाले में शामिल होने के सबूत हैं।

जांच में सामने आया है कि शराब की अवैध कमाई से लखमा को 64 करोड़ मिले। पूर्व मंत्री ने बेटे के लिए 1.4 और खुद के लिए 2.24 करोड़ में मकान बनाया। बहू-बेटियों समेत कई कारोबारियों के नाम 18 करोड़ का निवेश किया।

चालान के अनुसार कवासी लखमा ने साल 2019-2023 के दौरान आबकारी मंत्री रहते हुए अपने पद का दुरुपयोग किया। घोटाले से 64 करोड़ की अवैध कमाई कवासी लखमा के हिस्से में आई है। इसमें से 18 करोड़ रुपए की राशि से संबंधित निवेश और खर्च के दस्तावेजी साक्ष्य भी जांच एजेंसी को मिले हैं।

गौरतलब है कि शराब घोटाला मामले में अब तक कुल चार चार्जशीट (एक मूल और तीन पूरक चालान) स्पेशल कोर्ट में पेश किए जा चुके हैं। इस मामले में 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

शराब घोटाले की पड़ताल के दौरान ये भी खुलासा हुआ कि तत्कालीन आबकारी मंत्री कवासी लखमा ने भ्रष्टाचार के लिए सबसे पहले 2019 में आबकारी नीति-2017 को ही बदल दिया। इससे उन्हें सीधा लाभ मिला।

उन्होंने आईएएस अनिल टुटेजा और कारोबारी अनवर ढेबर के साथ मिलकर सिंडिकेट बनाया। इस सिंडिकेट को चलाने के लिए इंडियन टेलीकॉम सर्विस के अधिकारी अरुणपति त्रिपाठी को प्रतिनियुक्ति पर आबकारी में लाए। उसके बाद अपने मंसूबे को अंजाम दिए। सिंडिकेट ने 4 साल में 2161 करोड़ रुपए का घोटाला किया है।

इसमें लखमा को कमीशन के तौर पर 64 करोड़ रुपए कैश मिले।

लखमा ने भ्रष्टाचार से मिले 1.4 करोड़ रुपए से बेटे हरीश के लिए सुकमा में आलीशान मकान बनाया। खुद के लिए पुरैना में 2.24 करोड़ रुपए का बंगला बनाया। जगदलपुर में 4.1 करोड़ रुपए में सीमेंट फैक्ट्री को लीज पर लिया।

2024 में आईटीएस अधिकारी अरुणपति त्रिपाठी, बीएसपी कर्मी अरविंद सिंह, कारोबारी अनवर ढेबर, त्रिलोक सिंह ढिल्लन, अनुराग द्विवेदी, अमित सिंह, दीपक दुआरी, दिलीप पांडेय, रिटायर आईएएस अनिल टुटेजा, सुनील दत्त।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में ईडी जांच कर रही है। ईडी ने एसीबी में एफआईआर दर्ज कराई है।

दर्ज एफआईआर में 2 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा के घोटाले की बात कही गई है। ईडी ने अपनी जांच में पाया कि तत्कालीन भूपेश सरकार के कार्यकाल में आईएएस अफसर अनिल टुटेजा, आबकारी विभाग के एमडी एपी त्रिपाठी और कारोबारी अनवर ढेबर के सिंडिकेट के जरिए घोटाले को अंजाम दिया गया था।

छत्तीसगढ़ में मानसून ने पकड़ी रफ्तार

अगले 5 दिन झमाझम बारिश के आसार, इन जिलों के लिए अलर्ट जारी

रायपुर, 1 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में मानसून अब पूरी तरह से एक्टिव हो चुका है। प्रदेश के अधिकांश जगहों पर जमकर बारिश हो रही है। मंगलवार से प्रदेश के अधिकांश क्षेत्रों में हल्की मध्यम बारिश के साथ एक-दो स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है। साथ ही वज्रपात और गरज-चमक के भी आसार हैं।

मौसम विभाग के अनुसार, आगे चार दिनों तक राजधानी रायपुर, दुर्ग, भिलाई, अभनपुर, बलौदाबाजार, भाटापारा, बिलासपुर, दंतेवाड़ा और बस्तर समेत कई अन्य जिलों में भारी बारिश होने का अलर्ट जार किया है। साथ ही प्रदेश के कई जिलों में बिजली गिरने की चेतावनी भी दी है। आज राजधानी रायपुर और बिलासपुर में जमकर बारिश होगी। प्रदेश के कई इलाकों में भी तेज आंधी-तूफान के साथ रुक-रुककर बारिश का दौर भी जारी रहेगा। आज राजधानी रायपुर में सुबह से घने बादल छाए हुए हैं। हवाएं चल रही है।

गैस टैंकर से रिसाव, एनएच-49 बंद

मथुरा से पारादीप जा रहा था टैंकर, कालियाडिंगा ओवरब्रिज के नीचे हुआ हादसा, प्रशासन मौजूद

जमशेदपुर, 1 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड-ओडिशा सीमा पर स्थित बहरागोड़ा में उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब एनएच-49 पर खड़े एक गैस टैंकर से अचानक गैस का रिसाव शुरू हो गया। गैस लीक की जानकारी मिलते ही

स्थानीय प्रशासन हरकत में आया और इलाके को खाली कराते हुए बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। घटनास्थल के चारों ओर एनएच पर बैरिकेडिंग कर दी गई है। एहतियातन ओडिशा और झारखंड को जोड़ने वाले इस रास्ते को पूरी तरह से बंद कर दिया गया है।

जानकारी के मुताबिक, गैस टैंकर मथुरा से आ रहा था। उसे पारादीप जाना था। बहरागोड़ा के कालियाडिंगा ओवरब्रिज के नीचे एक दुर्घटना का शिकार हो गया।

हादसे में टैंकर को नुकसान पहुंचा, जिससे गैस का रिसाव शुरू हो गया। टैंकर रिलायंस पेट्रोल पंप से करीब 300 मीटर की दूरी पर खड़ा था। सुबह होते ही गैस की तेज गंध से लोग सतर्क हुए और पुलिस को सूचना दी गई।

गैस रिसाव की सूचना मिलते ही बहरागोड़ा थाना प्रभारी शंकर प्रसाद कुशवाहा, अंचल अधिकारी राजाराम सिंह मुंडा और प्रखंड विकास पदाधिकारी केशव भारती मौके पर पहुंचे। बचाव कार्य में फायर ब्रिगेड की टीम को भी लगाया गया है।

रिसाव कितनी मात्रा में हो रहा है और यह गैस कितनी खतरनाक है, इसका आकलन करने के लिए ओडिशा के बालेश्वर से विशेषज्ञों की टीम बुलाई गई है। जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि गैस जहरीली है या नहीं।

सुरक्षा के लिहाज से प्रशासन ने एनएच-49 पर वाहनों की आवाजाही को पूरी तरह रोक दिया है। ट्रैफिक को वैकल्पिक रास्तों पर डायवर्ट किया जा रहा है। वहीं, घटनास्थल से करीब एक किलोमीटर के दायरे को खाली कराया गया है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

पूर्वी सिंहभूम जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है। अधिकारी लगातार मौके पर कैंप कर स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। गैस के रिसाव को रोकने के लिए विशेषज्ञों की मदद ली जा रही है। ग्रामीणों से अपील की गई है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और प्रशासन का सहयोग करें। घटना के बाद स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है।

उफनती नदी पार करते वक्त बहा युवक, मौत

पुलिया ढहने से आवागमन ठप, बाढ़ में फंसे 3 लोगों को बचाया

रायपुर, 1 जुलाई (एजेंसियां)। बलरामपुर में बाढ़ की चपेट में आने के दो हादसे सामने आए हैं। पहली घटना गेउर नदी की है जहां नदी को पार करते वक्त बह जाने से युवक की मौत हो गई। युवक मछली मारने गया था। वहीं दूसरी घटना गागर नदी की है जहां नदी में अचानक बाढ़ आने से तीन पहाड़ी कोरवा बच्चे घंटों तक फंसे रहे। ग्रामीणों की मदद से उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला गया।

वहीं बचवार मार्ग पर जर्जर पुलिया ढह गई। हादसा तब हुआ जब लोड पिकअप वहां से गुजर रही थी। घटना के बाद से बचवार पटना मार्ग पर आवागमन ठप हो गया है। बता दें कि सरगुजा संभाग में लगातार बारिश के बाद से नदी-नाले उफान पर हैं।

जारगिम निवासी में मणिशंकर पैकरा (45 वर्ष) सोमवार को अपने अन्य साथियों के साथ गेउर नदी पार कर मछली पकड़ने के लिए गया हुआ था। दोपहर करीब तीन बजे ग्रामीण वापस जारगिम आने के लिए निकले, तब तक नदी में बाढ़ आ चुकी थी। उफनती नदी को पार करने के दौरान मणिशंकर पैकरा बह गया। शाम को उसकी लाश नदी किनारे मिली है।

राजपुर क्षेत्र में बारिश के बीच गागर नदी में मछली पकड़ने गए 3 पहाड़ी कोरवा बच्चे घंटों तक फंसे रहे। राजपुर से तीन किलोमीटर दूर उधेनुपुरा के तीन पहाड़ी कोरवा बच्चे नदी में मछली पकड़ने गए थे।

अचानक नदी का जल स्तर 3 बढ़ गया तो तीनों बच्चे बीच में ही फंस गए। करीब तीन घंटे बाद नदी का जलस्तर कम हुआ तो बच्चों को ग्रामीणों की मदद से बाहर निकाला गया।

इस बीच मौसम विभाग ने आज पूरे छत्तीसगढ़ में बारिश का अलर्ट जारी किया है। बिलासपुर-कोरबा समेत 18 जिलों में गरज चमक के साथ पानी बरसेगा। वहीं रायपुर-धमतरी समेत 15 जिलों में बिजली गिर सकती है। अगले पांच दिनों तक प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में आंधी-बारिश की स्थिति बनी रहेगी।

सोमवार को प्रदेश के 100 से अधिक जगहों पर पानी बरसा। औसतन बारिश 29.42 मिमी रिकॉर्ड किया गया है। वहीं तापमान की बात करें तो 31.0°सी के साथ बिलासपुर सबसे गर्म रहा और 19.0°सी डिग्री न्यूनतम तापमान के साथ राजनांदगांव सबसे ठंडा रहा।

1 जून से 30 जून तक प्रदेश में 151.2 एमएम बारिश हो चुकी है। जबकि पूरे जून में नॉर्मली 193.5 एमएम बारिश रिकॉर्ड की जाती है। इस लिहाज से अब तक बारिश लगभग 22% कम हुई है। सबसे ज्यादा बारिश बलरामपुर में हुई है।

यहां सामान्य से लगभग 112% प्रतिशत ज्यादा पानी बरसा है। जिले में जून में अब तक 293.7 एमएम पानी बरस चुका है। जबकि सामान्य तौर पर 138 एमएम पानी ही गिरता है।

वहीं सबसे कम बारिश राजनांदगांव और बेमेतरा में हुई है। राजनांदगांव में सामान्य से लगभग 66% कम पानी गिरा है।

कोरबा में मिली चार आंखों वाली मछली

असामान्य रूप से बड़ा है मछली का मुंह, ग्रामीणों ने तालाब में छोड़ा

कोरबा, 1 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में 4 आंखों वाली मछली देखने को मिली है। हरदी बाजार स्थित सराई सिंगार गांव में इस मछली के मिलने से हलचल मच गई। 30 जून को राधा सागर तालाब में स्थानीय निवासी भंगू निर्मलकर को नहाते समय यह विचित्र मछली मिली। इस मछली का मुंह असामान्य रूप से बड़ा है।

भंगू रात में मछली को अपने घर ले गए। अगली सुबह जैसे ही इस खबर का पता चला, आसपास के गांवों से लोग इसे देखने पहुंचने लगे। ग्रामीणों का मानना है कि यह कोई साधारण मछली नहीं है और इसमें दैवीय शक्तियां हैं।

मछली पालन विशेषज्ञों के मुताबिक, यह मछली आमतौर पर एक्वेरियम में पाली जाती है। जब इसका आकार बड़ा हो जाता है, तब लोग इसे तालाब या नदी में छोड़ देते हैं। यह एक दुर्लभ प्रजाति है जो सामान्यतः प्राकृतिक जल स्रोतों में नहीं मिलती।

विशेषज्ञों ने यह भी बताया कि कुछ मछली प्रजातियों में केमिकल पाए जाते हैं, जिनका सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। इसलिए ऐसी मछलियों को खाने से बचना चाहिए। ग्रामीणों की भावनाओं को देखते हुए मछली को वापस तालाब में छोड़ दिया गया है। यह घटना पूरे इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है।

बस-हाइवा के बीच टक्कर, 3 यात्रियों की मौत

मरने वालों में एक महिला, 2 पुरुष, 6 घायल, जगदलपुर से आ रही थी गाड़ी

रायपुर, 1 जुलाई (एजेंसियां)। रायपुर में सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। मंगलवार सुबह जगदलपुर से रायपुर आ रही रॉयल ट्रेवल्स की बस (क्रमांक सीजी 04 ई 4060) और हाइवा के बीच टक्कर हो गई। बस में सवार 3 यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि 6 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

अभनपुर थाना क्षेत्र के केंद्री के पास यह हादसा हुआ। मरने वालों में एक महिला और दो पुरुष शामिल हैं। हादसे की सूचना मिलते ही अभनपुर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को 108 एम्बुलेंस की मदद से नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। 6 घायलों में तीन लोगों का इलाज अभनपुर के प्राइवेट हॉस्पिटल में चल रहा है वहीं और तीन का सरकारी अस्पताल में उपचार जारी है। हादसा तेज रफ्तार और ओवरटेकिंग के कारण हुआ बताया जा रहा है। मृतकों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

प्राचार्यों की पदोन्नति का रास्ता साफ

डिवीजन बेंच ने पोस्टिंग पर लगी रोक हटाई

बिलासपुर, 1 जुलाई (एजेंसियां)। प्रदेश में प्राचार्यों की पदोन्नति का रास्ता साफ हो गया है। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने प्रमोशन आदेश जारी होने के बाद पोस्टिंग पर लगी रोक हटा दी है। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने राज्य शासन की प्रमोशन नीति को वैध माना है। कोर्ट ने प्राचार्य पदोन्नति के बाद पोस्टिंग पर स्टे निरस्त कर दिया, और बीएड अनिवार्यता के साथ प्रमोशन नीति के खिलाफ दायर सभी याचिकाएं खारिज दी है। करीब 15 दिन पहले जस्टिस रजनी दुबे की डिवीजन बेंच ने मामले की सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था, जिस पर आदेश जारी किया गया है। बता दें, कि पदोन्नति से वंचित शिक्षकों ने प्रमोशन नियम को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। हाईकोर्ट के फैसले के बाद अब 3500 स्कूलों में प्राचार्य पोस्टिंग का रास्ता साफ हो गया है।

इस मामले की सुनवाई जस्टिस रजनी दुबे और जस्टिस एके प्रसाद की डिवीजन बेंच में बीते 11 जून से 16 जून तक लगातार हुई थी। इस दौरान याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ताओं ने अपनी बहस पूरी करते हुए बीएड डिग्री को प्राचार्य पद के लिए अनिवार्य बताया। इसके अलावा, उन्होंने माध्यमिक स्कूलों के प्रधान पाठकों से व्याख्याता बने शिक्षकों की वरिष्ठता का मुद्दा भी उठाया। हाईकोर्ट में लगी याचिकाओं में एक मामला साल 2019 से जुड़ा हुआ था, जबकि अन्य याचिकाएं 2025 में बीएड और डीएलएड योग्यता से संबंधित थी। इस दौरान राज्य सरकार की तरफ से कहा गया कि प्रमोशन नियम को लेकर सभी कैटेगरी के शिक्षकों के हितों का ध्यान रखा गया है। इसमें कोई गड़बड़ी नहीं की गई है।

शिक्षा विभाग ने 30 अप्रैल को प्राचार्य पदोन्नति की सूची जारी की थी, जिस पर 1 मई को हाईकोर्ट ने स्थगन आदेश जारी कर दिया। अब हाईकोर्ट का फैसला आ गया है। जिसमें स्थगन आदेश को हटाकर सभी याचिकाएं खारिज की गई है। ऐसे में अब शिक्षा सत्र शुरू होते ही प्रदेश के 3500 स्कूलों में प्राचार्यों की नियुक्ति हो सकेगी।

मोबाइल दुकान से चोरी का खुलासा

7 .50 लाख के मोबाइल चोरी के दो आरोपी बिहार से गिरफ्तार

जमशेदपुर, 1 जुलाई (एजेंसियां)। घाटशिला पुलिस ने मोबाइल चोरी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी बिहार के पूर्णिया के रहने वाले हैं। घटना 11 जून की है, जब नीदा कम्युनिकेशन मोबाइल दुकान से मोबाइल फोन और एक टैब की चोरी हुई थी।

ग्रामीण एसपी ऋषभ गर्ग ने बताया कि आरोपी मोहम्मद शकलेन और वाहलुल दुकान में काम करने के लिए बिहार से आए थे। चोरी के बाद दोनों बिहार भाग गए थे। चोरी किए गए टैब के चालू होने पर पुलिस को उनका लोकेशन मिल गया।

पुलिस ने दोनों आरोपियों से 7 लाख 50 हजार रुपए के मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इसके अलावा 25 हजार रुपए नगद भी जब्त किए गए हैं।

कुल मिलाकर 50 मोबाइल फोन और 50 हजार रुपए की चोरी हुई थी। पुलिस ने दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया है और उनके अन्य आपराधिक इतिहास की जांच कर रही है।

छात्र को स्कूल से निकाला, 4 घंटे बाहर खड़ा किया

मां बोली- सालभर से टॉर्चर कर रहे, गला दबाकर भी मारा, प्रिंसिपल बोले-आरोप गलत

दंतेवाड़ा, 1 जुलाई (एजेंसियां)। दंतेवाड़ा जिले के पातरास में मुख्यमंत्री डीएवी पब्लिक स्कूल में 9वीं के छात्र को 4 घंटे स्कूल के बाहर खड़ा किया गया। जब छात्र की मां अचानक स्कूल पहुंची तो प्रिंसिपल और स्कूल स्टाफ के साथ जमकर बहस हुई। मां का आरोप है कि उसके बच्चे को सालभर से लगातार टॉर्चर किया जा रहा है।

स्कूल के टीचर उसे गालियां देते हैं। प्रिंसिपल ने गला दबाकर मारा है। छात्र बीमार है, इसलिए वह स्कूल नहीं आया था। इसी बात से नाराज होकर प्रबंधन ने उसे भारी बारिश में स्कूल के बाहर खड़ा करवाया। हालांकि, बच्चे की मां के इस आरोप को प्रिंसिपल ने गलत बताया है।

छात्र का नाम अभय चक्रवर्ती है। अभय का कहना है कि मुझे डेंगू की शिकायत थी। 5 दिन से बीमार था इसलिए मैं स्कूल नहीं आया था। वहीं (30 जून) को जब स्कूल आया तो स्कूल के प्रिंसिपल मेरे पास आए। मुझे मारा। कहा कि एप्लिकेशन लाए हो या नहीं। मैंने कहा नहीं लाया हूं। तो मुझसे कहा कि तुम घर चले जाओ।

मेरे एक दोस्त को भेजकर क्लासरूम से मेरा बैग मंगवा दिए। मुझे स्कूल से निकाल दिया। मैं 4 घंटे बाहर खड़ा रहा। मेरी मम्मी अचानक स्कूल आ गई। मैंने मम्मी से पूछा कि आपको कैसे पता चला मैं बाहर खड़ा हूं तो मम्मी ने कहा कि मुझे लगा कि आज शायद हॉफ डे है। इसलिए मैं स्कूल आ गई। बाहर खड़े होने की जानकारी नहीं थी।

वहीं छात्र की मां सुनीता चक्रवर्ती ने कहा कि, मैं ई-रिक्शा चलाती हूं। बच्चे को अच्छी शिक्षा देने के लिए स्कूल भेजती हूं। लेकिन यहां स्कूल के लोग बच्चे पर अत्याचार करते हैं। पिछले सालभर से उसे टॉर्चर कर रहे हैं।

रेलिंग तोड़ 40 फीट नीचे गिरा ट्रेलर

बराकर नदी पुल पर हादसा, 4 घंटे तक मदद के लिए इंतजार करता रहा ड्राइवर

गिरिडीह, 1 जुलाई (एजेंसियां)। गिरिडीह जिले में सोमवार की देर रात एक बड़ा हादसा हो गया। बराकर नदी पुल पर एक पाइप लदा भारी मालवाहक ट्रेलर रेलिंग तोड़ते हुए करीब 40 फीट नीचे नदी में जा गिरा। हादसे के समय रात के करीब दो बज रहे थे।

ट्रेलर का टायर अचानक फिसल गया, जिससे वह अनियंत्रित होकर पुल से नीचे गिर गया। ट्रेलर में सवार चालक अकील नवाज खान किसी तरह खुद को बाहर निकालने में सफल रहा। वह वाहन के टायर का सहारा लेकर खुद को बहाव से बचाए रखा।

अंधेरे में हादसे के बाद चालक मदद के लिए जोर-जोर से आवाज लगाता रहा। इसी बीच नदी के दूसरी ओर से किसी स्थानीय व्यक्ति ने टॉर्च जलाकर संकेत दिया, जिसके जवाब में चालक ने भी अपनी टॉर्च जलाकर अपनी उपस्थिति जताई। यह दृश्य काफी देर तक चलता रहा, जिससे लोगों को अंदाजा हो गया कि नदी में कोई फंसा है और मदद की जरूरत है।

घटना की जानकारी सबसे पहले मछुआरों ने 100 डायल कर पुलिस को दी। सूचना मिलते ही मुफस्सिल थाना प्रभारी श्याम किशोर महतो अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। नदी में बाढ़ की स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने एनडीआरएफ को भी अलर्ट कर दिया। लेकिन स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए बचाव कार्य शुरू कर दिया।

पानी के बीच फंसे ड्राइवर को जान स्थानीय युवकों, जितेंद्र कुमार राय, आशीष कुमार राय, अरबाज सहित पांच तैराकों ने बचाई। इन युवकों ने रस्सी के सहारे चालक तक पहुंचने की योजना बनाई। ट्रेलर में फंसे चालक को धीरे-धीरे रस्सी से बांधा गया और करीब चार घंटे की लंबी मशक्कत के बाद सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। चालक के बाहर आते ही स्थानीय लोगों और पुलिस ने राहत की सांस ली। ट्रेलर का टायर फिसलने से हुआ हादसा मुफस्सिल थाना प्रभारी श्याम किशोर महतो ने बताया कि यह हादसा वाहन का टायर फिसलने से हुआ। उन्होंने कहा कि स्थानीय युवाओं की बहादुरी और तत्परता के कारण एक बड़ी जानमाल की क्षति टल गई। फिलहाल ट्रेलर को नदी से निकालने की तैयारी चल रही है और पूरे मामले की जांच की जा रही है।

शिबू सोरेन की हालत स्थिर दिल्ली में जारी है इलाज

रांची, 1 जुलाई (एजेंसियां)। राज्यसभा सांसद, झामुमो के संरक्षक और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन की हालत अब स्थिर है। पिछले 13 दिनों से उनका इलाज दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में चल रहा है।

19 जून को बड़े बेटे और कल्पना सोरेन उन्हें दिल्ली लेकर पहुंची थीं, जिसके बाद अस्पताल में उनकी स्थिति गंभीर हो गई थी। हालांकि डॉक्टरों की टीम की निगरानी में अब उनकी सेहत में मामूली सुधार देखा गया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक सोमवार को विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने उनका मेडिकल परीक्षण किया और जरूरी जांचें कराईं। गुरुजी के इलाज को लेकर विदेश के डॉक्टरों से भी वीडियो कॉल पर राय ली जा रही है।

गुरुजी की तबीयत को देखते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन समेत पूरा सोरेन परिवार दिल्ली में मौजूद है। इधर झारखंड में शिबू सोरेन के स्वास्थ्य लाभ के लिए दुआओं का दौर जारी है। राजधानी रांची के पहाड़ी मंदिर में अबुआ अधिकार मंच के कार्यकर्ताओं ने रुद्राभिषेक किया, वहीं राजद कार्यकर्ताओं ने रिसलदार बाबा की दरगाह पर चादर चढ़ाई।

चौपारण सीएचसी प्रभारी घूस लेते गिरफ्तार

ममता वाहन सेवा के संचालक से ले रहे थे रिश्वत, साइन करने के बदले मांगा था 3 हजार रुपए

हजारीबाग, 1 जुलाई (एजेंसियां)। हजारीबाग के चौपारण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सक डॉ. सतीश कुमार को एंटी करप्शन ब्यूरो ने मंगलवार को रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। ममता वाहन सेवा के संचालक उज्ज्वल सिन्हा ने एसीबी में शिकायत दर्ज कराई थी।

डॉक्टर ने उनके 25,000 रुपए के बकाया बिलों पर हस्ताक्षर करने के लिए 3,000 रुपए की मांग की थी। एसीबी ने पहले मामले की गोपनीय जांच की।

भाजपा का चिंतन शिविर, मंत्री ओपी ने तैयारियों का लिया जायजा

सरगुजा, 1 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ भाजपा 7 से 9 जुलाई तक मैनपाट में चिंतन शिविर का आयोजन करेगी। तीन दिवसीय चिंतन शिविर की तैयारियां शुरू कर दी गई है। मुख्यमंत्री समेत सभी मंत्री, सांसद, भाजपा और आरएसएस के पदाधिकारियों के ठहरने की व्यवस्था मैनपाट में की गई है। पर्यटन मंडल के मोटल और रिसॉर्ट का कायाकल्प किया जा रहा है। सड़कें सुधारी जा रही हैं।

मंगलवार को तैयारियों का जायजा लेने प्रभारी मंत्री ओपी चौधरी मैनपाट पहुंचे। भाजपा के चिंतन शिविर के शुभारंभ अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और समापन अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शामिल होंगे। चिंतन शिविर का आयोजन तिब्बती कैंप नंबर-1 में स्थित तिब्बती सामुदायिक भवन में किया जाएगा। प्रशिक्षण शिविर में प्रदेश के सभी सांसदों और विधायकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

चिंतन शिविर के लिए मैनपाट में सभी व्यवस्थाएं की जा रही हैं। पर्यटन मंडल के करमा और शैला रिसॉर्ट का कायाकल्प किया जा रहा है। सड़कों में मरम्मत का काम भी तेजी से किया जा रहा है। मंगलवार को मैनपाट पहुंचे सरगुजा के प्रभारी मंत्री ओपी चौधरी ने सभी तैयारियां देखीं और आवश्यक निर्देश दिए। मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि, इस बड़े आयोजन से मैनपाट को भी नई पहचान मिलेगी।

चिंतन शिविर के तीन दिन पूरी सरकार मैनपाट में होगी। इसे देखते हुए प्रशासन ने भी तैयारियों में पूरी ताकत झोंक दी है। सरगुजा संभाग में हो रही झमाझम बारिश में मैनपाट जितना सुहाना है, वहीं मैनपाट में व्यवस्था करने में भी उतनी ही परेशानी हो रही है।

गिरोह की तरह काम कर रहे हैं बांग्लादेशी घुसपैठिए

डेप्युटी सीएम ने पश्चिम बंगाल को लेकर कही बड़ी बात

रायपुर, 1 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बांग्लादेशी घुसपैठ और पश्चिम बंगाल की स्थिति पर गहरी चिंता जताई है। विजय शर्मा ने कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठिए गिरोह की तरह काम कर रहे हैं और उनके दस्तावेज भी वहीं बनाए जा रहे हैं। उन्होंने कोलकाता की बदलती स्थिति पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि पहले वैभवशाली रहा कोलकाता अब पूरी तरह बदल गया है। वहां राजनीतिक हत्याएं सबसे ज्यादा हो रही हैं, जो एक गंभीर मुद्दा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 10 वर्षों में देश में हुए बदलावों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि बुनियादी ढांचे, प्रक्रियाओं और विकास में अभूतपूर्व प्रगति हुई है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सनातन मूल्यों और जनता के भरोसे पर काम करती है और जनादेश मिलने तक यह जारी रहेगा। उन्होंने पिछली सरकारों पर निष्क्रियता का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा सरकार कठोर कानून लाएगी, खासकर घुसपैठ जैसे मुद्दों पर।

थाइलैंड में कोर्ट ने पीएम को पद से हटाया

कंबोडिया के नेता बात करते हुए आर्मी चीफ की आलोचना की थी अब डिप्टी पीएम पद संभालेंगे

बैंकॉक, 1 जुलाई (एजेंसियां)। थाईलैंड के संवैधानिक न्यायालय ने पीएम पाइतोंग्तार्न शिनावात्रा को उनके पद से सस्पेंड कर दिया है। उन पर आरोप है कि उन्होंने कंबोडिया के नेता हुन सेन से फोन पर संवेदनशील बातचीत की थी, जो लीक हो गई। इस बातचीत में उन्होंने थाई सेना के कमांडर की आलोचना की थी। इसे थाईलैंड में गंभीर मामला माना जाता है क्योंकि सेना का वहां काफी प्रभाव है। इस बातचीत के लीक होने के बाद देशभर में गुस्सा फैल गया था। कोर्ट ने उनके खिलाफ नैतिकता के उल्लंघन का मामला स्वीकार कर लिया है और अब जांच पूरी होने तक वह प्रधानमंत्री के पद पर काम नहीं कर सकेंगी। अब जब तक कोर्ट इस मामले पर अंतिम फैसला नहीं करता, तब तक सरकार डिप्टी पीएम चलाएंगे।

ट्रम्प बोले-सब्सिडी बंद की तो मस्क को अफ्रीका लौटना पड़ेगा

दुकान बंद हो जाएगी, फिर न कार बनेगी, न सैटेलाइट लॉन्च होंगे

वॉशिंगटन, 1 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को टेस्ला के सीईओ इलॉन मस्क पर तंज कसा। उन्होंने कहा- अगर मस्क को मिलने वाली सब्सिडी बंद हो जाए, तो उनको अपनी दुकान (कंपनी) बंद करके दक्षिण अफ्रीका लौटना पड़ेगा।

ट्रम्प के कहा कि सब्सिडी बंद होने से न तो टेस्ला इलेक्ट्रिक कार का प्रोडक्शन कर पाएगी, न ही स्पेसएक्स के रॉकेट, सैटेलाइट लॉन्च होंगे। ट्रम्प ने दावा किया कि मस्क को सरकारी सब्सिडी के तौर पर इतना पैसा मिला है, जितना शायद किसी और को नहीं मिला। उन्होंने सुझाव दिया कि डीओजीई इस मामले की डिटेल जांच करे। इससे देश का पैसा बचेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा- मस्क को राष्ट्रपति पद के लिए मेरा समर्थन करने से बहुत पहले ही पता था कि मैं ईवी मैंडेट के खिलाफ हूं। इलेक्ट्रिक गाड़ियां अच्छी हैं, लेकिन हर इंसान को इन्हें खरीदने के लिए मजबूर करना गलत है। दरअसल, इलॉन मस्क ने शनिवार को ट्रम्प के बिग ब्यूटीफुल बिल की एक बार फिर से आलोचना की थी। मस्क ने शनिवार को X पर लिखा था- 'ट्रम्प का यह बिल अमेरिका में लाखों नौकरियां खत्म कर देगा और हमारे देश को बहुत बड़ा रणनीतिक नुकसान पहुंचाएगा।'

मस्क ने कहा, 'यह पूरी तरह पागलपन से भरा और विनाशकारी है। यह कानून पुराने उद्योगों को रियायत देता है, लेकिन भविष्य के उद्योगों को तबाह कर देगा।' मस्क ने पिछले महीने इस बिल को लेकर ट्रम्प प्रशासन में गवर्नमेंट एफिशिएंसी विभाग के प्रमुख के पद से इस्तीफा दे दिया था।

अमेरिकी सीनेट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बिग ब्यूटीफुल बिल को चर्चा के लिए मंजूरी दे दी है। शनिवार देर रात हुई वोटिंग में सीनेट ने 51-49 वोटों के अंतर से एक प्रस्ताव पारित किया, जिससे सदन को बिल पर बहस शुरू करने की इजाजत मिल गई।

दो रिपब्लिकन सीनेटरों ने प्रस्ताव के खिलाफ वोट दिया। वोटिंग के दौरान अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस मौजूद थे क्योंकि टाई की स्थिति में उनके वोट करने की जरूरत पड़ सकती थी। ट्रम्प टैक्स और खर्च में कटौती करने वाले इस बिल को 4 जुलाई से पहले पारित कराना चाहते हैं। ट्रम्प और मस्क दो महीने पहले 'बिग ब्यूटीफुल बिल' को लेकर आमने-सामने आ गए थे।

तुर्किये में पैगंबर के कथित कार्टून पर विवाद

मिसाइलों की बारिश के बीच मूसा से हाथ मिलाते दिखाया, कार्टूनिस्ट समेत 4 गिरफ्तार

अंकारा, 1 जुलाई (एजेंसियां)। तुर्किये में पैगंबर मुहम्मद का कार्टून छपने के बाद विवाद खड़ा हो गया है। लेमन मैगजीन ने 26 जून को एक कार्टून पब्लिश किया था, जिसमें पैगंबर मुहम्मद और पैगंबर मूसा जैसे दिखने वाले दो शख्स को आसमान से गिरती मिसाइलों के बीच हवा में हाथ मिलाते हुए दिखाया गया था। इस कार्टून के सामने आने के बाद पूरे तुर्किये में लोगों का गुस्सा भड़क गया। गुस्साए लोगों ने इस्तांबुल में लेमन मैगजीन के ऑफिस के बाहर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। वे 'दांत के बदले दांत, खून के बदला खून' के नारे लगा रहे थे। कुछ प्रदर्शनकारियों ने, जो एक इस्लामिक संगठन से जुड़े बताए जा रहे हैं, पत्रिका के दफ्तर पर पत्थरबाजी भी की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने कार्टून बनाने वाले कार्टूनिस्ट डोगन पहलवान को गिरफ्तार कल लिया है। इसके अलावा लेमन के चीफ एडिटर, मैनेजिंग एडिटर और ग्राफिक डिजाइनर की भी गिरफ्तारी हुई है।

घटना के बाद तुर्किये के गृहमंत्री अली येरलिकाया ने बयान जारी कर कहा कि यह प्रेस की आजादी या अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नहीं है, बल्कि धार्मिक भावनाओं का अपमान है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

तुर्किये के न्याय मंत्री यिलमाज टुंक ने कहा कि इस तरह के कार्टून धार्मिक भावनाओं और सामाजिक सौहार्द का अपमान करते हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि कोई भी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का बहाना बनाकर किसी धर्म के प्रतीकों का अपमान नहीं कर सकता। गृह मंत्री येरलिकाया ने कहा कि वे पैगंबर साहब का मजाक उड़ाने वाले इस शर्मनाक कार्टून की निंदा करते हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह की हरकतें हमारे धार्मिक भावनाओं का अपमान करती हैं। मुसलमानों के दिल को ठेस पहुंचाती हैं। ये काम लोगों को भड़काने वाले हैं, और जो ऐसा करने की कोशिश करेंगे, उन्हें कानून के सामने जवाब देना होगा।

तुर्किये में धर्मनिरपेक्ष कानून लागू है, लेकिन वहां पर किसी के धार्मिक मूल्यों का सार्वजनिक रूप से अपमान करने पर एक साल तक की जेल हो सकती है। हालांकि विवाद बढ़ने पर लेमैन मैगजीन ने सोशल मीडिया पर माफी जारी की और कहा कि कार्टून का मकसद इस्लाम का अपमान करना नहीं था।

पत्रिका लेमन के एडिटर टुनके अकगुन ने कहा कि जिस कार्टून को लेकर विवाद हुआ है, उसे गलत तरीके से समझा गया है। उन्होंने साफ किया कि यह कार्टून पैगंबर मुहम्मद का कैरिकेचर नहीं है, बल्कि इसमें इजराइल की बमबारी में मारे गए एक मुस्लिम व्यक्ति को दिखाया गया है, जिसका नाम काल्पनिक तौर पर मुहम्मद रखा गया था।

अकगुन ने बताया कि दुनिया में 200 मिलियन से ज्यादा लोगों का नाम मुहम्मद है और कार्टून का मकसद कभी भी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं था। पत्रिका ने उन पाठकों से माफी मांगी है जो इस कार्टून से आहत हुए। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ लोग जानबूझकर कार्टून का गलत मतलब निकालकर इसे विवादित बना रहे हैं। अकगुन ने बताया कि इस कार्टून को लेकर हो रही प्रतिक्रिया चार्ली हेब्दो जैसी घटनाओं की याद दिला रही है, जब 2015 में पैगंबर का कार्टून छापने पर फ्रांस की इस पत्रिका पर हमला हुआ था और 12 लोगों की जान चली गई थी।

हिंदू युवती से दुष्कर्म मामले में बांग्लादेश में तेज विरोध

आरोपियों ने रेप का वीडियो बनाकर वायरल किया पुलिस ने एक्सट्रामैरिटल अफेयर बताने की कोशिश की

ढाका, 1 जुलाई (एजेंसियां)। बांग्लादेश के कुमिल्ला के मुरादनगर में 26 जून 2025 को 21 वर्षीय हिंदू युवती के साथ हुई दुष्कर्म की घटना को लेकर देशभर में प्रदर्शन और सियासत तेज हो गई है। एक ओर जहां हिंदू संगठनों और मानवाधिकार संगठनों ने देशभर के कई शहरों में उग्र प्रदर्शन किया।

उधर, राजनीतिक दलों में इस घटना पर विवाद छिड़ गया। पूर्व पीएम शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग और पूर्व पीएम खालिदा जिया की पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने आरोपी फजोर अली को एक-दूसरे का नेता बताकर आरोप लगाए। जमात-ए-इस्लामी ने भी इस मामले में बीएनपी को निशाना बनाया।

पहले बांग्लादेश पुलिस और यूनुस समर्थकों ने इस मामले को एक्सट्रामैरिटल अफेयर बताने की कोशिश की। वहीं, कुमिल्ला के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एकेएम कमरुज्जमां ने जांच में इसे क्रूर यातना का मामला बताया। उन्होंने कहा कि पीड़ित सरल स्वभाव की है और एक्सट्रामैरिटल अफेयर का कोई सबूत नहीं मिला। इसके बाद अल्पसंख्यक समुदाय में गुस्सा फैल गया। ढाका यूनिवर्सिटी के छात्रों ने रात में विरोध मार्च निकाला।

सात जिलों में हिंदू समुदाय ने मानव श्रृंखला बनाकर न्याय की मांग की। हाईकोर्ट ने इस मामले में सख्त रुख अपनाते हुए पीड़ित की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आदेश दिया। जस्टिस फहमिदा कादर और जस्टिस सैयद जाहिद मंसूर की बेंच ने रविवार को एक रिट याचिका की प्रारंभिक सुनवाई के बाद यह निर्देश जारी किया।

कोर्ट ने सभी सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से पीड़ित के वीडियो और तस्वीरें 24 घंटे के भीतर हटाने का आदेश दिया। पीड़ित को चिकित्सा और सुरक्षा प्रदान करने का निर्देश दिया। यह घटना बीएनपी के लिए राजनीतिक रूप से संवेदनशील मुद्दा बन गई है, क्योंकि मुख्य आरोपी फजोर अली को पार्टी का नेता बताया गया है।

बीएनपी महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की, लेकिन पार्टी ने यह कहकर दूरी बनाई कि फजोर अली का उनके किसी समिति से कोई संबंध नहीं है। स्थानीय यूनियन परिषद के पूर्व सदस्य अब्दुर रोब ने कहा कि फजोर अली पहले अवामी लीग से जुड़ा था।

इजराइली पीएम नेतन्याहू अगले हफ्ते अमेरिका जाएंगे

ट्रम्प से गाजा जंग रोकने पर बात होगी

यरूशलम, 1 जुलाई (एजेंसियां)। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अगले सोमवार को वॉशिंगटन डीसी का दौरा करेंगे। यहां वे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से व्हाइट हाउस में मुलाकात करेंगे। अमेरिकी प्रशासन के एक अधिकारी के हवाले से दी है। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब राष्ट्रपति ट्रम्प गाजा में जंग खत्म कराने और युद्धबंदियों की रिहाई के लिए इजराइली सरकार पर दबाव बढ़ा रहे हैं। नेतन्याहू का यह दौरा इजराइल के रणनीतिक मामलों के मंत्री रॉन डर्मर के वॉशिंगटन दौरे के तुरंत बाद हो रहा है। डर्मर ने इस हफ्ते अमेरिकी अधिकारियों से गाजा सीजफायर, ईरान और अन्य मुद्दों पर बातचीत की थी।

पिछले हफ्ते शुक्रवार को ट्रम्प ने मीडिया को बताया था कि गाजा में अगले एक हफ्ते के भीतर सीजफायर हो जाएगा।

स्पेन में हीटवेव से 60 साल का रिकॉर्ड टूटा

तापमान 46 डिग्री पहुंचा, पुर्तगाल इटली और क्रोएशिया में रेड अलर्ट

पेरिस/रोम, 1 जुलाई (एजेंसियां)। यूरोप के कई देश भीषण हीटवेव की चपेट में हैं। स्पेन में सबसे ज्यादा गर्मी है, जहां के ज्यादातर इलाकों में 29 जून को तापमान 46°सी दर्ज किया गया, जो देश का अब तक का सबसे गर्म दिन रहा। इससे पहले स्पेन के सेविले में आखिरी बार जून, 1965 में 45.2 डिग्री तापमान दर्ज किया गया था।

स्पेन की वेदर एजेंसी एईएमईटी के मुताबिक, एल ग्रैनाडो शहर में शनिवार को 46 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। स्पेन के साथ ही फ्रांस, ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, बोस्निया, हर्जेगोविना, हंगरी, सर्बिया, स्लोवेनिया और स्विट्जरलैंड में हीटवेव जारी रहने की आशंका है।

पुर्तगाल के मोरा में रविवार को साल का अब तक का सबसे ज्यादा 46.6 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। वहीं, इटली और क्रोएशिया में हीटवेव का रेड अलर्ट है। वहीं, पहली बार फ्रांस के 88% हिस्से में 'ऑरेंज' हीट अलर्ट जारी किया गया है।

बार्सिलोना में, शनिवार को एक महिला सफाईकर्मी की गर्मी से मौत हो गई। इटली में बुजुर्गों, कैंसर रोगियों और बेघर लोगों में हीटस्ट्रोक के मामले बढ़ गए हैं। रोम ने 70 साल से ज्यादा उम्र के लोगों के लिए शहर के स्विमिंग पूल में फ्री सर्विस का ऐलान किया है। पश्चिमी बाल्कन के देशों में भी तापमान 40 डिग्री से ज्यादा हो गया है। सर्बिया ने 19वीं सदी में तापमान रिकॉर्ड करना शुरू करने के बाद से अब तक का सबसे ज्यादा तापमान दर्ज किया। स्लोवेनिया में, शनिवार को जून का सबसे ज्यादा तापमान दर्ज किया गया। उत्तरी मैसेडोनिया में 27 जून को तापमान 42 डिग्री तक पहुंच गया। इटली में 27 में से 21 शहरों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। वहीं, गर्मी से अस्पतालों में भर्ती मरीजों की संख्या 20% बढ़ गई है। लोगों को सुबह 11 बजे से शाम 6 बजे तक बाहर न निकलने की सलाह दी गई है।

पुर्तगाल में 18 में से 7 इलाकों में रेड अलर्ट जारी है, हालांकि बुधवार रात से मौसम के ठंडा होने की उम्मीद है। यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा- बहुत ज्यादा गर्मी अब कोई असामान्य घटना नहीं, है।" सेंट एंड्रयूज यूनिवर्सिटी के जलवायु वैज्ञानिक माइकल बायर्न ने कहा कि यूरोप अब पहले की तुलना में 2 डिग्री ज्यादा गर्म है, जिससे हीटवेव और तेज हो रही हैं। एक्सपर्ट्स का अनुमान है कि गर्मी हर साल ग्लोबल लेवल पर 5 लाख लोगों की जान लेती है, खासकर बुजुर्ग और बीमारियों से जूझ रहे लोग ज्यादा जोखिम में हैं।

सूरीनाम की संसद के अध्यक्ष बने अश्विन अधीन

दिखाई भारतीय संस्कृति की झलक, संस्कृत में ली शपथ

पारामारिबो, 1 जुलाई (एजेंसियां)। दक्षिण अमेरिकी देश सूरीनाम की संसद में भारतीय संस्कृति की झलक दिखी। भारतीय मूल के अश्विन अधीन ने संसद के नवनिर्वाचित अध्यक्ष पद की शपथ ली। खास बात यह है कि अधीन ने संस्कृत भाषा में पूरी शपथ पढ़ी। वे संस्कृत में शपथ लेने वाले सूरीनाम के दूसरे नेता बन गए हैं। सूरीनाम में भारतीय दूतावास ने एक्स पर अश्विन अधीन का शपथ लेते हुए एक वीडियो साझा किया। भारतीय दूतावास ने लिखा कि सूरीनाम में नेशनल असेंबली के नवनिर्वाचित चेयरमैन अश्विन अधीन दूसरे नेता बन गए हैं जिन्होंने भारत की शास्त्रीय भाषा संस्कृत में शपथ ली। भारत के राजदूत सुभाष गुप्ता 29 जून को सूरीनाम की नेशनल असेंबली (एनए) के उद्घाटन सत्र में शामिल हुए। इस दौरान अश्विन अधीन को चेयरमैन चुना गया। सुभाष गुप्ता ने अश्विन अधीन को उनके चुनाव के लिए बधाई दी। इससे पहले 2020 में सूरीनाम के राष्ट्रपति चंद्रिकाप्रसाद 'चान' संतोखी ने संस्कृत भाषा में शपथ ली थी। सूरीनाम में भारतीय दूतावास ने कहा कि भारत और सूरीनाम के बीच घनिष्ठ, मधुर और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं, जो सांस्कृतिक और लोगों से लोगों के संपर्कों द्वारा मजबूत होते हैं, जो डेढ़ शताब्दियों पहले भारतीय प्रवासियों के आगमन से जुड़े हैं। 1976 में भारत और सूरीनाम के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना के बाद से कई उच्च स्तरीय यात्राएं हुई हैं। 1977 में पारामारिबो में भारतीय दूतावास और 2000 में नई दिल्ली में सूरीनाम दूतावास खोला गया। सूरीनाम में भारतीय दूतावास के अनुसार, वर्तमान में भारतीय प्रवासी सूरीनाम की लगभग 6.2 लाख की आबादी का 27 प्रतिशत से अधिक हिस्सा हैं।

न्यूयॉर्क मेयर उम्मीदवार ममदानी ने हाथ से खाना खाया

भारतवंशी नेता से बोले अमेरिकी सांसद- तौर-तरीके सीखो या अपने पिछड़े देश जाओ

वॉशिंगटन, 1 जुलाई (एजेंसियां)। न्यूयॉर्क से मेयर पद के उम्मीदवार भारतीय मूल के जोहरान ममदानी का हाथ से चावल खाते हुए एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसे लेकर एक अमेरिकी सांसद ने नाराजगी जताई है।

अमेरिकी रिपब्लिकन सांसद ब्रैंडन गिल ने एक्स पर लिखा, "अमेरिका में सभ्य लोग इस तरह से खाना नहीं खाते हैं। अगर आप पश्चिमी तौर-तरीके नहीं अपना सकते, तो अपने पिछड़े देश वापस चले जाइए।"

ममदानी वीडियो में फिलिस्तीनी मुद्दे पर बात कर रहे थे। उन्होंने कहा- जब आप किसी थर्ड वर्ल्ड में पले-बढ़े होते हैं तो आप फिलिस्तीनी संघर्ष को बेहतर तरीके से समझते हैं।

जोहरान ममदानी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद इस पर बहस शुरू हो गई है। न्यूयॉर्क के सांसद ब्रैंडन गिल ने इस वीडियो पर जो टिप्पणी की, उसे लेकर कई लोगों ने नाराजगी जताई और उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल करना शुरू कर दिया।

एक यूजर ने तंज कसते हुए पूछा, क्या आप एशियाई रेस्टोरेंट में चॉपस्टिक से खाने पर भी नाराज होते हैं? दूसरे ने लिखा, टैको, फ्रेंच फ्राइज और बर्गर आप कैसे खाते हैं? क्या चिप्स भी कांटे से खाते हैं? एक और यूजर ने कहा, आप उनकी नीतियों की आलोचना नहीं कर पा रहे, इसलिए अब उनकी संस्कृति पर निजी हमला कर रहे हैं।

इसके अलावा कुछ लोगों ने ममदानी पर अपनी सांस्कृतिक पहचान को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने का भी आरोप लगाया। एक यूजर ने ममदानी की पुरानी तस्वीर शेयर की, जिसमें वे चाकू और कांटे से खाना खा रहे थे।

यूजर ने लिखा, "जोहरान हमेशा चाकू-कांटे से खाते हैं, लेकिन कैमरे के सामने हाथ से खाकर ऐसा दिखाते हैं जैसे वे बाहरी हैं।"

इससे पहले रविवार को ममदानी अपने एक बयान के कारण विवादों से घिर गए थे। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा था- अरबपति असमानता बढ़ाते हैं, दुनियां में किसी को अरबपति नहीं होने देना चाहिए।

एनबीसी न्यूज के 'मीट द प्रेस' शो में ममदानी ने कहा, हमारे पास अरबपति नहीं होने चाहिए। इतनी असमानता के समय में इतना पैसा ठीक नहीं है। हमें शहर, राज्य और देश में समानता चाहिए। ममदानी ने बताया कि वे न्यूयॉर्क के सबसे अमीर लोगों और बड़ी कंपनियों पर टैक्स बढ़ाना चाहते हैं।

उन्होंने कहा, मैं सबसे अमीर लोगों पर 1% टैक्स बढ़ाना चाहता हूं ताकि सभी की जिंदगी बेहतर हो, जिसमें टैक्स देने वाले भी शामिल हैं। वहीं, ममदानी को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कम्युनिस्ट कहा था, जिसका ममदानी ने खंडन किया।

मॉस्को में पुलिस कस्टडी में मौतें

बाकू में पत्रकारों की गिरफ्तारी, अजरबैजान-रूस में खिंची तलवारें, और बढ़ेगा तनाव

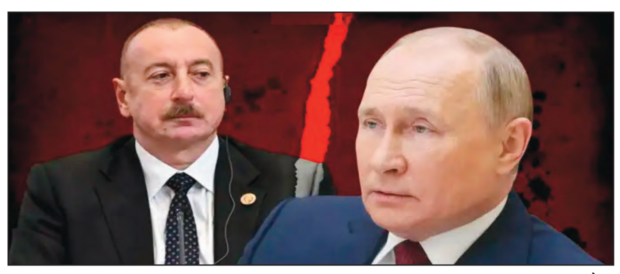

बाकू, 1 जुलाई (एजेंसियां)। अजरबैजान और रूस के बीच एक-दूसरे के नागरिकों की गिरफ्तारी के मसले पर तनाव बढ़ता जा रहा है। अजरबैजान के रूसी स्टेट न्यूज एजेंसी के दो पत्रकारों को गिरफ्तार करने के बाद दोनों मुल्कों में तलवारे खिंचती दिख रही हैं।

रूस ने पत्रकारों की गिरफ्तारी के बाद अजरबैजान के राजदूत को तलब करते हुए कड़ा एतराज जताया है। इससे पहले रूस में अजरबैजानी मूल के लोगों की गिरफ्तारियां हुई थीं, जिस पर अजरबैजान ने मॉस्को के खिलाफ कड़े बयान जारी किए थे। इस पूरे घटनाक्रम ने रूस और अजरबैजान के संबंधों को खराब कर दिया है।

अजरबैजान की पुलिस ने 'स्पुतनिक अजरबैजान' के कार्यालय पर छापा मारते हुए संपादकीय बोर्ड के प्रमुख और मुख्य संपादक को गिरफ्तार किया है। इनके खिलाफ अवैध फंडिंग के आरोपों की जांच की जा रही है। इन लोगों को हथकड़ी लगाकर ले जाया गया। रूस ने इस कार्रवाई की कड़ी निंदा करते हुए इसे दोनों देशों के संबंधों को खराब करने का प्रयास बताया है।

अजरबैजान ने रूस के साथ द्विपक्षीय वार्ता रद्द कर दी है। रूस के डिप्टी पीएम के न्योते को भी अजरबैजान ने रद्द कर दिया। इसके साथ-साथ अजरबैजान के संस्कृति मंत्रालय ने रूसी संगठनों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी रोक दिया गया है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने अजरबैजान के इस फैसले पर खेद जताते हुए कहा कि उनको ऐसी प्रतिक्रिया के बचना चाहिए।

रूस के येकातेरिनबर्ग शहर में हाल ही में कुछ लोगों को हत्या जैसे गंभीर मामलों में गिरफ्तार किया गया था। इनमें से दो लोगों की मौत पुलिस कस्टडी में हो गई। अजरबैजान ने इन लोगों को अजरबैजानी मूल का बताते हुए सख्त बयान दिया।

अजरबैजान की ओर से कहा गया कि रूसी पुलिस पर जातीय आधार पर कस्टडी में हत्याएं की हैं। इससे दोनों देशों में तनाव बढ़ा और अब बाकू में रूसी पत्रकारों की गिरफ्तारी ने इसे चरम पर पहुंचा दिया है।

बोइंग के सीएफओ ब्रायन वेस्ट देंगे इस्तीफा

कहा- बैलेंस शीट मजबूत, जिम्मेदारी सौंपने का यह सही समय

वॉशिंगटन, 1 जुलाई (एजेंसियां)। विमान निर्माता कंपनी बोइंग में शीर्ष स्तर पर बड़ा बदलाव होने जा रहा है। कंपनी के मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) ब्रायन वेस्ट अपने पद से इस्तीफा देंगे। वे 15 अगस्त को अपना पद छोड़ देंगे। उनकी जगह लॉकहीड मार्टिन कॉर्प के पूर्व कार्यकारी जीसस जे मालवे लेंगे। बोइंग ने कहा सीएफओ वेस्ट इस्तीफे के बाद सीईओ केल ऑर्टबर्ग के सलाहकार बने रहेंगे।

सीएफओ ब्रायन वेस्ट ने अपने पद छोड़ने की पुष्टि की और कहा कि यह जिम्मेदारी सौंपने का सही समय है। इस वक्त बैलेंसशीट बेहद मजबूत है, परिचालन प्रदर्शन बेहतर है। साथ ही संभावनाएं बेहद उत्साहजनक हैं। हम रिकवरी की दिशा में एक अच्छे, स्थिर और पूर्वानुमानित रास्ते पर हैं, जबकि हम बहुत ज्यादा जोर नहीं लगा रहे हैं। यह हमारी उम्मीद से थोड़ा बेहतर निकला है। सीएफओ ब्रायन वेस्ट ने बोइंग को संकट से उबारा है। पिछले साल बोइंग में हड़ताल और विमान हादसे के बाद उत्पादन में गिरावट आ गई थी। इस वक्त वेस्ट ने पूंजी की कमी से निपटने और जंक स्टेट्स में संभावित रेटिंग डाउनग्रेड से कंपनी को बचाया था। वेस्ट ने बोइंग के नकद भंडार को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने 24 बिलियन डॉलर की इक्विटी बिक्री की थी, जो किसी सार्वजनिक कंपनी के लिए रिकॉर्ड के करीब है। उन्होंने इस साल जेप्पेसेन इकाई और अन्य डिजिटल परिसंपत्तियों की 10.6 बिलियन डॉलर की नीलामी की देखरेख करके अपने भंडार में इजाफा किया। इसके साथ ही वेस्ट ने ऋण और इक्विटी जुटाकर 44 बिलियन डॉलर से अधिक की बैलेंस शीट तैयार की थी।

यूक्रेन जीतने के लिए रूस ने शुरू की आखिरी लड़ाई?

रूस ने 50 हजार सैनिकों के साथ किया सुमी पर हमला, जेलेंस्की भी जंग को तैयार

कीव/मॉस्को, 1 जुलाई (एजेंसियां)। रूस ने यूक्रेन के सुमी क्षेत्र पर कब्जा करने के लिए एक बहुत बड़ी सेना जमा कर ली है। रिपोर्ट्स के मुताबिक 50 हजार से ज्यादा रूसी सेना के स्पेशल जवान जमा हो चुके हैं। सुमी वह जगह है, जहां से यूक्रेन ने अगस्त 2024 में रूस के कुर्स्क क्षेत्र पर आक्रमण किया था। यूक्रेन के कब्जे में अभी भी कुर्स्क क्षेत्र का एक बड़ा हिस्सा है। लेकिन अब सुमी एक बड़ी लड़ाई के केंद्र में है जिसमें दोनों पक्षों की तरफ से अपने बेहतरीन सैनिकों को मोर्चे पर भेज दिया गया है। हालांकि यूक्रेनी जनरल स्टाफ ने दावा किया है कि दुश्मन की बढ़त को रोक दिया गया है। लेकिन रूस ने दावा किया है कि ऐसा करना असंभव है। यूक्रेन ने दावा किया है कि मौजूदा समय में हालात स्थिर हैं और दुश्मन की फौज को जूनाकिवका, यबलुनिवका, नोवोमिकोलेवका, ओलेक्सिएवका और किंडरातिवका की सीमा पर रोक दिया गया है। यूक्रेन ने कहा है कि हमारी सेना सीमावर्ती क्षेत्रों में डटी हुई है और पलटवार की तैयारी कर रही है। रूस की सेना ने कहा है कि उसकी सेना को रोकना असंभव है और बहुत जल्द पूरी स्थिति को काबू में कर लिया जाएगा। जनरल ओलेक्जांडर सिरस्की, जो यूक्रेन के शीर्ष सैन्य कमांडर हैं, उन्होंने दावा किया है कि रूस की रणनीति, संख्या के दम पर यूक्रेनी सेना को थकाने की है। लेकिन इसी महीने यूक्रेन ने अपनी खुफिया एजेंसी जीयूआर की विशेष कमांडो यूनिट्स को मैदान में उतार दिया, जिसके बाद रूस की सेना को अग्रिम मोर्चे पर ही रोकने में कामयाबी मिली है। जीयूआर प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल किरिलो बुदानोव ने कहा है कि रूस ने अपनी सबसे बेहतरीन टुकड़ियों को सुमी में झोंक दिया है, जिसमें 104वीं एयरबोर्न डिवीजन, 40वीं नौसैनिक ब्रिगेड, 83वीं एयरबोर्न ब्रिगेड और 155वीं मरीन ब्रिगेड शामिल हैं।

लेफ्टिनेंट जनरल किरिलो बुदानोव ने कहा है कि रूस का मुख्य मकसद यूक्रेनी सीमा के भीतर एक बफर जोन बनाना है, लेकिन उन्हें बेहद तीव्र प्रतिरोध का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि रूस ने कुछ इलाकों में बढ़त बनाई है, लेकिन वह रणनीतिक रूप से ज्यादा मायने नहीं रखती। यूक्रेनी सेना और ज्यादा टुकड़ियां भेज रही है और आने वाले दिनों में संघर्ष के और खतरनाक होने की संभावना है। हालांकि यह रक्षा अभियान यूक्रेनी सेना के लिए काफी महंगा साबित हो रहा है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक जब यूक्रेन की सेना ने पिछले साल रूस के कुर्स्क क्षेत्र में कब्जा किया था।

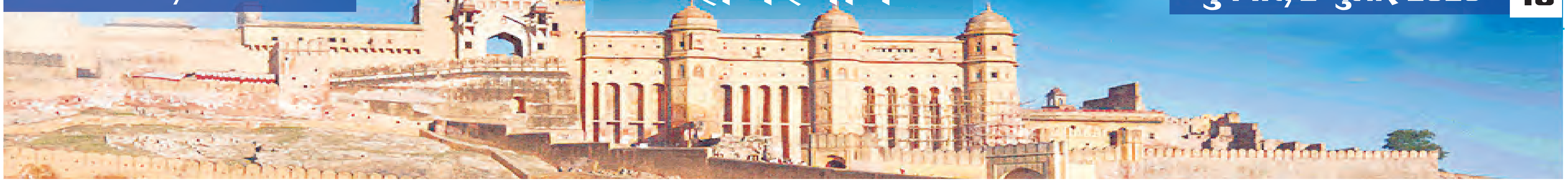

गुर्जर आरक्षण: अविनाश गहलोत मंत्रिमंडलीय कमेटी में शामिल

सरकार ने तीन मंत्रियों को बनाया सदस्य

जोधपुर, 1 जुलाई (एजेंसियां)। गुर्जर समाज की आरक्षण मांगों को लेकर सरकार ने मंत्रिमंडलीय समिति का गठन कर दिया है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत को समिति में सदस्य बनाया गया है। इसके अलावा संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल और गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम भी समिति में शामिल हैं।

गौरतलब है कि इसी महीने गुर्जर समाज ने महापंचायत आयोजित कर आरक्षण समेत अन्य मुद्दों पर मांगें रखी थीं। महापंचायत के अध्यक्ष विजय बैंसला ने सरकार का मसौदा

पढ़कर उस पर सहमति दी थी। बैंसला ने कहा था कि इस महीने के अंत तक कैबिनेट मीटिंग में इस पर फैसला लिया जाएगा। अब सरकार ने समझौते के अनुरूप कमेटी गठित कर तीन मंत्रियों को सदस्य नियुक्त कर दिया है।

सरकार ने मंगलवार को आदेश जारी करते हुए यह नियुक्तियां की हैं।

इस पर मंत्री अविनाश गहलोत ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा, "हमारी सरकार की साफ मंशा है कि गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति के साथ हुए समझौते के तहत मंत्रिमंडलीय समिति बनाई गई है। समिति संघर्ष समिति द्वारा उठाए गए मुद्दों पर चर्चा करेगी और समाधान निकालेगी।

गुर्जर समाज के दो गुटों में बंटन के सवाल पर मंत्री गहलोत ने कहा कि हम उन्हीं मुद्दों पर बात करेंगे जो आरक्षण संघर्ष समिति ने हमारे सामने रखे हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी साफ संदेश दिया है कि समझौते के अनुसार ही काम होगा।

'राजस्थान का पानी पीने वाला दबाव में झुकता नहीं'

गहलोत के बयान पर बोले उपराष्ट्रपति धनखड़

जयपुर, 1 जुलाई (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राजस्थान की राजधानी जयपुर में आयोजित 'स्नेह मिलन समारोह' में राजनीतिक कटुता और सामाजिक संवाद की गिरती मर्यादाओं पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में राजनीति का माहौल और तापमान, दोनों ही हमारे लोकतंत्र और सामाजिक स्वास्थ्य के लिए अनुकूल नहीं हैं।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बिना नाम लिए पूर्व सीएम अशोक गहलोत पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राजस्थान की धरती का व्यक्ति कभी दबाव में नहीं आता। उपराष्ट्रपति ये बात अशोक गहलोत के 'संवैधानिक पदों पर दबाव' वाले बयान पर कही। उन्होंने कहा, "मैं न किसी पर दबाव डालता हूं, न किसी के दबाव में काम करता हूं।" उन्होंने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला का भी जिक्र किया और कहा कि राजस्थान का पानी पीने वाला व्यक्ति दबाव में झुकता नहीं।

लोकतंत्र और अभिव्यक्ति पर जोर

धनखड़ ने अपने संबोधन में लोकतंत्र की मजबूती पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विपक्ष दुश्मन नहीं है। लोकतंत्र में वाद-विवाद और संवाद जरूरी है। उन्होंने कहा कि अभिव्यक्ति की आजादी प्रजातंत्र की जान है, लेकिन ऐसी अभिव्यक्ति नहीं होनी चाहिए कि दूसरे के विचारों का महत्व ही खत्म हो जाए। धनखड़ ने पूर्व प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव का उदाहरण उपराष्ट्रपति ने संसद की गरिमा का जिक्र करते हुए एक पुराना उदाहरण दिया। उन्होंने बताया कि कैसे पूर्व प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव ने विपक्ष के नेता अटल बिहारी वाजपेयी को देश का पक्ष रखने के लिए विदेश भेजा था। यह दलगत राजनीति से ऊपर उठकर लोकतंत्र की ताकत दिखाता है।

अलवर में सड़कें डूबीं, घरों में पानी

अलवर, 1 जुलाई (एजेंसियां)। देश के ज्यादातर हिस्सों में मानसूनी बारिश जारी है। राजस्थान के अलवर में सोमवार को भारी बारिश के चलते सड़कों पर दो फीट तक पानी भर गया। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में गंगा-यमुना में बाढ़ जैसे हालात हैं। घाट की तरफ 500 मीटर आगे तक पानी भर गया है। हबीते दिनों उमस व गर्मी से परेशान अलवरवासियों को मंगलवार की सुबह झमाझम बारिश आने से राहत महसूस हुई. करीब दो घंटे में 80 मिमी बारिश से शहर जलमग्न हो गया. वहीं सड़कें, बाजार, मकान एवं अस्पताल भवन आदि में पानी ही पानी नजर आया. मानसून की अच्छी बारिश से होने से किसानों के चेहरे भी खिल गए. पिछले दिनों बाजरे की बुवाई वाले किसानों को इस बारिश से बड़ा लाभ होने की उम्मीद है। वहीं बारिश के चलते शहर के ज्यादातर नाले उफन गए और गंदा पानी नालों से बहता दिखाई दिया. वहीं, भरतपुर में भी अच्छी बारिश दर्ज की गई है।

सीमावर्ती जिलों में तबादलों पर एक बार फिर लगा बैन, सरकारी कर्मचारी परेशान

जयपुर, 1 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार ने एक आदेश जारी कर सीमावर्ती जिलों में तबादलों में दी गई छूट को समाप्त कर दिया है। इसके साथ ही अब विभाग इन जिलों में तबादले नहीं कर सकेंगे। ऑपरेशन सिंदूर के समय राज्य सरकार ने 8 और 9 मई को अलग-अलग आदेश जारी कर सीमावर्ती इलाकों के जिलों में तबादलों से प्रतिबंध हटाया था। सीमावर्ती जिलों में बाड़मेर, बीकानेर, जैसलमेर, जोधपुर, श्रीगंगानगर और फलोदी शामिल हैं।

भजनलाल सरकार के फैसले से सीमावर्ती जिलों से स्थानांतरण की आस लगाए बैठे कर्मचारियों को बड़ा झटका लगा है। अब इन कर्मचारियों को तबादले के लिए इंतजार करना पड़ेगा। प्रशासनिक सुधार और समन्वय विभाग के सचिव जोगा राम ने इस संदर्भ में आदेश जारी किया था। उन्होंने बताया कि 8 मई व 9 मई को सरकार ने सीमावर्ती जिलों के लिए ट्रांसफर बैन में जो अस्थायी छूट दी गई थी उसे वापस ले लिया गया है।

भारत-पाकिस्तान के बीच रिश्तों में आई तल्खी आने पर भजनलाल सरकार ने सीमावर्ती जिलों में तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों के ट्रांसफर पर लगे बैन को आंशिक रूप से हटा दिया था। राजस्थान सरकार का मानना था कि सीमा क्षेत्रों में स्थायित्व और सुचारू प्रशासनिक संचालन के लिए यह कदम जरूरी है। इसी के तहत बड़ी संख्या में विभिन्न विभागों के कर्मचारियों व अधिकारियों का ट्रांसफर सीमावर्ती जिलों की ओर किया गया था।

स्मार्ट मीटर का विरोध, सड़क पर उतरी कांग्रेस, आंदोलन की चेतावनी

जोधपुर, 1 जुलाई (एजेंसियां)। बता दें कि कांग्रेस नेताओं के साथ में बिजली उपभोक्ताओं ने भी जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में शामिल कांग्रेस नेता प्रकाश छंगाणी की अगुवाई में नागरिकों ने आरोप लगाया कि बिना जन सहमति और जानकारी के लगाए जा रहे स्मार्ट मीटरों से उपभोक्ताओं की जेब पर अतिरिक्त भार पड़ रहा है।

निजी कंपनियों को फायदा पहुंचाने का आरोप

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कुंभ सिंह पातावत और पूर्व उपाध्यक्ष सलीम नागौरी ने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार स्मार्ट मीटर के नाम पर निजी कंपनियों को फायदा पहुंचाने का काम कर रही है। जबकि आम जनता इससे परेशान हो रही है। उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिजली बिलों में 15 से 30 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हो रही है, जो कि स्पष्ट रूप से लूट है।

प्रदर्शन के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। वहीं, विद्युत मंत्री के नाम अधीक्षण अभियंता, फलोदी को ज्ञापन देकर मांग की गई कि जब पुराने मीटर ठीक से कार्य कर रहे हैं तो उन्हें हटाने का कोई औचित्य नहीं बनता। ऐसे में स्मार्ट मीटर नहीं लगाए जाएं।

प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया पर रोक नहीं लगाई गई, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। कांग्रेस नेताओं ने सरकार से जनता की भावनाओं का सम्मान करने और बिजली उपभोक्ताओं की सहमति के बिना स्मार्ट मीटर लगाने की कार्रवाई तत्काल रोकने की मांग की।

आसाराम को राजस्थान हाईकोर्ट से राहत

9 जुलाई तक मिली अंतरिम जमानत

जोधपुर, 1 जुलाई (एजेंसियां)। नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी आसाराम को एक बार फिर राहत मिल गई है। मंगलवार को राजस्थान हाईकोर्ट ने आसाराम की अंतरिम जमानत को 9 जुलाई तक बढ़ा दिया है। बता दें कि गुजरात हाईकोर्ट ने भी आसाराम को 7 जुलाई तक अंतरिम जमानत दे रखी है। दरअसल आसाराम को यह अंतरिम जमानत मेडिकल ग्राउंड पर मिली है।

इस संबंध में जस्टिस दिनेश मेहता व जस्टिस विनीत माथुर की कोर्ट ने अपना फैसला सुनाया है। आसाराम की जमानत अवधि 30 जून को खत्म हो गई थी। इसके बाद कोर्ट से फिर कुछ दिनों की राहत मिली है। आपको बता दें कि कुछ दिन पहले ही आसाराम ने 11 साल बाद अपने बेटे नारायण साईं से मुलाकात की थी। हाईकोर्ट से अंतरिम जमानत मिलने पर नारायण साईं जोधपुर आया था और पाल स्थित आश्रम में पिता आसाराम से मिला था। आसाराम की मेडिकल रिपोर्ट की बात करें तो प्रोस्टेट की समस्या और हृदय की दो नसों में 90 फीसदी ब्लॉकेज की पुष्टि हुई है। वह आयुर्वेदिक और नेचुरोपैथी उपचार ले रहा है।

आसाराम पर दो गंभीर यौन उत्पीड़न के मामले दर्ज हैं, जिनमें उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। पहला मामला जोधपुर का है, जहां 2013 में एक नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म के आरोप में उसे गिरफ्तार किया गया था। दूसरा मामला गुजरात का है, जहां सूरत की एक महिला ने उन पर गांधीनगर आश्रम में बार-बार बलात्कार करने का आरोप लगाया था। जनवरी 2023 में इस मामले में भी उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी।

तलवार से हमला कर महिला शिक्षक की दिनदहाड़े हत्या, हमलावर फरार

बांसवाड़ा, 1 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के बांसवाड़ा जिले के कलिंजरा बस स्टैंड पर मंगलवार को दिनदहाड़े एक महिला शिक्षक की तलवार से हमला कर हत्या कर दी गई। कार में आए अज्ञात हमलावर वारदात को अंजाम देकर मौके से फरार हो गए। घायल महिला को तत्काल कलिंजरा अस्पताल ले जाया गया, जहां से गंभीर हालत में उसे बांसवाड़ा के महात्मा गांधी अस्पताल रेफर किया गया। यहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतका की पहचान 38 वर्षीय लिलीया ताबियार के रूप में हुई है, जो जोलाना निवासी और पेशे से शिक्षक थी। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही बांसवाड़ा पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाल मौके पर पहुंचे। उनके साथ बागीदौरा डीएसपी संदीप सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की गंभीरता से जांच शुरू की। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार महिला कलिंजरा बस स्टैंड पर खड़ी थी, तभी अचानक कार से आए दो युवक उस पर तलवार से हमला कर फरार हो गए। मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घायलावस्था में लोगों ने उसे पास ही के अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने बताया कि महिला की पहचान और प्रारंभिक जानकारी के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।

डोटासरा को किस 'कागज' का डर दिखा रहे किरोड़ीलाल मीणा?

बोले- ज्यादा बोलेंगे तो निकालने पड़ेंगे

श्री गंगानगर, 1 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा श्रीगंगानगर दौरे पर थे। यहां उन्होंने श्री विजयनगर की कृषि उपज मंडी में POS मशीनों का उद्घाटन किया। साथ ही सूरतगढ़ में किसानों को डीएपी उर्वरक वितरित किए। किरोड़ी ने इस दौरान उन्होंने नकली खाद-बीज बनाने वाली कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की बात करते हुए कांग्रेस नेताओं पर सियासी हमला बोला।

उन्होंने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि डोटासरा के परिवार से 6 लोग कैसे सरकारी नौकरी पर लगे, इसके कागज मेरे

पास हैं। अगर डोटासरा किसानों के खिलाफ बोले तो उनका मुंह बंद करा दूंगा। चेतावनी भरे अंदाज में किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि ज्यादा बोले तो कागज निकालने पड़ेंगे, मैं डॉक्टर हूं और सर्जरी करना भी जानता हूं।

कृषि मंत्री बोले- मेरी कार्रवाई से कांग्रेस नेताओं के पेट में दर्द

उन्होंने सचिन गहलोत और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा, "मेरी कार्रवाई से कांग्रेस नेताओं के पेट में दर्द हो रहा है। नकली खाद-बीज की शुरुआत कांग्रेस राज से शुरू हुई है। अशोक गहलोत का क्षेत्र जोधपुर फर्टिलाइजर्स का गढ़ है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के किसानों की आय को दोगुनी करने के संकल्प को मजबूत करने के लिए किसान को गुणवत्तापूर्ण बीज, खाद और कीटनाशक मिलना चाहिए। राज्य सरकार किसान और खेती के हितों से कोई भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं करेगी।

ग्रामीणों ने कुएं से निकाले 3 शव, मां के साथ 3 साल की बेटी और एक साल के बेटे की मौत

झालावाड़, 1 जुलाई (एजेंसियां)। झालावाड़ जिले में सुनेल क्षेत्र के दुबलिया गांव में महिला और उसके दो मासूम बच्चों के शव कुएं में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। ग्रामीणों की मदद से तीनों के शवों को बाहर निकालकर मोर्चरी में रखवाए गए। सुनेल थानाधिकारी विष्णु सिंह ने बताया कि झालरापाटन निवासी अनिल गुर्जर पत्नी रामभरोस (26), तीन वर्षीय बेटी प्राची और एक वर्षीय बेटे गुरु गुर्जर को लेकर झालरापाटन से सुनेल के दुबलिया गांव स्थित खेत पर रहने के लिए आया हुआ था।

पति अनिल का कहना है कि वह शाम को खेत पर पत्नी और दोनों बच्चों को छोड़कर बाजार किसी काम से गया था। वापस अपने खेत पर आया तो उसकी पत्नी और बच्चे नहीं मिले। जब उसने कुएं पर जाकर देखा तो अंदर पत्नी की चप्पलें पानी के ऊपर तैर रही थीं। इस पर उसने ग्रामीणों को बुलाकर कुएं में तलाश किया तो उसकी पत्नी एवं दोनों बच्चों के शव नजर आए। ग्रामीणों की मदद से तीनों शवों को बाहर निकाला गया। सूचना पर सुनेल थाना पुलिस मौके पर पहुंची। महिला और दो बच्चों के शव सुनेल अस्पताल में लेकर आई। यहां तीनों के शवों को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। महिला और उसके बच्चों की मौत कैसे हुई है।

डिजिटल अरेस्ट का शिकार होते-होते बचे हाईकोर्ट के सीजे

केंद्र और राज्य सरकार से जवाब मांगा

जयपुर, 1 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एमएम श्रीवास्तव डिजिटल अरेस्ट का शिकार होते-होते बचे। साइबर क्राइम से जुड़े अपराधों में बढ़ोतरी से जुड़े मामलों में सुनवाई के दौरान उन्होंने यह टिप्पणी की। गौरतलब है कि हाईकोर्ट ने जनवरी में डिजिटल अरेस्ट के बढ़ते मामलों को लेकर स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लिया था। इसी मामले में सीजे एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस मनीष शर्मा की खंडपीठ सुनवाई कर रही थी। सुनवाई के दौरान सीजे श्रीवास्तव ने अपनी मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि मैं भी डिजिटल अरेस्ट होने का शिकार होते-होते बचा। उन्होंने कहा- एक बार मेरे पास भी डिजिटल अरेस्ट का एक कॉल आया था।

मैंने तुरंत ही अपना मोबाइल रजिस्ट्रार को दे दिया। रजिस्ट्रार ने ही उस कॉल को लेकर निस्तारित किया। हाईकोर्ट ने इस मामले में केंद्र और राज्य सरकार से जवाब मांगा है, लेकिन अब तक उनकी तरफ से जवाब पेश नहीं किया गया। कोर्ट ने कहा- सरकार अपना जवाब पेश करे। कोर्ट ने कहा था कि डिजिटल अरेस्ट और साइबर फ्रॉड में निर्दोष लोगों ने न केवल अपनी कमाई गंवा दी, बल्कि कई लोगों ने अपनी जान भी गंवाई है।

इन अपराधों से आमजन को बचाने और इनके खिलाफ ठोस कार्रवाई करने की जरूरत है। कोर्ट ने कहा था कि राज्य सरकार ने इन अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए कदम उठाए हैं, लेकिन फिर भी इनकी रोकथाम के लिए ठोस कार्रवाई करने की जरूरत है।

हाईकोर्ट ने मामले में आरबीआई को भी निर्देश देते हुए गंभीर कदम उठाने की जरूरत बताई थी। कोर्ट ने कहा था कि आरबीआई और सरकार की शिकायत निवारण समिति के पोर्टल या वेबसाइट या मोबाइल नंबर पर प्राप्त होने वाली धोखाधड़ी से आमजन को बचाने के लिए भी एक सिस्टम डवलप करने की जरूरत है, ताकि निर्दोषों के पैसे को बचाया जा सके।

हॉल में एक साथ काम कर रही थीं 600 महिलाएं और लड़कियां

अचानक मचा हड़कंप, 18 पहुंचीं अस्पताल

पाली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के पाली शहर के पुनायता औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक सिलाई फैक्ट्री में उस समय हड़कंप मच गया, जब वहां काम कर रही 18 युवतियों की एक साथ अचानक तबीयत बिगड़ गई। युवतियों को पेट दर्द, सांस लेने में परेशानी और घबराहट की शिकायत हुई, जिसके बाद सबको फैक्ट्री की गाड़ियों से बांगड़ अस्पताल लाया।

चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार कर 16 युवतियों को छुट्टी दे दी, जबकि दो को भर्ती कर उपचार जारी है। दोनों की हालत खतरे से बाहर है। सूचना पर अस्पताल परिसर में युवतियों के परिजनों और

लोगों की भीड़ लग गई। सदर थाना पुलिस भी पहुंची और फैक्ट्री प्रबंधन व युवतियों से पूछताछ कर जानकारी जुटाई। चिकित्सकों ने प्राथमिक जांच के बाद फूड पॉइजनिंग की संभावना से इनकार किया। उनका कहना है कि दूषित पानी, गर्मी और उमस के कारण घुटन के चलते तबीयत बिगड़ी हो सकती है। बताया जा रहा है कि एक प्राइवेट लिमिटेड फैक्ट्री में 600 से ज्यादा महिलाएं और युवतियां बड़े हॉल में एक साथ बैठकर काम करती हैं। ऐसे में वेंटिलेशन की कमी और भीड़भाड़ के कारण दम घुटने जैसी स्थिति बनी होगी। वास्तविक कारण जांच रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी।

चंबल नदी में कूदने से पहले युवक ने बनाया खुद का वीडियो

घरवालों ने लगाए गंभीर आरोप; तीन दिन बाद मिला शव

कोटा, 1 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के कोटा जिले की चंबल नदी में तीन दिन पहले युवक के कूदने के मामले में नगर निगम के गोताखोरों ने शव को नदी से बाहर निकाल लिया है। युवक का शव घटनास्थल से 700 मीटर दूर मिला है। इसके पहले निगम गोताखोर की टीम नदी में 15 किमी तक सर्च अभियान चला चुकी। युवक की पहचान दोस्तपुरा निवासी देवनारायण गुर्जर के रूप में हुई है। एसआई नन्दसिंह ने बताया कि युवक के पिता रामदयाल ने रिपोर्ट दी है, जिसमें बताया कि उनका बेटा देवनारायण सेकंड ईयर में पढ़ाई करता है। जो कि शराब पीने का आदि है। उन्होंने बताया कि बेटे को कई बार समझाया गया कि वो शराब न पीये लेकिन वो नहीं माना और शनिवार को समझाइश के बाद घर से निकल गया। जिसको कई जगहों पर तलाश किया, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लगा। देवनारायण के दोस्तों से भी उसके बारे में जानकार ली गई। तो सामने आया कि देवनारायण दोस्त की बाइक लेकर चंबल नदी की पुलिया की तरफ गया है। वहीं पुलिस का कहना है कि किसी युवक के चंबल नदी की पुलिया से नीचे कूदने की सूचना सामने आई थी। जिसकी तलाशी के लिए निगम के गोताखोरों को सर्चिंग पर लगाया गया था।

पेंशन न मिलने से परेशान जेएनवीयू के पूर्व कर्मचारी सड़क पर उतरे, जनता से भीख मांगकर विरोध जताया

जोधपुर, 1 जुलाई (एजेंसियां)। संभाग के सबसे बड़े जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के पूर्व कर्मचारियों को कई महीनों से पेंशन नहीं मिली है। इससे नाराज पेंशनर्स संघर्ष समिति द्वारा विश्वविद्यालय के केंद्रीय कार्यालय के बाहर दिया जा रहा धरना लगातार जारी है। आज संघर्ष समिति के सदस्यों ने विरोध प्रदर्शन का अनोखा तरीका अपनाते हुए विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार के बाहर सड़क पर भीख मांगी। पूर्व कर्मचारियों ने वाहनों को रोक-रोककर राहगीरों से भीख मांगी। कुछ लोग सड़क पर बैठ गए और कुछ ने टैक्सी चालकों और कार सवारों से भीख मांगी। इस दौरान कुछ लोगों ने उन्हें भीख दी, जबकि कुछ ने मना कर दिया। धरने पर बैठे इन पूर्व कर्मचारियों में पूर्व कुलपति, व्याख्याता और अन्य कर्मचारी शामिल हैं। इनका कहना है कि लगातार कई महीनों से पेंशन नहीं मिलने के कारण अब उनका जीवनयापन करना मुश्किल हो गया है।

महिला को बंधक बनाकर बर्बरतापूर्वक पीटा

नागौर, 1 जुलाई (एजेंसियां)। नागौर जिले के सुरपालिया थाना क्षेत्र के खेराट गांव में एक महिला को खेत की सींव पर झाड़ी काटने के मामूली विवाद में बंधक बनाकर बेरहमी से पीटने और निर्वस्त्र कर वीडियो बनाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घटना 24 जून दोपहर की बताई जा रही है। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया है, लेकिन आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने से पीड़िता के परिजनों में आक्रोश है। पीड़ित महिला के परिजनों ने नागौर एसपी नारायण टोगस को ज्ञापन सौंपकर जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। परिजनों का आरोप है कि गंभीर घायल महिला का इलाज बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में चल रहा है और आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं, जिससे परिवार डरा हुआ है।

रिपोर्ट के अनुसार खेराट गांव निवासी पीड़ित महिला खेत की सींव पर झाड़ी काटने के विवाद के दौरान मोबाइल से वीडियो बना रही थी। इस बात से नाराज होकर आरोपियों ने महिला को खेत से जबरन उठाकर अपनी ढाणी में ले गए और वहां उसे निर्वस्त्र कर बर्बरतापूर्वक मारपीट की।

पीड़िता के परिजनों का कहना है कि 24 जून को रात में सुरपालिया थाने में नामजद रिपोर्ट दर्ज करवाई गई थी, लेकिन आरोपियों की गिरफ्तारी अब तक नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि आरोपी प्रभावशाली हैं, इसलिए पुलिस कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रही है।

तेलंगाना में विरोध के बावजूद रामचंदर राव भाजपा प्रदेशाध्यक्ष

आंध्र प्रदेश में पीवीएन माधव, एमपी में हेमंत खंडेलवाल, उत्तराखंड में महेंद्र भट्ट को कमान

नई दिल्ली, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा ने मंगलवार को 5 राज्य हिमाचल, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और तेलंगाना में निर्विरोध प्रदेशाध्यक्ष चुन लिए हैं। इसके अलावा एमपी में हेमंत विजय खंडेलवाल ने भी निर्विरोध नामांकन भरा। बुधवार को उनकी जीत का ऐलान किया जाएगा।

हिमाचल में राजीव बिंदल को तीसरी बार कमान दी गई है। वहीं, महेंद्र भट्ट दूसरी बार उत्तराखंड अध्यक्ष बने। महाराष्ट्र में रवींद्र चव्हाण, आंध्र प्रदेश में पीएनवी माधव और तेलंगाना में रामचंदर राव को चुना गया है। तेलंगाना में रामचंदर राव को प्रत्याशी बनाए जाने पर विवाद हुआ था। गोशामहल से विधायक टी राजा सिंह ने विरोध करते हुए सोमवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया था।

रामचंदर राव

पीवीएन माधव

आंध्र प्रदेश : पीवीएन माधव संघ के करीबी :

पीवीएन माधव ने 2003 में भाजयुमो से सक्रिय राजनीति की शुरूआत की थी। 2007 से 2010 तक वह भाजयुमो के प्रदेश महासचिव और 2010 से 2013 तक राष्ट्रीय सचिव रहे। बाद में वह विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) बने। उन्हें संघ का करीबी माना जाता है। उनके पिता पीवी चलपति राव अविभाजित आंध्र प्रदेश के पहले भाजपा अध्यक्ष थे। चलपति राज्य में पार्टी के संस्थापक सदस्यों में से एक थे।

तेलंगाना : रामचंदर राव पार्टी की पसंद :

एन रामचंदर राव तेलंगाना हाईकोर्ट के सीनियर एडवोकेट हैं। वे राज्य विधान परिषद के सदस्य भी रह चुके हैं। राव लंबे समय से पार्टी और संघ से जुड़े हुए है। उन्होंने राजनीति की शुरूआत हैदराबाद की उस्मानिया यूनिवर्सिटी में छात्र नेता के तौर पर की थी।

उस दौरान वे भाजपा की स्टूडेंट विंग अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के सदस्य थे। प्रदेश अध्यक्ष बनने से पहले राव के पास राज्य में पार्टी के सदस्यता अभियान का जिम्मा था। तेलंगाना में रामचंदर राव को प्रत्याशी बनाए जाने का विरोध भी हुआ। गोशामहल से विधायक टी राजा सिंह ने विरोध करते हुए सोमवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया था।

हिमाचल प्रदेश : राजीव बिंदल तीसरी बार अध्यक्ष बने :

डॉ. राजीव बिंदल तीसरी बार राज्य में पार्टी की कमान मिली है। शिमला के पीटरहॉफ में केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने उनके नाम की घोषणा की। बिंदल सोलन-नाहन विधानसभा सीट से 5 बार विधायक रहे हैं। वे धूमल सरकार में स्वास्थ्य मंत्री और जयराम सरकार में विधानसभा अध्यक्ष रहे हैं।

उत्तराखंड : महेंद्र भट्ट को लगातार दूसरी बार कमान :

भाजपा ने महेंद्र भट्ट को लगातार दूसरी बार राज्य में पार्टी का मुखिया बनाया है। उन्हें अप्रैल, 2024 में राज्यसभा का सांसद भी बनाया गया था। भट्ट चमोली जिले की बद्रीनाथ विधानसभा सीट से विधायक भी रह चुके हैं।

महाराष्ट्र : रवींद्र चव्हाण को पहली बार प्रदेश की जिम्मेदारी :

रवींद्र चव्हाण को भाजपा ने पहली बार प्रदेश की जिम्मेदारी दी है। वे डोंबिवली विधानसभा सीट से लगातार चार बार से विधायक हैं। रवींद्र पहली बार 2009 में विधायक बने थे।

चव्हाण एकनाथ शिंदे की सरकार में कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। उनके पास खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग का जिम्मा था। बाद में लोक निर्माण विभाग का कैबिनेट मंत्री भी बनाया गया था। चव्हाण देवेंद्र फडणवीस के पहले कार्यकाल में चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री रहे थे।

वेमुलावाड़ा में 40 एकड़ की नई गौशाला की योजना

भीड़भाड़ से निपटने और 'कोडेलू' की देखभाल में होगा सुधार

राजन्ना-सिरसिल्ला, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। थिप्पापुर गोशाला में हाल ही में कोडेलु (बैलों) की मृत्यु के मद्देनजर, श्री राजराजेश्वर स्वामी मंदिर के अधिकारी और जिला प्रशासन इस मुद्दे को हल करने और बैलों के कल्याण में सुधार के लिए कदम उठा रहे हैं। भीड़भाड़ की समस्या से निपटने के लिए प्रशासन ने वेमुलावाड़ा ग्रामीण मंडल के मर्रिपल्ली गांव के पास सर्वे नंबर 748 में 40 एकड़ सरकारी जमीन की पहचान की है, ताकि वहां नई और विशाल गोशाला बनाई जा सके। बताया जा रहा है कि जमीन का विवरण और नक्शा कलेक्टर को सौंप दिया गया है।

वर्तमान में, थिप्पापुर में मौजूदा गोशाला छह एकड़ में फैली हुई है और इसमें छह शेड हैं, जिनमें से प्रत्येक में 50 बैलों को रखने की क्षमता है, इस प्रकार कुल 300 बैल हैं। हालांकि, बैलों की संख्या बढ़कर 1,250 हो गई है, जिसके कारण वहां क्षमता से अधिक बैलों को रखा जा रहा है और बाद में उनकी मृत्यु भी हो रही है। मंदिर के भक्तों के लिए बैलों के धार्मिक महत्व को देखते हुए अधिकारियों ने इस मुद्दे को सुलझाने के प्रयास तेज़ कर दिए हैं। किसानों को बैलों का वितरण फिर से शुरू करने के साथ ही प्रशासन ने बैलों की देखभाल के लिए छह पशु चिकित्सक, 8 पशु चिकित्सा सहायक और 40 आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को नियुक्त किया है।

इससे पहले गोशाला में कोई समर्पित पशु चिकित्सक नहीं था। मई में कई कोडेलु की मौत के बाद कलेक्टर ने मेडिकल स्टाफ की नियुक्ति की और जिला पशु चिकित्सा अधिकारी रविंदर रेड्डी को पर्यवेक्षण अधिकारी नियुक्त किया। नवंबर 2024 में बैलों का

वितरण बंद कर दिया गया था, जिसे दुरुपयोग की खबरों के कारण 2 जून को फिर से शुरू किया गया। तब से अब तक पांच चरणों में किसानों को 720 बैल वितरित किए जा चुके हैं। वर्तमान में गोशाला में 520 बैल बचे हैं। बैलों के लिए पौष्टिक चारा सुनिश्चित करने के लिए, प्रशासन ने वेमुलावाड़ा सीमा के भीतर तीन गांवों में फैली 82 एकड़ सरकारी भूमि पर हरी घास की खेती करने की योजना बनाई है जिनमें हनुमक्कपल्ली (22 एकड़), मर्रीपल्ली (40 एकड़) और मुदापल्ली (20 एकड़) शामिल हैं।

एसीबी ने एक माह में 25 लोगों को गिरफ्तार किया

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, तेलंगाना, हैदराबाद ने जून 2025 के दौरान कुल 31 मामले/जांच दर्ज की। इनमें से 15 ट्रैप मामले, दो आय से अधिक संपत्ति के मामले, तीन आपराधिक कदाचार के मामले, चार नियमित जांच और सात औचक निरीक्षण हैं। दो आउटसोर्सिंग कर्मचारियों/निजी व्यक्तियों सहित पच्चीस लोक सेवकों को ट्रैप/गिरफ्तार किया गया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। विभिन्न विभागों के ट्रैप मामलों में 3,43,500 रुपये की राशि जब्त की गई। दो आय से अधिक संपत्ति के मामलों में, 13,50,000 रुपये और 5,22,75,000 रुपये की आय से अधिक संपत्ति का पता चला। आरटीए चेकपोस्टों और उप-पंजीयक कार्यालयों पर की गई औचक जांच के दौरान 2,72,030 रुपये की बेहिसाबी रकम जब्त की गई। वर्ष की पहली छमाही यानी जनवरी 2025 से जून 2025 तक ब्यूरो ने 126 मामले यानी 80 ट्रैप मामले, आठ आय से अधिक संपत्ति मामले, 14 आपराधिक कदाचार मामले, 10 नियमित जांच, 11 औचक जांच और तीन गोपनीय जांच दर्ज की, आठ आउटसोर्सिंग कर्मचारियों/निजी व्यक्तियों सहित 125 लोक सेवकों को ट्रैप/गिरफ्तार किया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया, ट्रैप मामलों में 24,57,000 रुपये की राशि जब्त की और विभिन्न विभागों के डीए मामलों में 27,66,60,526 रुपये की संपत्ति का पता लगाया। जून 2025 में ब्यूरो ने 11 मामलों को अंतिम रूप दिया और सरकार को अंतिम रिपोर्ट भेजी। इसके अलावा, ब्यूरो ने इस वर्ष की पहली छमाही यानी जनवरी 2025 से जून 2025 तक 129 मामलों को अंतिम रूप दिया और सरकार को अंतिम रिपोर्ट भेजी।

राजस्थान के पूर्व मंत्री सुरेन्द्र गोयल 4 जुलाई को हैदराबाद में

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्थान सरकार के पूर्व मंत्री (जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं भू-जल विभाग) सुरेन्द्र गोयल का 4 जुलाई को हैदराबाद (भाग्यनगर) आगमन हो रहा है। वे दो दिवसीय निजी प्रवास पर हैदराबाद पधारेंगे। इस दौरान वे रेणवाल एवं बाकरेचा परिवार द्वारा काटेदान स्थित अम्मा गार्डन में आयोजित एक पारिवारिक कार्यक्रम में भाग लेंगे।

उनका रात्रि विश्राम सिद्दिअम्बर बाजार स्थित होटल राजधानी में होगा, जहां जैतारण विधानसभा क्षेत्र से संबंधित लोग 4 जुलाई प्रातः 9 बजे से 5 जुलाई प्रातः 9 बजे तक उनसे भेंट कर सकेंगे। इसके पश्चात वे जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे। आप और हम संगठन के अध्यक्ष एवं कुमावत समाज हैदराबाद-सिकंदराबाद (तेलंगाना) के पूर्व अध्यक्ष धर्मीचंद कुमावत ने सभी प्रवासी बंधुओं से उनके स्वागत की अपील की है।

पुलिस ने विधवा के बच्चों का स्कूल में कराया दाखिला

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मानवीय कार्य करते हुए बालापुर पुलिस ने तुरंत एक महिला की मदद की, जो अपने पति की मृत्यु और आर्थिक तंगी के कारण अपने बच्चों को स्कूल भेजने में असमर्थता से परेशान थी। सूचना मिलने पर, बालापुर पुलिस थाने के गश्ती मोबाइल कार स्टाफ हेड कांस्टेबल नरेन्द्र कुमार और होमगार्ड वेंकटेश गांव में 35 वर्षीय महिला के घर गए और उसकी काउंसलिंग की। इसके अलावा, जब उसे पता चला कि उसके बच्चे, बेटा और बेटी, वित्तीय समस्याओं के कारण स्कूल नहीं भेज रहे हैं, तो पुलिस अधिकारियों ने पहल की और लड़के को जिला परिषद हाई स्कूल में छठी कक्षा में और लड़की को बालापुर के सरकारी प्राथमिक विद्यालय में पांचवीं कक्षा में दाखिला दिलाया। वरिष्ठ अधिकारियों ने जहां अधिकारियों की सराहना की, वहीं सहायता प्राप्त करने वाले परिवार और ग्रामीणों ने उन्हें धन्यवाद दिया।

रेल मंत्री ने रेलवन ऐप का शुभारंभ किया

नई दिल्ली/हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। रेलवन ऐप का शुभारंभ रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा सीआरआईएस के 40वें स्थापना दिवस समारोह में किया गया। यह ऐप एंड्रॉयड प्लेस्टोर और आईओएस ऐप स्टोर, दोनों प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है। दक्षिण मध्य रेलवे के अनुसार रेलवन ऐप यात्रियों की सभी आवश्यक सेवाओं के लिए एक वन-स्टॉप सॉल्यूशन है। इस ऐप के माध्यम से यात्रियों को निम्नलिखित सेवाओं तक सरलता से पहुंच मिलती है : टिकटिंग- आरक्षित, अनारक्षित, प्लेटफार्म टिकट, ट्रेन और पीएनआर पूछताछ, यात्रा योजना, रेल मदद सेवाएं, ट्रेन में भोजन बुकिंग। साथ ही, इसमें माल परिवहन (फ्रेट) से संबंधित पूछताछ की सुविधा भी उपलब्ध है। इस ऐप का मूल उद्देश्य उपयोगकर्ताओं को बेहतर अनुभव प्रदान करना है, जिसे सरल और स्पष्ट यूआई (यूज़र इंटरफ़ेस) के माध्यम से साकार किया गया है। यह न केवल सभी सेवाओं को एक स्थान पर समाहित करता है, बल्कि सेवाओं के बीच एकीकृत संपर्क भी प्रदान करता है, जिससे उपयोगकर्ता को भारतीय रेल सेवाओं का समग्र पैकेज मिलता है। इस ऐप की एक विशेष सुविधा है सिंगल साइन-ऑन। इससे उपयोगकर्ताओं को कई पासवर्ड याद रखने की आवश्यकता नहीं पड़ती। रेलवन ऐप डाउनलोड करने के बाद, रेलकनेक्ट या यूटीएसऑन मोबाइल ऐप की मौजूदा यूज़र आईडी से लॉगिन किया जा सकता है। इसके कारण उपयोगकर्ताओं को अलग-अलग सेवाओं के लिए अलग-अलग ऐप रखने की जरूरत नहीं पड़ती, जिससे डिवाइस की स्टोरेज भी बचती है। इस ऐप में आर-वॉलेट (रेलवे ई-वॉलेट) की सुविधा भी जोड़ी गई है। संख्यात्मक एमपीन और बायोमेट्रिक लॉगिन जैसी आसान लॉगिन सुविधाएं भी दी गई हैं। नए उपयोगकर्ताओं के लिए कम से कम जानकारी देकर पंजीकरण की व्यवस्था है, जिससे रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया आसान और तेज बनती है। केवल पूछताछ करने वाले उपयोगकर्ता गेस्ट लॉगिन के ज़रिए मोबाइल नंबर और ओटीपी से भी लॉगिन कर सकते हैं।

तेलंगाना के सांस्कृतिक उत्सव ने दिल्ली को चकाचौंध कर दिया

नई दिल्ली, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। लाल दरवाजा बोनालू समारोह के दूसरे दिन राजधानी का दिल जीवंत रंगों, धड़कते ढोल और तेलंगाना की विरासत के दिव्य उत्साह से जगमगा उठा। पहले दिन तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा द्वारा भव्य उद्घाटन के बाद, आज के उत्सव ने इंडिया गेट से तेलंगाना भवन तक एक मनमोहक जुलूस के साथ इंडिया गेट लॉन को जीवंत कर दिया। सिंहवाहिनी महाकाली मंदिर समिति ने तेलंगाना सरकार के सहयोग से आध्यात्मिक रूप से प्रेरित घाटम रैली का आयोजन किया, जिसमें भक्ति और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का मिश्रण था। तेलंगाना के रेजिडेंट कमिश्नर डॉ. शशांक गोयल मुख्य अतिथि थे। इस जुलूस में तेलंगाना संस्कृति विभाग के 150 से अधिक लोक कलाकारों ने पारंपरिक ढोल की थाप, पोथुराजू के गतिशील कदम, ओग्गुडोलु नृत्य रूप और पूर्ण कुंभम अनुष्ठान प्रस्तुत किए। इस जीवंत तमाशे ने न केवल विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में दिल्ली के निवासियों को आकर्षित किया, बल्कि उत्साही विदेशी दर्शकों को भी आकर्षित किया, जिनमें से कई ने समारोह को कैमरे में कैद किया और तेलंगाना के बोनालु उत्सव की कलात्मक भव्यता की प्रशंसा की। रैली के बाद तेलंगाना भवन में घट स्थापना (पवित्र कलशों की स्थापना) की गई, जिसके बाद भक्ति और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां हुईं। पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाओं ने श्रद्धा के साथ बोनम धारण किया, जबकि कलाकारों ने संगीत और नृत्य के माध्यम से पूरे स्थान को उत्सवी ऊर्जा से भर दिया, जिससे तेलंगाना भवन आनंद और भक्ति के केंद्र में बदल गया।

मुहर्रम के जुलूस के लिए हाथी को मंजूरी

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ भाजपा नेता मीर फिरासत अली बाकरी ने 6 जुलाई को मोहर्रम के 10वें दिन डबीलपुरा में ऐतिहासिक बीबी-का-आलम जुलूस के लिए हाथी के प्रावधान को मंजूरी देने के लिए केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी और तेलंगाना सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया है।

बाकरी द्वारा मूल रूप से प्रस्तुत अनुरोध को केंद्रीय मंत्री ने वीआईपी संदर्भ के रूप में आगे बढ़ाया और इसे सर्वोच्च प्राथमिकता के रूप में चिह्नित किया। तेलंगाना के पर्यावरण, वन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी (ईएफएसएंडटी) विभाग ने प्रधान मुख्य वन संरक्षक (पीएंडवी) और मुख्य वन्यजीव वार्डन (एचओएफएफ) को कैप्टिव एलीफेंट (स्थानांतरण या परिवहन) नियम, 2024 के तहत तत्काल कार्रवाई करने के लिए आवश्यक निर्देश जारी किए। मीर फिरासथ अली बाकरी ने वन विभाग के प्रधान सचिव अहमद नदीम आईएएस को वन्यजीव मानदंडों के अनुपालन को सुनिश्चित करते हुए शहर की सदियों पुरानी परंपरा को संरक्षित करने में उनके समन्वय के लिए धन्यवाद दिया।

विस्फोट के बाद बिहार की गर्भवती महिला के पति और दो रिश्तेदारों का पता नहीं

संगारेड्डी, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पूजा पासवान (23) की दुखद कहानी ने कई लोगों को झकझोर कर रख दिया है, जिनके पति और दो अन्य रिश्तेदार विस्फोट के बाद से लापता हैं। उनके पति नागा पासवान (30), चाचा दिलीप (50) और चचेरे भाई दीपक (20) विस्फोट के 36 घंटे बाद भी नहीं मिल पाए हैं। विस्फोट में एक अन्य चाचा डबलू (48) गंभीर रूप से घायल हो गए और उनका इलाज एक निजी अस्पताल में चल रहा है। उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। मूल रूप से बिहार के सासाराम का रहने वाला यह परिवार करीब एक दशक से इस उद्योग में काम कर रहा था।

आठ महीने की गर्भवती पूजा (जो डेढ़ साल के बच्चे विवेक की माँ है) विस्फोट के एक घंटे से भी कम समय बाद पड़ोसियों और दोस्तों के साथ विस्फोट स्थल पर पहुंची। तब से, वह अपने बेटे को गोद में लिए हुए, आँसू बहाते हुए घटनास्थल के पास भटक रही है, जो उसके बगल में मासूमियत से खेल रहा था, उसे इस बात का पता नहीं था कि उसका पिता गायब है। हालांकि अधिकारियों ने मंगलवार शाम तक कई शव बरामद कर लिए थे, लेकिन पूजा अपने लापता रिश्तेदारों के रूप में किसी की पहचान नहीं कर पाई। अधिकारियों ने डीएनए परीक्षण के जरिए नागा पासवान के शव की पहचान करने के प्रयास में विवेक से रक्त के नमूने एकत्र किए हैं। पूजा ने अधिकारियों से अपने पति और अन्य रिश्तेदारों के शव सौंपने की अपील की ताकि परिवार उनका अंतिम संस्कार कर सके।

संदीप माथुर ने एससीआर जीएम का अतिरिक्त प्रभार संभाला

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। साउथ कोस्ट रेलवे (एससीओआर) के महाप्रबंधक संदीप माथुर ने 1 जुलाई, 2025 को सिकंदराबाद के रेल निलयम में साउथ सेंट्रल रेलवे के महाप्रबंधक का अतिरिक्त प्रभार संभाला है। वे आईआरएसएसई (इंडियन रेलवे सर्विस ऑफ सिग्नलिंग इंजीनियर) कैडर के 1988 बैच के हैं। विशाखापट्टनम में मुख्यालय वाले नए साउथ कोस्ट रेलवे जोन के महाप्रबंधक के रूप में पदस्थापित होने से पहले, संदीप माथुर रेलवे बोर्ड, रेल मंत्रालय में प्रमुख कार्यकारी निदेशक/सिग्नलिंग के रूप में कार्यरत थे। सिग्नलिंग से संबंधित विभिन्न तकनीकी प्रगति और नीतियों को लागू करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। संदीप माथुर ने उत्तर रेलवे (अब प्रयागराज डिवीजन, उत्तर मध्य रेलवे) के तत्कालीन इलाहाबाद डिवीजन में सहायक सिग्नल और दूरसंचार इंजीनियर के रूप में अपना करियर शुरू किया और रेलवे बोर्ड, उत्तर रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे और दक्षिण पूर्व रेलवे सहित भारतीय रेलवे के विभिन्न क्षेत्रों में अपने लंबे करियर के दौरान कई प्रमुख पदों पर रहे। उल्लेखनीय कार्यों में झांसी मंडल के मंडल रेल प्रबंधक और उत्तर मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शामिल हैं। उन्होंने भारतीय रेलवे की अनुसंधान शाखा आरडीएसओ में भी काम किया, जिसके दौरान उन्होंने भारतीय रेलवे की स्वदेशी स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली "कवच" की पहली मंजूरी के लिए टीम का निर्देशन किया। विशेष रूप से, संदीप माथुर को मलेशिया में रावंग से इपोह तक डबल लाइन परियोजना को सफलतापूर्वक चालू करने का अंतरराष्ट्रीय अनुभव है। इसे काफी सराहा गया, जिससे भारतीय रेलवे की क्षमताओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सामने रखा गया। संदीप माथुर ने आज सिकंदराबाद के रेल निलयम में नीरज अग्रवाल, अतिरिक्त महाप्रबंधक, एससीआर, एससीआर के प्रमुख विभागाध्यक्षों और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की। बैठक में छह डिवीजनों के मंडल रेल प्रबंधक वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए शामिल हुए। अधिकारियों को संबोधित करते हुए, महाप्रबंधक ने फोकस के प्रमुख पहलुओं पर प्रकाश डाला उन्होंने अधिकारियों को यात्री सुविधाओं के प्रावधान की बारीकी से निगरानी करने और ट्रेन संचालन की समयबद्धता सुनिश्चित करने के लिए कहा। महाप्रबंधक ने रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास सहित पूरे जोन में बुनियादी ढांचे के विकास कार्यों को करते समय काम की गुणवत्ता और सुरक्षा दिशानिर्देशों का पालन सुनिश्चित करने की भी सलाह दी। उन्होंने पिछले कुछ वर्षों के दौरान दक्षिण मध्य रेलवे जोन के प्रदर्शन की सराहना की और कर्मचारियों के समर्पण की प्रशंसा की।

आईआईटी हैदराबाद और एनआईपीईआर को कारण बताओ नोटिस

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। रैगिंग विरोधी नियमों का पालन नहीं करने पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) - हैदराबाद, राष्ट्रीय औषधि शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईपीईआर), हैदराबाद सहित राज्य के सात विश्वविद्यालयों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। राजीव गांधी ज्ञान प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, बसर, अरोरा उच्च शिक्षा और अनुसंधान अकादमी, मल्ला रेड्डी विश्वविद्यालय, एमएनआर विश्वविद्यालय और तेलुगु विश्वविद्यालय को भी 2024 के लिए एंटी-रैगिंग अनुपालन दाखिल नहीं करने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

कुल मिलाकर, आईआईएम रोहतक, आईआईएम बैंगलोर, आईआईएम तिरुचिरापल्ली, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान और आईआईटी मुंबई सहित 89 विश्वविद्यालयों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। सभी संस्थानों को रैगिंग विरोधी नियमों का पालन करने के अलावा 30 दिनों के भीतर छात्रों से ऑनलाइन अंडरटेकिंग लेने के लिए कहा गया है। संस्थानों को अपने-अपने परिसरों में रैगिंग को रोकने के लिए अपनाए गए उपायों पर एक व्यापक रिपोर्ट भी देने को कहा गया है।

यूजीसी ने संस्थानों को चेतावनी दी है कि यदि वे रैगिंग पर यूजीसी विनियम, 2009 का पालन करने में विफल रहते हैं तो उनकी मान्यता रद्द कर दी जाएगी या उनकी संबद्धता वापस ले ली जाएगी। साथ ही, अनुदान और फंडिंग वापस लेने तथा मानदंडों का पालन न करने पर सार्वजनिक रूप से खुलासा करने जैसी कार्रवाई की भी चेतावनी दी है। नियमों के अनुसार, सभी उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए रैगिंग विरोधी मानदंडों का पालन करना अनिवार्य है।

विस्फोट पीड़ितों के परिजनों ने सिगाची घटनास्थल पर किया प्रदर्शन

तलाशी अभियान में लापरवाही का लगाया आरोप

संगारेड्डी, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सिगाची क्लोरो केमिकल्स विस्फोट स्थल पर मंगलवार को तनाव बढ़ गया, क्योंकि लापता श्रमिकों के गुस्साए परिजनों ने मृतकों की शीघ्र पहचान और उन्हें सौंपने की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। विरोध तब शुरू हुआ जब मलबा हटाने का काम कुछ देर के लिए रोक दिया गया, जिसके बाद चिंतित परिजनों ने पुलिस से भिड़ंत की और तलाशी अभियान जारी रखने की मांग की। सोमवार सुबह से ही घटनास्थल पर इंतजार कर रहे दुखी रिश्तेदारों ने अधिकारियों पर चल रहे बचाव और राहत प्रयासों में लापरवाही का आरोप लगाया। स्थिति कुछ समय के लिए अराजक हो गई, क्योंकि दर्जनों परेशान परिवार के सदस्य घटनास्थल पर एकत्र हो गए, नारे लगाने लगे और अधिकारियों पर खोज फिर से शुरू करने का दबाव बनाने लगे।

सुजाता, जिन्होंने इस घटना में अपने भतीजे एस जस्टिन (20) को खो दिया था, विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करने वालों में से एक थीं। उन्होंने कहा, मैं चाहती हूं कि सरकार जस्टिन को मुझे सौंप दे। जब तक वे हमें यह नहीं बताते कि उसके साथ वास्तव में क्या हुआ, हम घर नहीं लौटेंगे। पटानचेरूवु के बंडलागुडा निवासी जस्टिन इंटरमीडिएट परीक्षा में असफल होने के बाद पिछले शुक्रवार को ही कंपनी में अस्थायी कर्मचारी के तौर पर शामिल हुआ था। विस्फोट होने से पहले उसने सिर्फ़ दो दिन काम किया था।

कांग्रेस अमीरों का पक्ष ले रही है और गरीबों के खिलाफ बुलडोजर चला रही : केटीआर

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कांग्रेस सरकार पर दोहरे मापदंड अपनाने और हैदराबाद में जल निकायों के पास अवैध निर्माणों के खिलाफ चुनिंदा कार्रवाई करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार अमीरों का पक्ष ले रही है, लेकिन गरीबों के खिलाफ बुलडोजर चला रही है। हैदराबाद के गुट्टला बेगमपेट इलाके में हाइड्रा अधिकारियों द्वारा झोपड़ियों को ध्वस्त करने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, रामा राव ने कहा कि सरकार गरीबों को निशाना बनाते हुए शक्तिशाली लोगों द्वारा किए जा रहे अवैध निर्माणों पर आंखें मूंद रही है। उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी कोडंगल में रेड्डीकुंटा पर कब्जा करके एक महल का निर्माण कर रहे हैं।

सिगाची प्रबंधन के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करने की मांग

संगारेड्डी, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीआई(एम) के राज्य सचिव जॉन वेस्ले ने मंगलवार को मांग की कि सरकार सिगाची क्लोरो केमिकल्स लिमिटेड के प्रबंधन के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करे और दर्जनों लोगों की जान लेने वाले विस्फोट के लिए जिम्मेदार लोगों को गिरफ्तार करे। उन्होंने इस घटना की न्यायिक जांच हाईकोर्ट के मौजूदा जज से कराने की भी मांग की। मच्छमैलारम औद्योगिक क्षेत्र में विस्फोट स्थल का दौरा करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए वेस्ले ने कहा कि राज्य और केंद्र सरकारें श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करने के बजाय औद्योगिक प्रबंधन का पक्ष लेती दिख रही हैं।

उन्होंने पीड़ित परिवारों को मात्र 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा करने तथा कंपनी प्रबंधन के खिलाफ कोई कार्रवाई शुरू करने में विफल रहने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना की। सीपीआई (एम) नेता ने 9 जुलाई को औद्योगिक श्रमिकों के साथ समन्वय में राज्यव्यापी धरना आयोजित करने की घोषणा की, ताकि केंद्र और राज्य दोनों की श्रमिक विरोधी नीतियों को उजागर किया जा सके। उन्होंने विस्फोट के समय इकाई में मौजूद श्रमिकों की सही संख्या के बारे में स्पष्टता की कमी की ओर भी ध्यान दिलाया तथा आरोप लगाया कि प्रबंधन जानबूझकर दैनिक वेतन भोगी श्रमिकों की सूची रोक रहा है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

बर्मिंघम टेस्ट में 3 बदलाव कर सकता है भारत

शार्दूल और जडेजा की जगह ले सकते हैं नीतीश-सुंदर, कुलदीप की वापसी संभव

बर्मिंघम, 1 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय टीम बर्मिंघम टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ 3 बदलाव के साथ उतर सकती है। एजबेस्टन मैदान पर 2 जुलाई से शुरू होने जा रहे सीरीज के दूसरे मैच में टॉप ऑर्डर बल्लेबाज साई सुदर्शन, ऑलराउंडर शॉर्दूल ठाकुर और रवींद्र जडेजा को बेंच पर बैठाया जा सकता है। इनकी जगह बैटिंग ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी और वॉशिंगटन सुंदर को मौका दिया जा सकता है। कुलदीप यादव की वापसी भी हो सकती ह

भारत के असिस्टेंट कोच रयान टेन डोशेट ने कहा था- 'एजबेस्टन में भारतीय टीम 2 स्पिनर्स को मैदान पर उतारेगी। बुमराह चयन के लिए अवेलेबल हैं, लेकिन उनके खेलने न खेलने पर फैसला अगले 24 घंटो में लिया जाएगा।'

फिलहाल, शुभमन गिल की कप्तानी वाली भारतीय टीम एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में 0-1 से पिछड़ रही है। टीम को पहले टेस्ट में 5 विकेट की हार झेलनी पड़ी थी। 5 मैचों की सीरीज में वापसी करने के लिए इंडिया को दूसरा टेस्ट जीतना होगा।

लीड्स टेस्ट में भारतीय टीम 5 शतक के बावजूद हार गई थी। ऐसे में बैटिंग डिपार्टमेंट में एक बदलाव संभव है। साई सुदर्शन को बाहर बैठाया जा सकता है।

उनकी जगह करुण नायर को नंबर-3 पर आजमाया जा सकता है। दोनों पहली पारी में खाता नहीं खोल सके थे, जबकि दूसरी पारी में साई ने 30 और करुण नायर ने 20 रन स्कोर किए थे।

इन दोनों के अलावा, सभी बैटर्स ने रन बनाए। इसलिए शेष बल्लेबाजी में बदलाव की गुंजाइश नहीं है। ओपनर यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, शुभमन गिल ने एक-एक शतक लगाए। ऋषभ पंत ने तो दोनों पारियों में शतक बनाया।

ऑलराउंडर्स में 2 बदलाव संभव

भारतीय टीम के ऑलराउंड डिपार्टमेंट में दो बदलाव हो सकते हैं।

शार्दूल ठाकुर की जगह नीतीश कुमार रेड्डी को मौका दिया जा सकता है। वहीं, स्पिन ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की जगह वॉशिंगटन सुंदर को खिलाया जा सकता है।

पिछले मैच में भारतीय ऑलराउंडर्स अपनी जिम्मेदारी निभाने में विफल रहे थे। इसी कारण टीम इंडिया को दोनों पारियों में कोलैप्स का सामना करना पड़ा।

पहली पारी में भारतीय टीम ने आखिरी 6 विकेट मात्र 41 रन पर गंवा दिए। वहीं, दूसरी पारी में आखिरी 5 बैटर्स 31 रन के अंदर पवेलियन लौट गए।

बुमराह पर फैसला आज, कुलदीप की वापसी

भारत के गेंदबाजी विभाग में कुलदीप यादव को खिलाया जा सकता है। तेज गेंदबाजी में बदलाव होते नहीं दिख रहे हैं। जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा की तिकड़ी लगातार दूसरे मैच में देखने को मिल सकती है।

बुमराह की अगुआई वाले भारतीय तेज गेंदबाजों ने पिछले मैच में औसत प्रदर्शन किया था। बुमराह ने खुद पहली पारी में 5 विकेट झटके थे, लेकिन दूसरी पारी में खाली हाथ रहे।

5 विकेट लेने वाले प्रसिद्ध कृष्णा ने दोनों पारियों में मिलाकर 212 रन खर्च कर दिए थे, जबकि सिराज 2 विकेट ही ले सके।

इंग्लैंड की प्लेइंग-11 में बदलाव नहीं

प्लेइंग-11 : बेन स्टोक्स (कप्तान), जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), क्रिस वोक्स, ब्रायडन कर्स, जोश टंग और शोएब बशीर।

फायर सेफ्टी उल्लंघन पर चिन्नास्वामी स्टेडियम की बिजली कटी

केएससीए के पास जरूरी सुरक्षा सर्टिफिकेट नहीं, आरसीबी जश्न में 11 लोगों की जान गई थी

बेंगलुरु, 1 जुलाई (एजेंसियां)। बेंगलुरु के एम.चिन्नास्वामी स्टेडियम की बिजली काट दी गई। यह कदम बैंगलोर इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई कंपनी लिमिटेड ने इसलिए उठाया क्योंकि स्टेडियम को चलाने वाली कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ ने फायर सेफ्टी के जरूरी नियमों का पालन नहीं किया था।

स्टेडियम में बड़े मैच और कार्यक्रम होते हैं, लेकिन इसके बावजूद स्टेडियम प्रबंधन ने अग्नि सुरक्षा की मंजूरी नहीं ली थी। इसे देखते हुए कर्नाटक अग्निशमन विभाग के प्रमुख ने केएससीए की बिजली काटने की सिफारिश की, जिस पर बेसकॉम के अधिकारी ने तुरंत कार्रवाई की। ऐसे में जब तक स्टेडियम को जरूरी सुरक्षा सर्टिफिकेट नहीं मिल जाता, तब तक बिजली सप्लाई बंद रहेगी।

10 जून को फायर एंड इमरजेंसी सर्विसेज के महानिदेशक ने बेसकॉम को एक पत्र लिखा था, जिसमें बताया गया था कि कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (केएससीए) को कई बार स्टेडियम में जरूरी फायर सेफ्टी उपाय करने को कहा गया था। केएससीए ने इस मामले में एक हफ्ते का समय मांगा था, लेकिन समय सीमा के बाद भी जरूरी सुधार नहीं किए।

इस साल हुए आईपीएल मुकाबले स्टेडियम में बिना उचित फायर सेफ्टी गाइडलाइंस के आयोजित किए गए थे। हजारों दर्शकों की मौजूदगी के बावजूद फायर सेफ्टी मानकों का पालन नहीं किया गया था। फायर विभाग के अधिकारियों ने बताया, आईपीएल चैंपियन आईपीएल के विक्ट्री सेलिब्रेशन के दिन हुई भगदड़ में भी अग्नि सुरक्षा नियमों का ध्यान नहीं रखा गया था। इस भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी।

4 जून को बेंगलुरु में चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर शाम को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के आईपीएल 2025 खिताब जीतने की खुशी में विक्ट्री परेड निकाली गई।

स्टेडियम में घुसने को कोशिश में कई लोगों ने दीवार फांदने की कोशिश की। एंट्री गेट पर हजारों की भीड़ मौजूद थी। सड़क पर लाखों लोग जमा थे। इस दौरान भगदड़ मच गई। इसमें 11 लोगों की मौत हो गई और 33 लोग घायल हुए थे।

धोनी कैप्टन कूल नाम को ट्रेडमार्क करा रहे

एक ट्रेडमार्क पहले से रजिस्टर्ड, वकील बोले- यह नाम एमएसडी के साथ बरसों से जुड़ा है

कोलकाता, 1 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्व भारतीय कप्तान एमएस धोनी ने 'कैप्टन कूल' को ट्रेडमार्क कराने के लिए आवेदन किया है। अगर उन्हें इस शब्द के ट्रेडमार्क राइट्स मिल जाते हैं तो कैप्टन कूल शब्द का प्रयोग कोई व्यक्ति या संस्था नहीं कर सकेगी।

धोनी ने 5 जून को ट्रेडमार्क रजिस्ट्री पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन जमा किया। वे कोचिंग और ट्रेनिंग सेंटर्स के लिए 'कैप्टन कूल' का उपयोग करने के लिए विशेष अधिकार चाहते हैं।

पूर्व भारतीय कप्तान के आवेदन को शुरुआत में ट्रेड मार्क्स अधिनियम की धारा 11(1) के तहत बाधा का सामना करना पड़ा क्योंकि इस नाम से पहले ही एक ट्रेडमार्क रजिस्टर्ड था। ऐसे में नए ट्रेड मार्क से लोग भ्रमित हो सकते थे। धोनी के वकीलों ने तर्क दिया कि 'कैप्टन कूल' नाम धोनी से पिछले कई सालों से जुड़ा हुआ है। इसे जनता, मीडिया और प्रशंसकों ने बड़े पैमाने पर अपनाया है।

धोनी को कैप्टन कूल का टैग उनके फैंस और मीडिया ने दिया था। वे अपनी कप्तानी के दौरान मैदान पर काफी शांत नजर आते थे। मैच की परिस्थिति चाहे जितनी कठिन हो धोनी ठंडे दिमाग से ही फैसले लेते थे। यही कारण था कि उन्हें कैप्टन कूल के नाम से जाना जाने लगा।

2007: जोगिंदर को आखिरी ओवर दिया 2007 टी20 वर्ल्ड कप फाइनल पाकिस्तान के खिलाफ खेला जा रहा था। आखिरी ओवर में पाकिस्तान को 13 रन चाहिए थे। ऐसे में धोनी ने कम अनुभव वाले गेंदबाज जोगिंदर शर्मा को आखिरी ओवर दिया और उन्होंने मैच जिता दिया।

रेसलर विनेश फोगाट मां बनीं, बेटे को जन्म दिया

7 साल पहले हुई थी शादी; ज्यादा वजन से पेरिस ओलिंपिक से बाहर हुईं थी, फिर संन्यास लिया

जींद, 1 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्व रेसलर और जुलाना से कांग्रेस विधायक विनेश फोगाट मां बन गई हैं. मंगलवार सुबह दिल्ली के अपोलो अस्पताल में उन्होंने बेटे को जन्म दिया. सोमवार शाम को विनेश को अस्पताल में भर्ती कराया गया था. विनेश के ससुर राजपाल राठी ने बताया कि ऑपरेशन के जरिए डिलीवरी हुई है. फिलहाल जच्चा व बच्चा दोनों स्वस्थ हैं. विनेश फोगाट ने 6 मार्च 2025 को अपनी प्रेग्नेंसी को लेकर इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर की थी. विनेश ने पति सोमबीर राठी के साथ फोटो शेयर करते हुए लिखा था. ₹ऑवर लव स्टोरी कंटिन्यू विद न्यू चैप्टर (एक नए अध्याय के साथ हमारी प्रेम कहानी जारी है).₹ इसके साथ में नन्हे बेबी के फुट प्रिंट और लव का सिंबल शेयर किए थे. पहले प्यार, फिर शादीः जींद जिले के जुलाना क्षेत्र के बख्ता खेड़ा निवासी सोमवीर राठी और विनेश की मुलाकात नौकरी के दौरान हुई थी. दोनों रेलवे में नौकरी करते थे. इसी

सिलसिले में कई बार मिलते रहते थे. हालांकि, शुरू में दोनों की ज्यादा बात नहीं होती थी, लेकिन बाद में दोनों की दोस्ती आगे बढ़ने लगी. कुश्ती के प्यार के कारण दोनों एक-दूसरे के करीब आए और फिर इन दोनों के बीच प्यार के बाद डेटिंग शुरू हो गई थी. साल 2018 में जकार्ता में हुए एशियन गेम्स में विनेश ने गोल्ड मेडल जीता था. जब वो मेडल जीतकर भारत लौटीं, तो दिल्ली के इंदिरा गांधी एयरपोर्ट पर सोमवीर राठी ने उन्हें प्रपोज कर दिया और अंगूठी पहना दी. इसी साल दोनों की शादी भी हो गई. तभी से दोनों एक साथ हैं. सोमवीर भी कुश्ती खिलाड़ी हैं और दो बार नेशनल चैंपियन रह चुके हैं. दोनों खिलाड़ियों ने 14 दिसंबर 2018 को शादी की थी. हिंदू रीति-रिवाज से देखें तो शादी में 7 फेरे लिए जाते हैं, लेकिन विनेश और सोमवीर ने 8 फेरे लिए थे. आठवां फेरा बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, बेटी खिलाओ की शपथ पर खत्म हुआ था, इसलिए उनकी शादी काफी अलग रही थी.

पेरिस ओलिंपिक से डिसक्वालिफाई हुईं, संन्यास लियाः विनेश फोगाट ने 2024 के पेरिस ओलंपिक में डिस्क्वालिफाई हो गई थीं. 6 अगस्त 2024 को विनेश ने 50 किलोग्राम वेट कैटेगरी में एक ही दिन में 3 मैच खेले. प्री-क्वार्टर फाइनल में विनेश ने टोक्यो ओलंपिक की चैंपियन यूई सुसाकी को पटखनी दी. क्वार्टर फाइनल में उन्होंने यूक्रेन और सेमीफाइनल में क्यूबा की रेसलर को हरा कर फाइनल की टिकट पक्की की. इसी के साथ विनेश फाइनल में पहुंचने वालीं पहली भारतीय महिला रेसलर बनी थीं.

सचिन तेंदुलकर जैसी 'सुपरपावर' चाहते हैं नीरज चोपड़ा

कोच जेलेज्नी से मिली खास सलाह पर भी की बात

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के भालाफेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने कहा कि वह चुनौतियों का सामना ठंडे दिमाग से करने के लिए महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर जैसी 'सुपरपावर' पाना चाहते हैं। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता ने यह भी कहा कि वह धीरे धीरे प्रवाह की अवधारणा समझ रहे हैं जब उनके दिग्गज कोच यान जेलेज्नी ने उन्हें भाला फेंकने से पहले 18 बरस के युवक की तरह किसी तनाव के बिना दौड़ने की सलाह दी।

उन्होंने कहा कि अब तक मैदान से भीतर और बाहर उन्हें सर्वश्रेष्ठ सलाह कोच जेलेंजी से मिली है जिनके नाम 98.48 मीटर का भालाफेंक का विश्व रिकॉर्ड है। चोपड़ा ने 'स्टार स्पोटर्स' और 'जियो हॉटस्टार' से कहा, जब भी मैं थ्रो फेंकता हूं तो मैं काफी ऊर्जावान रहता है लेकिन कोच ने मुझसे कहा कि मुझे प्रवाह के साथ दौड़ना है। मुझे 18 वर्ष के लड़के की तरह बिना किसी तनाव के दौड़ना है। मैं धीरे धीरे प्रवाह की अवधारणा समझ रहा हूं। किसी भी खेल में प्रवाह महत्वपूर्ण है। मसलन रोजर

फेडरर इतनी गरिमा और लय के साथ खेलते हैं कि पता ही नहीं चलता कि वह इतना प्रयास कर रहे हैं। मैं अपने अभ्यास में वही उतारना चाहता हूं।

यह पूछने पर कि वह किस क्रिकेटर की सुपरपावर भालाफेंक में उतारना चाहेंगे चोपड़ा ने कहा, 'सचिन तेंदुलकर। उन्होंने इतने साल तक इतने शानदार तरीके से देश का प्रतिनिधित्व किया। इतने महान गेंदबाजों की चुनौतियों का सामना करके भी शानदार प्रदर्शन किया। मैं वही सुपरपावर लेना चाहूंगा और वैसे ही खेलना चाहूंगा। इससे मुझे शांत रहकर चुनौतियों का सामना करने में मदद मिलेगी।'

बंगलुरू में पांच जुलाई को विश्व एथलेटिक्स उपमहाद्वीपीय टूर के गोल्ड टूर्नामेंट एनसी क्लासिक की मेजबानी कर रहे चोपड़ा ने मई में दोहा डायमंड लीग में 90 मीटर की बाधा पार की। उन्होंने कहा कि महेंद्र सिंह धोनी का हेलिकॉप्टर शॉट ताकत और तकनीक के मामले में भालाफेंक की तरह है। यह पूछने पर कि कौन सा क्रिकेटर भालाफेंक सकता है, चोपड़ा ने कहा, 'मैंने सुना है कि ब्रेट ली भालाफेंक खिलाड़ी थे। मुझे लगता है कि वह भालाफेंक सकता था, खासकर अपने कैरियर के चरम पर। मैं जसप्रीत बुमराह को भी आजमाना चाहूंगा और उम्मीद है कि वह मुझे गेंदबाजी सिखायेगा। गेंदबाजी और भालाफेंक दोनों में थ्रो है लेकिन अलग है। मैं बुमराह से सीखना चाहूंगा।'

टीम इंडिया के बांग्लादेश दौरे पर मंडराए संकट के बादल

रोहित-विराट के लिए फैंस को करना होगा इंतजार

मुंबई, 1 जुलाई (एजेंसियां)। टीम इंडिया फिलहाल इंग्लैंड के दौरे पर है, जहां रोहित शर्मा और विराट कोहली टीम इंडिया का हिस्सा नहीं है क्योंकि ये दोनों दिग्गज टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। रोहित-विराट अब फैंस को वनडे फॉर्मेट में ही खेलते हुए दिखाई देने वाले हैं। टीम इंडिया को अगस्त में बांग्लादेश का दौरा करना है, हालांकि इसको लेकर अभी तक पुष्टि नहीं हुई है कि कब भारतीय टीम बांग्लादेश जाएगी। दरअसल बांग्लादेश के हालात अभी भी कुछ ठीक नहीं चल रहे हैं, जिसके चलते अभी तक टीम इंडिया को बांग्लादेश दौरे के लिए सरकार की मंजूरी नहीं मिली है।

रोहित-विराट का हो रहा इंतजार

भारतीय टीम के 2 दिग्गज रोहित शर्मा और विराट कोहली

टी20 इंटरनेशनल और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। आखिरी बार इन दोनों खिलाड़ियों को टीम इंडिया के लिए चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में खेलते हुए देखा गया था। अब अगर टीम इंडिया बांग्लादेश का दौरा करती है तो फिर ये दोनों दिग्गज वनडे सीरीज में खेलते हुए दिखाई दे सकते हैं, जिसके लिए फिलहाल फैंस को इंतजार करना पड़ेगा। इस दौरे पर टीम इंडिया को 3 वनडे और 3 टी20 मैचों की सीरीज खेलनी है।

सीरीज को लेकर बांग्लादेश क्रिकेट का बयान

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम ने बताया " बीसीसीआई के साथ हमारी सकारात्मक चर्चा चल रही है। यह अगस्त या सितंबर में जैसा नहीं है हम इस बारे में चर्चा कर रहे हैं कि हम सीरीज कैसे आयोजित कर सकते हैं और अगर हम अभी इसकी मेजबानी नहीं कर सकते हैं, तो हम इसे किसी अन्य संभावित समय पर आयोजित करेंगे।"

आईसीसी फ्यूचर टूर्स प्रोग्राम के तहत भारत और बांग्लादेश के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज का आगाज 17 अगस्त से होना था। वहीं सीरीज का आखिरी मैच 23 अगस्त को खेला जाना तय किया गया। जिसपर अभी संकट के बादल मंडराते हुए दिखाई दे रहे हैं। बता दें, टीम इंडिया ने साल 2014 के बाद से बांग्लादेश के साथ कोई वनडे सीरीज नहीं खेली है।

मुक्केबाज हितेश, सचिन और मीनाक्षी की जीत से शुरुआत, सर्वसम्मत फैसले में हासिल की जीत

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय मुक्केबाज हितेश, सचिन सिवाच और मीनाक्षी ने विश्व मुक्केबाजी कप में जीत के साथ शुरुआत की। पुरुष वर्ग में हितेश और सचिन ने दमदार प्रदर्शन करते हुए सर्वसम्मत फैसले से जीत हासिल की। इस साल की शुरुआत में विश्व मुक्केबाजी कप के ब्राजील चरण में स्वर्ण जीतने वाले हितेश ने बीलाइन एरिना में लाइट मिडिलवेट वर्ग में चीनी ताइपे के कान चिया-वेई को 5-0 से मात दी।

ब्राजील में कांस्य पदक विजेता

सचिन ने लाइटवेट वर्ग में कनाडा के अल-अहमदीह कियोमा-अली पर 5-0 की प्रभावशाली जीत दर्ज की। महिलाओं में मीनाक्षी ने लाइट फ्लाईवेट वर्ग में ऑस्ट्रेलिया की मैडेलीन बोवेन पर 5-0 की एकतरफा जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की, जबकि मुस्कान ने मिडिलवेट वर्ग के रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड की केरी डेविस को 3-2 से हराया। भारत ने ब्राजील में पिछले विश्व मुक्केबाजी कप लेग में छह पदक जीते थे।

इंग्लैंड अंडर-19 ने भारत को एक विकेट से हराया

कप्तान थॉमस रियू ने 131 रन की पारी खेली; सीरीज 1-1 से बराबरी पर

लंदन, 1 जुलाई (एजेंसियां)। इंग्लैंड ने दूसरे यूथ वनडे में भारत की अंडर-19 टीम को एक विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ही इंग्लैंड ने पांच मैचों की वनडे सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली। भारत ने पहला मुकाबला जीता था। नॉर्थम्पटन में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी कर रही भारतीय टीम ने 49 ओवर में 10 विकेट पर 290 रन बनाए। विहान मलहोत्रा ने सर्वाधिक 49 रन बनाए।

जवाब में इंग्लैंड ने 49.3 ओवर में 9 विकेट खोकर 291 रन बनाए और मैच अपने नाम कर लिया। भारतीय कप्तान आयुष म्हात्रे पहली गेंद पर ही आउट हो गए। एलेक्स फ्रेंच ने उन्हें बोल्ड किया। खराब शुरुआत के बावजूद वैभव सूर्यवंशी और विहान मल्होत्रा ने पारी को संभाला। भारत का दूसरा विकेट 69 रन पर गिरा। सूर्यवंशी 35 गेंदों में 45 रन बना कर आउट हो गए। वहीं 119 के स्कोर पर विहान भी आउट हो गए। उन्होंने 68 गेंदों का सामना कर 49 रन बनाए।

इसके बाद मौल्यराजसिन्ह चावड़ा और अभिज्ञान कुंडु ने पारी को संभालने की कोशिश की। चावड़ा को एलेक्स ग्रीन ने बोल्ड किया। वह 43 गेंदों में 22 रन बनाकर आउट हुए जबकि कुंडु 41 गेंदो में चार चौके की मदद से 32 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

विंबलडनः डिफेंडिंग चैंपियन अल्काराज की जीत से शुरुआत

मेदवेदेव-रून उलटफेर के शिकार हुए; सबालेंका की 50वीं जीत

लंदन, 1 जुलाई (एजेंसियां)। दो बार के चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने विंबलडन के पहले राउंड में इटली के फैबियो फोगनिनी को हरा दिया है। वहीं, ब्रिटिश प्लेयर ओलिवर टार्वेट भी अगले दौर में पहुंच गए हैं। अल्काराज को इस टूर्नामेंट में दूसरा सीड मिला है। वहीं, इटली के जैनिक सिनर पहले नंबर पर है।

22 साल के स्पेनिश खिलाड़ी अल्काराज ने 4 घंटे से ज्यादा चले मुकाबले में 7-5, 6-7 (5-7), 7-5, 2-6, 6-1 से जीत हासिल की। यह मैच सेंटर कोर्ट पर खेला गया, जो ग्रास पर होने वाले इस ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट का पहला दिन था।

अल्काराज की यह लगातार 19 वीं जीत है। इस महीने की शुरुआत में फ्रेंच ओपन में जैनिक सिनर को हराकर उन्होंने अपना पांचवां ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था और फिर ब्रिटिश ग्रास पर क्वींस का खिताब भी अपने नाम किया। अब उनका अगला मुकाबला 21 साल के टार्वेट से होगा, जिन्होंने विंबलडन में अपने पहले मैच में स्विट्जरलैंड के लिएंड्रो रीडी को हराया है। मैच के निर्णायक सेट में 15 मिनट का ब्रेक हुआ, उस दौरान धूप में बैठे एक दर्शक की तबीयत बिगड़ गई। अल्काराज ने दर्शक की मदद के लिए ठंडे पानी की बोतल दी।

दुनिया की नंबर-1 महिला टेनिस खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने टूर्नामेंट में बेहतरीन जीत के साथ आगाज किया। खिताब की दावेदार के रूप में ग्रास कोर्ट पर उतरीं सबालेंका ने पहले राउंड में कनाडा की कार्सन ब्रेंस्टीन को लगातार सेट में 6-1, 7-5 से शिकस्त दी।

यह सबालेंका की वर्ल्ड नंबर-1 रहते हुए विमेंस टेनिस एसोसिएशन में 50वीं जीत रही। वे ऐसा करने वाली 9वीं खिलाड़ी बनीं। उनसे पहले, हिंगिस, सेरेना, डेवनपोर्ट, जस्टिन हेनिन, वोज्नियाकी, अजारेंका, बार्टी और स्वातेक ने ऐसा कर चुकी है।

बलकमपेट येल्लम्मा का दिव्य कल्याण उत्सव सम्पन्न

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। देवी बलकमपेट येल्लम्मा का दिव्य विवाह मंगलवार को भव्य पैमाने पर सम्पन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु उत्सव देखने के लिए मंदिर पहुंचे। धर्मस्व मंत्री कोंडा सुरेखा ने राज्य सरकार की ओर से रेशमी साड़ी भेंट की। उपस्थित लोगों में हैदराबाद जिले के प्रभारी मंत्री पोन्नम प्रभाकर, जीएचएमसी मेयर गदवाला विजया लक्ष्मी, सांसद अनिल कुमार यादव, अन्य निर्वाचित प्रतिनिधि और अधिकारी शामिल थे। पुजारियों द्वारा सुबह 11:51 बजे दिव्य विवाह समारोह सम्पन्न कराया गया। कार्यक्रम के दौरान, मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि बलकमपेट में विवाह समारोह कई श्रद्धालुओं की उपस्थिति में बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि पूरी राज्य सरकार ने भरपूर बारिश और फसलों की खुशहाली के लिए देवी से प्रार्थना की है। हाल ही में, आग लगने और विमान दुर्घटनाओं जैसी कई दुखद घटनाएं हुई हैं। मुझे उम्मीद है कि देवी तेलंगाना और हैदराबाद शहर के लोगों को तहे दिल से आशीर्वाद देंगी। इस बीच, संयुक्त पुलिस आयुक्त (यातायात) जोएल डेविस ने कहा कि बलकमपेट येल्लम्मा कल्याणम और रथोत्सवम के दौरान 2 जुलाई तक यातायात प्रतिबंध लागू रहेंगे। ग्रीनलैंड्स, मठ मंदिर और सत्यम थिएटर से फतेहनगर की ओर जाने वाले वाहनों को एसआर नगर टी-जंक्शन से डायवर्ट किया जाएगा और उन्हें एसआर नगर सामुदायिक हॉल, अभिलाषा टावर्स, बीकेगुडा क्रॉस रोड, श्रीराम नगर और सनथनगर के माध्यम से फतेहनगर की ओर जाने की अनुमति दी जाएगी।

बलकमपेट येल्लम्मा कल्याणोत्सवम में सुरक्षा के कड़े इंतजाम

सीपी हैदराबाद ने देवी के दर्शन किए

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बलकमपेट में श्री येल्लम्मा पोचम्मा देवस्थानम में आयोजित होने वाले वार्षिक कल्याणोत्सवम समारोह के अवसर पर हैदराबाद पुलिस आयुक्त, डीजी सी.वी. आनंद ने देवी के दर्शन किए। उन्होंने भक्तों को किसी भी तरह की असुविधा का सामना न करना पड़े और इस शुभ अवसर पर कानून-व्यवस्था में कोई व्यवधान न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए कड़े सुरक्षा इंतजामों की निगरानी की। इस अवसर पर बोलते हुए, सीपी ने कहा, कल्याणोत्सवम में आने वाले भक्तों की सुविधा और सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

इसके लिए, हमने सभी तरह की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की है। भक्त बिना किसी चिंता के देवी के दर्शन कर सकते हैं और उत्सव में भाग ले सकते हैं। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी समन्वय में काम कर रहे हैं और भीड़ नियंत्रण, यातायात प्रबंधन, निगरानी और सुरक्षा जांच की निगरानी कर रहे हैं। सी.वी. आनंद ने सभी भक्तों से पुलिस का सहयोग करने और त्योहार को शांतिपूर्वक मनाने की अपील की। कार्यक्रम में विक्रम सिंह मान एडिशनल सीपी कानून एवं व्यवस्था, डी. जोएल डिविस ज्वाइंट सीपी ट्रैफिक, राहुल हेज डीसीपी ट्रैफिक, विजय कुमार डीसीपी वेस्ट जोन, के. अपूर्वा राव डीसीपी स्पेशल ब्रांच, रक्षिता कृष्ण मूर्ति डीसीपी मुख्यालय एवं अन्य अधिकारीगण शामिल हुए।

संगारेड्डी रासायनिक विस्फोट में मरने वालों की संख्या हुई 45, बचाव अभियान जारी

संगारेड्डी, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सिगाची क्लोरो केमिकल प्राइवेट लिमिटेड में विस्फोट के कारण मरने वालों की संख्या रात भर में बढ़कर 45 हो गई, जबकि एनडीआरएफ, हाइड्रा और तेलंगाना अग्निशमन आपदा प्रतिक्रिया दल रात भर बचाव अभियान जारी रखे हुए हैं। विभिन्न अस्पतालों में 35 लोगों का इलाज चल रहा है, जिनमें से 10 की हालत गंभीर बताई जा रही है। संभवतः, यह तेलंगाना में अब तक की सबसे बड़ी औद्योगिक दुर्घटना है। बचाव कार्य जारी है क्योंकि कर्मचारियों को डर है कि कंपनी की इमारत के मलबे के नीचे कई लोग फंसे हुए हैं। इमारत ढहने के बाद वे अपने परिवार के सदस्यों को खोजने के लिए उद्योग में एकत्र हुए थे। शवों को पोस्टमार्टम के लिए पठानचेरूवु के सरकारी अस्पताल में भेज दिया गया है, जहां से सरकार ने शवों को उनके मूल स्थानों पर ले जाने के लिए एम्बुलेंस की व्यवस्था की है।

अभी भी फंसे हुए 20 लोग

बचाव अभियान जारी रहने के बीच संगारेड्डी जिला प्रशासन ने खुलासा किया कि विस्फोट से प्रभावित औद्योगिक इकाई के मलबे में कम से कम 20 लोग अभी भी फंसे हुए हैं। उद्योग प्रबंधन से बातचीत के बाद जिला प्रशासन ने विस्फोट के समय काम कर रहे कर्मचारियों की सूची जारी की। सूची के अनुसार विस्फोट के समय 149 कर्मचारी ड्यूटी पर थे। 57 कर्मचारी सुरक्षित बच गए, जबकि मंगलवार सुबह तक 37 लोगों के शव मलबे से निकाले जा चुके थे। अन्य 35 घायल कर्मचारी वर्तमान में विभिन्न अस्पतालों में उपचाराधीन हैं, जिनमें से कम से कम 10 की हालत गंभीर बताई जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि ड्यूटी पर आए कम से कम 20 और कर्मचारी लापता हैं। न तो प्रबंधन और न ही उनके परिवार अब तक उनका पता लगा पाए हैं। अब तक बरामद 37 शवों में से केवल चार की पहचान हो पाई है।

संगारेड्डी फैक्ट्री विस्फोट में जले शवों की पहचान के लिए डीएनए परीक्षण

आग में मारे गए कर्मचारियों के शव पूरी तरह जल चुके हैं, इसलिए अधिकारियों को मृतकों की पहचान करने में भारी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। अब तक बरामद 37 शवों में से सिर्फ़ चार की ही पहचान हो पाई है। बड़ी संख्या में पीड़ितों के परिवार के सदस्य अपने प्रियजनों की पहचान की उम्मीद में पटनचेरू के सरकारी अस्पताल में जमा हो गए हैं। डॉक्टर शवों की पहचान करने के लिए उनके रिश्तेदारों के साथ शव देखने गए हैं। हालांकि, जलने की गंभीरता के कारण यह प्रक्रिया काफी हद तक निरर्थक रही है। जवाब में, अधिकारियों ने पीड़ितों की पहचान स्थापित करने के लिए डीएनए परीक्षण कराने की तैयारी शुरू कर दी है। पहचान प्रक्रिया में जिला प्रशासन की सहायता के लिए नमूने एकत्र करने के लिए हैदराबाद स्थित केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (सीएफएसएल) की एक टीम को तैनात किया गया है।

सरकार ने मुलुगु में मंदिरों के विकास के लिए 1.42 करोड़ रुपये मंजूर किए

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने मुलुगु विधानसभा क्षेत्र में मंदिरों के विकास के लिए 1.42 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। पंचायत राज मंत्री सीतक्का (जो इस निर्वाचन क्षेत्र के प्रतिनिधि हैं) के अनुरोध पर यह आवंटन किया गया। मंगलवार को अधिकारियों ने सीजीएफ फंड से 1.42 करोड़ रुपये के वितरण को मंजूरी देते हुए आदेश जारी किए। धन वितरण में बुस्सापुर में जानकी रामालयम के लिए 12 लाख रुपये, गुंजेंदु में मसिलम्मा मंदिर के लिए 50 लाख रुपये, जगन्नापेट में पुता मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर के लिए 30 लाख रुपये, मल्लमपल्ली में वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर के लिए 20 लाख रुपये, मुलुगु शहर में नागेश्वर स्वामी मंदिर के लिए 20 लाख रुपये और रामालयम के लिए 10 लाख रुपये शामिल हैं। विकास कार्य शुरू करने के लिए अधिकारी जल्द ही निविदाएं जारी करेंगे। इस घोषणा के दौरान, मंत्री सीतक्का ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और धर्मस्व मंत्री कोंडा सुरेखा को धन जुटाने में उनकी सहायता के लिए धन्यवाद दिया।

प्रेम प्रसंग के चलते इलेक्ट्रीशियन की हत्या

आरोपी ने किया आत्मसमर्पण

कुमराम भीम आसिफाबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पेंचिकलपेट मंडल के कोंडापल्ली गांव में सोमवार रात एक अज्ञात व्यक्ति ने 25 वर्षीय इलेक्ट्रीशियन की हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि रात करीब 9 बजे देवकोंडा श्रीधर चारी की हत्या कर दी गई। उनके पेट में गंभीर चोटें आईं और भारी रक्तस्राव के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि श्रीधर की हत्या गांव की एक विवाहित महिला के साथ कथित अवैध संबंध के कारण की गई होगी। पुलिस के अनुसार, श्रीधर को महिला के साथ निकट संपर्क बनाए रखने के लिए पहले ही चेतावनी दी जा चुकी थी, क्योंकि महिला के पति पोट्टे राजन्ना ने एक महीने पहले उसके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। घटना के बाद श्रीधर के परिवार के सदस्यों ने महिला के घर के सामने धरना दिया और राजन्ना के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि राजन्ना ने महिला से फोन पर बात करने के कारण श्रीधर की हत्या कर दी। पता चला है कि राजन्ना ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। श्रीधर के भाई-बहन की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

स्वास्थ्य सेवा ढांचे को मजबूत करने में डॉक्टरों का योगदान असाधारण : राजा नरसिम्हा

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा ने मंगलवार को राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर सभी डॉक्टरों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के स्वास्थ्य सेवा ढांचे को मजबूत करने में डॉक्टरों का योगदान असाधारण है। यहां एक विज्ञप्ति में, राजा नरसिम्हा ने राज्य की स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने और लोगों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने में डॉक्टरों के प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि डॉक्टर सच्चे योद्धा हैं जो कोविड जैसी सबसे कठिन परिस्थितियों में भी दिन-रात काम करते हैं और लोगों की जान बचाते हैं। इस अवसर पर, मंत्री ने याद दिलाया कि वे हर तरह से डॉक्टरों का समर्थन कर रहे हैं। उन्होंने कहा, सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों को विभिन्न रोजगार अवसरों के बारे में सूचित किया जा रहा है। पिछले साल सिविल सहायक सर्जन के लगभग 430 पद और सहायक प्रोफेसर के 45 पद सफलतापूर्वक भरे गए थे। दंत चिकित्सकों की रोजगार की लंबे समय से चली आ रही इच्छा को देखते हुए 48 डेंटल सर्जनों की भर्ती के लिए अधिसूचना जारी की गई है। इसके अतिरिक्त सरकारी मेडिकल कॉलेजों में 607 सहायक प्रोफेसरों की भर्ती के लिए घोषणा की गई है। पिछले 18 महीनों में करीब एक हजार डॉक्टरों को पदोन्नति मिली है। मंत्री ने यह भी बताया कि उस्मानिया नया अस्पताल का निर्माण कार्य शुरू हो गया है, जो कई वर्षों से डॉक्टरों के लिए चिंता का विषय रहा है और जूनियर डॉक्टरों के वजीफे और सीनियर रेजिडेंट के मानदेय में 15 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। उन्होंने दोहराया कि राज्य सरकार भविष्य में डॉक्टरों को निरंतर सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर राजा नरसिम्हा ने डॉक्टरों से तेलंगाना राज्य में स्वास्थ्य क्षेत्र के और अधिक विकास की दिशा में काम करने की अपील की।

बालानगर में हिट एंड रन की घटना में एक व्यक्ति की मौत

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार सुबह एक हिट-एंड-रन घटना में, एक अज्ञात वाहन ने बालानगर फ्लाईओवर पर एक व्यक्ति को कुचल दिया। जानकारी के अनुसार, पीड़ित जिसकी पहचान अभी तक नहीं हो पाई है, सुबह 3 बजे के आसपास टहल रहा था, तभी बालानगर 'वाई' जंक्शन की ओर जा रही एक तेज रफ्तार गाड़ी ने उसे टक्कर मार दी। उसे कई गंभीर चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मार्ग से गुजर रहे अन्य वाहन चालकों ने बालानगर पुलिस को इसकी सूचना दी, जो मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

रात की ड्यूटी पर तैनात प्रोबेशन सब-इंस्पेक्टर एस वेंकटेशम अपने स्टाफ के साथ मृतक के शव को अस्पताल ले जाने के लिए घटनास्थल पर पहुंचे थे। इसी दौरान एक अन्य तेज रफ्तार भारी वाहन ने अधिकारी को टक्कर मार दी। वेंकटेशम के सिर और पैर में चोट आई है और उसे तुरंत पास के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। बालानगर पुलिस ने अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं। वाहन चालकों की पहचान कर उन्हें पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

कवाल टाइगर रिजर्व में जंगल सफारी 30 सितंबर तक स्थगित

मंचेरियल, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) के दिशा-निर्देशों के अनुसार कवाल टाइगर रिजर्व में 1 जुलाई से 30 सितंबर तक जंगल सफारी सेवा निलंबित कर दी गई है। जन्नाराम वन प्रभाग अधिकारी राममोहन राव ने एक बयान में कहा कि एनटीसीए के दिशा-निर्देशों के अनुपालन में रिजर्व में सेवा बंद कर दी गई है। उन्होंने कहा कि 1 अक्टूबर से इसे फिर से शुरू किया जाएगा। पर्यटकों को वन अधिकारियों के साथ सहयोग करने की सलाह दी गई है।

अक्टूबर तक एसआरएसपी में गोदावरी का प्रवाह जारी रखने के लिए खोले गए बाबली बैराज के गेट

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले के धर्माबाद तालुका में बबली बैराज के सभी 14 गेट मंगलवार को सुबह 9:38 बजे खोल दिए गए। यह फैसला सुप्रीम कोर्ट के 2023 के फैसले के अनुसार लिया गया है, जिसमें गोदावरी नदी के पानी को श्रीरामसागर परियोजना (एसआरएसपी) में प्रवाहित करने की अनुमति दी गई है। इस कदम का उद्देश्य तेलंगाना के निज़ामाबाद, आदिलाबाद और अन्य जिलों की पेयजल ज़रूरतों को पूरा करना है। इस साल 28 अक्टूबर तक गेट खुले रहेंगे, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि मानसून का पानी एसआरएसपी तक पहुँचे। इस प्रक्रिया की निगरानी महाराष्ट्र, तेलंगाना और केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) के अधिकारी कर रहे हैं।

अधिकारियों ने बताया कि बबली बैराज में मौजूदा भंडारण हाल के वर्षों में सबसे कम है। सिंचाई विभाग के आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले साल इसी तारीख को भंडारण 0.2 टीएमसीएफटी था, 2023 में 0.47 टीएमसीएफटी और 2022 में 0.04 टीएमसीएफटी तक कम हो सकता है। गेट खुलने के बाद, बैराज में जमा पानी और मानसून के प्रवाह से एसआरएसपी का स्तर बढ़ने की उम्मीद है। मंगलवार तक, एसआरएसपी में 80.50 टीएमसीएफटी की पूरी क्षमता के मुकाबले 15.67 टीएमसीएफटी पानी था, जबकि वर्तमान प्रवाह 1,800 क्यूसेक मापा गया है। यह पानी 9.6 लाख एकड़ से अधिक भूमि की सिंचाई और तेलंगाना की पेयजल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए महत्वपूर्ण है। बाबली बैराज लंबे समय से दोनों राज्यों के बीच एक विवादास्पद मुद्दा रहा है, लेकिन अब इसका प्रबंधन समान जल बंटवारे को सुनिश्चित करने के लिए सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसार संचालित होता है।

पर्यटकों के लिए अस्थायी रूप से बंद अमराबाद टाइगर रिजर्व

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अमराबाद टाइगर रिजर्व को पर्यटकों, आम जनता और वन्यजीव प्रेमियों के लिए 30 सितंबर तक अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। तेलंगाना वन विभाग ने पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने और जंगली जानवरों के संरक्षण को सुनिश्चित करने के लिए यह निर्णय लिया है। मानसून का मौसम बाघों सहित कई वन्यजीव प्रजातियों के प्रजनन चक्र के लिए महत्वपूर्ण होता है। वन विभाग ने कहा कि कोर ज़ोन को बंद करने से वन्यजीवों को बाहरी व्यवधान के बिना संभोग, प्रजनन और अपने बच्चों का पालन-पोषण करने का मौका मिलता है।

विभाग ने कहा कि मानसून के दौरान भारी बारिश से रास्ते फिसलन भरे हो सकते हैं, बाढ़ आ सकती है और जोखिम बढ़ सकता है, जिससे पर्यटकों और वन कर्मचारियों दोनों को खतरा हो सकता है। विभाग ने कहा कि रिजर्व के बंद होने से बुनियादी ढांचे की मरम्मत और आगामी पर्यटन सीजन के लिए तैयारी करने का अवसर भी मिलता है।

मैट्रिमोनियल साइट पर फर्जी लोगों ने एक व्यक्ति से ठगे 21 लाख रुपये

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के एक व्यक्ति को साइबर जालसाजों ने शादी का वादा करके एक लोकप्रिय वैवाहिक साइट पर 21 लाख रुपये की ठगी कर ली। बहादुरपुरा निवासी शिकायतकर्ता ने मैट्रिमोनियल साइट पर उपयुक्त दुल्हन की तलाश करते समय एक प्रोफ़ाइल में रुचि दिखाई और अनुरोध भेजा। जानकारी के अनुसार, दो व्यक्तियों ने खुद को भावी दुल्हन और उसकी बहन के रूप में पेश किया और उससे चैट करना शुरू कर दिया। संदिग्धों ने कथित तौर पर फर्जी पहचान का इस्तेमाल किया और विश्वास बनाने के लिए पाकिस्तान के जाने-माने अभिनेताओं का भी रूप धारण किया और भावनात्मक रूप से जोड़-तोड़ वाली बातचीत की। उन्होंने आगे जाली मेडिकल रिपोर्ट और अन्य दस्तावेज साझा किए, जिसमें दावा किया गया कि उनकी माँ गंभीर रूप से बीमार हैं और इलाज और चिकित्सा खर्च के लिए पैसे मांगे, उन्हें चुकाने का वादा किया। उन्होंने कुल 21.7 लाख रुपये वसूल लिए और जवाब देना बंद कर दिया। हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कविता ने विस्फोट पीड़ितों से की मुलाकात

सुरक्षा उपायों की मांग की

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी के कविता ने मंगलवार को पटनचेरु के एक निजी अस्पताल में इलाज करा रहे सिगाची उद्योग विस्फोट के घायल पीड़ितों से मुलाकात की। राज्य सरकार की लापरवाही की आलोचना करते हुए उन्होंने लगातार निरीक्षण करने और खतरनाक उद्योगों में सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने में ढिलाई बरतने की बात कही। औद्योगिक दुर्घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कविता ने सरकार पर सुरक्षा मानदंडों को लागू करने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने मृतकों के परिवारों के लिए एक करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि की मांग की और सरकार से घायलों के इलाज के लिए तुरंत ग्रीन चैनल के माध्यम से धनराशि जारी करने का आग्रह किया।

बीआरएस एमएलसी ने पारदर्शिता की कमी पर भी सवाल उठाया और कहा कि सरकार ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि विस्फोट के समय कितने कर्मचारी मौजूद थे और उनमें से कितने अभी भी लापता हैं। उन्होंने सभी औद्योगिक इकाइयों की तत्काल सुरक्षा ऑडिट की मांग की और कहा कि उद्योग में कुछ नाबालिग श्रमिकों के काम पर रखे जाने का संदेह है।

हरीश राव ने राहुल गांधी से तेलंगाना में बुलडोजर राज रोकने का किया आग्रह

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के वरिष्ठ नेता टी हरीश राव ने हाई कोर्ट के स्थगन आदेश के बावजूद हैदराबाद के गुट्टाला बेगमपेट में झोपड़ियों को गिराए जाने को लेकर कांग्रेस सरकार पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने कांग्रेस नेताओं राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे और मीनाक्षी नटराजन से आग्रह किया कि वे हस्तक्षेप करें और तेलंगाना में कांग्रेस सरकार को राज्य में अपना 'बुलडोजर राज' बंद करने के लिए मनाएं।

हरीश राव ने कहा कि रेवंत रेड्डी सरकार तेलंगाना में भी उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार की तरह ही 'बुलडोजर राज' चला रही है। उन्होंने कहा कि हाइड्रा अधिकारियों द्वारा भारी पुलिस बल की तैनाती के तहत किया गया विध्वंस अभियान कानूनी संयम या मानवीय गरिमा के प्रति कोई सम्मान नहीं दिखाता। उन्होंने कहा, 'गरीब परिवारों ने अपना सामान बचाने की भीख मांगी, लेकिन उनकी पुकार अनसुनी कर दी गई। अधिकारियों ने बिना किसी सहानुभूति के हर एक झोपड़ी को बेरहमी से जमीन पर गिरा दिया।'

कांग्रेस नेतृत्व के पाखंड की निंदा करते हुए पूर्व मंत्री ने कहा कि राहुल गांधी देश भर में बुलडोजर राजनीति की निंदा करते हैं और मोहब्बत की दुकान की बात करते हैं, जबकि तेलंगाना में उनकी अपनी पार्टी के मुख्यमंत्री क्रूर पुलिस बल के साथ गरीबों के जीवन को तबाह करके ठीक इसके विपरीत कर रहे हैं।

नए राज्य प्रमुख की घोषणा के बीच निजामाबाद के सांसद नहीं हुए बैठक में शामिल

हैदराबाद, 1 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। निजामाबाद के सांसद धर्मपुरी अरविंद के मंगलवार को मन्नेगुडा में होने वाली भाजपा की बैठक से दूर रहने के फैसले से पार्टी कार्यकर्ताओं और राजनीतिक हलकों में अटकलों का दौर शुरू हो गया है। बैठक में नए प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा की जानी है। एक्स पर पोस्ट करते हुए सांसद ने कहा कि व्यक्तिगत कारणों से, मैं आज राज्य पार्टी के कार्यक्रमों में शामिल नहीं होऊंगा। भाजपा की राज्य इकाई नए प्रदेश अध्यक्ष की औपचारिक घोषणा करने के लिए एक निजी कन्वेंशन सेंटर में बैठक कर रही है। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे, जो केंद्रीय चुनाव रिटर्निंग अधिकारी भी रह चुकी हैं, पूर्व एमएलसी एन रामचंदर राव को नए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के रूप में नियुक्त करने की घोषणा करेंगी।

अरविंद इस पद के प्रमुख दावेदारों में से एक थे और कथित तौर पर अपना नामांकन दाखिल करने के लिए तैयार थे। हालांकि, पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने रामचंदर राव को अपना नामांकन दाखिल करने का निर्देश दिया, जिसके परिणामस्वरूप सर्वसम्मति से चुनाव हुआ क्योंकि कोई अन्य नामांकन प्राप्त नहीं हुआ था। यह घटनाक्रम गोशामहल विधायक टी राजा सिंह द्वारा व्यक्त असंतोष के बाद हुआ है, जिन्होंने नेतृत्व के निर्णय के विरोध में पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। उनके इस्तीफे से भाजपा नेताओं के बीच जुबानी जंग छिड़ गई। मंगलवार की बैठक में अरविंद की अनुपस्थिति ने राज्य भाजपा इकाई के भीतर आंतरिक मतभेदों और बढ़ती अशांति के बारे में अटकलों को और बढ़ावा दिया है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.